U.P. Series

English

(Prose, Poetry, Supplementary Reader and Grammar)

A Complete Solution of Text Book

Class-10

PROSE

1. The Enchanted Pool

Summary in English

Yudhishthira was the eldest of Pandavas. He was known as 'Dharmaraj'. Once Yama, the Lord of Death, decides to put him into a test and he takes the form of the Yaksha. Yaksha creates a pool. Each Pandava tries to drink water without answering the Yaksha's questions and hence dies. When Yudhishthira comes near the pool, Yaksha puts many questions to be answered by Yudhishthira. In these questions were included: Who saves man in difficulty? Which moves faster than wind? What is more faded than a dried straw? Who is friend of a traveller? Who accompanies a man in death? By and so on. Yudhishthira answers all these questions of Yaksha wisely.

By wit of answering the questions, the Yaksha is impressed by the Dharmaraj. And he puts life again into the heart of all the four brothers of Yudhishthira. At last the Yaksha shows the real form of Dharmaraj and after embracing Yudhishthira he vanished away into the sky.

Summary in Hindi

युधिष्ठिर पांडवों में सबसे बड़े थे। वे 'धर्मराज' के नाम से जाने जाते थे। एक बार मृत्यु के देवता, यम उनकी परीक्षा लेने का फैसला करते हैं तथा यक्ष का रूप धारण कर लेते हैं। यक्ष एक सरोवर का निर्माण करते हैं। प्रत्येक पांडव यक्ष के प्रश्न का उत्तर दिए बिना सरोवर का पानी पीने का प्रयत्न करता है अंतत: मर जाता है। जब युधिष्ठिर सरोवर के पास आते हैं, यक्ष युधिष्ठिर के सम्मुख बहुत-से प्रश्न रखते हैं। इन प्रश्नों में शामिल थे— संकट में इंसान को कौन बचाता है? हवा से तीव्र गति से चलने वाला क्या है? तिनके से अधिक मुरझाया हुआ क्या होता है? यात्री का मित्र कौन है? मृत्यु के बाद इंसान के साथ कौन जाता है? आदि। युधिष्ठिर इन सभी प्रश्नों का बुद्धिमत्तापूर्वक उत्तर देते हैं।

धर्मराज द्वारा प्रश्नों के जवाब देने की वाकपटुता से यक्ष प्रभावित होते हैं और वे युधिष्ठिर के चारों भाइयों को दोबारा जीवन दे देते हैं। अंत में, यक्ष, अपना धर्मराज का वास्तविक रूप प्रकट करते है और युधिष्ठिर को गले लगाने के बाद आकाश में गायब हो जाते हैं।

Exercise

COMPREHENSION

Read the following passages and answer the questions that follow :

[A] Yudhishthira waited..... his voice and wept.

Vocabulary :

anxiety	-	चिंता, व्याकुलता	thirst	-	प्यास
subjected	-	अधीन करना, हराना	curse	-	श्राप
still	-	अभी भी	wandering	-	घूम रहे हैं
forest	-	जंगल	search	-	तलाश
water	-	पानी	fainted	-	बेहोश होना, मूर्च्छित होना
proceeded	-	आगे बढ़ना	direction	-	दिशा
tracts	-	इलाके, रास्ते	wild	-	जंगली
bear	-	भालू	spotted deer	-	चित्तीदार हिरन
forest birds	-	जंगली चिड़ियाँ	meadow	-	मैदान
flagpoles	-	खंभे	restrain	-	संयम
grief	-	दु:ख	lifted voice	-	रुँधी हुई आवाज
wept	-	रोने लगे			

हिंदी अनुवाद– युधिष्ठिर प्यासे थे और व्याकुलता के साथ अपने भाइयों के लौटने का इंतजार कर रहे थे। ''क्या उन्हें किसी ने श्राप दे दिया है या अब तक वे लोग पानी की तलाश में ही घूम रहे हैं? कहीं वे प्यास के मारे बेहोश तो नहीं हो गए या काल के गाल में समा गए हों? इन असहनीय विचारों और प्यास से बेहाल होने के कारण उन्होंने इंतजार करना छोड़ा तथा भाइयों व तालाब की तलाश में उम्मीद के साथ स्वयं ही चल पड़े।

युधिष्ठिर उसी दिशा में आगे बढ़ चले, जिस ओर उनके भाई गए थे। जंगली भालुओं, चित्तीदार हिरनों एवं विशाल जंगली चिड़ियों से पूरा रास्ता भरा पड़ा था। इसको पार करके वे हरे-भरे घास के मैदान में पहुँच गए, जिसके बीच में साफ पानी का एक सरोवर था। लेकिन जब उन्होंने वहाँ पर अपने भाइयों को खंभे की तरह पड़े देखा, तो वे अपने दु:ख पर काबू नहीं कर पाए। उनकी आवाज रुँध गईं और वे रोने लगे।

Q1 : What had Yudhishthira's brothers gone in search of ?
(युधिष्ठिर के भाई किसकी तलाश में गए थे?)

Ans: Yudhishthira's brothers had gone in search of water.
(युधिष्ठिर के भाई पानी की तलाश में गए थे।)

Q2 : What fear striked Yudhishthira's mind when his brothers did not come back?
(युधिष्ठिर के दिमाग में क्या भय आया जब उनके भाई वापस नहीं आए?)

Ans: When Yudhishthira's brothers did not come back he feared either (i) they have been subjected to a curse or they still are wandering in forest in search of water. (ii) they had fainted or died of thirst.
(जब युधिष्ठिर के भाई वापस नहीं आए तो वे भयभीत हो गए कि (i) या तो उन्हें किसी ने श्राप दे दिया है या अब तक वे लोग पानी की तलाश में ही घूम रहे हैं। (ii) या तो वे बेहोश हो गए या प्यास के कारण मर गए।)

Q3 : Why did Yudhishthira give up waiting for them?
(युधिष्ठिर ने उनका इंतजार करना क्यों छोड़ दिया?)

Ans: Yudhishthira gave up waiting for his brothers becuase he could not bear the fearful thoughts about them any longer.
(युधिष्ठिर ने भाइयों का इंतजार करना छोड़ दिया क्योंकि वे अपने भाइयों के बारे में आए भयानक विचारों को और आगे सहन न कर सके।)

Q4 : What made Yudhishthira weep?
(युधिष्ठिर क्यों रोने लगे?)

Ans: When Yudhishthira saw his brothers lying like flagpoles, then he unable to restrain his grief, he lifted his voice and wept.
(जब युधिष्ठिर ने अपने भाइयों को निढाल पड़े देखा तो वे अपने दु:ख को रोक न सके। उनका गला रुँध गया और वे रोने लगे।)

[B] He touched the faces ..... belongs to me."

Vocabulary :

touched	-	छुए	faces	-	चेहरे
still and silent	-	बेजान से पड़े रहना	mourned	-	विलाप किया
vows	-	प्रतिज्ञाएँ	exile	-	वनवास
forsaken	-	बेसहारा छोड़ दिया	misfortune	-	संकट
mighty	-	शक्तिशाली	limbs	-	अंग
helpless	-	असहाय, निढाल	wondered	-	आश्चर्य हुआ
descended	-	उतरा	overpowering	-	तीव्र
warned	-	आगाह, चेतावनी	heed	-	ध्यान
quench	-	बुझाना	belongs to me	-	मेरा है

हिंदी अनुवाद– उन्होंने भीम व अर्जुन के चेहरों को छुआ, जो बेजान से पड़े हुए थे, और विलाप करने लगे– ''क्या हमारी समस्त प्रतिज्ञाओं का यही हश्र होना था? जब हमारा वनवास समाप्त होने वाला है, तुम लोगों को मुझसे छीन लिया गया। यहाँ तक कि देवताओं ने भी विपत्ति में मेरा साथ छोड़ दिया।''

जब उन्होंने अपने भाइयों के बलशाली अंग-प्रत्यंगों को देखा, जो अब असहाय थे तो दु:ख के साथ उन्हें आश्चर्य भी हुआ कि इतनी शक्ति किसमें है जो इन्हें मार सके। इसके बाद वे स्वयं सरोवर में उतरे क्योंकि प्यास के कारण पानी उन्हें अपनी ओर खींच रहा था। तुरंत ही एक अदृश्य आवाज ने चेतावनी देते हुए कहा– ''तुम्हारे भाइयों ने मृत्यु का वरण कर लिया क्योंकि उन्होंने मेरी चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया था। मेरे प्रश्नों का उत्तर दिए बिना ही उन्होंने पानी पीना चाहा। उनका अनुसरण मत करो। पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो और उसके बाद अपनी प्यास बुझाओ। यह सरोवर मेरा है।''

Q1 : What had happened to Yudhishthira's brothers?
(युधिष्ठिर के भाइयों को क्या हुआ था?)

Ans: Yudhisthira's brothers had lain dead.
(युधिष्ठिर के भाई मृत पड़े हुए थे।)

Q2 : What did Yudhishthira mourn?
(युधिष्ठिर दु:खित क्यों थे?)

Ans: Seeing his brothers lay still and silent, Yudhishthira mourned.
(अपने भाइयों को निढाल पड़े देखकर युधिष्ठिर दु:खित हुए।)

Q3 : What did he wonder to see helpless mighty limbs of his brothers?
(अपने भाइयों के शक्तिशाली अंग-प्रत्यंगों को असहाय देखकर उसे क्या आश्चर्य हुआ?)

Ans: To see helpless mighty limbs of his brothers Yudhishthira wondered who could have been powerful enough to kill them.
(अपने भाइयों के शक्तिशाली अंग-प्रत्यंगों को असहाय देखकर युधिष्ठिर को आश्चर्य हुआ कि कौन इतना शक्तिशाली हो सकता है जो उन्हें मार सके।)

Q4 : What made Yudhishthira to descend into the pool?
(युधिष्ठिर को सरोवर की तरफ कौन खींच रहा था?)

Ans: Yudhishthira's overpowering thirst made him descend into the pool.
(युधिष्ठिर की तीव्र प्यास उसे सरोवर की ओर खींच रही थी।)

Q5 : Whose voice was it that warned Yudhishthira?
(यह किसकी आवाज थी जिसने युधिष्ठिर को चेतावनी दी?)

Ans: The voice was of the owner of the pool, the Yaksha that warned Yudhishthira.
(आवाज सरोवर के मालिक यक्ष की थी जिसने युधिष्ठिर को चेतावनी दी।)

[C] It did not take ..... solitary journey after death.

Vocabulary :

moment	-	क्षण	guessed	-	अनुमान लगा लिया
possible way	-	उचित रास्ता	bodiless	-	शरीर रहित
rapidly	-	तेजी से, बौछार	rescues	-	बचाता है
in danger	-	खतरे में	courage	-	साहस
association	-	संगति	swifter	-	शीघ्रगामी
mind	-	मन	faded	-	मुरझाया हुआ
dried straw	-	सूखा तिनका	stricken	-	डूबा हुआ, घायल
traveller	-	यात्री	accompanies	-	साथ देना
solitary	-	अकेला			

हिंदी अनुवाद– युधिष्ठिर को यह समझने में अधिक देर नहीं लगी कि यह आवाज किसी यक्ष की है और अनुमान लगा लिया कि उनके भाइयों के साथ क्या हुआ है। उनको यह समझने में पल भर का समय भी नहीं लगा कि भाइयों के शरीर में पुन: प्राण वापस कैसे लाए जा सकते हैं। उन्होंने अदृश्य आवाज से कहा– ''कृपया अपने प्रश्न पूछिए।''

आवाज ने एक के बाद एक प्रश्नों की बौछार कर दी।

''खतरे में मनुष्य को कौन बचाता है?''

''साहस''

''किस विज्ञान का अध्ययन मनुष्य को विवेकवान बनाता है?''

''किसी शास्त्र के अध्ययन से मनुष्य विवेकवान नहीं बनता है। विवेकवान लोगों की संगति ही उसे विवेकवान बनाती है।''

यक्ष ने प्रश्न किया– ''हवा से भी तेज चलने वाला क्या है?''

''मन।''

''सूखी हुई घास से भी अधिक मुरझाया हुआ क्या है?''

''दु:ख में डूबा हुआ हृदय।''

''यात्री का मित्र कौन है?''

''ज्ञान।''

''घर पर रहने वाले का साथी कौन है?''

''पत्नी।''

''मृत्यु के समय कौन साथ देता है?''

''धर्म। मृत्यु के बाद आगे की यात्रा में केवल यही आत्मा की एकांत यात्रा का साथी होता है।''

Q1: What did Yudhishthira understand in no time?
(युधिष्ठिर को क्या समझने में अधिक समय नहीं लगा?)

Ans: Yudhishthira understood in no time that these were the words of Yaksha.
(युधिष्ठिर को यह समझने में अधिक समय नहीं लगा कि ये शब्द यक्ष के हैं।)

Q2 : What did Yudhishthira do to bring his brothers back to life?
(अपने भाइयों को पुनर्जीवित कराने के लिए युधिष्ठिर ने क्या किया?)

Ans: To bring his brothers back to life Yudhishthira became ready to answer the questions of Yaksha.
(अपने भाइयों को पुनर्जीवित कराने के लिए युधिष्ठिर यक्ष के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए तैयार हो गए।)

Q3 : What according to Yudhishthira rescues man in danger?
(युधिष्ठिर के अनुसार खतरे में इंसान को कौन बचाता है?)

Ans: According to Yudhishthira courage rescues man in danger.
(युधिष्ठिर के अनुसार खतरे में इंसान को साहस बचाता है।)

Q4 : What is swifter than the wind?
(हवा से भी तेज चलने वाला क्या है?)

Ans: Mind is swifter than the wind.
(हवा से भी तेज चलने वाला मन है।)

Q5 : What is more faded than a dried straw?
(सूखी घास से भी अधिक मुरझाया हुआ क्या होता है?)

Ans: A sorrow-stricken heart is more faded than a dried straw.
(दु:ख में डूबा हुआ हृदय सूखी घास से भी अधिक मुरझाया हुआ होता है।)

Q6 : Who accompanies man in death?
(मृत्यु के समय कौन साथ देता है?)

Ans: Dharma accompanies man in death.
(मृत्यु के समय धर्म साथ देता है।)

[D] Which is the biggest vessel ..... is the greatest wonder."

Vocabulary :

vessel	-	बर्तन	earth	-	पृथ्वी
contains	-	रखती है	pride	-	घमंड
yields	-	बढ़ता है	anger	-	क्रोध
subject to sorrow	-	दु:ख का कारण	desire	-	इच्छा
greedy	-	लालची	wealthy	-	धनी
good conduct	-	अच्छा व्यवहार	decisively	-	सोच-समझकर, स्पष्ट रूप से
habits	-	आदतें	four Vedas	-	चार वेद (ऋग्वेद,सामवेद, यजुर्वेद व अथर्ववेद
lower class	-	निम्न जाति	wonder	-	आश्चर्य
creatures	-	प्राणी	depart	-	जाते हुए, रवाना होना
Yama's Kingdom	-	यमलोक	remain	-	जीवित

हिंदी अनुवाद– ''सबसे बड़ा बर्तन कौन-सा है?''

''पृथ्वी, जो अपने में सब कुछ सँजोए हुए है, सबसे बड़ा बर्तन है।''

''प्रसन्नता क्या है?''

''अच्छे आचरण का परिणाम ही प्रसन्नता है।''

''वह क्या है जिसको छोड़ देने से सबको स्नेह प्राप्त होता है?''

''घमंड। यदि मनुष्य घमंडी होना छोड़ दे तो उसे सबका स्नेह मिलने लगेगा।''

''किसका नाश होने से आनंद बढ़ता है, दु:ख नहीं?''

''क्रोध, यदि हम क्रोधी होना छोड़ दें तो दु:ख में फँसे नहीं रहेंगे।''

''वह क्या है, जिसको छोड़ने से मनुष्य धनवान बन जाता है?''

''लालच। यदि इंसान लालची स्वभाव छोड़ दे तो वह धनवान बन जाएगा।''

''कोई वास्तविक 'ब्राह्मण' कैसे बनता है? क्या यह जन्म, अच्छा आचरण या ज्ञान है? स्पष्ट रूप से बताओ।''

''जन्म और ज्ञान से कोई ब्राह्मण नहीं बनता है, केवल अच्छा आचरण ही किसी को ब्राह्मण बनाता है। कोई मनुष्य कितना ही ज्ञानी क्यों न हो, वह तब तक ब्राह्मण नहीं बन सकता, जब तक कि वह दुर्गुणों को न छोड़ दे। यदि कोई मनुष्य चारों वेदों का ज्ञाता है लेकिन दुर्गुणी है तो वह निम्न जाति में गिना जाएगा।''

''संसार का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?''

''प्रतिदिन मनुष्य प्राणियों को यमलोक जाते हुए देखते हैं, तब भी जो जीवित हैं वे अनंतकाल तक जीवित रहने की लालसा रखते हैं। वास्तव में यही सबसे बड़ा आश्चर्य है।''

Q1 : What is the biggest vessel as told by Yudhishthira?
(युधिष्ठिर द्वारा बताया गया सबसे बड़ा बर्तन कौन-सा है?)

Ans: The earth is the biggest vessel as told by Yudhishthira.
(युधिष्ठिर द्वारा बताया गया सबसे बड़ा बर्तन पृथ्वी है।)

Q2 : What is happiness?
(प्रसन्नता क्या है?)

Ans: Happiness is the result of good conduct.
(अच्छे आचरण का परिणाम ही प्रसन्नता है।)

Q3 : After giving up what, a man is loved by all ?
(क्या छोड़ने के बाद, मनुष्य को सबका स्नेह प्राप्त होता है?)

Ans: After giving up pride, a man is loved by all.
(घमंड छोड़ने के बाद, मनुष्य को सबका स्नेह प्राप्त होता है।)

Q4 : By giving up what, a man becomes rich?
(क्या छोड़ने से, मनुष्य धनवान बन जाता है?)

Ans: By giving up greed, a man becomes rich.
(लालच छोड़ने से, मनुष्य धनवान बन जाता है।)

Q5 : What is the loss which yields joy and not sorrow?
(किसका नाश होने से दु:ख के स्थान पर सुख प्राप्त होता है?)

Ans: Loss of anger yields joy and not sorrow.
(क्रोध का नाश होने से दु:ख के स्थान पर सुख प्राप्त होता है।)

Q6 : What makes one a real Brahmana?
(कौन-सी वस्तु किसी व्यक्ति को वास्तविक ब्राह्मण बनाती है?)

Ans: Good conduct alone makes one a real Brahmana.
(अच्छा आचरण व्यक्ति को वास्तविक ब्राह्मण बनाता है।)

Q7 : What is the greatest wonder in the world?
(संसार का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?)

Ans: Everyday men see creatures depart to Yama's kingdom; and yet those who remain want to live for ever. This is the greatest wonder in the world.
(प्रतिदिन मनुष्य प्राणियों को यमलोक जाते हुए देखते हैं, फिर भी जो जीवित हैं वे अनंतकाल तक जीवित रहने की लालसा रखते हैं। यही संसार का सबसे बड़ा आश्चर्य है।)

[E] Thus, the Yaksha put ..... either of these two."

Vocabulary :

thus	-	इस प्रकार	revived	-	पुनर्जीवित करना
moment	-	क्षण	wished	-	इच्छा प्रकट की
cloud-complexioned	-	मेघवर्ण	lotus-eyed	-	कमल नयन
broad-chested	-	चौड़े सीने वाला	long-armed	-	लंबी भुजाओं वाला
ebony tree	-	आबनूस (तेंदू) का वृक्ष	pleased	-	प्रसन्न हुआ
in preference to	-	के बजाय	strength	-	शक्ति
protection	-	सुरक्षा			

हिंदी अनुवाद– इस प्रकार यक्ष ने अनेक प्रश्न किए और युधिष्ठिर ने उन सबका उत्तर दिया। अंत में यक्ष ने पूछा– ''हे राजन्, तुम्हारे मृत भाइयों में से एक को पुनर्जीवित किया जा सकता है। तुम किसको जीवित देखना चाहते हो?''

युधिष्ठिर ने एक पल के लिए सोचा और फिर इच्छा प्रकट की कि मेघ वर्ण, कमल नयन, चौड़े सीने व लंबी भुजाओं के स्वामी नकुल को जीवित कर दिया जाए, जो गिरे हुए तेंदू के वृक्ष-सा पड़ा है।

ऐसा सुनकर यक्ष प्रसन्न हुआ और युधिष्ठिर से पूछा– ''तुमने भीम के स्थान पर नकुल को ही क्यों जीवित करना चाहा, जिसमें सोलह हजार हाथियों का बल है? मैंने सुना है कि तुमको भीम ही सर्वाधिक प्रिय है। और अर्जुन को क्यों नहीं चुना, जिसके शस्त्र तुम्हारे रक्षा कवच हैं? मुझे बताओ कि इन दोनों के स्थान पर तुमने नकुल को ही क्यों चुना?

Q1: Did Yudhishthira answer the Yaksha's questions satisfactorily?
(क्या युधिष्ठिर ने यक्ष के प्रश्नों के संतोषजनक ढंग से उत्तर दिए?)

Ans: Yes, Yudhishthira answered the Yaksha's questions satisfactorily.
(हाँ, युधिष्ठिर ने यक्ष के प्रश्नों के संतोषजनक ढंग से उत्तर दिए।)

Q2 : Which of his brothers did Yudhishthira choose to be alive?
(युधिष्ठिर ने अपने कौन-से भाई को जीवित करने के लिए चुना?)

Ans: Yudhishthira chose Nakula to be alive.
(युधिष्ठिर ने नकुल को जीवित करने के लिए चुना।)

Q3 : What made the Yaksha pleased?
(यक्ष क्यों प्रसन्न हुआ?)

Ans: The Yaksha was pleased with the answer of Yudhishthira.
(यक्ष युधिष्ठिर के उत्तर सुनकर प्रसन्न हुआ।)

Q4 : What did the Yaksha ask Yudhishthira about his choice to have Nakul alive?
(नकुल को जीवित करने के लिए चुनने पर यक्ष ने युधिष्ठिर से क्या पूछा?)

Ans: Yaksha asked Yudhishthira the reason why he chose Nakul to be alive.
(यक्ष ने युधिष्ठिर से कारण पूछा कि उसने नकुल को ही जीवित रखने के लिए क्यों चुना।)

[F] Yudhishthira replied ..... he disappeared.

Vocabulary :

replied	-	उत्तर दिया	shield	-	सुरक्षा, ढाल
given up	-	त्याग दिया जाए	ruined	-	नष्ट, पतन
bereaved	-	वंचित	even	-	सही
impartiality	-	निष्पक्षता	embraced	-	गले लगाया
blessed	-	आशीर्वाद दिया	disappeared	-	गायब हो गया

हिंदी अनुवाद– युधिष्ठिर ने उत्तर दिया– '' हे यक्ष, केवल धर्म ही मनुष्य की ढाल है, भीम या अर्जुन नहीं। यदि 'धर्म' को छोड़ दिया जाए तो मनुष्य का पतन हो जाएगा। कुंती और माद्री मेरे पिता की दो पत्नियाँ थीं। मैं कुंती के पुत्र के रूप में जीवित हूँ, जिससे वे पुत्र से पूरी तरह वंचित नहीं हैं। ताकि न्याय का संतुलन बना रहे इसलिए मैंने माद्री के पुत्र में पुन: प्राण फूँकने के लिए कहा है।

युधिष्ठिर की निष्पक्षता व न्यायभाव से यक्ष अत्यन्त प्रसन्न हुआ और उसने उनके सभी भाइयों के प्राण लौटा दिए।

ये मृत्यु के देवता यमराज थे, जिन्होंने यक्ष रूप धारण किया था ताकि युधिष्ठिर से मिलकर उन्हें कसौटी पर परखा जा सके। उन्होंने युधिष्ठिर को गले से लगाकर आशीर्वाद दिया फिर वे अदृश्य हो गए।

Q1 : What is the shield of man according to Yudhishthira?
(युधिष्ठिर के अनुसार मनुष्य की ढाल क्या है?)

Ans: According to Yudhishthira, dharma is the shield of man.
(युधिष्ठिर के अनुसार धर्म मनुष्य की ढाल है।)

Q2 : According to Yudhishthira how will a man be ruined?
(युधिष्ठिर के अनुसार मनुष्य का पतन कैसे हो जाएगा?)

Ans: According to Yudhishthira if dharma is given up, a man will be ruined.
(युधिष्ठिर के अनुसार यदि धर्म को छोड़ दिया जाए तो मनुष्य का पतन हो जाएगा।)

Q3 : Who were the two wives of Yudhishthira's father?
(युधिष्ठिर के पिता की दो पत्नियाँ कौन थीं?)

Ans: Kunti and Madri were the two wives of Yudhishthira's father.
(युधिष्ठिर के पिता की दो पत्नियाँ कुंती तथा माद्री थीं।)

Q4 : What reason did Yudhishthira give about his choice of Nakula to be alive?
(युधिष्ठिर ने नकुल को जीवित करने का क्या कारण बताया?)

Ans: Yudhishthira gave reason about his choice of Nakula to be alive that he wanted to follow his dharma by reviving Nakula, the son of Madri.
(युधिष्ठिर ने नकुल को जीवित कराने का कारण बताया कि वह माद्री के पुत्र नकुल को जीवित कराकर अपने धर्म का पालन करना चाहते थे।)

Q5 : Who was the Yaksha actually?
(वास्तव में यक्ष कौन थे?)

Ans: The Yaksha actually was Yama, the Lord of Death.
(वास्तव में यक्ष मृत्यु के देवता, यम थे।)

Q6 : How did the Yaksha reward Yudhishthira?
(यक्ष ने युधिष्ठिर को किस प्रकार पुरस्कृत किया?)

Ans: Yaksha was most pleased with Yudhishthira's impartiality and all his brothers revived.
(यक्ष युधिष्ठिर की निष्पक्षता से खुश हो गए और उसके सभी भाइयों को पुनर्जीवित कर दिया।)

LONG ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : What happened to all Yudhishthira's brothers?
(युधिष्ठिर के सभी भाइयों को क्या हुआ था?)

Ans: Yudhishthira was the eldest of five brothers. They all were living in exile. One day they felt overpowering thirst. So four brother's of Yudhishthira started in search of water. They had to pass through a forest full of bear, deer and wild birds. Ultimately they reached a pool of water. They wanted to drink the water. At once a bodiless voice warned them to answer his questions. Without answering his questions they could not drink the water. But they did not pay heed to his words and wanted to drink water. So he killed them.
(युधिष्ठिर पाँच भाइयों में सबसे बड़े थे। वे सब वनवास में रह रहे थे। एक दिन उन्हें तीव्र प्यास लगी। अत: युधिष्ठिर के चारों भाई पानी की तलाश में निकल पड़े। उन्हें भालुओं, हिरन तथा जंगली पक्षियों से भरे हुए जंगलों से होकर निकलना पड़ा। आखिर में वे पानी के एक तालाब पर पहुँचे। वे पानी पीना चाहते थे। तभी एक बिना शरीर की आवाज ने उन्हें चेतावनी दी कि उसके प्रश्नों के उत्तर दो। प्रश्नों के उत्तर दिए बिना वे पानी नहीं पी सकते। किंतु उन्होंने उसको शब्दों पर ध्यान नहीं दिया और पानी पीना चाहा। अत: उसने उन्हें मार डाला।)

Q2 : Who was the Yaksha? Why had he come to test Yudhishthira without form?
(यक्ष कौन था? वह युधिष्ठिर की परीक्षा लेने के लिए अपने वेश के बिना क्यों आया था?)

Ans: Yaksha was Yama, the Lord of Death. He had taken the form of Yaksha to see and test Yudhishthira the eldest of five brothers. Yudhishthira was known as 'Dharmaraj'. So Yaksha wanted to check the qualities of Yudhishthira. For this, he asked many questions to him rapidly. Yudhishthira answered all the questions of Yaksha wisely. Yaksha was pleased by the answers of Yudhishthira.
(यक्ष मृत्यु के देवता यम थे। उन्होंने पाँचों भाइयों में सबसे बड़े युधिष्ठिर को देखने और उसकी परीक्षा लेने के लिए यक्ष का

रूप धारण कर लिया था। युधिष्ठिर 'धर्मराज' के नाम से भी जाने जाते थे। अत: यक्ष युधिष्ठिर के गुणों की जाँच करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने युधिष्ठिर से तेजी से प्रश्न पूछे। युधिष्ठिर ने यक्ष के सभी प्रश्नों के बुद्धिमत्तापूर्वक उत्तर दिए। यक्ष युधिष्ठिर के उत्तरों से प्रसन्न थे।)

Q3 : What questions did the Yaksha ask Yudhishthira?
(यक्ष ने युधिष्ठिर से क्या प्रश्न पूछे?)

Ans: Yaksha put many questions to Yudhishthira. In these questions are included: What rescues man in danger?; By the study of which science does man become wise?; What is swifter than the wind?; What is more faded than a dried straw?; What befriends a traveller?; Who is the friend of one who stays at home?; Who accompanies a man in death?; Which is the biggest vessel?; What is happiness?; What makes one a real Brahmana? and so on.
(यक्ष ने युधिष्ठिर से अनेक प्रश्न पूछे। इनमें शामिल थे— खतरे के समय मनुष्य की रक्षा कौन करता है?; कौन से विज्ञान का अध्ययन करके मनुष्य बुद्धिमान हो जाता है?; हवा से तेज चलने वाला कौन है?; सूखी घास से भी अधिक मुरझाया हुआ कौन होता है?; यात्री का मित्र कौन होता है?; घर पर व्यक्ति का मित्र कौन होता है?; मृत्यु के बाद मनुष्य का साथ कौन देता है?; सबसे बड़ा बर्तन कौन-सा है?, सुख क्या है?; कौन-सी एक बात मनुष्य को सच्चा ब्राह्मण बनाती है? इस प्रकार यक्ष ने बहुत-से प्रश्न पूछे।

Q4 : Give a character sketch of Yudhishthira as an impartial and justice-loving person.
(युधिष्ठिर का निष्पक्ष तथा न्याय-प्रिय के रूप में चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans: **A loving brother:** Yudhishthira was the eldest of all Pandavas. He loved all of them greatly. They had been living in exile. When Yudhishthira saw his brothers lying dead, he could not bear their separation. He cried loudly and mourned.
Brave and intelligent: Yudhishthira was a brave man. He could face any situation. He was very intelligent also. He answered all questions satisfactorily asked by Yaksha.
As an impartial: When Yaksha asked Yudhishthira about the brother he would like to revive, Yudhishthira asked Nakula to be revived. Thus Yudhishthira proved that he was impartial.
Love for justice: Yudhishthira loved justice very much. But So he chose Nakula to be revived so that the scale, of justice should be even. Yudhishthira was known as 'Dharmaraj' for his love for justice.
एक प्रिय भाई– युधिष्ठिर सभी पांडवों में सबसे बड़े थे। वे उन सभी को बहुत प्रेम करते थे। वे वनवास में रह रहे थे। जब युधिष्ठिर ने अपने भाइयों को मृत पड़े देखा तब वे उनके वियोग को सहन न कर सके। वे जोर से रोने लगे और विलाप करने लगे।

बहादुर और समझदार– युधिष्ठिर बहादुर व्यक्ति थे। वे किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकते थे। वे बहुत समझदार भी थे। उन्होंने यक्ष द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

निष्पक्ष के रूप में– जब यक्ष ने युधिष्ठिर से उसके भाई के विषय में पूछा, जिसे वह पुनर्जीवित करवाना चाहेगा, तो युधिष्ठिर ने नकुल को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। अत: युधिष्ठिर ने सिद्ध कर दिया कि वे निष्पक्ष हैं।

न्याय प्रेमी– युधिष्ठिर न्याय से बहुत प्रेम करते थे। वह स्वयं कुंती के पुत्र के रूप में जीवित थे। परंतु माद्री के दोनों पुत्रों में से कोई भी जीवित नहीं था। अत: उन्होंने पुनर्जीवित कराने के लिए नकुल को चुना ताकि न्याय की तराजू के पलड़े बराबर रहें। युधिष्ठिर अपनी न्यायप्रियता के कारण 'धर्मराज' के नाम से जाने जाते थे।

Q5 : Why did Yudhishthira prefer Nakula to be alive?
(युधिष्ठिर ने नकुल को जीवित कराने के लिए क्यों चुना?

Ans: In search of his brothers, Yudhishthira reached the same pool.When he wanted to drink water, he also heard the same warning that his brothers have heard. His brothers were lying dead near the pool. But Yudhishthira answered all the questions of Yaksha. Yaksha was most pleased by his answers. So he became ready to revive one of his brothers of his choice. Yudhishthira chose Nakula, the son of Madri bccause he, the son of Kunti, was alive. So Kunti was not completely bereaved. In order to keep the scales of justice even, he wanted to revive Madri's son, Nakula.)
(अपने भाइयों की तलाश में युधिष्ठिर उसी तालाब पर पहुँच गए। जब वे पानी पीना चाहते थे तब उन्होंने भी वही चेतावनी सुनी जो उनके भाइयों ने सुनी थी। उनके भाई तालाब के पास ही मृत पड़े थे। किंतु युधिष्ठिर ने यक्ष के सभी प्रश्नों के उत्तर दे दिए। यक्ष उनके उत्तरों से बहुत प्रसन्न हुआ। अत: वह उनकी पसंद के किसी एक भाई को पुनर्जीवित करने के लिए तैयार हो गया।
युधिष्ठिर ने माद्री के पुत्र नकुल को चुना। क्योंकि वे, कुंती के पुत्र के रूप में जीवित थे। इसलिए कुंती पूर्ण रूप से दु:खी नहीं थी। न्याय के पलड़े बराबर रखने के लिए वे माद्री के पुत्र नकुल को पुनर्जीवित कराना चाहते थे।)

Q6 : How did Yudhishthira proved himself impartial?
(युधिष्ठिर ने स्वयं को निष्पक्ष कैसे सिद्ध किया?)

Ans: When Yudhishthira reached near the pool, he saw his brothers lying dead on the ground. He heard a voice without form, which warned him. This was the voice of Yaksha. He asked him to answer his questions. Yudhishthira answered all the questions of Yaksha. Yaksha was pleased by his answers. So he became ready to revive one of his brothers of his choice.
Yudhishthira chose Nakula, the son of Madri becuase he, the son of Kunti, was alive. So Kunti was not completely bereaved. In order to keep the scales of justice even, he wanted to revive Madri's son Nakula. Thus he proved himself impartial.
(जब युधिष्ठिर सरोवर के पास पहुँचे, तो उन्होंने अपने भाइयों को जमीन पर मरे हुए पड़े देखा। उन्होंने एक अदृश्य आवाज सुनी। यह यक्ष की आवाज थी। उसने उन्हें अपने प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहा। युधिष्ठिर ने यक्ष के सभी प्रश्नों के उत्तर दे दिए। यक्ष उनके उत्तरों से बहुत प्रसन्न हुआ। अत: वह उनकी पंसद के किसी एक भाई को पुनर्जीवित करने के लिए तैयार हो गया।

युधिष्ठिर ने माद्री के पुत्र नकुल को चुना। क्योंकि वे, कुंती के पुत्र के रूप में जीवित थे। इसलिए कुंती पूर्ण रूप से दु:खी नहीं थी। न्याय के पलड़े बराबर रखने के लिए वे माद्री के पुत्र नकुल को पुनर्जीवित कराना चाहते थे। इस प्रकार युधिष्ठिर ने स्वयं को निष्पक्ष सिद्ध कर दिया।

SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : Who was Yudhishthira?
(युधिष्ठिर कौन थे?)

Ans: Yudhishthira was the eldest of all Pandavas. He was known as 'Dharmaraj'.
(युधिष्ठिर सभी पांडवों में सबसे बड़े थे। वे 'धर्मराज' के नाम से जाने जाते थे।)

Q2 : Where had all his brothers gone?
(उनके सभी भाई कहाँ जा चुके थे?)

Ans: His all brothers had gone in search of water.
(उनके सभी भाई पानी की तलाश में जा चुके थे।)

Q3 : Why did his brothers not return?
(उनके भाई वापस क्यों नहीं लौटे?)

Ans: His brothers did not return because they had died.
(उनके भाई वापस नहीं आए क्योंकि वे मर चुके थे।)

Q4: What doubts were bothering Yudhishthira when his brothers did not come back?
(युधिष्ठिर को किन संदेहों ने परेशान किया हुआ था, जब उनके भाई वापस नहीं लौटे?)

Ans: Yudhishthira doubted whether his brothers might have fainted or died of thirst, or might have been subjected to a curse or were still wondering in forest for water. These thoughts were bothering Yudhishthira when his brothers did not come back.
(युधिष्ठिर ने संदेह किया कि वे प्यास के कारण बेहोश हो गए होंगे या मर गए होंगे, किसी श्राप के शिकार हो गए होंगे या अभी तक पानी की खोज में घूम रहे होंगे। इन विचारों ने युधिष्ठिर को परेशान कर रखा था, जब उसके भाई वासप नहीं लौटे।)

Q5: What did Yudhishthira find when he reached near the pool?
(जब युधिष्ठिर सरोवर के पास पहुँचे, उन्होंने क्या पाया?)

Ans: When Yudhishthira reached near the pool, he found his brothers were lying dead.
(जब युधिष्ठिर सरोवर के पास पहुँचे उन्होंने पाया कि उनके भाई मरे हुए पड़े थे।)

Q6: What did Yudhishthira mourn?
(युधिष्ठिर दु:खी क्यों हुए?)

Ans: Seeing his brothers lying dead on the ground, Yodhishthira mourned.
(अपने भाइयों को जमीन पर मरा हुआ पड़े देखकर युधिष्ठिर दु:खी हुए।)

Q7: Why did Yudhishthira descend into the pool?
(युधिष्ठिर सरोवर में क्यों उतरे?)

Ans: Yudhishthira descended into the pool to quench his overpowering thirst.
(युधिष्ठिर अपनी तीव्र प्यास बुझाने के लिए सरोवर में उतरे।)

Q8 : Who stopped Yudhishthira from drinking water?
(युधिष्ठिर को पानी पीने से किसने रोका?)

Ans: Yaksha, the owner of the pool, stopped Yudhishthira from drinking water.
(सरोवर के मालिक यक्ष ने युधिष्ठिर को पानी पीने से रोका।)

Q9 : What did the Yaksha tell Yudhishthira about the death of his brothers?
(यक्ष ने युधिष्ठिर को उनके भाइयों की मृत्यु के विषय में क्या बताया?)

Ans: Yaksha told Yudhishthira that his brothers died because they did not heed his words and wanted to drink water before answering the questions.
(यक्ष ने युधिष्ठिर को बताया कि उसके भाइयों की मृत्यु इस कारण हुई क्योंकि उन्होंने उसके शब्दों पर ध्यान नहीं दिया और वे उसके प्रश्नों के उत्तर देने से पहले पानी पीना चाहते थे।)

Q10: Why is mind said swifter than the wind ?
(मन को हवा से तेज क्यों कहा गया है?)

Ans: Mind is described as swifter than the wind because it reflects idea within a moment.
(मन को हवा से भी तेज इसलिए कहा गया है, क्योंकि यह विचारों को पल में ही प्रकट कर देता है।)

Q11: How can a person become rich and loved by all according to Yudhishthira?
(युधिष्ठिर के अनुसार एक व्यक्ति धनवान कैसे हो सकता है और सभी का प्यार कैसे प्राप्त कर सकता है?)

Ans: According to Yudhishthira by giving up desire a person can become rich and by giving up pride a person can be loved by all.
(युधिष्ठिर के अनुसार इच्छाओं का त्याग करके एक व्यक्ति धनवान बन सकता है तथा घमंड का त्याग करके सभी का प्यार प्राप्त कर सकता है।)

Q12: What is the greatest surprise in this world?
(इस संसार में सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?)

Ans: Everyday men see creatures depart to Yama's Kingdom, and yet those who remain want to live forever. This truth is the greatest wonder.
(प्रतिदिन मनुष्य प्राणियों को यमलोक जाते हुए देखते हैं और फिर भी जो बच जाते हैं वे सदा के लिए जीवित रहना चाहते हैं। यह वास्तव में सबसे बड़ा आश्चर्य है।)

Q13: Why did Yudhishthira want Nakula to be alive?
(युधिष्ठिर नकुल को जीवित कराना क्यों चाहते थे?)

Ans: Yudhishthira wanted Nakula to be alive because his father had two wives, Kunti and Madri. He himself, the son of Kunti was alive. So Kunti was not completely bereaved. In order to keep the scales of justice even, he wanted to revive Madri's son Nakula.
(युधिष्ठिर नकुल को जीवित कराना चाहते थे क्योंकि उनके पिता की दो पत्नियाँ थीं, कुंती और माद्री। वे स्वयं, कुंती के पुत्र के रूप में जीवित थे। इसलिए कुंती पूर्ण रूप से दु:खी नहीं थी। न्याय के पलड़े बराबर रखने के लिए वे माद्री के पुत्र नकुल को जीवित रखना चाहते थे।)

Q14: What quality of Yudhishthira pleased Yaksha the most?
(युधिष्ठिर के किस गुण ने यक्ष को सबसे अधिक प्रसन्न किया?

Ans: Yudhishthira's love for justice pleased Yaksha the most.
(युधिष्ठिर के न्याय के प्रति प्रेम ने यक्ष को सबसे अधिक प्रसन्न किया।)

VOCABULARY

[A] Match the words of column (I) and (II) according to the similarity in their meanings :

I	II
vow	paths or areas
solitary	to leave
tracts	come back to life
swift	promise to oneself
depart	satisfy
meadow	lonely
quench	grassland
revived	fast and quick

[B] Use these group of words in your own sentences :
subjected to, driven by, gave up, none other than, wander about, in order that, just when, came upon.

Ans : Subjected to: India has been subjected to the British rule for over two hundred years.
driven by: The red car **driven by** Ujjawal could be clearly seen against the white snow.
gave up: Aarav **gave up** all his bad habits.
none other than: In my difficulty, **none other than** my father helped me.
wonder about: Why are you **wondering about** his success?
in order that: In order that all the students may get the report card, the teacher asked them to be quite.
just when: We reached school **just when** it started raining heavily.
came upon: All the students **came upon** the stage to perform their program.

[C] Give antonyms of :
curse, misfortune, powerful, rapidly, courage, alive, justice, pleased

curse	-	bless
misfortune	-	fortune
powerful	-	weak
rapidly	-	slowly
courage	-	discourage
alive	-	dead
justice	-	injustice
pleased	-	angry

[D] Form three words using each of the prefix given below :

1. mis- **fortune**
2. dis- **appear**
3. im- **patient**
4. un- **happy**
5. re- **vive**
6. over- **power**

2. A Letter to God

Summary In English

Lencho was a hard working farmer. He was poor. His house was the only one in the entire valley on the top of a hill. He could see his fields from there. He was expecting a good harvest. The land needed a downpour or at least a shower.

During the meal, just as Lencho had predicted, big drops of rain began to fall. Lencho was overjoyed. He went out to feel the pleasure of rain. Lencho called the drops new coins. But suddenly large hailstones began to fall. It hailed for an hour. His harvest had destroyed by the hailstorm.

Lencho had firm faith in God. He would not let your family die of hunger. So he wrote a letter to God. He wrote, "God, if you don't help me, my family and I will go hungry this year. I need a hundred pesos for sustenance."

He wrote "to God" on the envelope and dropped it into the mailbox.

A postman showed the letter to the postmaster. He was very much impressed by the faith of the man who had written the letter addressed to God. He tapped the letter. He came to know that the writer had demanded one hundred pesos. He decided to help Lencho. He asked for money from his employees. He himself gave part of his salary. He could collect only seventy pesos. He put the money in an envelope. He addressed the letter to Lencho.

He wrote the sender's name as 'from God.'

When Lencho came to the post office to check his mail, the postman himself handed over the letter to him. Postmaster was watching everything.

Lencho opened the envelope and counted the money. He became angry because the money was less than he had asked for. Immediately, Lencho went up to the window to ask the paper and ink.

He wrote another letter to God to send him the rest of money. But he asked God not to send the money through the mail because according to him the post office employers were a bunch of crooks.

Summary in Hindi

लेंचो कठिन परिश्रम करने वाला किसान था। वह गरीब था। पहाड़ी की चोटी पर संपूर्ण घाटी में उसका अकेला घर था। वह वहाँ

से अपने खेत देख सकता था। वह अच्छी फसल की उम्मीद कर रहा था। भूमि को केवल एक भारी वर्षा की अथवा कम से कम एक बौछार की आवश्यकता थी।

भोजन के समय, ठीक जैसा लेंचो का पूर्वानुमान था, वर्षा की बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगी। लेंचो बहुत खुश हुआ। वह वर्षा का आनंद लेने के लिए बाहर गया। लेंचो ने बूँदों को नए सिक्के कहा। लेकिन अचानक बड़े-बड़े ओले गिरने लगे। ये एक घंटे तक गिरे। उसकी फसल ओलावृष्टि से नष्ट हो चुकी थी।

लेंचो को ईश्वर में दृढ विश्वास था। वह अपने परिवार को भूखा नहीं मरने देगा। इसलिए उसने भगवान को एक पत्र लिखा। उसने लिखा ''भगवान, यदि तुम मेरी सहायता नहीं करोगे, तो मेरा परिवार और मैं इस वर्ष भूखे रह जाएँगे। मुझे जीविका के लिए एक सौ पीसों की आवश्यकता है।'' उसने लिफाफे पर लिखा 'ईश्वर के लिए' और उसे पत्र-पेटी में डाल दिया।

एक डाकिये ने यह पत्र पोस्टमास्टर को दिखाया। वह उस व्यक्ति के विश्वास से बहुत प्रभावित हुआ, जिसने ईश्वर को संबोधित करते हुए यह पत्र लिखा था। उसने पत्र खोला। उसे पता चला कि लिखने वाले ने एक सौ पीसों की माँग की है। वह लेंचो की सहायता करने का फैसला करता है। उसने अपने कर्मचारियों से धन माँगा। उसने स्वयं भी अपने वेतन का एक अंश दिया। वह केवल सत्तर पीसों ही इकट्ठे कर पाया। उसने धन को लिफाफे में रखा। उसने पत्र में लेंचो का पता लिखा। उसने पत्र उसने भेजने वाले का नाम 'ईश्वर' लिखा।

जब लेंचो अपनी डाक देखने डाकघर आया तो डाकिये ने स्वयं वह पत्र लेंचो को दिया। पोस्टमास्टर सब कुछ देख रहा था।

लेंचो ने लिफाफा खोला और धन को गिना। वह नाराज हो गया क्योंकि जितना धन उसने माँगा था वह उससे कम था। तुरंत ही वह कागज और स्याही माँगने खिड़की पर गया।

उसने बाकी धन भेजने के लिए भगवान को दूसरा पत्र लिखा। किंतु उसने भगवान से डाक द्वारा धन न भेजने के लिए कहा क्योंकि उसके अनुसार डाकघर के कर्मचारी ठगों के समूह थे।

Exercise

COMPREHENSION

Read the following passages and answer the questions that follow :

[A] The house..... come for dinner....."

Vocabulary :

entire	-	संपूर्ण	valley	-	घाटी
crest	-	चोटी	river	-	नदी
ripe	-	पकी हुई	corn	-	मक्का, अनाज
dotted	-	बिंदु की तरह अंकित	promised	-	वायदा करना
harvest	-	फसल	earth	-	धरती
needed	-	आवश्यकता थी	downpour	-	भारी वर्षा
at least	-	कम से कम	shower	-	बौछार
intimately	-	घनिष्ठता से	preparing	-	तैयार कर रही थी
supper	-	शाम का हल्का भोजन	God willing	-	ईश्वर ने चाहा
dinner	-	रात का भोजन			

हिंदी अनुवाद– वह मकान जो संपूर्ण घाटी में अकेला ही था, एक निचली पहाड़ी की चोटी पर स्थित था। उस ऊँचाई से कोई भी व्यक्ति नदी और पके हुए अनाज के खेत देख सकता था, जिसमें स्थान-स्थान पर फूल थे जो सदा अच्छी फसल का वायदा करते थे।

धरती को यदि किसी वस्तु की आवश्यकता थी तो केवल एक भारी वर्षा की अथवा कम से कम एक बौछार की। प्रात:काल के पूरे समय लेंचो ने, जो अपने खेतों को भली प्रकार से जानता था, उत्तर-पूर्व की ओर आकाश देखने के अतिरिक्त और कुछ नहीं किया था।

''प्रिये, अब हमें कुछ वर्षा का जल प्राप्त होने ही वाला है।''

उस स्त्री ने, जो भोजन तैयार कर रही थी उत्तर दिया, ''हाँ, यदि भगवान् ने चाहा।''

बड़े लड़के खेत मे काम कर रहे थे, जबकि छोटे लड़के घर के पास खेल रहे थे। तब महिला ने उन सबको बुलाया, ''रात के खाने के लिए आ जाओ।''

Q1 : Who was Lencho? Where was his house located?

(लेंचो कौन था? उसका घर कहाँ स्थित था?)

Ans: Lencho was a farmer. His house was located on the crest of a low hill.
(लेंचो एक किसान था। उसका घर एक निचली पहाड़ी की चोटी पर स्थित था।)

Q2 : What did Lencho think earth needed?
(लेंचो ने धरती की आवश्यकता के बारे में क्या सोचा?)

Ans: Lencho thought that the earth needed a downpour or at least a shower.
(लेंचो ने सोचा कि धरती को एक भारी वर्षा या कम से कम एक बौछार की आवश्यकता है।)

Q3 : Who was the woman preparing the supper?
(कौन स्त्री भोजन तैयार कर रही थी?)

Ans: Lencho's wife was preparing the supper.
(लेंचो की पत्नी भोजन तैयार कर रही थी।)

Q4 : What were the older and the smaller boys doing?
(बड़े तथा छोटे लड़के क्या कर रहे थे?)

Ans: The older boys were working in the field while the smaller boys were playing near the house.
(बड़े लड़के खेत में काम कर रहे थे जबकि छोटे लड़के घर के पास खेल रहे थे।)

Q5 : What did Lencho do throughout the morning?
(पूरी सुबह लेंचो ने क्या किया?)

Ans: Lencho did nothing else but seen the sky towards the North-East.
(लेंचो ने उत्तर-पूर्व आकाश को देखने के अलावा कुछ नहीं किया।)

[B] It was during..... frozen pearls?

Vocabulary :

meal	-	भोजन	predicted	-	भविष्यवाणी की
huge	-	विशाल	mountains	-	पर्वत
clouds	-	बादल	approaching	-	आते हुए
reason	-	कारण	pleasure	-	आनंद
exclaimed	-	आश्चर्य से चिल्लाया	raindrops	-	वर्षा की बूँदें
coins	-	सिक्के	satisfied	-	संतुष्ट
expression	-	भाव	regarded	-	मानता था
draped	-	ढकी हुई	suddenly	-	अचानक
hailstones	-	ओले	resemble	-	आकृति में लगते थे
exposing	-	नहाते हुए	collect	-	एकत्र करना
frozen pearls	-	जमे हुए मोती अर्थात् ओले			

हिंदी अनुवाद– भोजन के समय, जैसा कि लेंचो ने भविष्यवाणी की थी, वर्षा की बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगी। उत्तर-पूर्व दिशा में बड़े-बड़े पहाड़ जैसे बादल आते हुए दिखाई दिए। वायु स्वच्छ तथा सुगंधित थी।

वह व्यक्ति केवल इसलिए बाहर निकल पड़ा कि वर्षा की बूँदों का आनंद अपने शरीर पर अनुभव करेगा और जब वह लौटा तो आश्चर्यपूर्वक चिल्लाया-''ये आकाश से गिरने वाली वर्षा की बूँदें नहीं हैं, ये नए सिक्के हैं। बड़ी बूँदें दस सेंट के सिक्के हैं और छोटी पाँच सेंट के...।''

एक संतुष्ट भाव से उसने वर्षा की चादर में लिपटे हुए अपने पके हुए अनाज और उसके फूलों से भरे हुए खेत को देखा किंतु अचानक तेज हवा चलने लगी और वर्षा के साथ बहुत बड़े-बड़े ओले गिरने लगे। ये वास्तव में नए चाँदी के सिक्के समान दिखाई देते थे। लड़के अपने कपड़े उतारकर खुले शरीर से उन जमे हुए मोतियों अर्थात् ओलों को बटोरने के लिए घरों से बाहर दौड़े।

Q1: What happened during the meal?
(भोजन के समय क्या हुआ?)

Ans: During the meal big drops of rain began to fall.
(भोजन के समय वर्षा की बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगीं।)

Q2: What did Lencho predict? Did it come true?
(लेंचो ने क्या भविष्यवाणी की? क्या यह सच हुई?)

Ans: Clouds in the North-East made Lencho predict a rainfall. Yes, his prediction came true.
(उत्तर-पूर्व दिशा में बादलों के कारण लेंचो ने वर्षा की भविष्यवाणी की। हाँ, उसकी भविष्यवाणी सच हो गई।)

Q3: Why did Lencho go out?
(लेंचो बाहर क्यों आया?)

Ans: Lencho went out to have the pleasure of feeling the rain on his body.
(लेंचो वर्षा की बूँदों का आनंद अपने शरीर पर अनुभव करने के लिए बाहर गया।)

Q4: What are hailstones being compared to?
(ओलों की तुलना किससे की गई है?)

Ans: Hailstones are being compared to new silver coins.
(ओलों की तुलना नए चाँदी के सिक्कों से की गई है।)

Q5: What happened suddenly?
(अचानक क्या हुआ?)

Ans: Suddenly a strong wind began to flow and along with the rain very large hailstones began to fall.
(अचानक तेज हवा चलने लगी और वर्षा के साथ ही बड़े-बड़े ओले पड़ने लगे।)

Q6: Why did the boys run out?
(लड़के बाहर क्यों भागे?)

Ans: The boys ran out to collect the frozen pearls.
(लड़के जमे हुए मोतियों अर्थात् ओलों को एकत्र करने के लिए बाहर भागे।)

[C] It's really getting..... sorrowful one.

Vocabulary :

really	-	वास्तव में	exclaimed	-	चिल्लाया
quickly	-	जल्द ही, शीघ्रता से	garden	-	बगीचा
hillside	-	पहाड़ी के ढलान	corn field	-	अनाज का खेत
covered	-	ढका हुआ	salt	-	नमक
leaf	-	पत्ती	remained	-	शेष रही
destroyed	-	नष्ट हो गई	soul	-	आत्मा
sadness	-	दु:ख	storm	-	तूफान
middle	-	बीच में	plague	-	झुंड
locusts	-	टिड्डियाँ			

हिंदी अनुवाद– ''अब वास्तव में बुरा हो रहा है।'' उस व्यक्ति ने चिल्लाकर कहा, ''मुझे आशा है कि यह शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा।''

यह शीघ्र समाप्त नहीं हुआ। एक घंटे तक ओले मकान, बगीचे, पहाड़ी की ढलान, अनाज के खेत और पूरी घाटी पर बरसते रहे। पूरा खेत सफेद हो गया, मानो नमक से ढक गया हो। वृक्षों पर एक भी पत्ता नहीं बचा था। अनाज पूर्णतया नष्ट हो गया था। पौधों से फूल झड़ चुके थे। लेंचो की आत्मा दु:ख से भर गई। जब तूफान थम गया, वह अपने खेतों के बीच खड़ा हो गया और अपने बेटों से कहा—

''एक टिड्डियों के दल के हमले के बाद भी इससे अधिक अनाज बच जाता। ·····

ओलों ने कुछ भी नहीं छोड़ा, इस वर्ष हमें अनाज नहीं मिलेगा।·····।''

वह रात बहुत दु:खी भरी थी।

Q1: What did Lencho exclaim?
(लेंचो ने चिल्लाकर क्या कहा?)

Ans: Lencho exclaimed, "It is really getting bad now."
(लेंचो ने चिल्लाकर कहा, ''अब यह वास्तव में बुरा हो रहा है।'')

Q2: Did the rain pass quickly?
(क्या वर्षा जल्द ही रुक गई थी?)

Ans: No, the rain did not pass quickly.
(नहीं, वर्षा जल्द ही नहीं रुकी थी।)

Q3: How had the rain harmed Lencho's field?
(वर्षा ने लेंचो के खेत को कैसे नुकसान पहुँचाया?)

Ans: The rain harmed Lencho's field badly. The corn was totally destroyed.
(वर्षा ने लेंचो के खेत को बुरी तरह नुकसान पहुँचाया। अनाज पूर्णत: बर्बाद हो गया था।)

Q4: What did Lencho say to his sons standing in the middle of his field?
(लेंचो ने अपने खेत के बीच में खड़े होकर अपने बेटों से क्या कहा?)

Ans: Lencho said to his sons standing in the middle of his field, "A plague of locusts would have left more than this .....The hail has left nothing; this year we will have no corn....."
(लेंचो ने अपने खेत के बीच में खड़े होकर अपने बेटों से कहा, ''एक टिड्डियों के दल के हमले के बाद भी इससे अधिक अनाज बच जाता।.....ओलों ने कुछ भी नहीं छोड़ा, इस वर्ष हमें अनाज नहीं मिलेगा .....।'')

Q5: Why was the night sorrowful for Lencho's family?
(लेंचो के परिवार के लिए रात दु:ख भरी क्यों थी?)

Ans: Lencho's harvest had destroyed by the hailstorm, so the night sorrowful for Lencho's family.
(ओलावृष्टि से लेंचो की फसल नष्ट हो गई थी इसलिए लेंचो के परिवार के लिए रात दु:ख भरी थी।)

[D] " All our work ,..... letter to God.

Vocabulary :

hungry	-	भूखे रहना	solitary	-	एकांत
upset	-	परेशान	remember	-	याद रखना
hope	-	आशा	instructed	-	निर्देश दिया
conscience	-	अंत: करण	daybreak	-	सूर्योदय
mail	-	डाक			

हिंदी अनुवाद– ''हमारी सारी मेहनत व्यर्थ गई।

''हमारी सहायता करने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं है।''

''हम सब इस वर्ष भूखे रहेंगे.....।''

परंतु उन सबके दिलों में, जो घाटी के मध्य अकेले मकान में रहते थे, केवल एक ही आशा थी: भगवान की सहायता की।

''इतना परेशान मत होओ, भले ही यह सर्वनाश दिखाई देता हो। याद रखो, भूख से कोई नहीं मरता।''

''इस प्रकार वे कहते हैं– कोई भूख से नहीं मरता.....।''

सारी रात लेंचो अपनी एकमात्र आशा के विषय में सोचता रहा। भगवान की सहायता, उसकी आँखें, जैसा कि उसे शिक्षा दी गयी थी, सब कुछ देखती हैं, यहाँ तक कि अंत:करण की बातों को भी।

लेंचो मनुष्य होते हुए भी एक बैल था, जो खेत में पशु की तरह काम करता था, किंतु फिर भी वह लिखना जानता था। अगले रविवार को सूर्योदय के समय वह एक पत्र लिखने लगा, जिसे वह स्वयं शहर ले जाएगा और डाक में डालेगा।

यह भगवान के नाम पत्र से कुछ कम नहीं था।

Q1: Why did Lencho say that they would remain hungry that year?
(लेंचो ने क्यों कहा कि वे इस वर्ष भूखे रहेंगे?)

Ans: Lencho said that they would remain hungry that year because the corn of his field was totally destroyed by the hailstones.
(लेंचो ने कहा कि वे इस वर्ष भूखें रहेंगे क्योंकि उसके खेत का सारा अनाज ओलों से नष्ट हो गया था।)

Q2: What was Lencho's single hope?
(लेंचो की एकमात्र आशा क्या थी?)

Ans: Help from God was Lencho's single hope.
(भगवान से सहायता ही लेंचो की एकमात्र आशा थी।

Q3: What had Lencho been instructed about God?
(लेंचो को भगवान के विषय में क्या शिक्षा दी गई थी?)

Ans: Lencho had been instructed about God that his eyes see everything even what is deep in one's conscience.
(लेंचो को भगवान के विषय में शिक्षा दी गई थी कि उसकी आँखें प्रत्येक वस्तु को देख लेती हैं, यहाँ तक कि किसी की अंतरात्मा की बात को भी।)

Q4: What did Lencho do at daybreak?
(लेंचो ने सूर्योदय होने पर क्या किया?)

Ans: Lencho wrote a letter at daybreak.
(लेंचो ने सूर्योदय होने पर एक पत्र लिखा।)

Q5: To whom was the letter written?
(पत्र किसके लिए लिखा गया था?)

Ans: The letter was written to God.
(पत्र भगवान के लिए लिखा गया था।)

[E] " God", he wrote ..... correspondence with God!"

Vocabulary :

need	-	आवश्यकता	sow	-	बीज बोना
until	-	जब तक	envelope	-	लिफाफा
troubled	-	परेशान होते हुए	stamp	-	मुहर, टिकट
dropped	-	डाल दिया	mailbox	-	पत्र-पेटी
employee	-	कर्मचारी	postman	-	डाकिया
post office	-	डाकघर	heartily	-	हृदय से
showed	-	दिखाया	career	-	सेवाकाल
amiable	-	हँसमुख	almost	-	लगभग
immediately	-	तुरंत ही	serious	-	गंभीर
tapping	-	थपथपाते हुए	commented	-	बोला
correspondence	-	पत्र व्यवहार			

हिंदी अनुवाद– उसने लिखा, ''भगवान, यदि तुमने मेरी सहायता न की तो मुझे और मेरे परिवार को इस वर्ष भूखा रहना पड़ेगा। मुझे अपने खेत को दुबारा बोने के लिए तथा अगली फसल आने तक गुजारा करने के लिए एक सौ पीसों की आवश्यकता है, क्योंकि ओलों के तूफान ने.....।''

लिफाफे पर उसने लिखा, ''भगवान को'', पत्र को लिफाफे में रखा और दु:खी मन से शहर चला गया। डाकघर पहुँचकर उसने लिफाफे पर टिकट लगाया और इसे पत्र-पेटी में डाल दिया।

कर्मचारियों में से एक, जो डाकिया था और डाकघर में सहायक के रूप में भी कार्य करता था, अपने अधिकारी के पास हँसता हुआ गया और उसे भगवान के नाम वाला पत्र दिखाया। डाकिये के रूप में अपने सेवाकाल में उसने कभी ऐसे पते वाले पत्र को नहीं देखा था।

पोस्टमास्टर जो एक मोटा, हँसमुख व्यक्ति था, वह भी जोरों से हँसने लगा, परंतु शीघ्र ही वह गंभीर हो गया और पत्र को अपनी मेज पर थपथपाते हुए बोला– ''कितना अटूट विश्वास है। काश! मुझे भी उस आदमी जैसा विश्वास होता, जिसने यह पत्र लिखा है, जो भगवान से पत्र व्यवहार आरंभ कर रहा है।''

Q1: Why would Lencho's family go hungry?
(लेंचो का परिवार भूखा क्यों रहेगा?)

Ans: Lencho's family would go hungry because his harvest was destroyed by hailstone.
(लेंचो का परिवार भूखा रहेगा क्योंकि ओलावृष्टि से उसकी फसल नष्ट हो गई थी।)

Q2: What help did Lencho want from God?
(लेंचो भगवान से क्या सहायता चाहता था?)

Ans: Lencho wanted help from God one hundred pesos.
(लेंचो भगवान से एक सौ पीसों की सहायता चाहता था।)

Q3: Who laughed heartily and why?
(जोर से कौन हँसा और क्यों?)

Ans: The postman laughed heartily because he saw the letter addressed "To God" for the first time in his career.
(डाकिया जोर से हँसा क्योंकि भगवान के पते वाला वाला पत्र उसने अपने सेवाकाल में पहली बार देखा था।)

Q4: Point out the qualities of postmaster as described by the writer.
(लेखक द्वारा वर्णित पोस्टमास्टर के गुणों को बताइए।)

Ans: The writer described that the postmaster was fat and amiable fellow.
(लेखक ने वर्णित किया है कि पोस्टमास्टर मोटा और हँसमुख व्यक्ति था।)

Q5: Why was the postmaster surprised?
(पोस्टमास्टर आश्चर्यचकित क्यों था?)

Ans: The postmaster was surprised to see the faith of letter writer in God.
(पोस्टमास्टर पत्र लिखने वाले का भगवान में विश्वास देखकर आश्चर्यचकित था।)

Q6 : What did the postmaster wish?
(पोस्टमास्टर क्या चाहता था?)

Ans: The postmaster wished the same faith, for himself.
(पोस्टमास्टर अपने लिए भी ऐसा ही विश्वास चाहता था।)

[F] So, in order not ..... doorway of his office.

Vocabulary :

in order to	-	उद्देश्य से	evident	-	स्पष्ट
goodwill	-	सद्भावना	stuck	-	डटा रहा
resolution	-	दृढ़ निश्चय	employee	-	कर्मचारी
obliged	-	विवश किया	to gather	-	एकत्र करना
impossible	-	असंभव	containing	-	रखते हुए
charity	-	दान,मदद	bit earlier	-	समय से कुछ पहले
experiencing	-	अनुभव	contentment	-	संतोष
performed	-	करना	deed	-	कार्य
doorway	-	दरवाजे से			

हिंदी अनुवाद– अत: लेखक की भगवान में आस्था को बनाए रखने के लिए पोस्टमास्टर के मन में एक विचार आया कि पत्र का उत्तर दिया जाए। लेकिन जब उसने उसे खोला, तो यह स्पष्ट था कि इसका उत्तर देने के लिए सद्भावना, कागज और स्याही के अतिरिक्त कुछ और भी चाहिए था। परंतु वह अपने निश्चय पर अड़ा रहा। उसने अपने कर्मचारियों से धन माँगा। स्वयं अपने वेतन का एक भाग दिया और अपने कई मित्रों को भी दान के नाम पर कुछ देने के लिए विवश किया।

उसके लिए सौ पीसों को इकट्ठा करना असंभव हो गया। अत: वह उस किसान को आधी राशि से कुछ अधिक ही भेजने में समर्थ हो सका। उसने धन को एक लिफाफे में डाला, उस पर लेंचो का पता लिखा और उसके साथ एक पत्र पर हस्ताक्षर के रूप में एक शब्द 'भगवान' लिख दिया।

अगले रविवार को लेंचो यह जानने के लिए कि उसका कोई पत्र आया अथवा नहीं, समय से कुछ पहले ही आ गया। डाकिये ने स्वयं उसे वह पत्र दिया जबकि पोस्टमास्टर, नेक कार्य करने वाले संतुष्ट व्यक्ति की भाँति अपने दफ्तर के दरवाजे से देख रहा था।

Q1 : Why did the postmaster decide to answer Lencho's letter?
(पोस्टमास्टर ने लेंचो के पत्र का उत्तर देने का निश्चय क्यों किया?)

Ans: The postmaster became very much impressed by the faith of the writer in God so he decided to answer Lencho's letter.
(पोस्टमास्टर पत्र लिखने वाले के भगवान के प्रति विश्वास से बहुत अधिक प्रभावित हुआ, इसलिए उसने लेंचो के पत्र का उत्तर देने का निश्चय किया।)

Q2 : What did the postmaster need to answer the letter?
(पोस्टमास्टर को पत्र का उत्तर देने के लिए किसकी आवश्यकता थी?)

Ans: Postmaster needed one hundred pesos to answer the letter.
(पोस्टमास्टर को पत्र का उत्तर देने के लिए एक सौ पीसों की आवश्यकता थी।)

Q3 : How did he arrange the money for Lencho?
(उसने लेंचो के लिए धन की व्यवस्था कैसे की?)

Ans: The postmaster arranged the money for Lencho of his employees and friends. He himself gave a part of his salary.

(पोस्टमास्टर ने लेंचो के लिए पैसों की व्यवस्था अपने कर्मचारियों तथा मित्रों से की। उसने स्वयं भी अपने वेतन का एक भाग दिया।)

Q4 : How much money could he arrange?
(वह कितने धन की व्यवस्था कर सका?)

Ans: He could arrange only a little more than half.
(वह आधी राशि से कुछ अधिक की ही व्यवस्था कर सका।)

Q5 : Why did Lencho go to the post office the next Sunday?
(लेंचो अगले रविवार को डाकघर क्यों गया?)

Ans: Lencho went to the post office the next Sunday to ask if there was a letter for him.
(लेंचो अगले रविवार को डाकघर पूछने के लिए गया था कि क्या उसके लिए पत्र आया है।)

Q6 : Who handed the letter to Lencho?
(लेंचो को पत्र किसने दिया ?)

Ans: The postman himself handed to letter to Lencho.
(डाकिये ने स्वयं लेंचो को पत्र दिया था।)

Q7 : How did the postmaster feel as the postman handed over the envelope to Lencho?
(पोस्टमास्टर ने कैसा महसूस किया जब डाकिये ने लिफाफा लेंचो को दिया?)

Ans: As the postman handed over the envelope to Lencho, the postmaster was experiencing the contentment of a man who has performed a good deed.
(जब डाकिये ने लेंचो को लिफाफा दिया, पोस्टमास्टर उस संतोष का अनुभव कर रहा था जो नेक काम करने वाले व्यक्ति का होता है।)

[G] Lencho showed not ..... bunch of crooks, Lencho."

Vocabulary :

slightest	-	तनिक भी	surprise	-	आश्चर्य
confidence	-	विश्वास	angry	-	नाराज
counted	-	गिने	mistake	-	गलती
denied	-	मना किया	requested	-	प्रार्थना
immediately	-	तुरंत ही	window	-	खिड़की
wrinkling	-	सिकोड़ते हुए	brow	-	माथा
licked	-	थूक लगाया	affixed	-	चिपकाया
moment	-	क्षण	rest	-	शेष
bunch of crooks	-	बेईमानों या ठगों का समूह।			

हिंदी अनुवाद– लेंचो ने धन देखकर तनिक भी आश्चर्य नहीं दिखाया; ऐसा उसका विश्वास था– परंतु जब उसने धन गिना तो वह नाराज हो गया।..... ईश्वर तो गलती नहीं कर सकता न ही वह लेंचो को उसकी माँगी हुई धनराशि देने से मना कर सकता था।

तुरंत लेंचो खिड़की पर कागज और स्याही माँगने गया। जनसाधारण के लिए बैठने की मेज पर वह पत्र लिखने लगा। अपने विचारों को व्यक्त करने में उसका माथा सिकुड़ रहा था। जब उसने पत्र समाप्त किया, वह खिड़की पर टिकट खरीदने गया और थूक से इस लिफाफे पर चिपका दिया। जैसे ही उसने पत्र को डाक पेटी में डाला पोस्टमास्टर इसे खोलने के लिए गया। उसमें लिखा था– ''भगवान! जो धन मैंने आपसे माँगा था, उसमें से केवल सत्तर पीसों ही मेरे पास पहुँचे हैं। मुझे शेष धनराशि भी भेज दीजिए क्योंकि मुझे अति आवश्यकता है। परंतु यह धन मेरे पास डाक द्वारा मत भेजिएगा क्योंकि डाकघर के कर्मचारी तो बेईमानों का एक समूह हैं। लेंचो।''

Q1 : Why was Lencho not surprised to see the money?
(धन को देखकर लेंचो को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ?)

Ans: Due to his confidence Lencho was not surprised to see the money.
(अपने विश्वास के कारण लेंचो को धन को देखकर आश्चर्य नहीं हुआ।)

Q2 : What made Lencho angry?
(लेंचो नाराज क्यों हो गया?)

Ans: Lencho became angry because the money was short.
(लेंचो नाराज हो गया क्योंकि धन कम था।)

Q3 : Why did Lencho ask for paper and ink?
(लेंचो ने कागज तथा स्याही क्यों माँगी?)

Ans: Lencho asked for paper and ink to write a letter to God.
(लेंचो ने कागज तथा स्याही भगवान को पत्र लिखने के लिए माँगी।)

Q4: How can you say that Lencho was annoyed and angry when he wrote letter to God again?
(आप कैसे कह सकते हैं कि जब लेंचो दुबारा भगवान को पत्र लिख रहा था वह नाराज तथा क्रोधित था?)

Ans: When Lencho started to write again, with much wrinkling of his brow, caused by the effort he had to make express his idea. So we can say that Lencho was annoyed and angry.
(जब लेंचो दोबारा पत्र लिखने लगा, अपने विचारों को व्यक्त करने में उसका माथा सिकुड़ रहा था इसलिए हम कह सकते हैं कि लेंचो नाराज तथा क्रोधित था।)

Q5: What had Lencho written in the letter?
(लेंचो ने पत्र में क्या लिखा?)

Ans: Lencho wrote to God again because he needed the rest amount very urgently. He did not want the money to be sent by mail because he thought that post office employees are a bunch of crooks.
(लेंचों ने भगवान को पुन: लिखा क्योंकि उसे शेष धनराशि की सख्त जरूरत थी। वह डाक से धन भेजने के पक्ष में नहीं था, क्योंकि वह सोचता था कि डाकघर के कर्मचारी बेइमानों का समूह हैं।)

Q6: How much money did he get?
(उसने कितना धन प्राप्त किया?)

Ans: He got only seventy pesos.
(उसे केवल सत्तर पीसों मिले थे।)

LONG ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : How was Lencho's harvest destroyed?
(लेंचो की फसल कैसे नष्ट हुई?)

Ans: Lencho was a farmer. His earth needed a downpour or at least a shower. He was sure that it would rain as he had seen clouds in the North-East.One day during the meal, big drops of rain began to fall. Lencho went out and was very happy as the raindrops amounted to coins. His fields will yield rich crops due to these raindrops.
But suddenly a strong wind began to blow and along with the rain very large hailstone began to fall. The boys ran out to collect hailstones which appeared like frozen pearls.
For an hour the hail rained everywhere including Lencho's corn field. The field was white as if covered with salt. The flowers were gone from the plants. The corn was totally destroyed. Lencho's soul was feeled with sadness.
(लेंचो एक किसान था। उसकी जमीन को एक भारी वर्षा अथवा कम से कम एक बौछार की आवश्यकता थी। उसको पता था कि वर्षा होगी क्योंकि उसने उत्तर-पूर्व में बादल देख लिए थे। एक दिन भोजन के समय, वर्षा की बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगी। लेंचो बाहर गया और वह इतना प्रसन्न हुआ कि उसे वर्षा की बूँदें सिक्कों के समान लग रही थी। वर्षा की इन बूँदों के कारण ही उसके खेत अच्छी फसल देंगे।
लेकिन अचानक तेज आँधी चलने लगी और आँधी के साथ बड़े-बड़े ओले भी गिरने लगे। बच्चे घर से बाहर आकर ओले एकत्र करने लगे जो उनको जमे हुए मोती जैसे लग रहे थे। ये ओले एक घंटे तक लेंचो के अनाज के खेत सहित चारों ओर गिरते रहे। पूरा खेत सफेद था जैसे कि नमक से ढका हुआ हो। ओलों ने उसके पौधों के सभी फूल तोड़ डाले थे। फसल पूरी तरह से नष्ट हो चुकी थी। लेंचो का मन दु:खी हो उठा।)

Q2 : How do you know that Lencho was a firm believer of God?
(आप कैसे जानते हैं कि लेंचो को भगवान में दृढ़ विश्वास था?)

Ans: Lencho was a hard working farmer. Once his corn was ripe. He needed some rain. It started raining. He became very happy. But all of sudden it turned into hailstone. His crops was entirely destroyed. He was sad. He was sad. Now his only hope was to seek help from God. He had firm faith in God. So he wrote a letter to God.
The postmaster opened the letter addressed to God. He laughed heartily. But soon he became serious.

He said, "I wish I had the faith of the man who wrote this letter." He decided to help Lencho. He collected money from his employees. He also gave a part of his salary. He sent money to Lencho in an envelope. Due to his firm faith, Lancho was not surprised to see the money.

Thus we know that Lencho was a firm believer of God.

(लेंचो एक कठिन परिश्रमी किसान था। एक बार उसकी फसल पकी हुई थी। उसे कुछ वर्षा की जरूरत थी। वर्षा शुरू हो गयी। वह बहुत खुश हुआ। किंतु अचानक ही यह ओलों के तूफान में बदल गई। उसकी फसल पूर्ण रूप से नष्ट हो गई। वह दु:खी था। अब उसकी एकमात्र आशा भगवान से ही सहायता प्राप्त करने की थी। उसका भगवान में दृढ़ विश्वास था। इसलिए उसने भगवान को एक पत्र लिखा।

पोस्टमास्टर ने भगवान को संबोधित पत्र को खोला। वह जोर से हँसा। किंतु शीघ्र ही वह गंभीर हो गया। उसने कहा, ''काश। मुझे भी उस व्यक्ति जैसा विश्वास प्राप्त होता जिसने यह पत्र लिखा है।'' उसने लेंचो की मदद करने का निश्चय किया। उसने अपने कर्मचारियों से धन एकत्र किया। उसने भी अपने वेतन का कुछ अंश दिया। उसने एक लिफाफे में लेंचो को धन भेजा। अपने दृढ़ विश्वास के कारण लेंचों को धन देखकर बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

इस प्रकार हम जानते हैं कि लेंचो को भगवान में दृढ़ विश्वास था।)

Q3 : How do you know that Lencho was hardworking?

(आप कैसे जानते हैं कि लेंचो मेहनती था?)

Ans: Lencho lived with his family in a house which was built on a low hill in a valley. It was the only house in the entire valley.

Lencho was a hardworking farmer. He entirely depended on his field for his living. His fields promised a rich harvest. By chance there was a heavy rain. Along with the rain large hailstones also fell down. As a result his crops totally destroyed. There was no one to help him. The greatest shock to Lencho about his work was that he did work throughout the day but got nothing. He wrote a letter to God to ask for a hundred pesos in order to sow his field again and for his living.

In this way we know that Lencho was hardworking.

(लेंचो अपने परिवार के साथ घाटी में स्थित पहाड़ी के ढलान पर बने एक मकान में रहता था। संपूर्ण घाटी में वह एकमात्र मकान था।

लेंचो एक परिश्रमी किसान था। वह अपनी जीविका के लिए अपने खेतों पर पूर्णत: निर्भर था। उसके खेतों में अच्छी फसल होने के पूर्ण लक्षण दिखाई दे रहे थे। संयोग से भारी वर्षा हो गई। वर्षा के साथ बड़े-बड़े ओलों की भी वर्षा हो गई। परिणामस्वरूप उसकी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। उसकी सहायता करने वाला कोई नहीं था। लेंचो को अपने काम के बारे में सबसे बड़ा दु:ख यह था कि वह पूरे दिन काम करता था परंतु उसे कुछ भी नहीं मिला। वह भगवान से एक सौ पीसों माँगने के लिए पत्र लिखता है ताकि वह अपने खेत को दुबारा बो सके तथा अपनी जीविका चला सके।

इस प्रकार हम जानते हैं कि लेंचो एक मेहनती था।)

Q4 : Why did Lencho write a letter to God? What was written in the letter?

(लेंचो ने भगवान को पत्र क्यों लिखा? उस पत्र में क्या लिखा था?)

Ans: Lencho was a hardworking farmer with a large family. Once the much needed and pleasent rain was followed by very large hailstones and the corn standing in Lencho's field was totally destroyed. Nothing was left for the poor Lencho and his family.

So he wrote a letter to God, asking him for one hundred pesos in order to sow his field again and for living untill the new crops came. The letter was received by a postman. The postmaster also read it. He collected seventy pesos and sent it to Lencho.

(लेंचो बड़े परिवार वाला परिश्रमी किसान था। एक बार वर्षा, जिसकी अत्यधिक आवश्यकता थी और जो मनभावन भी थी, अपने साथ बड़े-बड़े ओले भी लाई, जिससे लेंचो के गरीब परिवार के लिए कुछ भी नहीं बचा।

अत: उसने भगवान को एक पत्र लिखकर सौ पीसों भेज देने की प्रार्थना की जिससे वह दुबारा अपने खेत बो सके तथा अगली फसल आने तक अपना निर्वाह कर सके। पत्र एक डाकिये को मिला। पोस्टमास्टर ने भी उसे पढ़ा। उसने सत्तर पीसों एकत्रित किए और लेंचो को भेज दिए।)

Q5 : Give a brief character sketch of the postmaster.

(पोस्टमास्टर का चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans: 1. **A fat, amiable fellow:** The postmaster was a fat, amiable fellow. When the postman showed him a letter addressed to God, he broke out laughing.

2. **Faith in God:** The postmaster had deep faith in God. He was surprised to see Lencho's faith in God. He said, "What faith! I wish I had the faith of the man who wrote this letter."

3. **Kind and Sympathetic:** The postmaster saw the letter addressed to God. He read the content of the letter. He decided to help Lencho. He could not arrange money in full. He collected some money from his employers. He also gave a part of his salary. Thus he helped Lencho. This shows his kindness.

(**1. एक मोटा हँसमुख व्यक्ति–** पोस्टमास्टर एक मोटा, हँसमुख व्यक्ति था। जब डाकिये ने भगवान को संबोधित पत्र उसे दिखाया, तो वह जोरों से हँसा।

2. भगवान में विश्वास– पोस्टमास्टर भगवान में दृढ़ विश्वास रखता था। वह लेंचो के भगवान में विश्वास को देखकर चकित था। उसने कहा, '' कितना अटूट विश्वास! काश! मुझे भी उस व्यक्ति जैसा विश्वास होता जिसने यह पत्र लिखा है।''

3. दयालु और सहानुभूतिपूर्ण– पोस्टमास्टर ने भगवान को संबोधित पत्र देखा। उसने पत्र की सामग्री को पढ़ा। उसने लेंचो की मदद करने का निश्चय किया। वह पूरे धन का प्रबंध नहीं कर सका। उसने कुछ धन अपने कर्मचारियों से एकत्र किया। उसने अपने वेतन का कुछ अंश भी दिया। इस प्रकार उसने लेंचो की सहायता की। यह उसकी दयालुता को दर्शाता है।)

Q6 : Was Lencho justified in calling the postoffice employees as a bunch of crooks?
(क्या लेंचो का डाकघर के कर्मचारियों को ठगों का समूह कहना उपयुक्त था?)

Ans: Postoffice employees were nice and generous. They laughted when they saw Lencho's letter addressed to God. But soon they became serious because they were impressed by Lencho's faith in God. They decided to send him some money. They collected seventy pesos and sent it to Lencho.

When Lencho opened the envelope he found in it only seventy pesos whereas he had asked God for one hundred pesos. He thought the postoffice people had taken away thirty pesos from the envelope. So he called them 'bunch of crooks'. He was not justified in calling them crooks. But it only shows his firm faith in God and his innocence.

(डाकघर के कर्मचारी अच्छे व उदार थे। लेंचो का भगवान को संबोधित पत्र देखकर वे हँसे। परंतु लेंचो के भगवान में अटूट विश्वास को देखकर वे प्रभावित हुए तथा शीघ्र ही गंभीर हो गए। उन्होंने कुछ धन उसे भेजने का निर्णय किया। उन्होंने सत्तर पीसों एकत्र करके लेंचो को भेज दिए।

जब लेंचो ने लिफाफा खोला तो उसने केवल सत्तर पीसों पाए जबकि उसने भगवान से सौ पीसों माँगे थे। उसने सोचा कि डाक कर्मचारियों ने लिफाफे के शेष तीस पीसों निकाल लिए हैं। इसी कारण उसने उन्हें 'ठगों का समूह' कहा। उनको 'ठग' कहा जाना न्यायोचित नहीं था। लेकिन उसका ऐसा कहना केवल उसके भगवान में अटूट विश्वास तथा उसकी मासूमियत को प्रदर्शित करता है।)

Q7 : What kind of people were the post office employees?
(डाकघर के कर्मचारी किस प्रकार के लोग थे?)

Ans: The postoffice employees were kind, generous and honest people. They laughed when they saw Lencho's letter addressed to God. But soon they became serious because they were impressed by Lencho's faith in God. They decided to send him some money.

They collected seventy pesos and sent it to Lencho. In this way they helped a farmer in his need. They did not disappointed a person with utmost faith in God.

(डाकघर के कर्मचारी दयालु, उदार और ईमानदार लोग थे। जब उन्होंने लेंचो का भगवान को संबोधित पत्र देखा, तब वे हँसे लेकिन शीघ्र ही वे गंभीर हो गए क्योंकि वे लेंचो के भगवान पर विश्वास से प्रभावित हो गए थे। उन्होंने उसे कुछ धन भेजने का निश्चय किया।

उन्होंने सत्तर पीसों एकत्रित किए और लेंचो को भेजे। इस प्रकार उन्होंने आवश्यकता के समय एक किसान की सहायता की। उन्होंने भगवान में अटूट विश्वास रखने वाले व्यक्ति को निराश नहीं किया।)

Q8 : Give a brief character sketch of Lencho.
(लेंचो का चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans: 1. **A hardworking farmer:** Lencho was a hardworking farmer. He worked hard in his field. He worked like an ox. So he had a good crop.

2. **His deep faith in God :** His family had nothing to eat. He believed that God would not let them die to hunger. So he wrote a letter to God requesting to send him a hundred pesos.

3. **God's help:** The postmaster received the letter through the mail. He opened the letter and read. He collected money from his employees. He also gave a part of his salary. To see the great faith of Lencho the postmaster was also surprised.

(**1. एक परिश्रमी किसान–** लेंचो कठिन परिश्रमी किसान था। वह अपने खेतों में परिश्रम करता था। वह एक बैल की तरह काम करता था इसलिए उसकी फसल बहुत अच्छी हुई थी।

2. **भगवान में उसका दृढ़ विश्वास–** उसके परिवार के पास खाने के लिए कुछ भी न था। उसे विश्वास था कि भगवान उन्हें भूख से नहीं मरने देगा। इसलिए उसने भगवान को अपने लिए सौ पीसों की प्रार्थना करते हुए एक पत्र लिखा।
3. **भगवान की सहायता–** पोस्टमास्टर ने डाक से एक पत्र प्राप्त किया। उसने पत्र खोला और पढ़ा। उसने अपने कर्मचारियों से धन एकत्र किया। उसने अपने वेतन का भी कुछ अंश दिया। लेंचो के इस अगाध विश्वास को देखकर पोस्टमास्टर भी चकित हो गया था।)

SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : Where was Lencho's house situated?
(लेंचो का घर कहाँ स्थित था?)

Ans: Lencho's house was situated on the top of a low hill.
(लेंचो का मकान एक नीची पहाड़ी की चोटी पर स्थित था।)

Q2 : Why do you think it is termed as "the house" and not "a house"?
(तुम्हारे विचार से उसे 'a house' के स्थान पर 'the house' क्यों कहा गया है?)

Ans: The author called it 'the house' and not 'a house' because it was the only house in the valley.
(लेखक ने उसे 'the house' कहा और 'a house' नहीं कहा क्योंकि वह अकेला मकान उस घाटी में था।)

Q3 : How did Lencho predict rain?
(लेंचो ने वर्षा की भविष्यवाणी कैसे की?)

Ans: Lencho predicted rain because he had seen the clouds in the North-East.
(लेंचो ने वर्षा की भविष्यवाणी की क्योंकि उसने उत्तर-दक्षिण में बादलों को देख लिया था।)

Q4 : What happened at the dinner time?
(रात्रि भोजन के समय क्या हुआ?)

Ans: At the dineer time big drops of rain began to fall.
(रात्रि भोजन के समय वर्षा की बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगीं।)

Q5 : What did the writer call as 'new coins'?Why?
(लेखक ने नए सिक्कों के समान किसको कहा और क्यों?)

Ans: Lencho calls the raindrops new coins. The raindrops would enrich the harvest. He will get more money by selling it. So the raindrops have been called new coins.
(लेंचो वर्षा की बूँदों को नए सिक्के कहता है। बारिश की बूँदें फसल को अच्छा बनाएँगी। इसे बेचकर उसे अधिक धन मिलेगा। इसी कारण वर्षा की बूँदों को नए सिक्के कहा गया है।)

Q6 : Why are hailstones called "frozen pearls"?
(ओलों को ''जमे हुए मोती'' क्यों कहा गया?)

Ans: Hailstones are called "frozen pearls" because they were resembling new silver coins.
(ओलों को ''जमे हुए मोती'' कहा गया क्योंकि वे नए चाँदी के सिक्कों के समान लग रहे थे।)

Q7 : How long did the hail rain?
(ओले कितनी देर तक बरसे?)

Ans: The hail rained for an hour.
(ओले एक घंटे तक बरसे।)

Q8 : What harm did the hail rain cause to Lencho?
(ओलों की वर्षा ने लेंचो का क्या नुकसान किया?)

Ans: The hail rain completely destroyed the crops in Lencho's field. The corn was totally destroyed. The flowers had also fallen from the plants.
(ओलों की वर्षा ने लेंचो की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया। अनाज पूर्ण रूप से नष्ट हो गया। फूल भी पौधों से गिर गए।)

Q9 : What made Lencho sad?
(लेंचो दु:खी क्यों हुआ?)

Ans: Lencho became sad because his crops was completely destroyed by the hailstones.
(लेंचो की फसल को ओलों ने पूरी तरह नष्ट कर दिया था इसलिए लेंचो दु:खी हुआ।)

Q10 : What was Lencho's only hope?
(लेंचो की एकमात्र आशा क्या थी?)

Ans: God was Lencho's only hope.
(भगवान लेंचो की एकमात्र आशा थे।)

Q11 : To whom did Lencho write a letter and why?
(लेंचो ने किसको पत्र लिखा और क्यों?)

Ans: Lencho wrote a letter to God. He wrote the letter for help from God.
(लेंचो ने भगवान को पत्र लिखा। उसने भगवान से सहायता के लिए पत्र लिखा था।)

Q12 : What was written in the letter?
(पत्र में क्या लिखा था?)

Ans: In the letter Lencho wrote, "God, if you don't help me, my family and I will go hungry this year. I need a hundred pesos in order to sow my field again and to live untill the crop comes."
(पत्र में लेंचो ने लिखा,''भगवान, यदि तुम मेरी सहायता नहीं करोगे तो इस वर्ष मेरा परिवार और मैं भूखे रह जाएँगे। मुझे अपने खेत को दुबारा बोने और नई फसल के पकने तक जीवित रहने के लिए एक सौ पीसों की आवश्यकता है।)

Q13 : Why would Lencho's family go hungry that year?
(उस वर्ष लेंचो का परिवार भूखा क्यों रह जाएगा?)

Ans: Lencho's family would go hungry that year because the corn totally destroyed in his field.
(उस वर्ष लेंचो का परिवार भूखा रह जाएगा क्योंकि उसके खेत का अनाज पूरी तरह नष्ट हो गया था।)

Q14 : Who laughed to see the letter? Why?
(पत्र को देखकर कौन हँसा? क्यों?)

Ans: The postman laughed to see the letter because never in his career he known that address.
(डाकिया पत्र को देखकर हँसा क्योंकि अपने सेवाकाल में उसने कभी ऐसा पता नहीं देखा था।)

Q15 : Who resolved to help Lencho?
(लेंचो की सहायता करने का संकल्प कौन करता है?)

Ans: The postmaster resolved to help Lencho.
(पोस्टमास्टर लेंचो की सहायता करने का संकल्प करता है।)

Q16 : How did the post office employees help Lencho.
(डाकघर के कर्मचारी लेंचो की सहायता कैसे करते हैं?)

Ans: The post office employees helped Lencho by giving some money. Postmaster also gave a part of his salary. In this way they collect seventy pesos and give them to Lencho through an envelope by God.
(डाकघर के कर्मचारी कुछ धन देकर लेंचो की सहायता करते हैं। पोस्टमास्टर भी अपने वेतन का एक भाग देता है। इस प्रकार वे सत्तर पीसो एकत्रित करते हैं तथा उन्हें लिफाफे में डालकर भगवान के नाम से लेंचो को दे देते हैं।)

Q17 : Did the post office employees get Lencho's thanks for helping him?
(क्या डाकघर के कर्मचारी लेंचो की सहायता करने पर उससे धन्यवाद प्राप्त करते हैं?)

Ans: No, the post office employees did not get Lencho's thanks for helping him.
(नहीं, डाकघर के कर्मचारी लेंचो की सहायता करने पर भी उससे धन्यवाद प्राप्त नहीं करते हैं।)

Q18 : What did Lencho call the post office employees and why?
(लेंचो डाकघर के कर्मचारी को क्या कहता है और क्यों?)

Ans: Lencho called the post office employees 'a bunch of crooks'. Because he thought that they taken out the money from the envelope.
(लेंचो डाकघर के कर्मचारियों को 'बेईमानों या ठगों का समूह' कहता है क्योंकि उसने सोचा कि उन्होंने लिफाफे से धन निकाल लिया है।)

VOCABULARY

[A] Match the words of column (I) and (II) according to the similarity in their meanings :

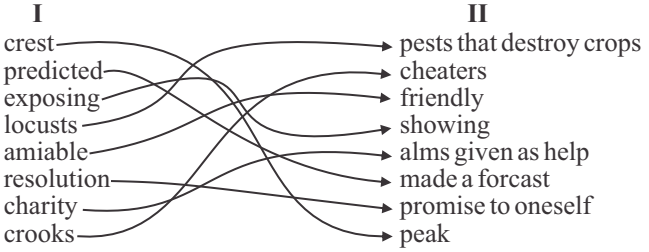

[B] Write the antonyms of :

approaching	**receding**	pleasure	**sorrowful**
satisfied	**dissatisfied**	earlier	**later**
requested	**ordered**	friends	**enemy**

[C] Use these groups of words in sentences of your own :

ask for, to pass quickly, break out, dotted with, a bit earlier, nothing less than, a bunch of crooks, an ox of a man

ask for : I **asked for** money to my father.
to pass quickly : It went on raining ask did not **pass quickly**.
break out : Suddenly the fighting **broke out** in the prison cell.
dotted with : The maidans of the Ganga are **dotted with** trees here and there.
a bit earlier : I reached in the examination hall **a bit earlier**, before the exam started.
nothing less than : He has **nothing less than** that to give a beggar.
a bunch of crooks : Nowadays most of the leaders are **a bunch of crooks**.
an ox of a man : He worked so hard that people called him **an ox of a man**.

3. The Ganga

Summary In English

'The Ganga' is an extract from the 'Will and Testament' of Jawaharlal Nehru written in 1954. In the biginning of the lesson Nehru expresses his deep love for India and her people. He says that affection of all classes of the Indian people has come to him in such abundant measure that he has been overwhelmed by it. To his innumerable comrades and colleagues, he owes an even deeper debt of gratitude.

He wishes that wherever he dies, his body should be cremated there and his ashes sent to Allahabad. A small handful of these ashes should be thrown into the Ganga. The rest should be scattered over the vast fields of India.

Nehru has a great attachment to the Ganga. The Ganga is the most sacred and beloved river of India. She has been a symbol of India's age-long culture, history, religion and civilization. She is a symbol and memory of India's past. Nehru has seen the Ganga in her changing moods. She is running into the present and flowing to the great ocean of the future.

Nehru discards much of our past traditions. They divide the people and suppress most of them. They prevent the free development of body and spirit. Yet Nehru is very much proud of the great inheritance . He seeks inspiration from it. So in his last homage, he requests that a handful of his ashes should be thrown into the Ganga at Allahabad. He wants to mix with the dust and soil of India so that he may become an indistinguishable part of India.

Summary in Hindi

'The Ganga' जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1954 में लिखी गई 'Will and Testament' से उद्धृत है। पाठ के शुरू में पंडित नेहरू भारत और उसके लोगों के प्रति गहरा प्रेम व्यक्त करते हैं। वे कहते हैं कि भारतीय जनता के सभी वर्गों का स्नेह उन्हें इतना प्रचुर मात्रा में मिला है कि वह इससे भावविभोर हो गए हैं। अपने अनगिनत साथियों और सहयोगियों के प्रति वे और भी अधिक ऋणी हैं।

उनकी इच्छा है कि जहाँ कही भी वे मरें,उनका शरीर वहीं पर जला दिया जाए और उनकी राख इलाहाबाद भेजी जाए। उसमें से थोड़ी मुट्ठी भर राख गंगा में फेंक दी जाए और बची हुई भारत के विशाल मैदानों में बिखेर दी जाए।

नेहरू का गंगा में गहरा लगाव था। गंगा भारत की सबसे पवित्र प्रिय नदी है। यह भारत की प्राचीन संस्कृति, इतिहास, धार्मिकता और सभ्यता का प्रतीक है। यह भारत के बीते समय की प्रतीक एवं यादगार है। नेहरू ने गंगा के परिवर्तित स्वरूप को देखा है। वह वर्तमान में चल रही है और भविष्य के विशाल सागर की ओर बह रही है।

नेहरू ने हमारी अधिकांश परपंराओं को छोड़ दिया। वे लोगों में फूट डालती हैं और अधिकांशत: उनका दमन करती हैं। वे शरीर तथा आत्मा के स्वतंत्र विकास को रोकती हैं। फिर भी नेहरू को महान विरासत पर बहुत गर्व है। वे इससे प्रेरित हैं। इसलिए अपनी अंतिम श्रद्धांजलि के रूप में वे निवेदन करते हैं कि उनकी मुट्ठी भर राख को इलाहाबाद में गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया जाए। वे भारत की धूल और मिट्टी में मिलना चाहते थे ताकि वे भारत का अभिन्न अंग बन सकें।

Exercise

COMPREHENSION

Read the following passages and answer the questions that follow :

[A] I have received..... accompany them.

Vocabulary :

received	-	प्राप्त किया, मिलना	affection	-	स्नेह
repay	-	वापस लौटाना	fraction	-	अंश
precious	-	कीमती	admired	-	प्रशंसा की गई
revered	-	श्रद्धा प्राप्त की	classes	-	वर्ग
abundant	-	बहुत अधिक	measure	-	मात्रा
overwhelmed	-	भाव विभोर होना	remaining	-	शेष
unworthy	-	अयोग्य	innumerable	-	असंख्य, अनगिनत
comrades	-	साथी	colleagues	-	साथ में काम करने वाला
owe	-	ऋणी होना	debt	-	कर्ज, ऋण
gratitude	-	आभार	undertakings	-	काम की जिम्मेदारियाँ
triumphs	-	विजय	sorrows	-	दु:ख
inevitably	-	अनिवार्य रूप से	accompany	-	जुड़े हैं

हिंदी अनुवाद– मुझे भारतवासियों से इतना अधिक प्रेम और स्नेह मिला है कि मैं कुछ भी करूँ, उसका एक अंश भी लौटा नहीं सकता, और वास्तव में स्नेह जैसी अमूल्य वस्तु का प्रतिदान हो भी नहीं सकता। अनेक लोगों की प्रशंसा की गई है, कुछ को सम्मान दिया गया है, परंतु मुझे तो भारतीयों के सभी वर्गों का स्नेह इतनी प्रचुर मात्रा में मिला है कि मैं उससे भावविभोर हो गया हूँ। मैं केवल यह आशा ही व्यक्त कर सकता हूँ कि अपने जीवन के शेष वर्षों में मैं अपने देशवासियों तथा उनके स्नेह के अयोग्य नहीं होऊँगा।

अपने असंख्य साथियों तथा सहकर्मियों के प्रति मैं और भी अधिक आभारी हूँ। हम लोग महान कार्यों में सहभागी रहे हैं और उन विजयों तथा दु:खों को साथ-साथ सहन किया है जो अनिवार्य रूप से उनके साथ जुड़े हैं।

Q1 : What has the author received from his countrymen?
(लेखक ने अपने देशवासियों से क्या प्राप्त किया है?)

Ans: The author has received love and affection from his countrymen.
(लेखक ने अपने देशवासियों से प्रेम और स्नेह प्राप्त किया है।)

Q2 : What according to the writer, is not repayable?
(लेखक के अनुसार, क्या नहीं लौटाया जा सकता?)

Ans: According to the writer love and affection is not repayable.
(लेखक के अनुसार प्रेम और स्नेह नहीं लौटाया जा सकता है।)

Q3 : Why is the writer feeling overwhelmed?
(लेखक भावविभोर क्यों है?)

Ans: The writer is feeling overwhelmed by the affection of all classes of Indian people.
(लेखक भारतीय लोगों के सभी वर्गों के व्यक्तियों के स्नेह के कारण भावविभोर है।)

Q4 : What hope does the writer have in the remaining years of his life?
(अपने शेष बचे हुए जीवन में लेखक क्या आशा करता है?)

Ans: The writer hopes that in the remaining years of his life he would not be unworthy of his people and their affection.
(लेखक आशा करता है कि अपने शेष बचे हुए दिनों में वह अपने लोगों के तथा उनके स्नेह के अयोग्य नहीं होगा।)

Q5 : What does the writer owe to his comrades and colleagues?
(लेखक अपने साथियों और सहकर्मियों का किस बात का ऋणी है?)

Ans: The writer owes deeper debt of gratitude to his comrades and colleagues, because they had been joint partners in great works and in triumphs and sorrows.
(लेखक अपने साथियों और सहकर्मियों के अधिक आभारी हैं, क्योंकि वे सभी महान् कार्यों में तथा विजय एवं दु:खों में उनके सहभागी रहे हैं।)

[B] When I die..... their flowing waters.

Vocabulary :

cremated	-	दाह-संस्कार	foreign	-	विदेश
ashes	-	राख	handful	-	मुट्ठी भर
major	-	बड़ा	disposed of	-	समाप्त करना
indicated	-	वर्णन किया	retained	-	बचाकर रखना
preserved	-	सुरक्षित रखना	desire	-	इच्छा
religious	-	धार्मिक	significance	-	महत्व
concerned	-	संबंधित	sentiment	-	भावना
attached	-	जुड़ा होना	childhood	-	बचपन
varying	-	बदलते हुए	myth	-	पौराणिक कथाएँ
tradition	-	परपंरा			

हिंदी अनुवाद– जब मेरी मृत्यु हो, तो मेरी इच्छा है कि मेरे शरीर का दाह संस्कार किया जाए। यदि मेरी मृत्यु विदेश में हो तो मेरे शरीर का दाह संस्कार वहीं कर दिया जाए तथा राख को इलाहाबाद भेज दिया जाए। इस राख में से मुट्ठी भर भाग गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए और इसके अधिकांश भाग का समापन निम्नलिखित ढंग से किया जाए। इस राख का कोई भी भाग बचाकर या सँभालकर सुरक्षित न रखा जाए।

जहाँ तक मेरा संबंध है, इलाहाबाद में गंगा में मेरी मुट्ठीभर राख प्रवाहित किए जाने की इच्छा के पीछे कोई धार्मिक महत्व की बात नहीं है। इस विषय में मेरी कोई धार्मिक भावना नहीं है। मैं बचपन से इलाहाबाद में गंगा और जमुना से जुड़ा रहा हूँ और जैसे-जैसे मै बड़ा हुआ हूँ यह लगाव भी प्रबल होता गया। ऋतुओं के बदलने के साथ-साथ ही मैंने इन नदियों के परिवर्तित स्वरूपों को भी देखा है और प्राय: उस इतिहास और पौराणिक कथा और परंपरा व गीत तथा कहानी के बारे में विचार किया है; जो युग-युगान्तर से इसके साथ जुड़ गई है और उनके बहते हुए जल का एक भाग बन गई है।

Q1 : What does the writer desire after his death?
(लेखक अपनी मृत्यु के बाद क्या इच्छा प्रकट करता है?)

Ans: The writer desires after his death that his body should be cremated where he dies.
(लेखक की इच्छा है कि मृत्यु के पश्चात् उनके शरीर का दाह-संस्कार उसी स्थल पर कर दिया जाए जहाँ उनकी मृत्यु हो।)

Q2 : What does the writer wish in case he dies in a foreign country?
(लेखक की क्या इच्छा है यदि उसकी मृत्यु विदेश में हो?)

Ans: If the writer dies in a foreign country he wishes that his body should be cremated there and his ashes should be sent to Allahablad.
(यदि लेखक की मृत्यु विदेश में हो तो उसकी इच्छा है कि उसका दाह-संस्कार वहीं किया जाए और उनकी राख को इलाहाबाद भेज दिया जाए।)

Q3 : Why was the author deeply attached to Ganga?
(लेखक गंगा से इतना प्यार क्यों करता था?)

Ans: The author was deeply attached to Ganga because since his childhood, he has been watching moods of the Ganga and Jamuna. As the seasons changed he has thought of their history, myth, tradition, song and story.
(लेखक गंगा से अत्यधिक जुड़ा हुआ था, क्योंकि बचपन से ही वह गंगा और जमुना के स्वरूपों को देखता रहा है। जैसे-जैसे मौसम बदले, उसने उनके इतिहास, पौराणिक कथा, परम्परा, गीत और कहानी के विषय में सोचा है।)

Q4 : Whose varying moods have been discussed here?
(यहाँ किसके बदलते हुए स्वरूपों का वर्णन किया गया है?)

Ans: Ganga and Jamuna's varying moods have been discussed here.
(यहाँ गंगा और जमुना के बदलते हुए स्वरूपों का वर्णन किया गया है।)

Q5: Why does the writer want a handful of his ashes to be thrown in Ganga?
(लेखक क्यों चाहता है कि उनके शरीर की मुट्ठी भर राख को गंगा में बहा दी जाए?)

Ans: The writer wants a handful of his ashes to be thrown in Ganga at Allahabad because he had been attached to the Ganga and Jamuna since his childhood.

(लेखक अपने शरीर की मुट्ठी भर राख को इलाहाबाद में गंगा में बहाना चाहते थे क्योंकि गंगा और जमुना से उनका लगाव बचपन से ही रहा था।)

[C] The Ganga especially..... ocean of the future.

Vocabulary :

especially	-	विशेष रूप से	beloved	-	प्रिय
intertwined	-	गुँथी हुई	racial	-	प्रजातिगत
memories	-	स्मृतियाँ	hopes	-	आशाएँ
fears	-	भय	triumph	-	विजय
victories	-	विजय	symbol	-	प्रतीक
culture	-	संस्कृति	reminds	-	याद दिलाना
snow-covered	-	बर्फ से ढका हुआ	valleys	-	घाटियाँ
vast	-	विशाल, विस्तृत	plains	-	मैदान
cast	-	ढाला गया	gloomy	-	उदास, धुँधला
graceful	-	अत्यधिक सुंदर	stream	-	धारा
roaring	-	डरावनी, दहाड़	broadbosomed	-	बहुत चौड़ी

हिंदी अनुवाद– गंगा विशेष रूप से भारत की नदी है। यह अपने लोगों की प्रिय रही है, जिसके चारों ओर भारत की जातिगत स्मृतियाँ, उसकी आशाएँ और भय, उसके विजय के गीत, उसकी विजय और पराजय जुड़ी हुई हैं। यह भारत की दीर्घकालीन संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक रही है, निरन्तर बदलती हुई, निरन्तर बहती हुई और फिर भी वैसी ही गंगा है। वह मुझे हिमालय की उन गहरी घाटियों और बर्फ से ढकी हुई चोटियों की याद दिलाती है जिन्हें मैंने इतना अधिक प्यार किया है और निचले उपजाऊ और विशाल मैदानों की, जहाँ मेरा जीवन और कार्य ढले हैं।

सूर्य के प्रातःकालीन प्रकाश में मुस्कुराती तथा नाचती हुई तथा जब सांयकाल की छाया फैलती है तो वह स्याह, उदास और रहस्यमय हो जाती है; शीत ऋतु में पतली, मंदगति और शोभनीय जलधारा बन जाती है और मानसून के समय अत्यधिक, गर्जन करने वाली, लगभग समुद्र जैसी विस्तृत वक्ष वाली और कुछ-कुछ सागर जैसी विनाशकारी शक्ति लिए, यह गंगा, मेरी दृष्टि में भारत के अतीत की, वर्तमान में जो चल रहा है और भविष्य के विशाल सागर की ओर बह रहा है; प्रतीक तथा स्मृति है।

Q.1: Why is Ganga said as beloved of Indian people?
(गंगा भारतीय लोगों की प्रिय क्यों कही जाती है?)

Ans: The Ganga is beloved of Indian people because her racial memories, her hopes and fears, her songs of triumph, her victories and defeats are interwined round her.
(गंगा भारत के लोगों की प्रिय है, क्योंकि उसके चारों ओर भारत की जातिगत स्मृतियाँ, उसकी आशाएँ और भय, उसके विजय के गीत तथा उसकी विजय और पराजय के गीत जुड़े हुए हैं।)

Q2 : Why is Ganga considered as the symbol of India's culture and civilization?
(गंगा को भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक क्यों समझा जाता है?)

Ans: The river Ganga is considered as the symbol of Indian's culture and civilization because Ganga is as old as Indian culture and civilization.
(गंगा को भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक समझा जाता है क्योंकि गंगा भी उतनी ही प्राचीन है जितनी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता।)

Q3 : What does Ganga remind Pt. Nehru of?
(गंगा पं० नेहरू को क्या याद दिलाती है?)

Ans: The Ganga reminds Pt. Nehru of the snow-covered peaks and deep valleys of Himalaya and the rich and vast plains below.
(गंगा पं० नेहरू को हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों, गहरी घाटियों तथा नीचे विशाल और उपजाऊ मैदानों की याद दिलाती है।)

Q4 : How does Ganga look in the morning sunlight as told by Pt. Nehru?
(पं० नेहरू ने गंगा को प्रात:काल सूर्य की रोशनी में कैसी दिखने वाली कहा है?)

Ans: According to Pt. Nehru Ganga looks smiling and dancing in the morning sunlight.
(पं० नेहरू के अनुसार प्रात:काल सूर्य की रोशनी में गंगा मुस्कुराती हुई और नाचती हुई दिखाई देती है।)

Q5 : How does Ganga look when evening shadows fall?
(जब सायंकाल के साये फैलते हैं, गंगा कैसी दिखती है?)

Ans: When evening shadows fall, Ganga looks dark and gloomy and full of mystery.
(जब सांयकाल के साये फैलते हैं, गंगा स्याह, उदास और रहस्यमय दिखती है।)

Q6 : How does Ganga look like during monsoom?
(गंगा मानसून के मौसम में कैसी दिखती है?)

Ans: During monsoom the Ganga looks broad-bosomed and with sea's power to destroy.
(मानसून के मौसम में गंगा विशाल वक्ष:स्थल वाली तथा समुद्र की विनाशकारी शक्ति लिए हुए दिखती है।)

Q7 : What does Ganga symbolize as told by Pt. Nehru?
(पं० नेहरू के बताए अनुसार गंगा किस बात की प्रतीक है?)

Ans: The Ganga symbolizes India's age-long culture and civilization.
(गंगा भारत की युगों पुरानी संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है।)

[D] And though I ..... part of India.

Vocabulary :

discarded	-	छोड़ दी	tradition	-	परंपरा
custom	-	रीति-रिवाज	anxious	-	उत्सुक
shackles	-	जंजीरें या बेड़ियाँ	constrain	-	कैद करना
suppress	-	दबाना	prevent	-	रोकना
development	-	विकास	spirit	-	आत्मा
completely	-	पूरी तरह	inheritance	-	पैतृक सम्पत्ति
conscious	-	सचेत	dawn	-	प्रात:काल का समय
immemorial	-	जिसकी स्मृति भी न रही हो	seek	-	ढूँढ़ना
inspiration	-	प्रेरणा	homage	-	श्रद्धांजलि
disposed	-	विसर्जित करना	scattered	-	फैलाना
peasants	-	किसान	toil	-	घोर परिश्रम करना
mingle	-	मिलाना	indistinguishable	-	अभिन्न

हिंदी अनुवाद– और यद्यपि मैंने पुरानी परम्परा और रीतियों के अधिकांश भाग को छोड़ दिया है और मैं चाहता हूँ कि भारत उन सभी बेड़ियों से मुक्त हो जाए जो उसे बाँधे और बंदी बनाए हुए हैं और भारत के लोगों में फूट डालती है तथा बड़ी संख्या में लोगों को दबाती है एवं शरीर व आत्मा के स्वच्छंद विकास को रोकती हैं; यद्यपि मैं यह सब इच्छा करता हूँ फिर भी मैं उस अतीत से स्वयं को अलग करना नहीं चाहता। मुझे उस महान विरासत पर गर्व है जो हमारी रही है, आज भी है और हमारी ही रहेगी। मैं सचेत हूँ कि सभी की भाँति मैं भी उस अटूट शृंखला की एक कड़ी हूँ, जो भारत के इतिहासपूर्व अतीत की उषा के समय प्रांरभ हुई थी। इस शृंखला को मैं कभी नहीं तोड़ूँगा; क्योंकि मैं उसको बहुमूल्य मानता हूँ तथा उससे प्रेरणा ग्रहण करता हूँ और इस इच्छा के साक्षी स्वरूप तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति अपनी अंतिम श्रद्धांजलि के रूप में यह निवेदन कर रहा हूँ कि मेरी मुट्ठीभर राख को गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए जिससे वह उस विशाल सागर में पहुँच जाए जो भारत के विशाल तटों को धोता है।

परंतु मेरी राख का बड़ा भाग दूसरे प्रकार से विसर्जित किया जाए। मैं चाहता हूँ कि इसे किसी वायुयान में रखकर ऊपर ले जाया जाए और उस ऊँचाई से उसे उन मैदानों में बिखेर दिया जाए जहाँ भारत के गरीब मजदूर-किसान कठिन परिश्रम करते हैं, इस प्रकार वह भारत की धूल और मिट्टी में मिल जाएगा और भारत का एक अभिन्न अंग बन जाएगा।

Q1 : Why has the author discarded much of the past traditions?
(लेखक ने भूतकाल की बहुत सी परम्पराओं को क्यों त्याग दिया है?)

Ans: The author has discarded much of the past traditions and customs because they bind and constrain her, and divide people of India.
(लेखक ने भूतकाल की बहुत सी परम्पराओं और रीति-रिवाजों को त्याग दिया है, क्योंकि वे उसे बाँधती हैं, सीमित करती हैं और भारत के लोगों को विभाजित करती हैं।)

Q2 : What does the author want India to get rid of ?
(लेखक भारत को किन बातों से छुटकारा दिलाना चाहता है?)

Ans: The author wants India to get rid of all shackles that bind and constrain and divide her people.
(लेखक चाहता है कि भारत उन जंजीरों से छुटकारा ले जो भारत के लोगों को बाँधती हैं और विभाजित करती हैं।)

Q3 : What is the author proud of?
(लेखक को किस पर गर्व है?)

Ans: The author is proud of India's great inheritance.
(लेखक को भारत की महान विरासत पर गर्व है।)

Q4 : What is the writer conscious of?
(लेखक किस बात से सचेत है?)

Ans: The writer is conscious of, that he too, like all of us is a link in the unknown chain which goes back to the dawn of history in the immemorial past of India.
(लेखक इस बात से सचेत है कि सभी की तरह वह भी उस अटूट कड़ी का अंग है, जो भारत के अति प्राचीन अतीत में इतिहास के आरंभ तक जाती है।)

Q5 : What request does the writer make to the people of India?
(लेखक भारत के लोगों से क्या प्रार्थना करता है?)

Ans: The writer request to the people of India that a handful of his ashes he thrown into the Ganga at Allahabad.
(लेखक भारत के लोगों से प्रार्थना करता है कि उनकी एक मुट्ठीभर राख इलाहाबाद में गंगा में प्रवाहित कर दी जाए।)

Q6 : What does the author want to be done with the major portion of his ashes? Why?
(लेखक अपनी राख के बड़े भाग का क्या करना चाहता है? क्यों?)

Ans: The author wants that major portion of his ashes should be scattered over the fields of India so that he became an indistinguishable part of India.
(लेखक चाहता है कि उसकी राख का बड़ा भाग भारत के खेतों में बिखेर दिया जाए ताकि वह भारत का अभिन्न अंग बन जाए।)

LONG ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : What was Nehru's will? Describe its main points.
(नेहरू की वसीयत क्या थी? इसके मुख्य बिदुंओं का वर्णन कीजिए।)

Ans: Pt. Nehru wrote this will and testament is New Delhi on June 21st 1954. Nehru wrote in his will that after his death, his body should be cremated wherever he dies. If he dies in a foreign country, his body should be cremated there. But his ashes should be brought to Allahabad. A small handful of these ashes should be thrown into the Ganga.
The major portion of his ashes should be scattered over the fields of India from a high place. He wanted to become a part and parcel of India.
(प० नेहरू ने यह वसीयत 21 जून, 1954 में लिखी। नेहरू ने अपनी वसीयत में लिखा था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शरीर का वहीं पर दाह संस्कार किया जाए जहाँ कहीं भी उनकी मृत्यु हो। यदि वे विदेश में मरें तो उनके शरीर का दाह संस्कार वहीं पर कर दिया जाए। किंतु उनकी राख इलाहाबाद में लाई जाए। इस राख में से मुट्ठीभर राख गंगा में प्रवाहित कर दी जाए।
उनकी राख का एक बड़ा भाग एक ऊँचे स्थान से भारत के खेतों में बिखेर दिया जाए। वे भारत का एक अभिन्न हिस्सा बनना चाहते थे।)

Q2 : Why did Nehru call the Ganga 'The river of India'?What did the Ganga mean to him?
(नेहरू ने गंगा को 'भारत की नदी'क्यों कहा? गंगा का उनके लिए क्या महत्व था?)

Ans: Nehru called the Ganga 'The river of India' because it is loved by her people. The songs of India's triumph, victories and defeats, racial memories, hopes and fears are interwined round the Ganga. It is also a symbol of India's age-long culture and civilization which have ever been changing and ever-flowing like the Ganga. The Ganga reminded Nehru of snow-covered peaks and the deep valleys of the vast plains below, where his life and work had been shaped.
The Ganga and Jamuna meant a lot to Jawaharlal Nehru. He had been attached to them ever since his childhood. His attachment had grown with years. He had watched their changing mood with the change of seasons. They had been a source of great inspiration for him. Inspite of this his attachment to the Ganga was not religious.

(गंगा नदी को नेहरू जी 'भारत की नदी' कहते थे, क्योंकि यह यहाँ के सभी लोगों को प्रिय है। भारत के विजय गीत हार-जीत, जातिगत स्मृतियाँ, भय और आशाएँ गंगा के चारों और गुँथे हुए हैं। यह भारत की उस प्राचीन संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है, जो गंगा की तरह सतत् परिवर्तनशील भी है। गंगा नेहरू जी को बर्फ से ढकी चोटियों, हिमालय की गहरी घाटियों, जिनको वे बेहद प्यार करते थे, की याद दिलाती थी; साथ ही उन विशाल मैदानों को भी जहाँ उन्होंने जीवनभर कार्य किया तथा उनका जीवन गढ़ा गया।

नेहरू जी के लिए गंगा और जमुना का अत्याधिक महत्व है। वे अपने बचपन से ही इनसे जुड़े हैं। समय के साथ इनसे उनका लगाव बढ़ता ही गया है। उन्होंने बदलती ऋतुओं के साथ-साथ इनके बदलते स्वरूप को देखा है। ये उनके लिए प्रेरणा के महान स्रोत हैं। इस जुड़ाव के बावजूद गंगा से उनका लगाव धार्मिक नहीं था।)

Q3 : What is Pt. Nehru anxious about?

(पं० नेहरू किस विषय में चिंतित हैं?)

Ans: Pt. Nehru has discarded much of past tradition and customs. He is anxious about India's past customs and traditions. These are very harmful. They divide her people. They prevent the free development of spirit. Nehru wants the people to get rid of all such customs and traditions. But, he wants some of our past customs and traditions to be preserved. They remind us of our glorious past. They serve as a like between the past and the prevent. Nehru wants to preserve this part of our past customs and traditions. He values it greatly. He calls it a treasure. He gets inspiration from it.

(पं० नेहरू ने प्राचीन परंपराओं और रीतियों के अधिकांश भाग को छोड़ दिया है। वे भारत के प्राचीन रीति-रिवाजों के प्रति चिंतित हैं। ये रीति-रीवाज बहुत हानिकारक हैं। ये भारत के लोगों के बीच फूट डालते हैं। ये आत्मा के स्वतंत्र विकास को भी रोकते हैं। नेहरू जी चाहते हैं कि लोग ऐसी पुरानी रीतियों और परंपराओं से छुटकारा पा लें। किंतु वह चाहते हैं कि हमारी पुरानी रीतियों और परंपराओं के कुछ भाग को बचाकर रखा जाए। वे हमें हमारे वैभवपूर्ण अतीत की याद दिलाते हैं। वे वर्तमान तथा अतीत के बीच एक कड़ी का कार्य करते हैं। नेहरू जी हमारी इन्हीं पुरानी रीतियों एवं परंपराओं के इस भाग को बचाकर रखना चाहते हैं। वे इसे बहुमूल्य समझते हैं। वे उसे खजाने के रूप में बुलाते हैं। वे इससे प्रेरणा प्राप्त करते हैं।)

Q4 : What way does Nehru desire his ashes to be disposed of ?

(पं० नेहरू अपनी राख को किस प्रकार वितरित करने की इच्छा करते हैं?)

Ans: Nehru liked his body to be cremated after his death. If he died in a foreign country, his body should be cremated there and his ashes sent to Allahabad.

He desired that a handful of his ashes should be thrown in the Ganga. He desired to have a handful of his ashes thrown in the Ganga at Allahabad had no religious importance. He had been attached to the Ganga and the Jamuna rivers in Allahabad ever since his childhood. As he had grown older, his attachment had also grown.

The major portion of his ashes disposed of in the manners given below. No part of his ashes should be kept as preserved. The major portion of his ashes should be disposed in the following way:

He wanted his ashes to be carried high up in to the air in aeroplane and scattered from that height over the fields where the farmers of India worked hard.

He wanted so, that his ashes might mix with the dust and soil of India and became an inseparable part of India.

(नेहरू जी चाहते थे कि उनकी मृत्यु के पश्चात् उनका दाह संस्कार किया जाए। यदि उनकी मृत्यु कहीं विदेश में हो तो उनका दाह-संस्कार वहीं कर दिया जाए और उनकी राख इलाहाबाद भेज दी जाए।

उनकी इच्छा थी कि उनकी राख का मुट्ठी भर हिस्सा गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए। उनकी इस इच्छा का कोई धार्मिक महत्व नहीं था कि उनकी राख के मुट्ठी भर भाग को इलाहाबाद में गंगा में विसर्जित किया जाए। उनका बचपन से ही इलाहाबाद में गंगा और जमुना से लगाव था। जैसे ही वह बड़े हुए, उनका लगाव भी बढ़ता गया।

उनकी राख का प्रमुख भाग नीचे दिए गए ढंग में वितरित किया जाए। उनकी राख का कोई भी भाग संरक्षित करने के लिए न रखा जाए। उनकी राख का प्रमुख भाग निम्नलिखित विधि से उपयोग किया जाए।

वे चाहते थे कि उनकी राख हवाई जहाज से ऊपर ऊँचाई पर ले जाई जाए और वहाँ से खेतों में बिखेर दी जाए, जहाँ भारत के किसान कठिन परिश्रम करते हैं।

वे ऐसा इसलिए चाहते थे कि उनकी राख भारत की धूल और मिट्टी में मिल जाए तथा वे भारत का अभिन्न अंग बन जाएँ।)

Q5 : Give a description of the different moods of the Ganga in different seasons.

(भिन्न-भिन्न मौसम में गंगा के भिन्न-भिन्न स्वरूपों का विवरण दीजिए।)

Ans: The Ganga is especially the river of India and is the beloved of her people. She has been a symbol of India's age-long culture and civilization.
She has different moods in different seasons. She looks smiling and dancing in the morning sunlight, and dark and gloomy as the evening shadows fall. She becomes a narrow, slow and graceful stream in winter and a vast roaring thing during the monsoon having the power of sea to destroy.
The Ganga has been a symbol and memory of the part of India. It runs into the present. It flows on to the great ocean of the future.
(गंगा विशेष रूप से भारत की नदी है और उसके लोगों की प्रिय है। वह भारत की युगों पुरानी संस्कृति और सभ्यता की प्रतीक रही है।
भिन्न- भिन्न मौसमों में उसके भिन्न-भिन्न स्वरूप होते हैं। वह प्रात:काल सूर्य के प्रकाश में मुस्कुराती तथा नृत्य करती मालूम होती है और संध्या के समय उदास तथा रहस्यमय मालूम पड़ती है। सर्दियों में वह एक संकरी, धीमी और सुंदर नदी बन जाती है और वर्षा ऋतु में समुद्र के समान विशाल और शोर करती हुई वस्तु हो जाती है मानों समुद्र को नष्ट करने की शक्ति प्राप्त कर ली हो।
गंगा भारत के अतीत की स्मृति तथा प्रतीक रही है। वह वर्तमान में प्रवाहित हो रही है। वह भविष्य के गहन महासागर की ओर प्रवाहमान है।)

Q6 : What is it that Nehru is proud of ?
(नेहरू को किस पर गर्व है?)

Ans: Nehru is proud of the cultural heritage of India and seeks inspiration from it. He is concious that he is a link in the unbroken chain which goes back to the dawn of history. He does not wish to break that chain. He treasures it and seek inspiration from it. As his last homage to India's cultural inheritance, he wishes a handful of his ashes to be immersed in the Ganga so that they might be carried to the great ocean that washes India's shores. He wants the major portion of his ashes to be scattered over the fields of India so that they might become an inseparable part of India.
(नेहरू जी भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हैं और उन्हें उससे प्रेरणा मिलती है। वे सचेत हैं कि वे भारत की उस अटूट शृंखला की एक कड़ी हैं जो भारत के इतिहास के अतीत से प्रारम्भ हुई थी। वे नहीं चाहते की वह कड़ी टूटे। वे इसे बहुमूल्य मानते हैं और इससे प्रेरणा प्राप्त करते हैं। भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति अपनी अंतिम श्रद्धांजलि के रूप में, नेहरू जी चाहते हैं कि उनकी राख का एक भाग गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए जिससे कि वे महासागर में पहुँच जाएँ, जो भारत के तटों को धोता है। वे चाहते हैं कि उनकी राख का अधिकांश भाग भारत के खेतों पर छिड़का जाए जिससे कि वे भारत का अभिन्न अंग बन सकें।)

SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : What is the most precious gift that Nehru has received from his countrymen?
(नेहरू ने अपने देशवासियों से क्या कीमती उपहार प्राप्त किया?)

Ans: Nehru has received love and affection from his countrymen.
(नेहरू ने अपने देशवासियों से प्रेम तथा स्नेह प्राप्त किया।)

Q2 : What was Nehru unable to repay to the Indian people?
(नेहरू भारतवासियों को क्या लौटाने में असमर्थ थे?)

Ans: Nehru was unable to repay the love and affection which he received from the Indian people.
(भारतवासियों से जो प्रेम और स्नेह नेहरू को मिला, उसे लौटाने में वे असमर्थ थे।)

Q3 : What is that Nehru doesn't want to be unworthy of ?
(वह क्या है जिसके प्रति नेहरू अयोग्य नहीं होना चाहते थे?)

Ans: Nehru doesn't want to be unworthy of his people and their affection.
(नेहरू अपने लोगों के तथा उनके स्नेह के प्रति अयोग्य नहीं होना चाहते थे।)

Q4 : What has Nehru said about his comrades and colleagues?
(नेहरू ने अपने साथियों और सहकर्मियों के बारे में क्या कहा?)

Ans: Nehru said that his comrades and colleagues have shared many joys and sorrows with him. So, Nehru felt a debt of gratitude towards them.
(नेहरू ने कहा कि उनके साथियों और सहकर्मियों ने उनके साथ खुशियाँ और दु:ख बाँटे हैं। इसी कारण नेहरू जी उनके प्रति कृतज्ञता का ऋण महसूस करते हैं।)

Q5 : What does Nehru desire to be done to his body after his death?
(अपनी मृत्यु के बाद नेहरू अपने शरीर का क्या करने की इच्छा रखते हैं?)

Ans: Nehru desires that after his death his body should be cremated where he dies.
(नेहरू की इच्छा है कि मृत्यु के बाद उनके शरीर का दाह-संस्कार वहीं कर दिया जाए जहाँ वे मरें।)

Q6 : What are the two wishes Nehru expresses in his will regarding the disposal of his ashes?
(नेहरू अपनी वसीयत में अपनी राख को समाप्त करने के लिए कौन-सी दो इच्छाएँ व्यक्त करते हैं?)

Ans: The two wishes that Nehru expressed in his will are:
(i) He wanted that a handful of his ashes should be thrown in the Ganga at Allahabad.
(ii) The major portion of his ashes should be scattered over the fields of India.
(जो दो इच्छाएँ नेहरू ने अपनी वसीयत में व्यक्त की वे, हैं—
(i) वे चाहते थे कि उनके शरीर की मुट्ठी भर राख गंगा में प्रवाहित कर दी जाए।
(ii) उनकी राख का अधिकांश भाग भारत के खेतों में बिखेर दिया जाए।)

Q7 : How is Ganga the river of India?
(गंगा भारत की नदी कैसे है?)

Ans: Ganga is the river of India because it has been the symbol of India's culture and civilization. It reminds of the hopes, fears, success and defeats of the people of India.
(गंगा भारत की नदी है क्योंकि यह भारत की संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक रही है। यह भारत के लोगों को आशाओं, भय, सफलता तथा हार की याद दिलाती है।)

Q8 : What does Ganga symbolize?
(गंगा किस बात का प्रतीक है?)

Ans: The Ganga symbolizes India's age-long culture and civilization.
(गंगा भारत की दीर्घकालीन संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है।)

Q9 : What does Ganga remind Nehru of?
(गंगा नेहरू को किस बात की याद दिलाती है?)

Ans: The Ganga reminds Nehru of snow covered peaks and deep valleys of the Himalyas and its rich vast plains.
(गंगा नेहरू को हिमालय पर्वत की बर्फ से ढकी चोटियों और गहरी घाटियों तथा अपने उपजाऊ एवं विस्तृत मैदानों की याद दिलाती है।)

Q10 : How does Ganga look to Nehru in different seasons?
(गंगा नेहरू को विभिन्न मौसम में कैसी लगती है?)

Ans: Ganga looks smiling and dancing in the morning sunlight, and dark, gloomy and mysterious as the evening shadows fall, a narrow, slow and graceful stream in winter, and a vast roaring things during the monsoon.
(गंगा सूर्य के प्रात:कालीन प्रकाश में मुस्कराती तथा नाचती हुई, तथा सांयकाल के फैलते हुए सायों में स्याह, उदास और रहस्यमयी, शीत ऋतु में संकरी, मंद और सुंदर जलधारा और मानसून में विशाल गर्जन करने वाली बन जाती है।)

Q11 : How is Ganga an important part of India's past, present and future?
(गंगा भारत के भूत, वर्तमान तथा भविष्य का महत्वपूर्ण भाग कैसे है?)

Ans: Ganga is a symbol of India's past, running into the present that will continue flowing on to the great ocean of the future.
(गंगा भारत के अतीत का प्रतीक है, जो वर्तमान में प्रवाहमान है और भविष्य के गहन महासागर में सदैव बहती रहेगी।)

Q12 : Which past tradition of India does Nehru want Indians to get rid of and why?
(नेहरू भारतीयों को किन पुराने रीति-रिवाजों से मुक्ति दिलाना चाहते थे और क्यों?)

Ans: Nehru wants Indian should get rid of the past traditions and customs which bind, divide and suppress her people. They prevent the free development of one's body and spirit.
(नेहरू भारतीयों को उन पुराने रीति-रिवाजों से मुक्ति दिलाना चाहते थे जो उसके लोगों को बेड़ियों में बाँधते हैं, बाँटते हैं, और उनका दमन करते हैं। ये मनुष्य के मुक्त आत्मिक व शारीरिक विकास में बाधक है।)

Q13 : Why does Nehru not want to cut off himself completely from Indian past?
(नेहरू अतीत से पूर्णतया अलग होने की चाह क्यों नहीं रखते थे?)

Ans: Nehru does not want to cut himself off the past completely because he proud of that great inheritance. It is like an unbroken chain off which he himself is a link.
(नेहरू अतीत से पूर्णतया अलग होना इसलिए नहीं चाहते क्योंकि उन्हें अपनी महान विरासत पर गर्व है। यह एक बिना टूटी जंजीर के समान है, जिसकी वे भी एक कड़ी है।)

Q14 : Why does Nehru want major portion of his ashes to be scattered our Indian fields?
(नेहरू क्यों चाहते हैं कि उनकी राख का अधिकांश भाग भारतीय खेतों में बिखेर दिया जाए?)

Ans: Nehru wants that major portion of his ashes should be scattered over the fields of India so that the ashes of his body should be mixed in the soil of India of which he was made.
(नेहरू चाहते हैं कि उनकी राख का अधिकांश भाग भारत के खेतों में बिखेर दिया जाए ताकि वह उसी मिट्टी में मिल जाए जिससे यह बना है।)

Q15 : When was Nehru's Will and Testament written?
(नेहरू का वसीयतनामा और इच्छा पत्र कब लिखा गया था?)

Ans: Nehru's Will and Testament was written on June 21, 1954.
(नेहरू का वसीयतनामा और इच्छा पत्र 21जून 1954 को लिखा गया था।)

VOCABULARY

[A] Match the words of column (I) and (II) according to the similarity in their meanings :

I	II
fraction	mix
unworthy	eager
inevitably	work hard
intertwined	twisted with
anxious	a small part of
shackles	chains and boundations
toil	not deserving
mingle	unavoidably

[B] Give antonyms of :

received	**send**	precious	**worthless**
abundant	**lacking**	gratitude	**ingratitude**
destroy	**preserve, built**	discard	**embrace**
victory	**defeat**	narrow	**broad**

[C] Use the given words / group of words in your own sentences :
overwhelmed, unworthy, abundance, disposed of, get rid of, varying, gloomy, inevitably
overwhelmed : Seeing my surprised birthday party I became **overwhelmed**.
unworthy : I shall not be **unworthy** of my parents.
abundance : Gandhiji got love from the people of Indian in **abundance**.
disposed of : Lakshay has **disposed of** all his old toys.
get rid of : My uncle wants to **get rid of** his bad habit of smoking.
varying : Nobody can guess the varying moods of **ladies**.
gloomy : The atmosphere of the hospital was **gloomy**.
inevitably : You will **inevitably** get a good job.

4. Socrates

Summary in English

I

Socrates lived in Athens about 400 years B.C. As a boy he was ugly and undersized. He had a flat nose and bulging eyes. His father was a poor stone-cutter. At school he learned music and gymnastics. He also learned some science and mathematics and a little about the stars. This strange creature with a short neck and plain face was a thoughtful child. He allowed very few things to escape his notice.

He did not have a big house or fine furniture. He did not seem to want either wealth or beautiful possessions. He gave to his mind all that was noble, honourable and just.

He went round the town on foot and talked to people. He told his countrymen that everyone must learn to think for himself, so that by using his reason he would have the power to see what was right, just, true and beautiful and so shape his own conduct. He wanted Athens to be a perfect state.

II

When Socrates was an old man, his fame had spread far and wide. He taught that man's own mind influences his conduct more than the gods.

The men who were governing Athens summoned Socrates to appear before them and to stand his trial. The government officials as well as some people thought that he was misleading the young.

Socrates spoke to the court in his defence, but the judges found him guilty and condemned him to death. Plato and other disciples of Socrates wept bitterly when he was given a cup of poison to drink. Thus, Socrates, the greatest of all the Greeks was dead.

Summary in Hindi

II

ईसा मसीह के जन्म से लगभग 400 वर्ष पूर्व सुकरात एथेन्स में रहता था। बचपन में वह बदसूरत व छोटे कद का था। उसकी नाक चपटी और आँखें उभरी हुई थी। उसका पिता एक गरीब पत्थर काटने वाला था। स्कूल में उसने संगीत और शारीरिक व्यायाम सीखे। उसने कुछ गणित और विज्ञान भी सीखा और सितारों के बारे में भी थोड़ा ज्ञान प्राप्त किया। यह छोटी गर्दन और सपाट चेहरे वाला व्यक्ति एक विचारशील बच्चा था। वह बहुत कम चीजों को अपने ध्यान से बचने देता था।

उसके पास बड़ा घर अथवा सुंदर फर्नीचर नहीं था। वह धन अथवा कीमती वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा नहीं रखता था। उसने अपना दिमाग उन चीजों में लगाया जो श्रेष्ठ, सम्मानजनक और न्यायसंगत था।

वह कस्बे में पैदल घूमता रहता था और लोगों से बातें करता रहता था। उसने अपने देशवासियों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के बारे में सोचना चाहिए ताकि अपनी तर्कशक्ति का प्रयोग करके वह यह देखने की शक्ति प्राप्त कर सके कि कौन-सी चीज ठीक, न्यायसंगत, सत्य और सुंदर हैं और इस प्रकार अपने आचरण को ढाल सके। वह एथेन्स को एक आदर्श राज्य बनाना चाहता था।

II

जब सुकरात बूढ़ा हो गया, उसकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैल गई। उसने सिखाया कि मनुष्य के स्वयं का मस्तिष्क देवताओं की अपेक्षा उसके आचरण को अधिक प्रभावित करता है।

एथेन्स के शासकों ने सुकरात को अपने सामने उपस्थित होने और मुकदमे में अपनी सफाई देने के लिए न्यायालय में बुलाया। सरकारी अधिकारियों और साथ-साथ कुछ अन्य लोगों ने सोचा कि वह नवयुवकों को गलत मार्ग पर ले जा रहा है।

सुकरात अदालत में अपने पक्ष में बोले किंतु न्यायधीशों ने उसे दोषी करार दिया और मृत्युदंड दे दिया। जब सुकरात को जहर का प्याला पीने को दिया गया तो प्लेटो और उसके दूसरे शिष्य फूट-फूटकर रोने लगे। इस प्रकार सुकरात, यूनानियों में सबसे अधिक महान, मर चुका था।

Exercise

COMPREHENSION

Read the following passages and answer the questions that follow :

[A] Socrates lived..... honourable and just.

Vocabulary :

ugly	-	बदसूरत	undersized	-	छोटे कद का
flat nose	-	चपटी नाक	bulging	-	उभरी हुई
stone-cutter	-	पत्थर काटने वाला	shabbily	-	फटेहाल, गरीब की तरह
gymnastics	-	व्यायाम विद्या	geography	-	भूगोल
strange	-	विचित्र	creature	-	प्राणी
thoughtful	-	विचारशील	companions	-	साथी
escape	-	बचकर निकलना	wealth	-	धन
possessions	-	सामान	comfort	-	आराम

pleasure	-	आनंद	noble	-	श्रेष्ठ
honourable	-	सम्मानजनक	just	-	न्यायसंगत

हिंदी अनुवाद– सुकरात ईसा के जन्म से लगभग 400 वर्ष पूर्व एथेन्स में रहते थे। वे बचपन से बदसूरत तथा छोटे कद थे। उनकी नाक चपटी और आँखें बाहर को निकली हुई थीं। उनके पिता पत्थर काटने वाले एक निर्धन व्यक्ति थे। इसलिए उनके कपड़े सदा फटे-पुराने रहते थे।

अपनी आयु के अन्य बच्चों की भाँति वे स्कूल जाते थे जहाँ सबसे महत्वपूर्ण विषय संगीत एवं शारीरिक व्यायाम थे। उन्होंने विज्ञान, गणित तथा तारों के विषय में भी थोड़ा ज्ञान प्राप्त किया। लेकिन आजकल के बच्चों की भाँति उन्होंने इतिहास तथा भूगोल याद नहीं किया। वे छोटी गर्दन तथा साधारण चेहरे वाले विचित्र प्राणी एक चिंतनशील बालक थे। वे हर समय अपने साथियों का अवलोकन करते रहते थे। बहुत ही कम ऐसी चीजे थीं जो उनकी दृष्टि से बच पाती थी।

सुकरात के पास न तो बड़ा मकान था और न ही अच्छा फर्नीचर। उन्हें धन या अच्छी चीजों की भी इच्छा नहीं थी। जैसे-जैसे वे बड़े होते गए, उन्होंने अपने शारीरिक आराम और सुख की ओर सोचना बिल्कुल बंद कर दिया। वे केवल श्रेष्ठ, सम्मानपूर्ण तथा न्यायसंगत बातों के विषय में ही सोचते थे।

Q1: When and where did Socrates live?
(सुकरात कब और कहाँ रहते थे?)

Ans: Socrates lived in Athens about four hundred year before Jesus Christ was born.
(सुकरात ईसा के जन्म से 400 वर्ष पूर्व एथेन्स में रहते थे।)

Q2: Describe physical appearance of Socrates?
(सुकरात की आकृति का वर्णन कीजिए।)

Ans: Socrates was ugly, undersized and had a flat nose and bulging eyes.
(सुकरात बदसूरत और बोने थे तथा उनकी नाक चपटी और आँखें बाहर उभरी हुई थीं।)

Q3: Why was Socrates always shabbily dressed?
(सुकरात सदा गंदे कपडे क्यों पहने रहते थे?)

Ans: Socrates was always shabbily dressed because his father was a poor stone-cutter.
(सुकरात सदा गंदे कपडे पहने रहते थे क्योंकि उनके पिता गरीब पत्थर काटने वाले थे।)

Q4: What were the most important lessons at school in those days?
(उन दिनों स्कूल में कौन से मुख्य पाठ पढाए जाते थे?)

Ans: The most important lessons at school in those days were music and gymnastics.
(उन दिनों स्कूल में मुख्य पाठ संगीत और शारीरिक व्यायाम पढ़ाए जाते थे।)

Q5 : How do you know that Socrates was a thoughful child?
(आप कैसे जानते हैं कि सुकरात चिंतनशील बच्चे थे?)

Ans: Socrates was a thoughtful child because he watched his companions all the time.
(सुकरात चिंतनशील बच्चे थे क्योंकि वे प्रत्येक समय अपने साथियों को देखते रहते थे।)

Q6: What was the financial condition of Socrates' family?
(सुकरात के परिवार की आर्थिक स्थिति कैसी थी?)

Ans: The financial condition of Socrates's family was not good.
(सुकरात के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी।)

Q7: What did Socrates begin to think as he grew order?
(जैसे ही सुकरात बड़े हुए उन्होंने क्या सोचना शुरू किया?)

Ans: As Socrates grew older he began to think very little of bodily comfort and pleasures. He gave his mind to all that was noble, honourable and just.
(जैसे ही सुकरात बड़े हुए उन्होंने अपने शारीरिक आराम और आनंद के बारे में सोचना छोड़ दिया। उन्होंने अपना चित्त उन बातों में लगा दिया जो श्रेष्ठ, सम्मानपूर्ण और न्यायोचित थीं।)

[B] Socrates went around..... Socrates himself.

Vocabulary :

town	-	कस्बा	familiar	-	परिचित
figure	-	आकृति	streets	-	गलियाँ

famous	-	प्रसिद्ध	wandered	-	घूमता था
greet	-	स्वागत करना	confused	-	परेशान
argued	-	बहस करना, तर्क देना	shape	-	ढालना
conduct	-	आचरण	perfect	-	आदर्श
pupils	-	शिष्य	followers	-	अनुयायी
citizen	-	नागरिक	forever	-	सदैव
far and wide	-	दूर-दूर तक	by degrees	-	धीरे-धीरे
treasured	-	संचित किया	uttered	-	कहा

हिंदी अनुवाद– सुकरात नगर में पैदल घूमते थे और लोगों से बातें करते थे। एथेन्सवासियों ने गलियों में उनकी परिचित आकृति की प्रतीक्षा करना और अपने मित्रों से यह कहना शुरू कर दिया, ''हाँ, यही सुकरात है। मेरे साथ आओ उनसे बातें करो।'' कुछ समय के बाद सुकरात एक अध्यापक के रूप में प्रसिद्ध हो गए। वह सड़कों पर घूमते रहते थे और बाजारों या व्यस्त जगहों पर खड़े होकर उन सबसे बातें करते थे जो उन्हें सम्मान देते थे। उनको सुनने वाले उनसे बहस करके या उनके प्रश्नों के उत्तर देकर प्राय: दुविधा में पड़कर निरूत्तर हो जाते थे। सुकरात ने अपने देशवासियों से कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वचिंतन की योग्यता का विकास करना चाहिए जिससे वह अपनी तर्कशक्ति का प्रयोग करके यह जान सके कि क्या उचित, न्यायपूर्ण, सत्य और सुंदर है और फिर उसी के अनुसार अपना आचरण बनाए रख सके। वे एथेन्स को एक पूर्ण आदर्श राज्य देखना चाहते थे। वे अपने शिष्यों और दूसरे अनुयायियों से कहा करते थे कि ऐसा तभी हो सकता है, जबकि प्रत्येक नागरिक अपने मस्तिष्क को यह जानने के लिए शिक्षित करे कि क्या सही है और श्रेष्ठ है? उनका विश्वास था कि प्रश्न पूछने और वाद-विवाद से ऐसा करने में उनको सहायता मिलेगी। इसी कारण वे हमेशा आम रास्तों पर खड़े होकर उनसे बातें करते थे।

जब सुकरात वृद्ध हो गए तो उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। अनेक धनवान व्यक्तियों ने अपने द्वार उनके लिए खोल दिए, क्योंकि लोग उनको अपना अतिथि बनाने में स्वयं को सम्मानित हुआ मानते थे। धीरे-धीरे उनके ऐसे शिष्य बन गए, जो जहाँ कहीं वे जाते थे, उनके साथ चलते थे। उनमें से प्लेटो नामक एक नवयुवक भी था जो अपने गुरु द्वारा कहे गए प्रत्येक शब्द को संचित कर लेता था और आगे चलकर वह सुकरात के समान ही प्रसिद्ध अध्यापक बना।

Q1 : How did people of Athens begin to recognize Socrates?
(एथेन्स के लोगो ने सुकरात को कैसे पहचानना शुरू कर दिया था ?)

Ans: People of Athens began to recognize Socrates as familiar figure.
(एथेन्स के लोगो ने सुकरात को परिचित आकृति के रूप में पहचानना शुरू कर दिया था।)

Q2 : Why did Socrates wander along streets and stand in market places?
(सुकरात सड़कों पर क्यों घूमते थे तथा बाजारों में क्यों खड़े हो जाते थे?)

Ans: Socrates wandered along the streets and stood in the market places to talk to the people who greeted him.
(सुकरात उन व्यक्तियों से बात करने को सड़कों पर घूमते और बाजार में खड़े हो जाते थे, जो उनका अभिवादन करते थे।)

Q3 : Why should man use his reason, according to Socrates?
(सुकरात के अनुसार मनुष्य को अपनी तर्कशक्ति का प्रयोग क्यों करना चाहिए?)

Ans: According to Socrates by using his reason, man would have the power to see what was right, just, true and beautiful.
(सुकरात के अनुसार अपनी तर्कशक्ति का प्रयोग करके मनुष्य को यह देखने की शक्ति प्राप्त होगी कि क्या ठीक, न्यायपूर्ण, सत्य और सुंदर है।)

Q4 : What changes occured in Socrates, life as he grew older?
(जब सुकरात बड़े हुए उनके जीवन में क्या परिवर्तन हुए?)

Ans: When Socrates grew older, he began to think very little of bodily comfort and pleasure. He began to think about what is noble, honourable and just.
(जैसे-जैसे सुकरात बड़े हुए उन्होंने अपने शारीरिक सुख और आराम की ओर सोचना बंद कर दिया। वे केवल उन्हीं बातों के विषय में सोचने लगे जो अच्छी, सम्मानजनक और न्यायोचित थीं।)

Q5: Who was Plato?
(प्लेटो कौन था?)

Ans: Plato was pupil of Socrates. He treasured every word which his master uttered.
(प्लेटो सुकरात का शिष्य था। वह अपने गुरु द्वारा कहे गए प्रत्येक शब्द को संचित करता था।)

[C] But although..... shabby garments.

Vocabulary :

delighted	-	प्रसन्न	wisdom	-	विद्वता, बुद्धि
approve of	-	सिद्ध किया, समर्थन करना	influenced	-	प्रभावित करना
conduct	-	आचरण	wicked	-	दुष्टतापूर्ण
deeds	-	कार्य	sacrifices	-	बलि देना
astray	-	किसी को उचित मार्ग से विचलित करना			
doubt	-	संदेह	were governing	-	शासन कर रहे थे
summoned	-	किसी को न्यायालय के समक्ष बुलाना	appear	-	उपस्थित होना
stand trial	-	न्यायिक प्रक्रिया से गुजरना	escape	-	बचना
hide	-	छिपना	storm	-	तूफान
blown over	-	शांत होना	coward	-	कायर
believed	-	विश्वास	travel-stained	-	यात्रा से थका हुआ
garments	-	कपड़े			

हिंदी अनुवाद– यद्यपि बहुत से लोग उस बूढ़े व्यक्ति से प्रेम करते थे तथा उसकी विद्वता से आनंदित होते थे, किंतु कुछ ऐसे भी थे जो उनकी बातों से सहमत नहीं थे। उन्होंने सिखाया कि मनुष्य का मस्तिष्क देवी-देवताओं की अपेक्षा व्यक्ति के आचरण को प्रभावित करता है। कुछ लोगों को यह विचार नया और दुष्टतापूर्ण लगा। उन्होंने कहा कि एथेन्स और यूनान के देवी-देवताओं को बलि देने की अपेक्षा अधिक श्रेष्ठ तथा महान कार्य और भी हैं। अनेक लोगों ने सोचा कि वे नवयुवकों को गलत राह पर ले जा रहे हैं। जो अब तक उन्हें सिखाया गया है वह उस ज्ञान पर संदेह कर रहे हैं और उनके मस्तिष्क को संदेह से भर रहे हैं।

एथेन्स के शासकों ने सुकरात को अपने सामने उपस्थित होने और मुकदमे में अपनी सफाई देने के लिए बुलाया। उनके मित्रों ने उनसे तूफान शांत हो जाने तक भाग जाने या छिप जाने की प्रार्थना की। परंतु सुकरात कायर नहीं थे। वे जानते थे कि उन्होंने कोई गलत कार्य नहीं किया है और केवल वही सिखाया है जिसे वे सही, उचित और सम्माननीय समझते थे और इसलिए वे न्यायालय में गए। एक लंबी यात्रा के कारण उनके कपड़े और जूते गंदे धब्बों और धूल से भर गए थे। परंतु प्रत्येक व्यक्ति जानता था कि इन गंदे कपड़ों में एक उदार हृदय की धड़कन छिपी हुई है।

Q1: What did Socrates teach people?
(सुकरात ने लोगों को क्या सिखाया?)

Ans: Socrates taught that man's own mind influences his conduct more than the gods.
(सुकरात ने सिखाया कि मनुष्य का अपना मस्तिष्क देवी-देवताओं की अपेक्षा उसके आचरण को अधिक प्रभावित करता है।)

Q2: Why did some people find Socrates' ideas to be wicked?
(कुछ लोगों ने सुकरात के विचारों को दुष्टतापूर्ण क्यों पाया?)

Ans: Some people found Socrates' ideas to be wicked because they thought that he was leading the young astray.
(कुछ लोगों को सुकरात के विचार दुष्टतापूर्ण लगे क्योंकि उन्होंने सोचा कि वे नवयुवकों को गलत राह पर ले जा रहे हैं।)

Q3: What did Socrates' friends beg him to go?
(सुकरात के मित्रों ने उनसे कहाँ जाने की प्रार्थना की?)

Ans: Socrates' friends begged him to escape or to hide untill the storm had blown over.
(सुकरात के मित्रों ने उनसे तूफान के शांत होने तक बचकर भाग जाने या छिप जाने की प्रार्थना की।)

Q4 : Why did Socrates not escape?
(सुकरात बचकर क्यों नहीं भागे?)

Ans: Socrates was not coward so he did not escape.
(सुकरात कायर नहीं थे इसलिए वे बचकर नहीं भागे।)

Q5 : How can you say that Socrates was not coward?
(आप कैसे कह सकते हैं कि सुकरात कायर नहीं थे?)

Ans: When Socrates' friends begged him to escape or to hide, he did not escape. So we can say that he was not coward.
(जब सुकरात के मित्रों ने उनसे बचकर भाग जाने या छिप जाने की प्रार्थना की, वे बचकर नहीं भागे इसलिए हम कह सकते हैं कि वे कायर नहीं थे।)

Q6 : Why did people love and respect Socrates despite his shabby dress?
(लोग सुकरात के गंदे कपड़ों के बावजूद उनसे प्रेम तथा उनका सम्मान क्यों करते थे?)

Ans: Despite Socrates' shabby dress, people loved and respected him for his noble heart.
(सुकरात के गंदे कपड़ों के बावजूद लोग उनके उदार हृदय के कारण उन्हें प्रेम तथा सम्मान देते थे।)

[D] He made a..... our lives as orphans."

Vocabulary :

dignified	-	शानदार	willing	-	इच्छुक
condemned to death	-	मृत्युदंड	complaint	-	शिकायत
leaned	-	झुका हुआ	crowded	-	भीड़ से भरा
evil	-	बुरा	cheer	-	हर्ष
departure	-	प्रस्थान	prison	-	जेल
favourite	-	बहुत प्रिय	bereaved	-	शोक-संतप्त
the rest	-	शेष	orphans	-	अनाथ

हिंदी अनुवाद– उन्होंने एक सशक्त और शानदार भाषण दिया। उन्होंने एथेन्सवासियों से कहा कि उनके जीवन के कुछ वर्ष लेकर उन्हें कोई लाभ नहीं होगा, परंतु जिस बात को वे उचित समझते हैं उसके लिए वे अनेक बार मरने को तैयार हैं।

न्यायाधीशों ने उनकी बात को सुना, उनसे प्रश्न पूछे और उन्हें मृत्युदंड दे दिया। उस वृद्ध व्यक्ति ने कोई शिकायत नहीं की। वह अपनी छड़ी पर झुके हुए भीड़ से खचाखच भरी अदालत को देखता रहा। प्लेटो और उनके अन्य शिष्य पूरे समय अदालत में थे। उन्होंने उनसे कहा, ''अच्छे व्यक्ति का उसके जीवन में या मृत्यु के बाद कोई बुरा नहीं हो सकता। अत: तुम प्रसन्न रहो, मुझे जाना ही है। मेरे जाने का समय आ गया है और हमें अपने-अपने मार्ग पर जाना है, मुझे मरने के लिए और तुम्हें जीवित रहने के लिए।''

तब सिपाही आए और उन्हें जेल ले गए। उनकी पत्नी तीन बच्चों को लेकर उनके साथ गई। उनके अनेक प्रिय शिष्य भी उनके साथ थे। बहुत देर तक उन्होंने सुकरात से बातें की और सुकरात ने उन्हें बहुत से शिक्षाप्रद उपदेश दिए जिन्हें उन्होंने हृदयंगम कर लिया। परंतु पूरे समय उनके मित्र यही अनुभव करते रहे कि सुकरात शीघ्र ही मर जाएँगे। वे दु:खी थे। ''क्योंकि'', जैसा प्लेटो ने लिखा है, ''वह हमारे लिए पिता तुल्य थे, जिससे हमें वंचित किया जा रहा है और अब हमें शेष जीवन अनाथों की तरह व्यतीत करना पड़ेगा।''

Q1: What did Socrates tell the Athenians?
(सुकरात ने एथेन्सवासियों से क्या कहा?)

Ans: Socrates told Athenians that they would gain nothing by taking away the last few years of his life, but that he was willing to die many deaths for what he believed to be right.
(सुकरात ने एथेन्सवासियों से कहा कि उनके जीवन के कुछ वर्ष लेकर उन्हें कोई लाभ नहीं होगा, परंतु जिस किसी बात को वे उचित समझते हैं उसके लिए वे अनेक बार मरने को तैयार हैं।)

Q2 : How did the judge punish Socrates?
(न्यायधीश ने सुकरात को दंड कैसे दिया?)

Ans: The judge listened to him, questioned him and condemned him to death.
(न्यायधीश ने उनकी बात को सुना, प्रश्न पूछे तथा उन्हें मृत्युदंड दे दिया।)

Q3 : Why did Socrates make no complaint?
(सुकरात ने शिकायत क्यों नहीं की?)

Ans: Socrates made no complaint because he believed no evil can happen to a good man.
(सुकरात ने शिकायत नहीं कि क्योंकि वह विश्वास करते थे कि अच्छे व्यक्ति का कुछ भी बुरा नहीं हो सकता।)

Q4 : What did Socrates say to his pupil after the judgement?
(निर्णय के बाद सुकरात ने अपने शिष्यों से क्या कहा?)

Ans: Socrates told his pupils, "No evil can happen to a good man either in life or after death. So be of good cheer." His time of departure had come. He taught them many good lessons.
(सुकरात ने अपने शिष्यों से कहा, ''अच्छे व्यक्ति का उसके जीवन में या मृत्यु के बाद कोई बुरा नहीं हो सकता। अत: तुम प्रसन्न रहो।'' उसके मरने (प्रस्थान) का समय आ गया था। उसने अपने शिष्यों को बहुत सी अच्छी शिक्षाएँ दीं।)

Q5 : What did Plato write about Socrates' death?
(प्लेटो ने सुकरात की मृत्यु के विषय में क्या लिखा?)

Ans: Plato wrote, "he was like a father of whom we were being bereaved and we were about to pass the rest of our lives as orphans."
(प्लेटो ने लिखा, '' वह हमारे लिए एक पिता तुल्य थे, जिससे हमें वंचित किया जा रहा है और हमें शेष जीवन अनाथों की तरह व्यतीत करना पड़ेगा।)

Q6 : Who all followed Socrates when he was taken to the prison?
(जब सुकरात को जेल लेकर गए, उनके साथ कौन थे?)

Ans: When Socrates was taken to the prison, his wife with his three children and many of his favourite pupils followed him.
(जब सुकरात को जेल लेकर गए तो उनकी पत्नी तीनों बच्चों को लेकर तथा उनके अनेक प्रिय शिष्य उनके साथ गए।)

[E] After the sun..... sound of weeping.

Vocabulary :

condemned to die	-	मृत्युदंड	poison	-	जहर
nodded	-	स्वीकृति के लिए गर्दन हिलाना	angry	-	नाराज होना, क्रोधित होना
guilty cause	-	दोषी	bursting	-	फूट-फूट कर रोते हुए
tears	-	आँसू	prosper	-	उन्नति करना
lifted	-	उठाया	sobbed	-	सिसकी भरी
distressed	-	धैर्य तोड़ दिया			

हिंदी अनुवाद– पेड़ों की चोटियों के पीछे सूर्य के छिपने के बाद अर्थात् सायंकाल के बाद जेलर आया। उसने सुकरात से मरने के लिए तैयार होने के लिए कहा।

एथेन्स में जब लोगों को मृत्युदंड देते थे, तो उन्हें एक जहर का प्याला पीने के लिए दिया जाता था। सुकरात इस बात को जानते थे। उन्होंने सिर हिलाकर जेलर को सहमति दे दी, जो दु:ख के साथ यह कहता हुआ उनकी ओर देख रहा था, ''आप सुकरात, जिसे मैं इस स्थान पर अब तक जाने वाले सभी व्यक्तियों में सबसे उदार, सज्जन और श्रेष्ठ मानता हूँ, मुझसे नाराज तो नहीं होंगे जब मैं आपको जहर पीने के लिए कहूँगा, क्योंकि इसका दोषी मैं नहीं, बल्कि अन्य व्यक्ति हैं।'' फूट-फूटकर रोता हुआ वह बाहर गया और एक जहर का प्याला लेकर लौटा।

सुकरात ने कहा ''ईश्वर मेरी इस लोक से दूसरे लोक की यात्रा सफल करो।'' और जहर का प्याला उठाकर होठों से लगा लिया। उसके शिष्यों ने अपने आँसुओं को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उनमें से एक जोर-जोर से सिसकियाँ भरने लगा और इससे अन्य भी रोने लगे तथा शीघ्र ही कमरा रोने की आवाजों से भर गया।

Q1 : Who asked Socrates to be prepared for death?
(सुकरात से मृत्यु के लिए तैयार होने के लिए किसने कहा?)

Ans: The jailor asked Socrates to be prepared for death.
(जेलर ने सुकरात से मृत्यु के लिए तैयार होने के लिए कहा।)

Q2 : How were people punished with death penalty in Athens?
(एथेन्स में लोगों को मृत्यु की सजा कैसे दी जाती थी?)

Ans: A cup of poison was given to drink to the people who were punished with death penalty in Athens.
(एथेन्स में जिन लोगों को मृत्यु की सजा दी जाती थी उन्हें जहर का प्याला पीने के लिए दिया जाता था।)

Q3 : What did the jailor say to Socrates?
(जेलर ने सुकरात से क्या कहा?)

Ans: The jailor told Socrates that he was the noblest, gentlest and best of all whoever came to that place.
(जेलर ने सुकरात से कहा कि उस स्थान पर जितने भी व्यक्ति आए, उनमें वे सर्वश्रेष्ठ, सज्जन और सर्वोत्तम व्यक्ति हैं।)

Q4 : What did Socrates say as he lifted the cup of poison to his lips?
(जहर के प्याले को अपने होठों से लगाते समय सुकरात ने क्या कहा?)

Ans: As Socrates lifted the cup of poison to his lips, he said, "May the God prosper my journey from this to other world."
(जहर के प्याले को अपने होठों से लगाते समय सुकरात ने कहा, ''ईश्वर इस संसार से उस संसार की मेरी यात्रा को सफल बनाए।'')

Q5 : How did his pupils react when Socrates was poisoned?
(जब सुकरात को जहर दिया गया उनके शिष्यों की क्या प्रतिक्रिया थी?)

Ans: When Socrates was poisoned, one of his pupil sobbed aloud, then other also wept bitterly.
(जब सुकरात को जहर दिया गया, उनका एक शिष्य जोर से सिसकने लगा, फिर और भी जोर-जोर से रोने लगे।)

[F] Socrates paused..... Greeks was dead.

Vocabulary :

paused	-	रुका	unfinished	-	अधूरा
silent	-	शांत	patience	-	धैर्य
whispered	-	धीरे से बोला	favour	-	कृपा, अहसान
owe	-	ऋण	greatest	-	महानतम्

हिंदी अनुवाद– जहर का प्याला समाप्त किए बिना ही सुकरात बीच में रुके और बोले, ''यह कैसा विचित्र शोर है? मैंने सुना है कि व्यक्ति को शांतिपूर्वक मरना चाहिए। तुम्हें रोना नहीं चाहिए। शांत हो जाओ व धैर्य रखो।'' किसी बात को याद करते हुए उन्होंने चारों तरफ देखा। उन्होंने अपने शिष्यों में से एक से धीरे से कहा, ''क्रीटो, क्या तुम मुझ पर एक अहसान कर सकते हो? मैं एस्कुलेपियस के एक मुर्गे का ऋणी हूँ। क्या तुम इस ऋण को चुका दोगे?''

क्रीटो ने उत्तर दिया– ''यह ऋण चुका दिया जाएगा। क्या और कुछ बात है?'' वह कुछ देर रुका लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला, क्योंकि समस्त यूनानियों में महानतम् सुकरात मर चुके थे।

Q1 : What did Socrates say to his pupils when they were weeping badly?
(जब सुकरात के शिष्य बुरी तरह रो रहे थे उन्होंने उनसे क्या कहा?)

Ans: When Socrates' pupils were weeping badly he said them to be silient and have patience.
(जब सुकरात के शिष्य बुरी तरह रो रहे थे, उन्होंने उनसे शांत रहने तथा धैर्य रखने के लिए कहा।)

Q2 : What did Socrates ask Crito to do?
(सुकरात ने क्रीटो से क्या करने के लिए कहा?)

Ans: Socrates asked Crito to pay his debt to Aesculapius.
(सुकरात ने क्रीटो से एस्कुलेपियस का कर्ज चुकाने के लिए कहा।)

Q3 : What did Crito reply?
(क्रीटो ने क्या उत्तर दिया?)

Ans: Crito replied, "It shall be paid."
(क्रीटो ने उत्तर दिया, ''यह ऋण चुका दिया जाएगा।'')

LONG ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1: Who was Socrates? Describe his physical appearance and financial condition.
(सुकरात कौन थे? उनकी शारीरिक बनावट तथा आर्थिक स्थिति का वर्णन कीजिए।)

Ans: Socrates was a famous philosopher of Athens. He was born four hundred years before the birth of Jesus Christ.
As a boy he was ugly, undersized and had a flat nose and bulging eyes. He always rather shabbily dressed.
His father was a poor stone-cutter. He did not have a big house or fine furniture. He did not seem to want either wealth or beautiful possessions. In short we can say that his financial condition was not good.
(सुकरात एथेन्स के प्रसिद्ध दार्शनिक थे। उनका जन्म ईसा के जन्म से चार सौ वर्ष पूर्व हुआ था।
वे बचपन से ही बदसूरत, छोटे कद वाले थे और उनकी नाक चपटी तथा आँखें बाहर को निकली हुई थी। वे हमेशा गंदे कपड़े पहने रहते थे।
उनके पिता एक गरीब पत्थर तराशने वाले थे। सुकरात के पास न तो कोई बड़ा मकान था और न ही सुंदर फर्नीचर। उनको

धन, सम्पत्ति या अन्य वस्तुएँ प्राप्त करने की कोई इच्छा भी नहीं थी। संक्षेप में हम कह सकते हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी।)

Q2 : What did Socrates teach people? Why did he become famous?
(सुकरात ने लोगों को क्या शिक्षा दी? वे प्रसिद्ध क्यों हो गए?)

Ans: Socrates was a famous philosopher of Athens. He went round the town on foot and talked to people. He taught the people to use their reasoning power. They must know what is right, just, true and beautiful. He wanted Athens to be a perfect state. He advised every citizen to educate his own mind to see what is right and noble. He believed that questioning and discussing would help them do this. So he was talking to them forever in the open streets.

Socrates became famous because he chose the streets for talking people. He would question them, argue with them and then would leave them to think for themselves. His fame has spread far and wide. Many peoples gathered around him and followed him whenever he went.

(सुकरात एथेन्स के एक प्रसिद्ध दार्शनिक थे। वे कस्बे में पैदल जाते थे और लोगों से बातें करते थे। उन्होंने लोगों को अपनी तर्कशक्ति का प्रयोग करने की शिक्षा दी। उन्हें अवश्य जानना चाहिए कि कौन-सी चीज ठीक, न्यायसंगत, सत्य और सुंदर है। वे एथेन्स को एक आदर्श राज्य बनाना चाहते थे। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को सलाह दी कि वह यह देखने के लिए अपने मस्तिष्क को शिक्षित करें कि क्या उचित और श्रेष्ठ है। उनका विश्वास था कि प्रश्न करने और विचार-विमर्श करने से इसमें सहायता मिलेगी इसलिए सदैव वे खुली हुई गलियों में बातें करते रहते थे।

सुकरात इसलिए प्रसिद्ध हो गए क्योंकि उन्होंने लोगों से वार्तालाप करने के लिए सड़कों को चुना। वे लोगों से प्रश्न पूछते उनसे वाद-विवाद करते तथा उन पर ही छोड़ देते कि स्वयं सोच-समझकर निष्कर्ष निकालें। उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। बहुत से शिष्य उनके चारों ओर एकत्र हो जाते थे और जहाँ कहीं भी वे जाते थे, उनके पीछे-पीछे जाते थे।)

Q3 : Why were Socrates' ideas considered wicked?
(सुकरात के विचारों को दुष्टतापूर्ण क्यों समझा गया?)

Ans: Socrates told his countrymen that everyone must learn to think for himself. But some people did not approve of Socrates. Some of Socrates's teaching created confusion in their mind. Socrates taught that man's own mind influences his conduct more than the Gods. Socrates said that there were higher and nobler deeds than making sacrifices to Godes. Athena and other Gods of Greece. Many people thought that he was misleading the young astray by filling their minds with doubts. So his teaching seemed to be new and wicked.

(सुकरात ने अपने देशवासियों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आप के बारे में सोचना सीखना चाहिए। लेकिन कुछ लोगों ने सुकरात को मान्यता नहीं दी। सुकरात की कुछ शिक्षाओं ने उनके मस्तिष्क में परेशानी पैदा कर दी थी। सुकरात ने शिक्षा दी कि व्यक्ति का अपना मस्तिष्क उसके आचरण को देवताओं की अपेक्षा अधिक प्रभावित करता है। सुकरात ने कहा कि देवी एथेना तथा यूनान के अन्य देवताओं को बलि चढ़ाने की अपेक्षा और कुछ कार्य हैं जो उच्चतर तथा श्रेष्ठतर हैं। बहुत से लोगों का विचार था कि वह नवयुवकों के मस्तिष्क में शंकाएँ भरकर उनको गुमराह कर रहा है इसलिए उसकी शिक्षाएँ नई तथा दुष्टतापूर्ण प्रतीत हुईं।)

Q4 : What happened with Socrates in the court?
(न्यायालय में सुकरात के साथ क्या हुआ ?)

Ans: People of Athens thought that Socrates was misleading the young astray. He filled their mind with doubt by questioning them.

Socrates was summoned to appear before the court and stand his trial. He was fearless. Despite the advise of his friends he went to the court.

Socrates made influential and dignified speech. He told them that they would gain nothing by taking away the last few years of his life.

The judge listened to him, they questioned him and they condomned him to death. The old man was not disturbed in the least. He was willing to die many deaths for what he believed to be right.

(एथेन्स के लोगों ने सोचा कि सुकरात नवयुवकों को बहका रहे हैं। उन्होंने प्रश्न करके उनके मस्तिष्क में संदेह भर दिया है।

सुकरात को अदालत में हाजिर होने और अपने अभियोग की पैरवी करने को कहा गया। वे निर्भीक थे। अपने मित्रों के परामर्श के विपरित वे न्यायालय में गए।

सुकरात ने प्रभावशाली और उच्चकोटि का भाषण दिया। उन्होंने कहा कि उसके जीवन के अंतिम कुछ वर्ष लेकर उनको कोई लाभ नहीं होगा।

न्यायधीशों ने सुकरात की दलील सुनी, उन्होंने उनसे प्रश्न किए और उन्होंने उनको मृत्युदंड दे दिया। वृद्ध व्यक्ति मृत्युदंड सुनकर जरा भी परेशान नहीं हुआ। वह उन बातों के लिए प्रसन्नता से कई बार मरने के लिए तैयार था, जिनके सही होने का उसे विश्वास था।)

Q5 : How did Socrates react to the judgement?
(सुकरात ने फैसले पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?)

Ans: Socrates told everyone that Athens could be a perfect state if every citizen educated his own mind to see what was right and noble. People could not understand his purpose. Some of them did not approve of his teaching.
Socrates was summoned to appear before the court and to stand his trial. He made a powerful and dignified speech. He told the Athenians that they would gain nothing by taking away the last few years of his life. He was willing to die many deaths for what he believed to be right.
The judge listened to him, questioned to him and condemned him to death but the old man made no complaint.
(सुकरात ने प्रत्येक व्यक्ति को बताया कि एथेन्स को एक उत्तम राज्य बनाया जा सकता है। प्रत्येक नागरिक यह देखने के लिए अपने मस्तिष्क को शिक्षित करे कि क्या ठीक और श्रेष्ठ है। लोग उनके उद्देश्य को नहीं समझ सके। उनमें से कुछ उनकी शिक्षा से सहमत नहीं थे।
सुकरात को अदालत में उपस्थित होने और अपने मुकदमे में सफाई देने के लिए बुलाया गया। उन्होंने एक शक्तिशाली और शानदार भाषण दिया। उन्होंने एथेन्स के लोगों को बताया कि उसके जीवन के शेष वर्षों को छीनकर उन्हें कुछ नहीं मिलेगा। वह ठीक बात करने के लिए अनेक बार मृत्यु का सामना करने को तैयार है।
न्यायधीशों ने उन्हें सुना, उनसे प्रश्न पूछे और उन्हें मृत्युदंड दे दिया लेकिन बूढ़े व्यक्ति ने कोई शिकायत नहीं की।)

Q6 : Who was Plato? How do you know that he loved Socrates?
(प्लेटो कौन था? आप कैसे जानते हैं कि वह सुकरात से प्रेम करता था?)

Ans: Plato was the true pupil of Socrates. He treasured every word which his master spoke. He himself became a famous teacher later on.
When Socrates wandered along the roads and stood in the market places, Plato and his other pupils gathered around him and followed him wherever he went.
When judge summoned him to court, Plato and his other pupils were there in the court all the time. And when soldiers took Socrates away to prison, he was also with him. In the last of Socrates lifted the poison cup to his lips, Plato and his other pupils weep bitterly.
We know that Plato loved Socrates because he wrote, "he was like a father of whom we were being bereaved and we were about to pass the rest of our lives as orphans."
(प्लेटो सुकरात का सच्चा शिष्य था। प्लेटो उस प्रत्येक शब्द को संचित कर लेता था, जो उसके गुरु (सुकरात) बोलते थे। बाद के वर्षों में वह स्वयं सुकरात की भाँति ही एक प्रसिद्ध शिक्षक बन गया।
जब सुकरात सड़कों पर घूमते थे और बाजारों में खड़े होते थे प्लेटो तथा उसके अन्य शिष्य उन्हें चारों ओर से घेर लेते थे तथा उनके साथ वहीं जाते थे जहाँ वे जाते थे।
जब न्यायाधीशों ने उन्हें न्यायालय में बुलाया, प्लेटो तथा उनके अन्य शिष्य पूरे समय न्यायालय में थे और जब सैनिक सुकरात को जेल लेकर गए प्लेटो भी उनके साथ था। अंत में जब सुकरात ने जहर का प्याला अपने होठों से लगाया तो प्लेटो तथा अन्य शिष्य बुरी तरह से रोए।
हम जानते हैं कि प्लेटो सुकरात से प्रेम करता था क्योंकि उसने लिखा था, ''वे हमारे लिए एक पिता-तुल्य थे, जिनसे हमें वंचित किया जा रहा है और अब हमें शेष जीवन अनाथों की तरह व्यतीत करना पड़ेगा।''

Q7 : How and why was Socrates condomned to death?
(सुकरात को मृत्युदंड कैसे तथा क्यों दिया गया?)

Ans: There were some people who did not approve of Socrates. Some of his teaching created confusion in their mind. Socrates taught that man's own mind influences his conduct more than the gods. Socrates said that there were higher and nobler deed than making sacrifies to godess Athena and other gods of Greece. Many people thought that he was misleading the young astray by filling their minds with doubts. His teachings seemed to be new and wicked.
The men who were governing Athens summoned Socrates to appear before them to stand his trial. The judge listened to Socrates. They questioned him. And finally they sentenced him to death.

Socrates made no complaint. He leaned on his stick and said, "No evil can happen to a good man either in life or after death, so be of good cheer. I have to go."

(कुछ ऐसे लोग थे, जो सुकरात को मान्यता नहीं देते थे। सुकरात की कुछ शिक्षाओं ने उनके मस्तिष्क में परेशानी पैदा कर दी थी। सुकरात ने शिक्षा दी कि मनुष्य को अपना मस्तिष्क उसके आचरण को देवताओं की अपेक्षा अधिक प्रभावित करता है। सुकरात ने कहा कि देवी एथेना तथा अन्य देवी-देवताओं को बलि चढ़ाने की अपेक्षा और कुछ कार्य हैं, जो उच्चतर तथा श्रेष्ठतर हैं। बहुत से लोगों का विचार था कि सुकरात नवयुवकों के मस्तिष्क में शंकाएँ भरकर उनको गुमराह कर रहे हैं। उनकी शिक्षाएँ नई तथा शरारतपूर्ण प्रतीत हुईं।

एथेन्स के शासकों ने सुकरात को अपने बचाव में पैरवी करने के लिए न्यायालय में बुलाया। न्यायधीशों ने सुकरात की बातें सुनीं। उन्होंने सुकरात से प्रश्न किए और अन्तत: उनको मृत्युदंड दे दिया।

सुकरात ने कोई शिकायत नहीं की। वे अपनी छड़ी पर झुके और कहा, ''अच्छे व्यक्ति का न तो इस जीवन में और न ही मृत्यु के पश्चात् कोई बुरा होता है। अत: प्रसन्न रहो। मुझे जाना ही होगा।'')

SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : When and where did Socrates live?
(सुकरात कब और कहाँ रहते थे?)

Ans: Socrates lived in Athens about four hundred years before Jesus Christ was born.
(सुकरात ईसा के जन्म से लगभग चार सौ वर्ष पूर्व एथेन्स में रहते थे।)

Q2 : What did Socrates' father do?
(सुकरात के पिता क्या करते थे?)

Ans: Socrates father was a stone-cutter.
(सुकरात के पिता पत्थर तराशने वाले थे।)

Q3 : What did Socrates learn at school?
(सुकरात ने स्कूल में क्या सीखा?)

Ans: Socrates learned music and gymnastics. He also learned some science, mathematics and a little about the stars at school.
(सुकरात ने संगीत, शारीरिक व्यायाम सीखा। उन्होंने स्कूल में थोड़ा-सा विज्ञान, गणित तथा तारों के बारे में भी सीखा।)

Q4 : How did Socrates watch his companions?
(सुकरात अपने साथियों का अवलोकन किस प्रकार करते थे?)

Ans: Socrates watched his companions all the time and allowed very few things to escape his notice.
(सुकरात अपने साथियों का हर समय अवलोकन करते रहते थे और बहुत ही कम ऐसी चीजें थी जो उनकी निगाह से बच पाती थी।)

Q5 : What did Socrates begin to think as he grew older?
(जैसे ही सुकरात बड़े हुए वे क्या सोचने लगे?)

Ans: As Socrates grew older he began to think very little of bodily comfort and pleasure. He gave his mind to all that was noble, honourable and just.
(जैसे ही सुकरात बड़े हुए उन्होंने अपने शारीरिक आराम और आनंद के विषय में बहुत कम सोचा। उन्होंने अपना मन उन बातों में लगा दिया जो आदर्श, सम्मानयोग्य तथा न्यायसंगत थीं।)

Q6 : What made Socrates famous?
(सुकरात प्रसिद्ध क्यों हुए?)

Ans: He went round the town on foot and talked to people. He wanted Athens to be a perfect state. These ideas made him famous.
(सुकरात पैदल ही नगर के चारों ओर घूमते थे और लोगों से बातें करते थे। वे एथेन्स को एक आदर्श राज्य बनाना चाहते थे। इन विचारों के कारण वे प्रसिद्ध हुए।)

Q7 : What did Socrates teach people?
(सुकरात ने लोगों को क्या सिखाया?)

Ans: Socrates taught people that everyone must learn to think for himself because by using his reason, he would have the power to see what was right, true and beautiful.
(सुकरात ने लोगों को सिखाया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने लिए सोचना सीखना चाहिए, क्योंकि अपनी तर्क शक्ति का प्रयोग करने से यह देखने की शक्ति प्राप्त होगी कि क्या ठीक, सत्य और सुंदर है।)

Q8 : Why did Socrates wander in streets and market places?
(सुकरात सड़कों तथा बाजारों में क्यों घूमते थे?)

Ans: Socrates wandered in streets and market places to talk to people who greeted him.
(सुकरात सड़कों तथा बाजारों में उन व्यक्तियों से बात करने के लिए घूमते थे जो उनका अभिवादन करते थे।)

Q9 : Who was Plato?
(प्लेटो कौन था?)

Ans: Plato was Socrates' pupil. He treasured every word which his master uttered.
(प्लेटो सुकरात का शिष्य था। वह अपने गुरु के कहे गए प्रत्येक शब्द को संचित कर लेता था।)

Q10 : What was Socrates accused of ?
(सुकरात पर क्या आरोप लगा था?)

Ans: Socrates was accused of misleading the young people of his country.
(सुकरात पर देश के नवयुवकों को पथभ्रष्ट करने का आरोप था।)

Q11 : What did Socrates' friends advise him when he was summoned to court?
(सुकरात के मित्रों ने उन्हें क्या सलाह दी जब उन्हें न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया?)

Ans: When Socrates was summoned to court, his friends advised him to escape or to hide untill the storm had blown away.
(जब सुकरात को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया गया, तो उनके मित्रों ने उन्हें तूफान के थम जाने तक बचकर भाग जाने की या छिप जाने की सलाह दी।)

Q12 : Why did Socrates not escape?
(सुकरात बचकर क्यों नहीं भागे?)

Ans: Socrates did not escape because he was not a coward. He though that he was right in his teachings.
(सुकरात बचकर नहीं भागे क्योंकि वे कायर नहीं थे। वे सोचते थे कि वे अपनी शिक्षाओं में सही हैं।)

Q13 : Who made a powerful and dignified speech in the court?
(न्यायालय में किसने सशक्त तथा शानदार भाषण दिया ?)

Ans: Socrates made a powerful and dignified speech in the court.
(सुकरात ने न्यायालय में सशक्त तथा शानदार भाषण दिया।)

Q14 : What punishment was given to Socrates?
(सुकरात को क्या सजा मिली थी?)

Ans: Socrates condemned to death.
(सुकरात को मृत्युदंड दिया गया।)

Q15 : How did Socrates react to the punishment given to him?
(सुकरात ने सजा दिए जाने पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?)

Ans: Socrates made no complaint to the punishment given to him.
(सुकरात ने सजा दिए जाने पर कोई शिकायत नहीं की।)

Q16 : Why was the jailor said?
(जेलर दु:खी क्यों था?)

Ans: The jailor was said because he was going to give Socrates a cup of poison to drink.
(जेलर दु:खी था क्योंकि वह सुकरात को जहर का प्याला देने जा रहा था।)

Q17 : Who was Crito? What did Socrates request Crito?
(क्रीटो कौन था? सुकरात ने क्रीटो से क्या प्रार्थना की?)

Ans: Crito was the pupil of Socrates. He requested Crito to pay his debt to Aesculapius.
(क्रीटो सुकरात का शिष्य था। उसने क्रीटो से एस्कुलेपियस का कर्ज चुकाने की प्रार्थना की।)

Q18 : How was death sentence carried out in Athens?
(एथेन्स में मृत्युदंड कैसे दिया जाता था?)

Ans: A cup of poison was given to drink to the people who were condemned to death in Athens.
(एथेन्स में जिन लोगों को मृत्युदंड दिया जाता था, उन्हें जहर का प्याला पीने के लिए दिया जाता था।)

VOCABULARY

[A] Match the words of column (I) and (II) according to the similarity in their meanings :

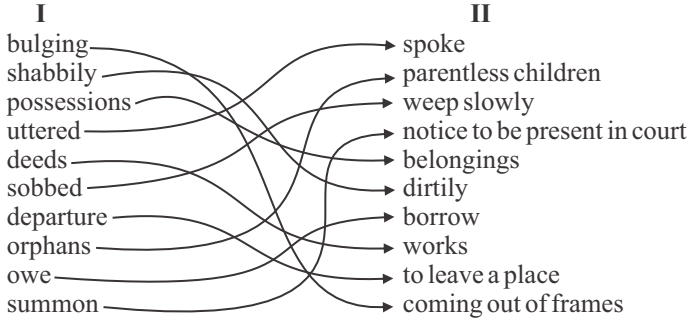

[B] Use the following words / group of words in your own sentences :

far and wide, all the time, condemned to death, be of good cheer, treasured.

far and wide : Gandhiji's fame had spread **far and wide**.

all the time : Children should not play **all the time**.

condemned to death : Ranga and Billa were **condemned to death**.

be of good cheer : Nothing would be wrong. So **be of good cheer**.

treasured : Students should **treasured** important points in their notebook.

[C] Form three words using each of these suffix :

(i)	_ful	**useful**	(ii)	_able	**disable**
(iii)	_self	**himself**	(iv)	_st	**trust**
(v)	_er	**utter**	(vi)	_or	**minor**

5. Torch Bearers

Summary In English

Part I

Once upon a time, many centuries ago, there lived an old merchant. All his life he had toiled hard and made a lot of money. He wanted to give all his money to the son who proved himself to be cleverer of the two. He gave one rupee to each of his sons. He asked them to go separately and buy something which might fill the whole house. The elder son bought a load of hay for a rupee. Hopefully he piled it into the house. But when it was all in, he found that there was not enough to cover even the floor.

The second son did not go straight way to the market. For a long time he sat thinking about what to possibly could buy. At last he spent his rupee on candles, of which he got quite a number. When he reached home, his brother was standing disconsolately looking at the hay spread out on the floor. He put the candles in every room of his house and lit them. At once all the house was filled with light. Then the old merchant was impressed by the second son and gave all his property to him.

Now we live in a big house which we call our native country. Each of us has powers of body, powers of mind, powers of character. We should use these powers and abilities to spread light into all parts of our country. We should try to become good citizen.

Part II

In the course of his travels, Guru Nanak and his disciple Mardana came to a village. They wanted to stay there for the night. But the villagers were rude and inhospitable, and would not let them stay. As Guru Nanak and Mardana turned away from the village, Guru Nanak said, "I pray that the people of this village may always stay in this village." Mardana was somewhat puzzled at this, but said nothing.

The next night they came to another village. In this village the villagers welcomed them, treated them kindly, found them a place to stay for the night, and gave them food to eat. In the morning when Guru Nanak and Mardana were leaving, the Guru said " I pray that the people of this village may not remain in their village, but may be scattered throughout the country." This was too much for Mardana. He thought that the Guru had not done justice. Guru Nanak said that the bad people staying at one place would do harm in one place only. On the other hand good people should be scattered all over the country so that their goodness might spread everywhere.

The author advises that we should grow into such citizens that people will want the light of our character and our influence everywhere. A good citizen is a centre of light wherever he lives, and whatever he is doing. The greater the number of good citizen in a country, the more enlightened will the country be as a whole.

If we are weak and poor citizens, our country will suffer. A chain is as strong as its weakest line. Each one of us is a link in the chain that is our country. So, each of us has the responsibility of being a good and strong citizen. We must see that our particular link in the chain is not a weak one.

When the Olympic games were held in London in 1948, a flame was carried from Greece to London. Where the Olympic games have been being held for long. This flame was carried by a long relay of runners right across Europe.

Unfortunately while handing over the torch to the new runner, let it go out. How ashamed he must have been!

Each one of us, as we leave school, has a flame to carry which we have to pass on to others. We have been given knowledge and skill. If we have to keep this torch that has been given to us alight. We have to know how to look after it, and we have to know how to hold it as we run.

Summary in Hindi

Part I

किसी समय कई सदियों पूर्व एक बूढ़ा व्यापारी रहता था। अपने सारे जीवन में उसने कठिन परिश्रम किया था और बहुत अधिक धन कमा लिया था। वह अपना सारा धन अपने दोनों पुत्रों में से एक को देना चाहता था, जो अपने आप को अधिक चतुर सिद्ध कर सके। उसने अपने पुत्रों में से दोनों को एक-एक रुपया दिया। उसने उनसे अलग-अलग जाने के लिए तथा कोई वस्तु खरीदने के लिए कहा, जो सारे घर को भर सके। बड़े पुत्र ने एक रुपये में भूसे का भार खरीद लिया। किंतु जब वह सारा भूसा अंदर आया, तो उसने पाया कि वह फर्श को ढकने के लिए पर्याप्त नहीं था।

दूसरा पुत्र सीधा बाजार नहीं गया। काफी समय तक वह यह सोचता हुआ बैठा रहा कि उसके लिए क्या खरीदना संभव हो सकेगा। अंत में उसने अपना रुपया मोमबत्तियों पर खर्च किया, जिन्हें उसने बड़ी मात्रा में प्राप्त कर लिया था। जब वह घर पहुँचा तो उसका भाई निराशापूर्वक फर्श पर फैले हुए भूसे को देख रहा था। उसने मकान के प्रत्येक कोने में मोमबत्ती को रख दिया और उन्हें जला दिया। एकदम सारा घर प्रकाश से भर गया। तब बूढ़ा व्यापारी अपने दूसरे पुत्र से बहुत खुश हुआ और अपनी सारी सम्पत्ति उसको दे दी।

अब, हम एक बड़े परिवार में रहते हैं, जिसे हम अपना स्वदेश पुकारते हैं। हममें से प्रत्येक व्यक्ति शरीर की शक्तियाँ, दिमाग की शक्तियाँ और चरित्र की शक्तियाँ रखता है। हमें इन शक्तियों और क्षमताओं का प्रयोग अपने देश के सभी भागों में प्रकाश फैलाने के लिए करना चाहिए। हमें अच्छे नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिए।

Part II

अपनी यात्रा के दौरान गुरु नानक और उनका शिष्य मरदाना एक गाँव में आए। वे वहाँ रात्रि में ठहरना चाहते थे। किंतु गाँव वाले असभ्य और अतिथि सत्कार न करने वाले थे और उन्होंने उन्हें ठहरने नहीं दिया। ज्यों ही गुरु नानक और मरदाना गाँव से बाहर आए, गुरु नानक ने कहा, ''मैं प्रार्थना करता हूँ कि इस गाँव के लोग सदैव इसी गाँव में ठहरे रहें।'' मरदाना इस बात पर भ्रमित हुआ किंतु उसने कुछ नहीं कहा।

अगली रात्रि में वे दूसरे गाँव में आए। इस गाँव में ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया, उनके साथ अच्छा व्यवहार किया, रात्रि में ठहरने के लिए उन्हें स्थान दिया और खाने के लिए भोजन दिया। प्रात:काल जब गुरु नानक और मरदाना, प्रस्थान कर रहे थे तो गुरु ने कहा, ''मैं प्रार्थना करता हूँ कि इस गाँव के लोग अपने गाँव में न रह सकें, बल्कि सारे देश में फैल जाएँ। यह मरदाना के लिए बहुत बड़ी बात थी। उसने सोचा कि गुरु ने न्याय नहीं किया है। गुरु नानक ने कहा कि बुरे लोग एक स्थान पर रहकर केवल एक ही स्थान पर नुकसान करेंगे। दूसरी ओर अच्छे लोगों को सारे देश में फैल जाना चाहिए, जिससे कि उनकी अच्छाई प्रत्येक जगह पर फैल सके।

लेखक सलाह देता है कि हमें ऐसे नागरिक के रूप में विकसित होना चाहिए कि लोग हमारे चरित्र और हमारे प्रभाव के प्रकाश की आवश्यकता महसूस करें। एक अच्छा नागरिक प्रकाश का केंद्र होता है, चाहे वह कहीं भी रहे और कुछ भी करे। जितनी बड़ी संख्या किसी देश में अच्छे नागरिकों की होगी, उतना ही सभ्य संपूर्ण देश हो जाएगा।

यदि हम कमजोर और निर्धन नागरिक हैं तो हमारा देश संघर्ष करेगा। एक जंजीर उतनी ही मजबूत होती है, जितनी कि उसकी सबसे कमजोर कड़ी। हममें से प्रत्येक अपनी देशरूपी जंजीर की एक कड़ी है। अत: हममें से प्रत्येक का उत्तरदायित्व है कि हम अच्छे और मजबूत नागरिक बनें। हमें देखना है कि हमारी कड़ी ही तो कहीं कमजोर नहीं है।

जब 1948 में लंदन में ओलंपिक खेल आयोजित किए गए थे, तो एक ज्योति यूनान से लंदन लाई गई थी। जहाँ लंबे समय से ओलंपिक खेल आयोजित होते रहते थे। यह ज्योति दौड़ने वालों की एक लंबी कतार के द्वारा सम्पूर्ण यूरोप में से होकर ले जाई गई थी।

तभी दुर्भाग्य से, एक घटना घटी। एक धावक जब उस मशाल को अपने हाथ में जे ला रहा था, तो यह बुझ गई। वह कितना शर्मिन्दा हुआ होगा।

हममें से प्रत्येक जब स्कूल छोड़ते हैं, के पास एक मशाल (ज्योति) होती है, जिसे दूसरे तक पहुँचाना है। हमारे पास दिया हुआ

ज्ञान व कौशल होता है। यदि हम इस मशाल को जलता हुआ रखना चाहें, जो हमें दी गई है, तो हमें जानना होगा कि इसकी देखभाल कैसे की जाए और हमें यह भी जानता होगा कि जब हम दौड़ें इसे कैसे पकड़ा जाए।

Exercise

COMPREHENSION

Read the following passages and answer the questions that follow :

Part - I

[A] Once upon a..... giving them a test.

Vocabulary :

centuries	-	शताब्दियाँ	merchant	-	व्यापारी
toiled hard	-	परिश्रम किया	laid by	-	जमा किया
wonder	-	सोचना	divide	-	बाँटना
proved	-	सिद्ध करना	cleverer	-	अधिक चतुर
problem	-	समस्या	solved	-	हल करना
decided	-	निश्चय किया	test	-	परीक्षा

हिंदी अनुवाद– एक समय, बहुत सदियों पूर्व, एक वृद्ध व्यापारी रहता था। उसने सारा जीवन माल खरीदते और बेचते हुए, कठिन परिश्रम किया था, जिसके परिणामस्वरूप उसने बहुत-सा धन कमाया था। जैसे-जैसे समय गुजरता गया, उसके पास अधिकाधिक धन एकत्र होता गया। लेकिन वह भी दिन आया, जब उसने अनुभव किया कि वह अब इस संसार में अधिक समय तक नहीं रह सकेगा। उसने सोचना शुरू किया कि उसे अपने धन का क्या करना चाहिए।

उसके दो पुत्र थे। उसने दृढ़ निश्चय किया कि वह अपने धन को दोनों पुत्रों में नहीं बाँटेगा, बल्कि वह अपना समस्त धन उस पुत्र को देगा जो अपने आप को दूसरे से अधिक बुद्धिमान सिद्ध करेगा। अब समस्या यह थी कि यह कैसे जाना जाए कि अधिक बुद्धिमान कौन है। उसने इस समस्या को सुलझाने के लिए उनकी परीक्षा लेने का निर्णय किया।

Q1 : What did the merchant do all his life?
(व्यापारी ने अपने संपूर्ण जीवन में क्या किया?)

Ans: All his life the merchant worked hard for buying and selling the articles.
(अपने संपूर्ण जीवन में व्यापारी ने वस्तुओं की खरीद-फरोख्त करने में कठिन परिश्रम किया।)

Q2 : When did the merchant think about giving his money in safe hands?
(व्यापारी ने अपने धन को सुरक्षित हाथों में देने के बारे में कब सोचा?)

Ans: One day he felt that he had not long to remain in this world, he thought about giving his money in safe hand.
(एक दिन उसे महसूस हुआ कि अब वह इस दुनिया में ज्यादा दिन नहीं रह पाएगा, तब उसने अपने धन को सुरक्षित हाथों में देने के बारे में सोचा।)

Q3 : What was the result of the merchant's hard work?
(व्यापारी के कठिन परिश्रम का क्या परिणाम हुआ?)

Ans: The result of merchant's hard work was that he gathered a lot of money.
(व्यापारी के कठिन परिश्रम का यह परिणाम हुआ कि उसने काफी धन इकट्ठा कर लिया।)

Q4 : What did the merchant decide to do with the money?
(व्यापारी ने अपने धन का क्या करने का निर्णय किया?)

Ans: The merchant decided that he would give his money to that son who was found out cleverer.
(व्यापारी ने निर्णय किया कि वह अपना धन उस पुत्र को देगा जो सबसे ज्यादा चतुर होगा।)

Q5 : What was the problem with the merchant and what did he decided to solve it?
(व्यापारी की क्या समस्या थी और उसने इसे हल करने के लिए क्या निर्णय लिया?)

Ans: The merchant's problem was to find out the cleverer son. He decided to solve it by giving his sons a test.
(व्यापारी की समस्या चतुर पुत्र को ढूँढ़ने की थी। उसने इसे हल करने के लिए अपने पुत्रों की एक परीक्षा लेने का निश्चय किया।)

[B] Calling the young men..... get for a rupee."

Vocabulary :

separately	-	अलग-अलग	spend	-	खर्च करना
taken leave of his senses	-	पागल हो गया	possibly	-	संभवत:

enough	-	पर्याप्त	reluctant	-	अनिच्छुक
to pick up	-	उठाना	insisted	-	जोर दिया
business	-	काम-धंधा	couple	-	दो, जोड़ा
wandered	-	घूमा	purpose	-	उद्देश्य
certain	-	निश्चित	despair	-	निराशा
bullock- cart	-	बैलगाड़ी	hay	-	भूसा
hopeful	-	आशाजनक			

हिंदी अनुवाद– नवयुवकों को अपने पास बुलाकर उसने कहा, ''ये दो रुपये हैं। मैं चाहता हूँ कि तुम दोनों एक-एक रुपया ले लो और फिर अलग-अलग बाजार जाकर कोई ऐसी चीज लाओ जो इस घर को भर दे। तुम्हें एक रुपये से अधिक खर्च नहीं करना है।''

दोनों पुत्रों ने उसकी ओर देखा मानों वह पागल हो गया हो। उन्होंने अपने मन में सोचा, '' हम एक रुपये में संभवत: क्या चीज खरीद सकते हैं जो पूरे घर को भर दे?'' वे रुपया उठाना नहीं चाहते थे परंतु वृद्ध व्यक्ति ने उनसे अपने आदेशानुसार कार्य करने के लिए जोर दिया। उसने कहा, ''तुम जाओ और इस काम में ज्यादा समय मत लगाना। मुझे आशा है कि तुम कुछ ही दिनों में वापस आ जाओगे।''

अत: प्रत्येक नवयुवक ने एक-एक रुपया लिया और चल दिए। पहला युवक बाजार में इधर-उधर फिरता रहा, परंतु ऐसा कुछ भी न मिला जिससे उसके उद्देश्य की पूर्ति हो सके। वह पूरे दिन घूमता रहा। उसने सब दुकानें देखीं, परंतु उसे कुछ भी न मिला। उसे और अधिक विश्वास होता जा रहा था कि उसके पिता का दिमाग खराब हो गया है। वह निराश होकर अपनी खोज का कार्य छोड़ने ही वाला था कि उसे भूसे से लदी बैलगाड़ी दिखाई दी। उसने सोचा, ''कुछ आशा प्रतीत होती है। मैं नहीं जानता कि मैं एक रुपये में कितना भूसा खरीद सकूँगा।''

Q1 : Why did the merchant call the two man?
(व्यापारी ने दोनों व्यक्तियों को क्यों बुलाया?)

Ans: The merchant called the two man to take their test.
(व्यापारी ने दोनों व्यक्तियों को उनकी परीक्षा लेने के लिए बुलाया।)

Q2 : What did the merchant ask his sons to do?
(व्यापारी ने अपने बेटों से क्या करने के लिए कहा?)

Ans: The merchant asked his sons to fill the house with anything worth rupee one.
(व्यापारी ने अपने पुत्रों से एक रुपये की किसी चीज से घर भरने के लिए कहा।)

Q3 : Why did the sons think that the old man had taken leave of his senses?
(दोनों पुत्र ने क्यों सोचा कि बूढ़ा पागल हो गया है?)

Ans: The two sons thought that the old man had lost his senses because one rupees is not sufficient to fill the house.
(दोनों पुत्रों ने सोचा कि बूढ़ा पागल हो गया है, क्योंकि एक रुपया घर भरने के लिए पर्याप्त नहीं है।)

Q4 : What did the two young men begin to ask themselves?
(दोनों नवयुवक अपने आप से क्या पूछने लगे?)

Ans: The two young men began to ask themselves how to fill the house with only one rupee.
(दोनों पुत्र अपने आप से पूछने लगे कि मात्र एक रुपये में घर कैसे भरा जाए।)

Q5 : Why did the first son wander through the bazaar?
(पहला पुत्र बाजार में क्यों घूमता रहा?)

Ans: The first son wandered through the bazaar to find which would in any way serve his purpose.
(पहला पुत्र बाजार में अपने उद्देश्य की पूर्ति करने वाली वस्तु को ढूँढ़ने के लिए घूमता रहा।)

Q6 : What did the first man become certain of ?
(पहले व्यक्ति को क्या विश्वास होता जा रहा था?)

Ans: The first man became certain that something had gone wrong with his father.
(पहले व्यक्ति को विश्वास होता जा रहा था कि उसके पिता का दिमाग खराब हो गया है।)

Q7 : What looked hopeful to the first man?
(पहले व्यक्ति को क्या आशाजनक दिखा?)

Ans: A bullock-cart with a load of hay looked hopeful to the first man.
(पहले व्यक्ति को भूसे से लदी बैलगाड़ी आशाजनक दिखी।)

[C] He went up to..... all money to you."

Vocabulary :

driver	-	चालक	enquired	-	पूछताछ करना
haggling	-	सौदेबाजी या मोल-भाव करना	led off	-	ले आया
piled	-	ढेर लगाया	floor	-	फर्श
straightway	-	सीधे	instead of	-	के बजाय
at length	-	अंत में	struck	-	सूझा
quickly	-	जल्दी से	candles	-	मोमबत्तियाँ
quite a number	-	काफी संख्या में	disconsolately	-	उदास होकर
dark	-	अँधेरा	pleased	-	प्रसन्न हुआ
wisdom	-	बुद्धिमत्ता	handover	-	सौंपना

हिंदी अनुवाद– वह गाड़ीवान के पास गया और भूसे की कीमत के बारे में पूछताछ की। कीमत पर काफी मोल-भाव हुआ, परंतु अंत में वह सारा भूसा एक रुपये में खरीदने में सफल हो गया।(यह उस समय की बात है जब एक रुपये में आज की अपेक्षा बहुत अधिक चीजें आ जाती थीं।)

अत: वह युवक भूसे से लदी गाड़ी को अपने पिता के घर ले आया। बड़ी आशा से उसने घर में भूसे का ढेर लगाया। परंतु जब भूसा घर के अंदर आ गया तो उसने पाया कि पूरे घर को भर देने की बात तो अलग थी, वह तो फर्श को भी नहीं ढक सका।

जब दूसरा पुत्र अपना रुपया लेकर बाहर निकला, तो वह सीधा बाजार नहीं गया। ऐसा करने की अपेक्षा वह बैठ गया और सोचने लगा। वह लंबे समय तक बैठा हुआ सोचता रहा कि क्या खरीदा जाए। अंत में, शाम को उसके मस्तिष्क में एक विचार आया। अपने रुपये को लेकर वह तेजी से बाजार की ओर गया और उस दुकान पर पहुँचा जहाँ मोमबत्तियाँ बिकती थीं। उसने अपना रुपया मोमबत्तियों पर खर्च किया जिससे उसे काफी संख्या में मोमबत्तियाँ मिल गईं। तब वह मोमबत्तियाँ अपने साथ लेकर अपने पिता के घर की ओर वापस लौटा। जब वह वहाँ पहुँचा तो उसका भाई बेचैनी से खड़ा सामने फर्श पर फैले हुए भूसे की ओर देख रहा था।

अब अँधेरा होता जा रहा था। जल्दी से दूसरे पुत्र ने हर कमरे में दो या तीन मोमबत्तियाँ खड़ी कर दीं। फिर उनको जला दिया। तुरंत ही सारा घर प्रकाश से भर गया।

उसका पिता उससे बहुत खुश हुआ और बोला, ''मेरे बेटे, तुमने सच्ची बुद्धिमत्ता दिखाई है। मैं अपना सारा धन तुम्हें सौंपने को तैयार हूँ।

Q1: What did the first son bring to fill the house?
(पहला पुत्र घर को भरने के लिए क्या लेकर गया?)

Ans: The first son brought hay to fill the house.
(पहला पुत्र घर को भरने के लिए भूसा लेकर गया।)

Q2 : Why did the second son not go straightway to the bazaar?
(दूसरा पुत्र सीधा बाजार क्यों नहीं गया?)

Ans: The second son did not go straightway to the bazaar. Instead of doing that, he sat down and began to think what he could possibly buy.
(दूसरा पुत्र सीधा बाजार नहीं गया, ऐसा करने के स्थान पर वह बैठ गया और सोचने लगा, क्या खरीद सकना संभव है।)

Q3 : What did the second son buy?
(दूसरे बेटे ने क्या खरीदा?)

Ans: The second son bought candles.
(दूसरे बेटे ने मोमबत्तियाँ खरीदीं।)

Q4 : What was the first son doing when he second son reached home with candles?
(जब दूसरा पुत्र मोमबत्तियाँ लेकर घर पहुँचा, पहला पुत्र क्या कर रहा था?)

Ans: When the second son reached home with candles the first son was standing disconsolately looking at the hay spread out on the flour.
(जब दूसरा पुत्र मोमबत्तियाँ लेकर घर पहुँचा, तो पहला पुत्र फर्श पर बिखरे हुए भूसे के पास निराश खड़ा हुआ था।)

Q5 : What did the second son do with the candles?
(दूसरे पुत्र ने मोमबत्तियों का क्या किया?)

Ans: The second son stood two or three candles in each room and lit them when it was getting dark. At once the house was filled with light.

(जब अँधेरा हो गया तो दूसरे पुत्र ने प्रत्येक कमरे में दो या तीन मोमबत्तियाँ रख दीं और जला दीं। तुंरत ही सारा घर प्रकाश से भर गया।)

Q6 : What was the reaction of the merchant on the purchase done by the second son?
(दूसरे पुत्र द्वारा की गई खरीदारी पर व्यापारी की क्या प्रतिक्रिया थी?)

Ans: The merchant was pleased with the second son because he had shown true wisdom.
(व्यापारी दूसरे पुत्र से अत्यन्त प्रसन्न था, क्योंकि उसने सच्ची बुद्धिमत्ता दिखाई थी।

[D] Now we all live..... good citizenship.

Vocabulary :

native	-	जन्म स्थान	different	-	भिन्न-भिन्न
powers	-	शक्तियाँ	character	-	चरित्र
strength	-	शक्ति	talents	-	प्रतिभाएँ
possess	-	रखते हैं	citizen	-	नागरिक
serve	-	सेवा करना	cultivating	-	विकसित करना

हिंदी अनुवाद– अब, हम सब एक बड़े घर में रहते हैं, जिसे हम स्वदेश (या अपनी मातृभूमि) कहते हैं। हममें से प्रत्येक को, कुछ को एक रुपया, कुछ को दो रुपये, कुछ को तीन रुपये और कुछ को चार रुपये, दिए गए हैं। ये रुपये वे रुपये नहीं हैं जिनसे हम कोई चीज खरीद सकें, अपितु ये विभिन्न शक्तियाँ हैं जो हमें दी गई हैं। हममें से प्रत्येक के पास शारीरिक शक्ति, बौद्धिक योग्यता और चारित्रिक बल है। हममे से प्रत्येक के पास शक्ति, समय और बुद्धि है जिनका प्रयोग किया जा सकता है। जब हम स्कूल छोड़कर व्यावहारिक संसार में आते हैं तो हमारी परीक्षा होती है कि हम अपनी क्षमताओं का प्रयोग किस प्रकार करते हैं। क्या हम उनका प्रयोग व्यर्थ का भूसा खरीदने में करेंगे अथवा उनका प्रयोग अपने घर अर्थात् अपने देश में प्रकाश फैलाने के लिए करेंगे? यदि हम अच्छे नागरिक बनना चाहते हैं तो हमें अपनी शक्तियों और योग्यताओं का उपयोग अपने देश के कोने-कोने में प्रकाश फैलाने के काम में लगा देना चाहिए, अर्थात् हम अपने आपको अपने देश की सेवा करने में लगा दें।

कोई भी देश उन्नति नहीं कर सकता जब तक कि उसके नागरिक अच्छे न हों। यदि हम अपने देश से प्रेम करते हैं और उसकी सेवा करना चाहते हैं तो हम अच्छे नागरिक बनने का प्रयास करेंगे।

जब तक हम स्कूल में हैं तब तक हमें यही करना चाहिए। हमें अपने आपको अच्छी नागरिकता में प्रशिक्षित करना चाहिए और अच्छे नागरिक के गुण विकसित करने चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो जब हम स्कूल और घर से बाहर निकलकर अपने देश के विभिन्न भागों में जाएँगे तो उसे अच्छी नागरिकता के प्रकाश से भरने में समर्थ होंगे।

Q1 : What are the different powers that we all possess?
(हम सभी क्या भिन्न-भिन्न शक्तियाँ रखते हैं?)

Ans: We all have the following different powers:
(i) Powers of body
(ii) Powers of mind
(iii) Powers of character
(हम सभी निम्नलिखित भिन्न-भिन्न शक्तियाँ रखते हैं–
(i) शारीरिक शक्तियाँ
(ii) मस्तिष्क की शक्तियाँ
(iii) चरित्र की शक्तियाँ)

Q2 : How are we tested in our life?
(हमारे जीवन में हमारी परीक्षा कैसे होती है?)

Ans: We are tested in our life when we leave school and go into the world whether we use these powers in useless things or in spreading light.
(हमारे जीवन में हमारी परीक्षा तब होती है जब हम विद्यालय छोड़कर संसार में जाते हैं। वहाँ हम इन शक्तियों का प्रयोग व्यर्थ कार्यों में करते हैं या ज्ञान फैलाने के कार्य में।)

Q3 : What do the words 'hay ' and 'light' stand for in the passage?
(गद्यांश में 'भूसे' तथा 'प्रकाश' शब्दों का क्या अर्थ है?)

Ans: In the passage 'hay' stands for useless things and 'light' stands for good citizenship.
(गद्यांश में 'भूसे' का अर्थ व्यर्थ की चीजों से तथा 'प्रकाश' का अर्थ अच्छा नागरिक होने से है।)

Q4 : How can we be good citizens of our country?
(हम अपने देश के अच्छे नागरिक कैसे बन सकते हैं?)

Ans: By using our powers and abilities to spread light into all parts of our country, we can be good citizen of our country.
(अपनी शक्तियों और योग्यताओं के प्रकाश को देश के सभी भागों में फैलाकर हम अपने देश के अच्छे नागरिक बन सकते हैं।)

Q5 : As good citizens, what can we do to serve our country?
(अच्छे नागरिक के रूप में, हम अपने देश की सेवा करने के लिए क्या कर सकते हैं?)

Ans: As a good citizen, we can serve our country by using our powers and abilities to spread light into all parts of our country.
(अच्छे नागरिक के रूप में, हम अपने देश की सेवा अपनी शक्तियों और योग्यताओं के प्रकाश को देश के सभी भागों में फैलाकर कर सकते हैं।)

Q6 : What do we carry when we leave school and home?
(जब हम विद्यालय तथा घर छोड़ते हैं, हम क्या लेकर जाते हैं?)

Ans: When we leave school and home we carry ability to fill our country with the light of good citizenship.
(जब हम अपना विद्यालय तथा घर छोड़ते हैं, हम अपने देश को अच्छी नागरिकता के प्रकाश से भरने की योग्यता लेकर जाते हैं।)

Part II

[A] A story..... throughout the country."

Vocabulary :

in the course of his travels	-	अपनी यात्राओं के दौरान	village	-	गाँव
disciple	-	शिष्य	wanted	-	चाहते थे
stay	-	ठहरना	rude	-	असभ्य
inhosphitable	-	अतिथियों का सत्कार न करने वाला	forced	-	बाध्य होना पड़ा
puzzled	-	परेशान	reception	-	आवभगत, व्यवहार
remain	-	रहना	scattered	-	बिखर जाना

हिंदी अनुवाद– गुरु नानक के बारे में एक कहानी कही जाती है कि यात्रा करते-करते एक बार वे एक गाँव में गए। उनके अतिरिक्त उनका शिष्य मरदाना भी गाँव पहुँचा। वे एक रात वहाँ रुकना चाहते थे। परंतु उस गाँव के निवासी असभ्य और अतिथि सत्कार न करने वाले थे। उन्होंने उन्हें गाँव में ठहरने नहीं दिया। इसलिए विवश होकर गुरु नानक और मरदाना को रात बाहर खुले में बितानी पड़ी। चलते समय गुरु नानक ने कहा, ''मैं प्रार्थना करता हूँ कि इस गाँव के लोग हमेशा इसी गाँव में रहें।'' यह सुनकर मरदाना थोड़ा भ्रमित हो गया, परंतु वह कुछ नहीं बोला।

दूसरी रात को वे दूसरे गाँव में आए जहाँ उन्हें अत्यन्त भिन्न प्रकार का व्यवहार मिला। गाँव वालो ने उनका स्वागत किया, उनके साथ सद्व्यवहार किया, रात्रि में ठहरने के लिए उन्हें उपयुक्त स्थान दिया और खाने के लिए भोजन दिया। प्रात: जब गुरु नानक और मरदाना चलने लगे तो गुरु ने कहा, ''मैं प्रार्थना करता हूँ कि इस गाँव के लोग अपने गाँव में न रहें, बल्कि पूरे देश में बिखर जाएँ।''

Q1 : Who was Mardana?
(मरदाना कौन था?)

Ans: Mardana was disciple of Guru Nanak.
(मरदाना गुरु नानक का शिष्य था।)

Q2 : Where did Guru Nanak and Mardana reach one day?
(एक दिन गुरु नानक और मरदाना कहाँ पहुँचे?)

Ans: One day Guru Nanak and Mardana reached in a village.
(एक दिन गुरु नानक तथा मरदाना एक गाँव में पहुँचे।)

Q3 : How were the villagers of first village?
(पहले गाँव के लोग कैसे थे?)

Ans: The people of first village were rude and inhospitable.
(पहले गाँव के लोग असभ्य तथा अतिथि सत्कार न करने वाले थे।)

Q4 : What did Guru Nanak pray for the people of the first village?
(गुरु नानक ने पहले गाँव के लोगों के लिए क्या प्रार्थना की?)

Ans: Guru Nanak prayed for the people of the first village, "The people of this village may always stay in this village."
(गुरु नानक ने पहले गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना की, ''इस गाँव के लोग सदा इसी गाँव में रहें।'')

Q5 : How were Guru Nanak and Mardana welcomed in the second village?
(दूसरे गाँव में गुरु नानक तथा मरदाना का स्वागत कैसे हुआ?)

Ans: The people of the second village welcomed them, treated them kindly, found them a place to stay for night and gave food to eat.
(दूसरे गाँव के लोगों ने उनका सत्कार किया, उनके साथ दयापूर्ण व्यवहार किया, रात्रि को रुकने के लिए उन्हें स्थान दिया तथा खाने के लिए भोजन दिया।)

Q6 : What did Guru Nanak pray for the people of the second village?
(गुरु नानक ने दूसरे गाँव के लोगों के लिए क्या प्रार्थना की?)

Ans: Guru Nanak prayed for the people of the second village, "The people of this village may not remain in their village, but they may be scattered throughout the country."
(गुरु नानक ने दूसरे गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना की, ''इस गाँव के लोग अपने गाँव में न रहें, बल्कि पूरे देश में बिखर जाएँ।'')

[B] But this was too..... light to other places."

Vocabulary :

protested	-	आपत्ति करना	treat	-	व्यवहार करना
misfortune	-	विपत्ति	comfortably	-	आराम से
selfish	-	स्वार्थी	harm	-	हानि
evil influence	-	दुष्प्रभाव	needed	-	आवश्यकता है
character	-	चरित्र	benefit	-	लाभ

हिंदी अनुवाद– अब मरदाना इसको सहन नहीं कर सका। उसने विरोध किया। उसने गुरु से कहा, ''क्यों, क्या आप उन लोगों के लिए भलाई की प्रार्थना करते हैं जो हमारे साथ दुर्व्यवहार करते हैं और जो लोग हमारे साथ अच्छा व्यवहार करते हैं उनके लिए दुर्भाग्य की? आपको तो प्रार्थना करनी चाहिए थी कि वे अभद्र लोग सारे देश में बिखर जाएँ और ये भले लोग वहीं आराम से रहें।''

गुरु नानक ने उत्तर दिया, ''नहीं, उन अतिथि-सत्कार न करने वाले और स्वार्थी लोगों का एक ही स्थान पर रहना अधिक अच्छा है, क्योंकि वहाँ के लोग एक ही स्थान पर हानि पहुँचा सकते हैं यदि वे अन्य स्थानों पर जाएँगे तो पूरे देश में उनका दुष्प्रभाव फैलेगा। अब ये अच्छे लोग, जिनके साथ हमने पिछली रात बिताई थी, एक स्थान पर नहीं छोड़े जाने चाहिए। इनके पास कुछ ऐसे गुण हैं जिनकी हर जगह आवश्यकता है। जहाँ कहीं भी वे जाएँगे, उनका प्रभाव और चरित्र दूसरों के लिए लाभकारी होगा। अत: उन्हें फैल जाना चाहिए, जिससे कि वे सद्‌गुणों का प्रकाश दूसरे स्थानों तक ले जा सकें।''

Q1 : Why was Mardana puzzled?
(मरदाना भ्रमित क्यों था?)

Ans: Guru Nanak prayed good things for the people who treated them badly and misfortunes for those who treated them well. So Mardana was puzzled.
(गुरु नानक ने उन लोगों की भलाई के लिए, जिन्होंने उनसे बुरा व्यवहार किया था, भगवान से अच्छी प्रार्थना की। परंतु गुरु नानक ने उन लोगों के लिए विपत्ति की प्रार्थना की जिन्होंने अच्छा व्यवहार किया था। इसलिए मरदाना भ्रमित था।)

Q2 : What did Mardana ask Guru Nanak?
(मरदाना ने गुरु नानक से क्या पूछा?)

Ans: Mardana asked Guru Nanak, "Why do you pray for good things for people who treat us badly, and misfortunes for those who treat us well?"
(मरदाना ने गुरु नानक से पूछा– ''आपने उन लोगों की भलाई के लिए अच्छी चीजों की प्रार्थना क्यों की जो हमारे साथ दुर्व्यवहार करते हैं और जो लोग हमारे साथ अच्छा व्यवहार करते हैं, उनके लिए विपत्ति की?'')

Q3 : Why it is better for inhospitable people to stay in one place?
(अभद्र या अतिथि-सत्कार न करने वाले लोगों का एक ही स्थान पर रुकना अच्छा क्यों है?)

Ans: It is better for the inhospitable people to stay in one place so that they might do harm only there.
(अभद्र लोगों का एक ही स्थान पर रुकना अच्छा है ताकि वे केवल वहीं हानि पहँचा सकें।)

Q4 : Why are good people to be scattered everywhere?
(अच्छे लोगों को प्रत्येक स्थान पर क्यों बिखर जाना चाहिए?)

Ans: Good people have something which is needed everywhere so they must be scattered everywhere.
(अच्छे लोगों में कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिनकी प्रत्येक स्थान पर आवश्यकता होती है इसलिए उन्हें प्रत्येक स्थान पर बिखर जाना चाहिए।)

[C] Now we have to see..... way as we do.

Vocabulary :

influence	-	प्रभाव	darkness	-	अँधेरा
centre	-	केंद्र	greater the number	-	अधिक मात्रा में
enlightened	-	प्रकाशित करना	mind	-	मस्तिष्क
decide	-	निर्णय लेना	worse	-	व्यर्थ
imagine	-	कल्पना करना	acted	-	आचरण करना

हिंदी अनुवाद– अब हमें यह देखना है कि हम ऐसे नागरिक बने कि दूसरे लोगों को हमारे चरित्र और प्रभाव के प्रकाश की आवश्यकता प्रत्येक स्थान पर हो। हमें अपना चरित्र ऐसा नहीं बनाना चाहिए जिससे लोग यह चाहें कि हम एक ही स्थान पर रहें और हम दूसरों से घुले-मिले नहीं। यदि हमें अच्छा नागरिक बनना है जो अपने देश की सेवा कर सकें तो जहाँ भी हम जाएँ वहाँ हमें प्रकाश ले जाना चाहिए, अंधकार नहीं। दूसरों पर हमारा प्रभाव अच्छा पड़ना चाहिए, बुरा नहीं। हमारा जीवन ऐसा होना चाहिए कि हम जहाँ कहीं भी जाएँ और जहाँ कही भी रहें, दूसरे लोग हमारी संगति के कारण और अधिक गुणवान बन सकें। एक अच्छा नागरिक, जहाँ भी वह रहता है और जो भी करता है, सबके लिए प्रकाश का केंद्र होता है। किसी देश में जितने अधिक अच्छे नागरिक होंगे, वह देश उतना ही अधिक प्रकाशमय होगा।

हम सभी अपने देश के नागरिक हैं या हो जाएँगे। लेकिन हमें यह निश्चय करना है कि हम अच्छे नागरिक बनने जा रहे हैं या बुरे। हमें यह भी तय करना होगा कि हम ऐसा जीवन जिएँ कि हमारा देश हमारे जीवन और कार्य से अधिक अच्छा बने या बुरा। हमें यह भी सोचना है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति हमारी तरह रहे और कार्य करे तो देश किस दिशा की ओर जाएगा।

Q1 : What type of people should we be?
(हमें किस प्रकार का व्यक्ति होना चाहिए?)

Ans : We should be a good citizen.
(हमें अच्छा नागरिक बनना चाहिए।)

Q2 : When will we be able to serve our country?
(हम अपने देश की सेवा करने के योग्य कब होंगे?)

Ans : We shall be able to serve our country if we carry light with us wherever we go.
(यदि हम जहाँ भी जाएँ, अपने साथ प्रकाश लेकर जाएँ तो हम अपने देश की सेवा करने योग्य हो जाएँगे।)

Q3 : What can make our country more enlightened?
(हमारे देश को अधिक प्रकाशमय क्या बना सकता है?)

Ans : Greater number of good citizens can make our country more enlightened.
(अच्छे नागरिकों की अधिक संख्या हमारे देश को अधिक प्रकाशमय बना सकती है।)

Q4 : What must we carry for being good citizen of our country?
(अपने देश का अच्छा नागरिक बनने के लिए हमें क्या ले जाना चाहिए?)

Ans : We must carry light with us for being good citizen of our country.
(हमें अपने देश का अच्छा नागरिक बनने के लिए अपने साथ प्रकाश ले जाना चाहिए।)

[D] A chain is as strong ..... games were going on.

Vocabulary :

chain	-	जंजीर	weakest link	-	कमजोर कड़ी
suffer	-	हानि होना, संघर्ष करना	comfort	-	आराम
false idea	-	झूठे विचार	difference	-	अंतर
candle	-	मोमबत्ती	instead of	-	के बजाय
brightly	-	तेज चमक	responsibility	-	जिम्मेदारी
particular	-	व्यक्तिगत	held	-	आयोजित करना
flame	-	ज्योति	relay	-	कतार
torch	-	मशाल	distance	-	दूरी

हिंदी अनुवाद– एक जंजीर उतनी ही मजबूत होती है जितनी उसकी सबसे कमजोर कड़ी। हममें से प्रत्येक एक जंजीर अर्थात्

अपने देश की एक कड़ी है। यदि हम कमजोर और गरीब नागरिक हैं तो हमारे देश की हानि होगी, चाहे हम झूठे विचार से अपने आप को तसल्ली देने की कोशिश करें कि इतने बड़े देश में जहाँ इतने अधिक लोग रहते हैं, एक व्यक्ति क्या करता है, इसका कोई अंतर नहीं पड़ेगा। लेकिन यदि मकान में एक मोमबत्ती बुझ जाती है तो प्रकाश के बजाय उस स्थान पर अँधेरा हो जाएगा। यह तो केवल तब ही होगा, जब सारी मोमबत्तियाँ तेज चमक के साथ जलेंगी जिससे पूरा घर प्रकाश से भरेगा।

इस कारण हम सबके ऊपर एक अच्छा नागरिक बनने का दायित्व है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हमारी अपनी कड़ी कमजोर तो नहीं है। जब 1948 में लंदन में ओलम्पिक खेल हुआ करते थे, एक मशाल लंदन ले जाई गई थी। यह मशाल धावकों की एक लंबी कतार के द्वारा संपूर्ण यूरोप से होकर ले जाई गई थी। एक धावक जली हुई मशाल लेकर उस निश्चित दूरी पर दौड़ता था जहाँ दूसरा नया धावक उसकी प्रतीक्षा करता होता था। उसके पास एक ताजी मशाल होती थी जिसे वह अपनी बारी में उस मशाल से जलाता था जो उसके पास लाई जाती थी। इस प्रकार जब यह मशाल लंदन पहुँची, यह एक धावक द्वारा दूसरे धावक तक ले जाई गई। अंतिम मशाल से वह अग्नि प्रज्ज्वलित की गई जो खेलों की पूरी अवधि तक जलती रही।

Q1 : What is our responsibility towards our country?
(अपने देश के प्रति हमारी क्या जिम्मेदारी है?)

Ans : Being a good citizen is our responsibility towards our country.
(अपने देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी एक अच्छा नागरिक बनने की है।)

Q2 : Where were the Olympic Games in 1948 held?
(ओलम्पिक खेल 1948 में कहाँ आयोजित किए गए थे?)

Ans : The Olympic Games were held in London in 1948.
(ओलम्पिक खेल 1948 में लंदन में आयोजित किए गए थे।)

Q3 : How was the flame carried from Greece to London?
(मशाल यूनान से लंदन कैसे ले जाई गई थी?)

Ans : The flame was carried from Greece to London by a long relay of runners.
(मशाल को यूनान से लंदन धावकों के एक बड़े दल द्वारा ले जाया गया था।)

Q4 : What was the duty of each runner carrying the flame?
(मशाल के लिए प्रत्येक धावक का क्या कर्तव्य था?)

Ans : The duty of each runner carrying the flame was to run a certain distance where a fresh runner was waiting for him.
(मशाल के लिए प्रत्येक धावक को एक निश्चित दूरी दौड़कर जाना था जहाँ दूसरा धावक उसकी प्रतीक्षा में था।)

[E] Although nothing was ..... of our country.

Vocabulary :

mentioned	-	उल्लेखित किए गए	accident	-	दुर्घटना
ashamed	-	शर्मिंदा होना	knowledge	-	ज्ञान
skill	-	कौशल	service	-	सेवा में
go out	-	बुझ जाना	able	-	योग्य
look after	-	देखभाल करना			

हिंदी अनुवाद– यद्यपि इसके बारे में कुछ नहीं बताया गया और न ही कोई नाम लिया गया, किंतु एक स्थान पर एक दुर्घटना हो गई थी। एक धावक ने दूसरे धावक को मशाल देते समय उसे बुझ जाने दिया। वह कितना शर्मिंदा हुआ होगा कि उसने मशाल को बुझ जाने दिया। उसने जंजीर को तोड़ दिया था।

हममें से प्रत्येक के पास, जब हम स्कूल छोड़ते हैं, एक मशाल होती है जिसे हमें दूसरों तक पहुँचाना होता है। हमें ज्ञान और कौशल प्रदान किया गया है। यदि हम उनका प्रयोग नहीं करते तो इसका अर्थ यह होगा कि हम मशाल को बुझने दे रहे हैं और हममें से कोई ऐसा करना नहीं चाहता। लेकिन यदि हम उस मशाल को, जो हमें दी गई है, जलने देना चाहते हैं तो हमें यह समझना होगा कि हम उसकी देखभाल किस प्रकार कर सकते हैं और हमें यह भी जानना होगा कि दौड़ते समय हम इसे किस प्रकार पकड़े रह सकते हैं। दूसरे शब्दों में, हमें अपने आपको नागरिकता और अपने देश की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना होगा।

Q1 : What happened accidently at one place?
(एक स्थान पर क्या दुर्घटना हो गई?)

Ans : One runner, when handing over his torch to a fresh runner, let it go out.

(एक धावक ने दूसरे धावक को अपनी मशाल सौंपते समय मशाल बुझ जाने दी।)

Q2 : What is our duty after we have completed our education?
(अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद हमारा क्या कर्तव्य होता है?)

Ans : After we complete our education, it is our duty to pass on our knowledge and skill in the service of our country.
(अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपने ज्ञान और कौशल को देश सेवा में लगाएँ।)

Q3 : How shall we serve our country as good citizens?
(अच्छे नागरिक के रूप में हम अपने देश की सेवा कैसे कर सकेंगे?)

Ans : By using our knowledge and skill in the service of our country we shall serve our country as good citizen.
(अपने ज्ञान तथा कौशल को देश की सेवा में लगाकर हम अच्छे नागरिक के रूप में अपने देश की सेवा कर सकेंगे।)

Q4 : What should we do to keep alight the torch that has been given to us?
(जो मशाल हमें दी गई है,उसे जलाए रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए?)

Ans : To keep alight the torch that has been given to us, we have to know how to look after it.
(जो मशाल हमें दी गई है, उसे जलाए रखने के लिए हमें यह जानना होगा कि उसकी देखभाल कैसे की जाए।)

LONG ANSWER TYPE QUESTIONS

Part I

Q1 : What was the problem with the old merchant? How did he solve it?
(बूढ़े व्यापारी की क्या समस्या थी? उसने उसे कैसे हल किया?)

Ans : An old merchant worked hard and earned a lot of money. He had two sons. When he grew old, he had a problem whom he should give the money. He did not want to divide his money between the two sons. He wanted to give all his money to the son who proved himself to be cleverer of the two. He decided to solve this problem by giving them a test. He gave one rupee to each of his sons. He asked them to go separately and buy something which would fill the house. Both the sons were reluctant which would fill the house. But the old man insisted on their doing as he told them.

So each young man took up a rupee and went out. The first son bought a cart with load of hay. But it was not enough to cover ever the floor. The second son bought several candles for one rupee. When he reached home it was going dark. He stood two or thru candles in each room and lit them. At once the whole house was filled with light. The old merchant was pleased with this wisdom. So he gave all his money to his second son.

(एक बूढ़े व्यापारी ने कठिन परिश्रम किया और काफी धन कमा लिया। उसके दो बेटे थे। जब वह बूढ़ा हुआ तो उसके सामने यह समस्या थी कि वह धन किसको दे। वह अपने धन को दोनों बेटों में बाँटना नहीं चाहता था। वह अपना सारा धन उस बेटे को देना चाहता था जो अपने आपको दोनों में अधिक चतुर सिद्ध कर दे। उसने इस परीक्षा का समाधान उनकी एक परीक्षा लेकर करने का निश्चय किया। उसने अपने दोनों बेटों को एक-एक रुपया दिया। उसने उन्हें अलग-अलग जाने और कुछ ऐसी चीज खरीदने के लिए कहा जिससे घर भर जाए। दोनों बेटे ऐसा करने के लिए अनिच्छुक थे। किंतु बूढ़े व्यक्ति ने उन्हें वैसा ही करने के लिए बाध्य किया जैसा इन्हें कहा गया था।

इसलिए प्रत्येक नवयुवक ने रुपया उठाया और बाहर चला गया। पहले बेटे ने भूसे से भरी हुई गाड़ी खरीदी। किंतु यह फर्श ढकने के लिए भी पर्याप्त न था। दूसरे बेटे ने एक रुपये में बहुत सारी मोमबत्तियाँ खरीद लीं। जब वह घर पहुँचा, अँधेरा हो गया था। उसने प्रत्येक कमरे में दो या तीन मोमबत्तियाँ रख दीं और उन्हें जला दिया। तुंरत ही सारा घर प्रकाश से भर गया। बूढ़ा व्यापारी उसकी बुद्धिमानी से खुश हुआ। उसने अपना सारा धन अपने दूसरे बेटे को दे दिया।)

Q2: Compare the characters of the first and the second son of the merchant.
(व्यापारी के पहले तथा दूसरे बेटे के चरित्र की तुलना कीजिए।)

Ans : We can compare the characters of the first and the second son of the merchant in the following manner:

(i) When merchant asked his sons to buy something which might fill the whole house then the first son went directly to the market to serve his purpose while the second son didn't go to the market directly, for a long time he sat thinking about what he possibly could buy.

(ii) The first son bought a cart of hay for his rupee while the second son bought candles for his rupee.

(iii) The first son piled the hay into the house, but it was not enough to cover the floor. On the other hand the second son stood two or three candles in each room and lit them. The whole house was at once filled with light.

It proved that the first son was not so clever as the second son was. Therefore, The merchant gave all his money to his second son.

(हम व्यापारी के पहले तथा दूसरे बेटे के चरित्र की तुलना निम्न प्रकार कर सकते हैं–

(i) जब व्यापारी ने अपने बेटों से कोई ऐसी वस्तु खरीदने के लिए कहा, जिससे पूरा घर भर जाए तो पहला बेटा अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए सीधा बाजार चला गया जबकि दूसरा बेटा सीधा बाजार नहीं गया। वह काफी समय तक बैठा हुआ यह सोचता रहा कि उसके लिए क्या खरीदना संभव हो सकेगा।

(ii) पहले बेटे ने अपने रुपये से भूसे की गाड़ी खरीदी जबकि दूसरे बेटे ने अपने रुपये से मोमबत्तियाँ खरीदीं।

(iii) पहले बेटे ने भूसे का ढेर मकान में लगा दिया, परंतु वह भूसा फर्श तक ढकने के लिए पर्याप्त नहीं था। दूसरी तरफ दुसरे बेटे ने प्रत्येक कमरे में दो या तीन मोमबत्ती रख दी और उन्हें जला दिया। तुरंत ही सारा घर प्रकाश से भर गया।

इससे यह सिद्ध हुआ कि पहला बेटा दूसरे बेटे जितना बुद्धिमान नहीं था। इस प्रकार व्यापारी ने अपना सारा धन अपने दूसरे बेटे को दे दिया।)

Q3 : What are the different powers that we are blessed with? How can we utilize these powers to enlighten our nation?

(हमें कौन-कौन सी भिन्न शक्तियाँ दी गई हैं? हम इन शक्तियों का प्रयोग अपने देश को प्रकाशित करने में कैसे कर सकते हैं?)

Ans : We are blessed with powers of body, powers of mind and powers of character. Each one of us has strength, time and intelligence.

Proper and thoughtful use of these powers makes us good citizens. A good citizen is the centre of light wherever he lives and whatever he does. So we can use these powers to spread light over all parts of our country by becoming good citizen

(हमें शारीरिक शक्ति, मस्तिष्क की शक्ति तथा चरित्र की शक्तियाँ दी गई हैं। हममें से प्रत्येक के पास शक्ति, समय तथा बुद्धि है।

यदि हम इनका उचित और विवेकशील प्रयोग करें, तो हम अच्छे नागरिक बन सकते हैं। एक अच्छा नागरिक जहाँ कहीं भी रहता और जो कुछ भी करता है; सदैव ज्ञान का केंद्र होता है। अत: हम अपनी इन शक्तियों का प्रयोग अच्छे नागरिक बनकर देश के प्रत्येक भाग को आलोकित करने में कर सकते हैं।

Q4 : What are the responsibilities of students at school, at home and afterwards for their country?

(विद्यार्थियों की स्कूल में, घर पर और उसके बाद अपने देश के लिए क्या जिम्मेदारियाँ होती हैं?)

Ans : While the students are at school, they should train themselves in citizenship and cultivate the characteristics of good citizens.

While at home, the responsibilities of students are to use the powers of their body, mind and character judiciously and properly.

As, they leave school, the students have to pass on their knowledge and skill to others by using them in the service of their country. They should further train themselves for citizenship and for service of their country.

(विद्यालय में विद्यार्थियों को चाहिए कि वे स्वयं को अच्छा नागरिक बनाने की शिक्षा लें तथा अपने अंदर एक अच्छे नागरिक के गुणों का समावेश करें।

घर पर विद्यार्थियों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी शारीरिक, मानसिक एवं चारित्रिक शक्तियों का विवेकपूर्ण व उचित तरीके से सदुपयोग करें।

विद्यालय छोड़ने के बाद विद्यार्थियों को चाहिए कि पाठशाला में प्राप्त ज्ञान एवं कौशल को दूसरों को सौंपते चलें और देश की सेवा में भागीदार बनें। उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनकर अपने आपको देश की सेवा के प्रति अर्पित कर देना चाहिए।)

Q5 : Give a brief character sketch of the old merchant.

(बूढ़े व्यापारी का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans : Introduction: The old merchant worked hard all his life, buying and selling things. Its result was that he had earned a lot of money and had become rich.

Good patron of his money: One day the merchant felt that he had not long to remain in this world and his end was near. He felt the need of disposing his money before death. He was a good patron of his money. He did not want to give it to the son who could not use wisely. So he gave them a test.

Impartiality: The old merchant was impartial father. He gave one rupee to each of the sons to purchase anything to fill the house. According to condition his second son filled the house to let the candles with light and proved himself wiser than first son. So, the old merchant gave his all money to the second son.

Conclusion: With the above description it proves that the old merchant was very hard worker, impartial and honest man.

(**प्रस्तावना–** बूढ़े व्यापारी ने पूरे जीवन वस्तुओं को खरीदने और बेचने में कठिन परिश्रम किया। इसका परिणाम यह हुआ कि उसने काफी धन कमा लिया तथा वह धनवान बन गया।

अपने धन का अच्छा संरक्षक– एक दिन व्यापारी ने अनुभव किया कि वह इस संसार में अधिक समय तक न रह सकेगा और उसका अंत निकट है। उसने अपनी मृत्यु से पूर्व अपने धन का प्रबंध करने की आवश्यकता अनुभव की। वह अपने धन का अच्छा संरक्षक था। वह उसे अपने उस बेटे को नहीं देना चाहता था जो उसका बुद्धिमतापूर्वक प्रयोग न कर सके। इसलिए उसने उनकी परीक्षा ली।

निष्पक्षता– बूढ़ा व्यापारी एक निष्पक्ष पिता था। उसने प्रत्येक बेटे को एक-एक रुपया कुछ खरीदारी के लिए दिया, जिससे घर भर जाए। शर्त के अनुसार उसके दूसरे पुत्र ने मोमबत्तियाँ जलाकर प्रकाश से घर को भर दिया और अपने को पहले पुत्र से अधिक बुद्धिमान सिद्ध कर दिया। अत: बूढ़े व्यापारी ने अपना सारा धन दूसरे पुत्र को दे दिया।

निष्कर्ष– उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट होता है कि बूढ़ा व्यापारी बहुत ही परिश्रमी, निष्पक्ष तथा ईमानदार व्यक्ति था।)

Part II

Q1 : Narrate the story of Guru Nanak and Mardana in your own words.

(गुरु नानक तथा मरदाना की कहानी अपने शब्दों में लिखिए।)

Ans : Once Guru Nanak and his disciple, Mardana came to a village. They wanted to stay there for the night. But the villagers were rude and inhospitable. They did not let them stay anywhere in the village. So Guru Nanak and Mardana were forced to spend the night in the open. Guru Nanak wished that the people of that village should stay in that village. Mardana was somewhat puzzled, but said nothing.

The next night they came to another village. The villagers welcomed them, treated them kindly and found them a place to stay there for the night. They gave them food to eat. Guru Nanak wished that the people of the second village should be scattered over the country.

But this was too much for Mardana. He protested. Guru Nanak replied, "It is better for those inhospitable and selfish people to stay in one place where they can do harm in one place only. But these good people have something which is needed everywhere. Hence they ought to be scattered so that they can take their light to other places."

(एक बार गुरु नानक और उनका शिष्य मरदाना एक गाँव में आए। वे रात्रि के लिए वहाँ ठहरना चाहते थे। किंतु गाँव वाले असभ्य और अतिथि सत्कार न करने वाले थे। उन्होंने उन्हें गाँव में कहीं भी ठहरने नहीं दिया। इसलिए गुरु नानक और मरदाना खुले में रात बिताने के लिए मजबूर हो गए। गुरु नानक ने इच्छा प्रकट की कि उस गाँव के लोग उसी गाँव में ठहरे रहें। मरदाना थोड़ा सा भ्रमित हुआ, किंतु उसने कुछ नहीं कहा।

अगली रात वे दूसरे गाँव में आए। गाँव वालों ने उनका स्वागत किया, उनके साथ अच्छा व्यवहार किया और उन्हें रात्रि विश्राम के लिए स्थान दिया। उन्होंने उन्हें खाने के लिए भोजन दिया। गुरु नानक ने इच्छा प्रकट की कि दूसरे गाँव के लोग सारे देश में फैल जाए।

किंतु मरदाना के लिए यह बहुत बड़ी बात थी। उसने विरोध किया। गुरु नानक ने उत्तर दिया, ''यह अच्छा है कि वे अतिथि सत्कार न करने वाले और स्वार्थी लोग एक ही स्थान पर ठहरे रहें, जिससे कि वे केवल एक ही स्थान पर नुकसान कर सकें। किंतु ये अच्छे लोग कुछ ऐसी चीजें रखते हैं जिनकी सब स्थानों पर आवश्यकता है। इसलिए उन्हें सभी जगह फैल जाना चाहिए जिससे कि वे अपने प्रकाश को सभी स्थान पर ले जा सकें।)''

Q2 : What is the moral of the story of Guru Nanak and Mardana?

(गुरु नानक और मरदाना की कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?)

Ans : Guru Nanak wished rude and inhospitable people to stay in the same village. Thus evil will not spread to other places. He wished good people to be scattered all over the country. Thus their goodness will spread everywhere in the country.

In the same way, each of us have been powers of body, mind and character. As we leave school, we are tested as to how we are going to use these powers. If we use these powers to spread light of knowledge in the whole country, it will be the best service of the country. The progress of the country depends upon good citizens.

Our country is like a chain and we are its links. If one of links is weak, the whole chain will be weak. If we are weak and poor citizens, then our country will suffer.

So the moral of the story is that we must try to become good citizens and serve our country with full devotion.

(गुरु नानक ने इच्छा प्रकट की कि असभ्य और अतिथि सत्कार न करने वाले लोग उसी गाँव में ठहरे रहें। इस प्रकार बुराई दूसरे स्थानों पर नहीं फैलेगी। उन्होंने इच्छा की कि अच्छे लोग देश में सर्वत्र फैल जाएँ। इस प्रकार उनकी अच्छाई देश के प्रत्येक स्थान पर फैल जाएगी।

उसी प्रकार हममें से प्रत्येक को शरीर, मस्तिष्क और चरित्र की शक्तियाँ प्रदान की गई हैं जैसे ही हम स्कूल छोड़ते हैं तो हमारी परीक्षा ली जाती है कि हम इन शक्तियों का प्रयोग किस प्रकार कर रहे हैं। यदि हम इन शक्तियों का प्रयोग सारे देश में ज्ञान फैलाने के लिए करते हैं तो यह देश की सबसे अच्छी सेवा होगी। देश की उन्नति अच्छे नागरिकों पर निर्भर करती है।

हमारा देश एक जंजीर की तरह है और हम इसकी कड़ियों की तरह हैं। यदि एक कड़ी कमजोर हो जाती है तो सारी कड़ी कमजोर पड़ जाएगी। यदि हम गरीब और कमजोर नागरिक हैं तो हमारा सारा देश कष्ट भोगेगा।

इसलिए इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि हमें अच्छे नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिए और पूरी निष्ठा से अपने देश की सेवा करनी चाहिए।)

Q3 : Why should good people not stay at one place?
(अच्छे लोगों को एक स्थान पर क्यों नहीं रुकना चाहिए?)

Ans : Good people should not stay at on place. They have some special qualities which is needed everywhere. Their influence and their character will be benefit to others, wherever they go. So good people should be scattered all over the country. Thus their goodness will be spread everywhere in the country.
(अच्छे लोगों को एक स्थान पर नहीं रुकना चाहिए। उनमें से कुछ में विशेष गुण होते हैं, जिनकी प्रत्येक स्थान पर आवश्यकता होती है। उनका प्रभाव एवं चरित्र जहाँ भी वे जाएँगे, उनके लिए लाभदायक होगा। इसलिए अच्छे लोगों को पूरे देश में बिखर जाना चाहिए। इस प्रकार उनकी अच्छाई देश में प्रत्येक स्थान पर फैल जाएगी।)

Q4 : How was the flame carried from Athens to London in 1948? Name the special event that took place that year.
(1948 में मशाल एथेन्स से लंदन कैसे ले जाई गई? उस वर्ष घटने वाली विशेष घटना को बताइए।)

Ans : The Olymic games used to be held in Athens in times long age. The Olympic flame was to be carried to London in 1948.
The flame was carried from Greece to London in 1948. This flame was carried by a long relay of runners right across Europe. Each runner carried a lighted torch. He ran for a certain distance. At a certain place, a fresh runner was waiting for him. The new runner then lit his torch from the one which had been carried to him. As soon as he had done this, he set out to run with his torch. Every runner had a fresh torch. He lit it from the one brought to him. Thus from runner to runner the flame was carried till it reached London. From the last torch was lit the fire which burnt all the time the games were going on.
A special event took place that year. One runner when handing over his torch to a fresh runner, lit it go out.
(प्राचीन समय में ओलम्पिक खेल एथेन्स में हुआ करते थे। ओलम्पिक मशाल 1948 में लंदन के लिए ले जाई जानी थी।

सन् 1948 में यह मशाल यूनान से लंदन ले जाई गई। प्रत्येक धावक एक जलती हुई मशाल ले गया। वह निश्चित दूरी तक दौड़ता था। एक निश्चित स्थान पर नया धावक उसकी प्रतीक्षा करता था। फिर वह नया धावक उसकी मशाल से अपनी मशाल जला लेता था, जो उसके पास लाई जाती थी। ज्यों ही वह ऐसा करता था, वह उसे लेकर दौड़ता था। प्रत्येक नए धावक के पास नई मशाल होती थी। वह उसे उस मशाल से जला लेता था, जो उसके पास लाई जाती थी। इस प्रकार एक धावक से अन्य धावक लंदन पहुँचने तक मशाल ले जाते रहे। अंतिम मशाल से वहाँ अग्नि जलाई गई जो खेलों के पूरे आयोजन तक जलती रही।

उस वर्ष एक विशेष घटना घटी। एक धावक ने जब अपनी मशाल दूसरे धावक को दी, तो उसकी मशाल बुझ गई।)

Q5 : Explain the line, "A good citizen is the centre of light."
(एक अच्छा नागरिक प्रकाश का केंद्र होता है।''पंक्ति की व्याख्या कीजिए।)

Ans : We should grow into such citizens that people will want the light of our character and influence everywhere. We should not become such a sort of character that people want us to stay in one place, and not to mix with others.
We should be good citizens. We should be able to serve our country. We must be carrying light with us wherever we go and not darkness. Our influence on others must be for good. Our lives must be such that our association with other people makes them better.
Thus a good citizen is a center of light wherever he lives, and whatever he is doing.
(हमें ऐसा नागरिक बनना चाहिए कि लोग हमारे चरित्र एवं हमारे प्रभाव के प्रकाश को प्रत्येक जगह चाहें। हमें इस प्रकार का

चरित्र नहीं बनना चाहिए, जो लोगों को यह चाहने के लिए विवश करे कि हम एक ही स्थान पर सीमित रहें तथा दूसरों से मिल-जुल न सकें।

हमें एक अच्छा नागरिक होना चाहिए। हम अपने देश की सेवा करने के लिए समर्थ हो सकें। हम जहाँ कहीं भी जाएँ हम अपने साथ प्रकाश ले जाएँ न कि अंधकार। दूसरों पर हमारा प्रभाव अच्छा पड़ना चाहिए। हमारा जीवन ऐसा होना चाहिए कि हमारी संगति से अन्य लोग बेहतर बन सकें।

इस प्रकार एक अच्छा नागरिक प्रकाश का केंद्र होता है, चाहे वह कहीं भी रहे और कुछ भी करे।)

Q6 : What does the writer mean by saying, "We must be carrying light with us wherever we go?"
(लेखक के कहने का क्या तात्पर्य है कि, ''हम जहाँ भी जाएँ हमें अपने साथ प्रकाश ले जाना चाहिए?'')

Ans : "We must be carrying light with us wherever we go." In this line the writer means that we have to see that we grow to such citizens that people will want the light of our character and our influence everywhere. We should not become such a sort of character as will make people want us to stay in one place, and not to mix with others. We should be a good citizen so that we would be able to serve our country. Our influence on others must be for good. Our lives must be such that our association with other people makes them better.

(''हम जहाँ भी जाएँ हमें अपने साथ प्रकाश ले जाना चाहिए।'' इस पंक्ति में लेखक का तात्पर्य है कि हमें यह देखना है कि हम अच्छे नागरिक बनें जिससे लोग हमारे चरित्र व हमारे प्रभाव के प्रकाश को चाहें। हमें इस प्रकार का चरित्र नहीं बनाना चाहिए, जो लोगों को यह चाहने के लिए विवश करे कि हम एक ही स्थान पर सीमित रहें तथा दूसरे से मिल-जुल न सकें। हमें अच्छा नागरिक होना चाहिए ताकि हम अपने देश की सेवा करने के लिए समर्थ हो सकें। हमारा जीवन ऐसा होना चाहिए कि हमारी संगति से अन्य लोग बेहतर बन सकें।)

Q7 : What will happen if we do not pass the flame of knowledge and skill to others?
(यदि हम ज्ञान एवं कौशल की ज्योति दूसरों तक नहीं पहुँचाते हैं, तो क्या स्थिति उत्पन्न होगी?)

Ans : If we do not pass the flame of knowledge and skill to others then the flame will go out. In support of this statement, here one beautiful example has been quoted. It relates the flame which was carried from Greece to London. One of the runner, with flame, failed to pass the flame properly and the misson was failed.

In the same way when the students come out from their schools, they have a lot of knowledge and skill to pass on to the others. If we do not do so it means we are allowing the flame of knowledge and skill to be put off.

(यदि हम अपने ज्ञान एवं कौशल की ज्योति को दूसरों तक नहीं पहुँचाते हैं, तो वह ज्योति बुझ जाएगी। इस कथन की पुष्टि में यहाँ एक सुंदर उदाहरण उद्धृत किया गया है। यह उदाहरण मशाल को यूनान से लंदन ले जाने वाली ओलम्पिक ज्योति की स्मरण कराता है। मशाल एक-दूसरे को सौंपते हुए इन धावकों में से एक की लापरवाही के कारण अभियान पूर्णत: सफल नहीं हुआ था।

इसी प्रकार विद्यार्थी भी विद्यालय से ज्ञान व कौशल की ज्योति लेकर निकलते हैं। यह ज्योति उन्हें दूसरों को सौंपनी चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो इसका अर्थ है कि वे अपनी इस ज्ञान व कौशल की ज्योति को बुझा रहे हैं।)

Q8 : What do you mean by, "A chain is as strong as its weakest link?" How can the chain be made strong?
(''एक जंजीर उतनी ही मजबूत होती है जितनी उसकी सबसे कमजोर कड़ी'' से आपका क्या तात्पर्य है? जंजीर को मजबूत कैसे बनाया जा सकता है?)

Ans : "A chain is as strong as its weakest links; it means that a weak link makes the whole chain weak. The weakest link will break when the chain is pulled. Our country is a big chain where every citizen is a link. A weak link makes the chain weak. Sometimes we think that it doesn't matter what one person does in such a large country. If one candle goes out, there will be darkness at that place. It is only when all the candles burn brightly, the whole house will be full of light. So our duty is to be a good citizen.

(एक जंजीर उतनी ही मजबूत होती है जितनी कि उसकी सबसे कमजोर कड़ी।'' से तात्पर्य है कि एक कमजोर कड़ी पूरी जंजीर को कमजोर बना देती है। जब भी जंजीर को खींचा जाएगा, तो उसकी सबसे कमजोर कड़ी टूट जाएगी। हमारा देश एक बड़ी जंजीर के समान है जहाँ प्रत्येक नागरिक इसकी एक कड़ी है। एक कमजोर कड़ी पूरी जंजीर को कमजोर बना देती है। कभी-कभी हम सोचते हैं कि इतने बड़े देश में एक व्यक्ति क्या करता है, उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। यदि एक मोमबत्ती बुझ जाए तो उस स्थान पर अँधेरा हो जाएगा। संपूर्ण मकान केवल तभी प्रकाशमय हो सकता है जब इसकी सभी मोमबत्तियाँ जलें। अत: हम सभी का कर्तव्य अच्छा नागरिक बनना है।)

SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Part I

Q1 : What was the result of the merchant's hard work?
(व्यापारी के कठिन परिश्रम का क्या परिणाम हुआ?)

Ans : The result of the merchant's hard work was that he had earned a lot of money and had become rich.
(व्यापारी के कठिन परिश्रम के परिणामस्वरूप उसने काफी धन कमा लिया तथा वह धनवान बन गया।)

Q2 : Whom did the merchant want to give all his money?
(व्यापारी अपना सारा धन किसे देना चाहता था?)

Ans : The merchant wanted to give all his money to one of his sons who proved himself to be the cleverer of the two.
(व्यापारी अपना सारा धन अपने उस पुत्र को देना चाहता था जो स्वयं को दोनों में अधिक चतुर सिद्ध कर दे।)

Q3 : What did the merchant do to solve his problem?
(व्यापारी ने अपनी समस्या के समाधान के लिए क्या किया?)

Ans : The merchant gave a test to his sons to solve his problem.
(व्यापारी ने अपनी समस्या के समाधान के लिए अपने पुत्रों की परीक्षा ली।)

Q4 : What did the merchant give to his sons and what did he ask them to do with it?
(व्यापारी ने अपने पुत्रों को क्या दिया और उसने उनको क्या करने को कहा ?)

Ans : The merchant gave one rupee each of his sons and asked them to go separately and buy something in a couple of days which would fill the whole house.
(व्यापारी ने अपने बेटों को एक-एक रुपया दिया और उनसे अलग-अलग जाने तथा कुछ ही दिन कें अंदर ऐसी वस्तु खरीदने को कहा जो सारा घर भर दे।)

Q5 : What did the first son do?
(पहले पुत्र ने क्या किया?)

Ans : The first son wandered in the market here and there. He did not think much and bought a load of hay for a rupee.
(पहला पुत्र बाजार में इधर-उधर घूमा। उसने अधिक नहीं सोचा और एक रुपये में गाड़ी भरकर भूसा खरीदा।)

Q6 : What did the second son do?
(दूसरे पुत्र ने क्या किया?)

Ans : Before buying anything the second son who was really clever, sat down and thought about what he should buy with his rupee.
(कोई भी वस्तु खरीदने से पूर्व दूसरा पुत्र जो कि वास्तव में चतुर था, बैठ गया और उसने यह सोचा कि उसे एक रुपये का क्या खरीदना चाहिए।)

Q7 : Who satisfied the merchant– first son or the second son? How?
(व्यापारी को किसने संतुष्ट किया— पहले पुत्र ने या दूसरे पुत्र ने? कैसे?)

Ans : The second son satisfied the merchant. He purchased a few candles with his rupee and filled the entire house with their light.
(व्यापारी को दूसरे पुत्र ने संतुष्ट किया। उसने अपने रुपये से कुछ मोमबत्तियाँ खरीदीं और उनके प्रकाश से पूरे घर को भर दिया।)

Q8 : What have 'hay' and 'light' been compared to?
('भूसे' तथा 'प्रकाश' से किसकी तुलना की गई है?)

Ans : 'Hay' has been compared to useless works and 'light' has been compared to good deeds and service of the country.
('भूसे' की तुलना व्यर्थ के कार्यों से और 'प्रकाश' की तुलना अच्छे कार्यों और देश सेवा से की गई है।)

Q9 : What different qualities do we have?
(हमारे पास क्या भिन्न-भिन्न गुण हैं?)

Ans : The different qualities we have are:
(i) Power of body.
(ii) Power of mind and

(iii) Power of character
(हमारे पास भिन्न-भिन्न गुण हैं—
(i) शरीर की शक्ति
(ii) मस्तिष्क की शक्ति
(iii) चरित्र की शक्ति)

Q10 : What should we do to become good citizens of our country?
(हमें अपने देश के अच्छे नागरिक बनने के लिए क्या करना चाहिए?)

Ans : To become good citizens of our country we should use our powers and abilities to spread light into all parts of our country.
(हमें अपने देश के अच्छे नागरिक बनने के लिए अपनी शक्तियों तथा योग्यताओं का प्रयोग अपने देश के सभी भागों में प्रकाश फैलाने के लिए करना चाहिए।)

Part II

Q1 : Why did Guru Nanak and Mardana spend the night in open?
(गुरु नानक तथा मरदाना ने रात्रि खुले में क्यों बिताई?)

Ans : Guru Nanak and Mardana spent the night in open because the people of the village were rude and inhospitable. They did not allow them to stay anywhere in the village.
(गुरु नानक तथा मरदाना ने रात्रि खुले में बिताई क्योंकि गाँव के लोग बहुत अशिष्ट तथा अतिथि सत्कार न करने वाले थे। उन्होंने उन्हें गाँव में कहीं भी ठहरने नहीं दिया।)

Q2 : What did Guru Nanak say about the people of the first village?
(गुरु नानक ने पहले गाँव वालों के बारे में क्या कहा?)

Ans : Guru Nanak asked about the people of the first village that they should remain in that village.
(गुरु नानक ने पहले गाँव वालों के बारे में कहा कि वे सदा उसी गाँव में रहें।)

Q3 : How were Guru Nanak and Mardana treated in the second village?
(गुरु नानक तथा मरदाना के साथ दूसरे गाँव मे कैसा व्यवहार हुआ?)

Ans : The people of the second village welcomed Guru Nanak and Mardana, treated them kindly, found them a place to stay for night and gave them food to eat.
(दूसरे गाँव के लोगों ने गुरु नानक व मरदाना का स्वागत किया, उनके साथ अच्छा व्यवहार किया, रात को रहने का स्थान तथा खाने के लिए भोजन दिया।)

Q4 : What did Guru Nanak say about the people of the second village?
(गुरु नानक ने दूसरे गाँव वालों के बारे में क्या कहा?)

Ans : Guru Nanak said about the people of the second village that they should spread over the whole country and should not remain at one place.
(गुरु नानक ने दूसरे गाँव वालों के बारे में कहा कि वे पूरे देश में फैल जाएँ और एक ही स्थान पर न रहें।)

Q5 : Why did Mardana get puzzled?
(मरदाना क्यों चकरा गया?)

Ans : Mardana got puzzled because people he could not understand why the Guru had wished for the bad people to remain in the village and good people to spread in the whole country.
(मरदाना चकरा गया क्योंकि वह यह समझ नहीं पाया कि गुरु ने बुरे लोगों के लिए गाँव में ही बने रहने और अच्छे लोगों के लिए सारे देश में बिखर जाने की प्रार्थना क्यों की।)

Q6 : Why should inhospitable people stay in one place?
(असत्कारी लोगों को एक ही स्थान पर क्यों रुके रहना चाहिए?)

Ans : Inhospitable people should stay in one place so that their evils might harm only at one place.
(असत्कारी लोगों को एक ही स्थान पर रुके रहना चाहिए ताकि उनकी बुराइयाँ उसी स्थान पर हानि पहुँचा सके।)

Q7 : Why should good people not stay in one place?
(अच्छे लोगों को एक ही स्थान पर क्यों नहीं रुके रहना चाहिए?)

Ans : Good people should not stay in one place because their goodness is needed everywhere.
(अच्छे लोगों को एक ही स्थान पर नहीं रुके रहना चाहिए क्योंकि उनकी अच्छाई की प्रत्येक जगह आवश्यकता है।)

Q8 : What will happen if a link in a chain is weak?
(जंजीर की एक कड़ी कमजोर होने पर क्या होगा?)

Ans : A weak link makes the whole chain weak because chain may break at that point. So, a chain is as strong as its weakest link.
(जंजीर की एक कमजोर कड़ी संपूर्ण जंजीर को कमजोर बनाती है, क्योंकि जंजीर वहीं से टूट सकती है। इसलिए एक जंजीर उतनी ही मजबूत होती है जितनी कि उसकी सबसे कमजोर कड़ी।)

Q9 : How can the chain be made strong?
(जंजीर को मजबूत कैसे बनाया जा सकता है?)

Ans : Our country is a big chain where every citizen is a link. If every citizen of the country would become a good citizens, then this chain can be made strong.
(हमारा देश एक बड़ी जंजीर है जहाँ प्रत्येक नागरिक इसकी एक कड़ी है। यदि देश का प्रत्येक नागरिक अच्छा नागरिक बन जाएगा, तो इस जंजीर को मजबूत बनाया जा सकता है।)

Q10 : What will happen if we don't pass the flame of knowledge and skill to others?
(यदि हम ज्ञान और कौशल की मशाल दूसरों तक नहीं पहुँचाएँगे तब क्या होगा?)

Ans : Each one of us has a flame to carry which we have to pass on to others. If we do not pass the flame of knowledge and skill to others, it will go out.
(हममें से प्रत्येक के पास एक मशाल है जिसे हमकों दूसरों को सौंपना है। यदि हम यह ज्ञान और कौशल की मशाल दूसरों तक नहीं पहुँचाते हैं, तो वह बीच में ही बुझ जाएगी।)

VOCABULARY

[A] Match the words of column I and II according to the similarity in their meanings :

I	II
reluctantly	full of light or knowledge
haggling	unwillingly
disconsolately	harsh
reception	to put one over the other
disciple	bargaining
piled	welcome
rude	follower / student
enlightened	without comfort

[B] Use the following words / group of words in your own sentences :
disciple, reception, pleased, native, go out, look after, take leave, give up, lay by.
disciple : Mardana was Guru Nanak's **disciple.**
reception : Mr. Obama was given a grand **reception.**
pleased : Ananya was so well **pleased** with this dress that she bought it.
native : India is our **native** country.
go out : This is the responsibility of a runner not to let the flame **go out**.
look after : A nurse **looks after** patients.
take leave : I have stayed here for a long time. Let me **take leave** of you now.
give up : I have **given up** smoking.
lay by : My father **laid by** more and more riches.

[C] Give antonyms of :
spend, enough, despair, wisdom, better, always, open, hospitable.

spend	earn
enough	aggravate
despair	hope
wisdom	stupidity
better	worse
always	never
open	close
hospitable	inhospitable

6. Our Indian Music : Stories and Anecdotes

Summary in English

The author tells us about the divine origin of music and its power to stir our emotions deeply. The enchantment of the music is brought out through ths story of Tansen, the great music is an of Akbar's court, and his master Swami Hari Das. Music is an art but also an urge, an inspiration.

Brahma created the universe. He filled his creation with beauty, charm and splendour. But inspite of creating all beautiful things, Brahma was not happy. His wife Saraswati understood his worry. She shared in his work. She decided to creat a capacity in man with which he could enjoy beauty. So she created music and other fine arts.

A true artist should not sell his art or he should not work to please someone. Instead, he should work to his inner urge.

Tansen was a great musician in the court of Akbar. One day Akbar asked Tansen why he was such a great artist. Tansen replied that he was nothing in comparison to his Guru Swami Hari Das whose music was rhythmic flow of divine harmony. Akbar desired to hear the Swami Haridas. Akbar and Tansen went to the ashram of Swami Haridas. They stayed there for several days but the Swami did not sing. One day Tansen began to sing and knowingly introduced a false note. The Swami was provoked and scolded Tansen. He began to sing himself. Akbar and Tansen were also lost in the music. When the music stopped, Akbar said that Tansen's song was a chaff before his master. Tansen told the emperor that he sang to please him (Akbar) while his Guru sang for himself and sang only when he felt an urge from within.

Summary in Hindi

लेखक हमें संगीत की दैव्य उत्पत्ति के विषय में बताता है और इसकी शक्ति जो हमारे भावों को गहराई से जागृत करती है। संगीत का आकर्षण तानसेन की कहानी के द्वारा लाया गया है, जो अकबर के दरबार के महान संगीतज्ञ थे और उनके गुरु हरिदास थे। संगीत एक कला है लेकिन एक ललक और प्रेरणा भी है।

ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की। उसने अपनी सृष्टि को सुंदरता, आकर्षण और शान-शौकत से भरा। लेकिन सभी सुंदर चीजों की रचना करने के बाबजूद ब्रह्मा प्रसन्न नहीं थे। उनकी पत्नी सरस्वती ने उनके दु:ख को समझा। उन्होंने उनके कार्य में भाग लिया। उन्होंने मानव में ऐसी क्षमता को उत्पन्न करने का निश्चय किया जिसके साथ वह सुंदरता का आनंद ले सके। इसलिए उन्होंने संगीत का सृजन किया और अन्य ललित कलाओं का भी।

एक सच्चे कलाकार को अपनी कला बेचनी नहीं चाहिए या उसे किसी को खुश करने के लिए काम नहीं करना चाहिए। इसके स्थान पर उसे अपनी आन्तरिक प्रेरणा पर काम करना चाहिए।

तानसेन अकबर के दरबार में एक महान संगीतज्ञ थे। एक दिन अकबर ने तानसेन से पूछा कि वह इतना महान कलाकार क्यों है? तानसेन ने उत्तर दिया कि अपने गुरु स्वामी हरिदास की तुलना में वह कुछ भी नहीं था जिनका संगीत दैवीय सुर का एक लयबद्ध प्रभाव है। अकबर ने स्वामी हरिदास को सुनने की इच्छा प्रकट की। अकबर और तानसेन स्वामी हरिदास के आश्रम गए। वे वहाँ कई दिन ठहरे लेकिन स्वामी ने नहीं गाया। एक दिन तानसेन ने गाना शुरू कर दिया और जान-बूझकर एक गलत धुन निकाली। स्वामी उत्तेजित हो गए और तानसेन को डाँटा। उन्होंने गाना शुरू कर दिया। अकबर और तानसेन भी संगीत में खो गए।

जब संगीत बंद हुआ तो अकबर ने कहा कि तानसेन का संगीत उसके गुरु के सामने भूसा मात्र है। तानसेन ने अकबर को बताया कि उसने (तानसेन) उसकी (अकबर) खुशी के लिए गाया जबकि उसके गुरु ने स्वयं की खुशी के लिए तथा आंतरिक प्रेरणा से गाया।

Exercise

COMPREHENSION

Read the following passages and answer the questions that follow :

[A] The history of Indian..... to be purposeless.

Vocabulary :

history	-	इतिहास	brimming with	-	से ओत-प्रोत
anecdotes	-	अंतर्कथाएँ	origin	-	उत्पत्ति
fine arts	-	संगीत, चित्रकला आदि ललित कलाएँ	creator	-	सृष्टिकर्ता
universe	-	ब्रह्मांड	created	-	रचना की

enchanting	-	आकर्षक	majestic	-	भव्य
thundering	-	शोर करने वाला	water-falls	-	झरने
giant	-	विशालकाय	nimble	-	चपल, द्रुत गति वाले
exquisite	-	बहुत सुंदर	splendour	-	भव्यता, वैभव
consort	-	पत्नी	charm	-	जादू, आकर्षण
showered	-	बौछार की	sensitive	-	संवेदनशील
purposeless	-	निरर्थक, उद्देश्यहीन			

हिंदी अनुवाद– भारतीय संगीत का इतिहास कथाओं और अंतर्कथाओं से ओत-प्रोत है। कारण यह है कि संगीत और अन्य ललित कलाओं की उत्पत्ति स्वयं में एक कहानी है। सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने इस ब्रह्मांड की रचना की। उन्होंने अनेक प्रकार की अद्‌भुत रूप से सुंदर और मोहक वस्तुओं की रचना की। उन्होंने शानदार पर्वत श्रृंखलाएँ, शोर करते झरने और विशालकाय जंगली-वृक्ष, चपल हिरन, बहुरंगे मोर और सुंदर पुष्प बनाए। उन्होंने अपनी सृष्टि को सुंदरता, आकर्षण और वैभव से भर दिया। लेकिन वे उदास थे। उनकी पत्नी सरस्वती ने उनकी उदासी का कारण पूछा।

ब्रह्मा ने कहा, ''यह सत्य है कि मैंने इस समस्त अद्‌भुत और मोहक सृष्टि की रचना की है और उसमें सर्वत्र सौंदर्य बिखेर दिया है लेकिन इसका क्या लाभ है? मेरे बच्चे, मानव आत्माएँ इनके समीप से गुजर जाते हैं, वे अपने चारों ओर फैली सुंदरता के प्रति संवेदनशील नहीं दिखाई देते। लगता है कि सारी सुंदरता उनके लिए व्यर्थ रही है, यह सृष्टि उद्देश्यहीन प्रतीत होती है।

Q1 : What is the history of India filled with?
(भारत का इतिहास किससे भरा हुआ है?)

Ans : The history of India is filled stories and anecdotes.
(भारत का इतिहास कथाओं और अंतर्कथाओं से भरा है।)

Q2: What did Brahma create?
(ब्रह्मा ने क्या रचना की?)

Ans : Brahma created the universe.
(ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की।)

Q3 : Why was Brahma sad?
(ब्रह्मा दु:खी क्यों थे?)

Ans : Brahma was sad because his children, human souls did not take any interest in his beautiful creation.
(ब्रह्मा दु:खी थे क्योंकि उनके बच्चे, मानव आत्माएँ उनकी सुंदर रचना के प्रति संवेदनशील नहीं थे।)

Q4 : Who is Saraswati? What did she ask Brahma?
(सरस्वती कौन हैं? उन्होंने ब्रह्मा से क्या पूछा?)

Ans : Saraswati is the consort of Brahma. She asked Brahma the reason of his sadness.
(सरस्वती ब्रह्मा की पत्नी हैं। उन्होंने ब्रह्मा से उनके दु:खी होने का कारण पूछा।)

Q5 : Why did Brahma fill his creation with?
(ब्रह्मा ने अपनी सृष्टि को किससे भरा?)

Ans : Brahma filled his creation with beauty, charm and splendour.
(ब्रह्मा ने अपनी सृष्टि को सुंदरता, आकर्षण और ऐश्वर्य से भरा।)

Q6 : Why did Brahma feel his creation to be purposeless?
(ब्रह्मा को अपनी सृष्टि उद्देश्यहीन क्यों लगी?)

Ans : Brahma felt his creation to be purposeless because his children, human souls did not seem to be sensitive to the beauty around.
(ब्रह्मा को अपनी सृष्टि उद्देश्यहीन लगी क्योंकि उनके बच्चे, मानव आत्माएँ चारों ओर की सुंदरता के प्रति संवेदनशील प्रतीत नहीं होते थे।)

[B] Saraswati understood..... great moral.

Vocabulary :

understood	-	समझ गई	share	-	हिस्सा
to appreciate	-	सराहना करना	uplifted	-	ऊपर उठा हुआ
capacity	-	सामर्थ्य	wondrous	-	आश्चर्यजनक

Muse	-	कला की देवी	Divine	-	दैवीय
manifestation	-	पार्थिव सृष्टि	moral	-	नैतिक शिक्षा

हिंदी अनुवाद– सरस्वती ने उनकी भावनाओं को समझा और उनसे कहा, ''इस महान कार्य में मुझे अपना अंशदान करने दीजिए। आपने इस समस्त सौंदर्य और वैभव की रचना की है, मैं अपने बच्चों में उनसे प्रभावित होने, उनकी प्रशंसा करने तथा उनसे प्रेरित होकर ऊँचा उठने की क्षमता पैदा कर दूँगी। मैं उन्हें संगीत और अन्य कलाएँ दूँगी, जो उनके अंदर इस सारी सृष्टि के शानदार वैभव, असीम आकर्षण तथा अद्‌भुत सौंदर्य को पहचानने तथा प्रतिदान करने की क्षमता प्रदान करेंगे।''

तब कला की अधिष्ठात्री देवी ने हम मानवों को संगीत तथा अन्य ललित-कलाएँ इस आशा के साथ दीं कि इनके द्वारा मनुष्य अपने संसार के दैवीय अंश को समझने लगेगा। विचित्र कहानी है न? हाँ, परंतु इसमें एक महान नैतिक शिक्षा भी है।

Q1 : Who understood the feelings of Brahma?
(ब्रह्मा की भावनाओं को किसने समझा?)

Ans : Saraswati understood the feelings of Bahama.
(सरस्वती ने ब्रह्मा की भावनाओं को समझा।)

Q2 : What did she decide to do to help Brahma?
(उन्होंने ब्रह्मा की सहायता करने के लिए क्या करने का निश्चय किया?)

Ans : To help Brahma, Saraswati decided to create the power to respond and to appreciate in the people.
(ब्रह्मा की सहायता करने के लिए सरस्वती ने निश्चय किया कि वह मनुष्य में प्रत्युत्तर देने और प्रशंसा करने की शक्ति पैदा करेंगी।)

Q3 : What is the importance of music and fine arts?
(संगीत तथा ललित कलाओं का क्या महत्व है?)

Ans : The importance of music and fine arts is that through them man would understood something of the divine in his manifestation.
(संगीत तथा ललित कलाओं का महत्व है कि इनके द्वारा मनुष्य अपने संसार में दैवीय अंश को समझने लगेगा।)

Q4: Why does Saraswati want to give music to humans?
(सरस्वती मनुष्यों को संगीत क्यों देना चाहती थी?)

Ans : Saraswati wanted to give music to humans to remove the sadness of Brahma.
(ब्रह्मा के दु:ख को दूर करने के लिए सरस्वती मनुष्यों को संगीत देना चाहती थी।)

Q5 : Why did the great Muse give us music?
(कला की महान देवी ने हमें संगीत क्यों दिया?)

Ans : The great Muse gave us music so that we might respond to the beauty of universe.
(कला की महान देवी ने हमें संगीत दिया ताकि हम ब्रह्मांड की सुंदरता का प्रत्युत्तर दे सकें।)

[C] One of the basic truths..... wonderful, Tansen."

Vocabulary :

basic truth	-	मौलिक सत्य	made to order	-	किसी की आज्ञा से होना
irresistible	-	जिसके सामने कोई अवरोध टिक न सके	inner	-	आंतरिक
urge	-	प्रेरणा	enthralled	-	मोहित
gaze	-	एकटक देखना	sculptures	-	शिल्पकला, मूर्तिकला
thrilled	-	प्रफुल्लित	devotion	-	ईश्वर-भक्ति
self-effacing	-	भुला देना, पूरी तल्लीनता	dedication	-	समर्पण
bard	-	दरबारी संगीतज्ञ	illustrates	-	चित्रित करता है
vividly	-	जीवंतता से, स्पष्टता से	particularly	-	विशेष रूप से
ecstasy	-	अत्यधिक आनंद, परम आनंद	concord	-	सुर-संगम
transports	-	पहुँचा देती है	divine regions	-	ईश्वरीय क्षेत्र
cast a spell of	-	जादू डालना, मंत्र-मुग्ध करना			

हिंदी अनुवाद– एक मौलिक सत्य जिस पर समस्त भारतीय कला विकसित हुई है, यह है सच्ची कला का सृजन, जो किसी के आदेशानुसार नहीं किया जा सकता; यह तो किसी अबाध आंतरिक प्रेरणा के फलस्वरूप उत्पन्न होता है। हम त्यागराज का

गीत सुनते हैं और प्रफुल्लित हो जाते हैं; हम किसी मंदिर का वैभवशाली शिखर देखते हैं और उसे आश्चर्य से निहारते रह जाते हैं; हम अपनी कुछ प्राचीन मूर्तियों को देखते हैं और रोमांचित हो जाते हैं, क्यों? इन सभी कलाकृतियों के पीछे एक महान आध्यात्मिक प्रेरणा है। जिन कलाकारों ने हमें ये (कलाकृतियाँ) दीं, उन्होंने अपनी पूर्ण समर्पण भावना को इन उत्तम कलाकृतियों के रूप में उड़ेल दिया है; और स्वयं को भुलाकर कार्य के साथ एकाकार हो, यह सार्थकता प्राप्त की।

तानसेन, जो अकबर के दरबार के एक महान संगीतज्ञ थे, के विषय में एक कहानी कही जाती है, जो इस तथ्य को अधिक स्पष्ट कर देती है। तानसेन एक महान संगीतकार थे और अकबर को उनके संगीत से अत्यधिक प्रेम था। एक दिन जब तानसेन विशेष रूप से अच्छा गा रहे थे, अकबर आनंद विभोर हो गए और उनसे पूछा, ''इन मधुर स्वरों के समन्वय का क्या रहस्य है, जो मुझे इस संसार से ले जाकर अलौकिक जगत में पहुँचा देते हैं? मैंने किसी भी अन्य व्यक्ति से इस प्रकार का गायन नहीं सुना है, जो मंत्र-मुग्ध कर दे और हमारे हृदयों को अपना दास बना ले। तानसेन, तुम सचमुच अद्‌भुत हो।''

Q1 : What is the basic truth on which all Indian Art is developed?
(वह मौलिक सत्य क्या है जिस पर संपूर्ण भारतीय कला विकसित हुई है?)

Ans : All Indian art is developed on one of the basic truths that it is never made to order but it comes as a result of an irresistible inner urge.
(संपूर्ण भारतीय कला एक मौलिक सत्य पर विकसित हुई है कि यह आदेश देने पर कभी नहीं आती बल्कि यह तो एक अबाध आंतरिक प्रेरणा से ही आती है।)

Q2 : What is behind all good works of art?
(सभी कलाकृतियों के पीछे क्या है?)

Ans : A great spritual urge is behind all good works of art.
(सभी कलाकृतियों के पीछे एक महान आध्यात्मिक प्रेरणा है।)

Q3 : Explain the words, "self-effacing dedication."
(''पूर्ण समर्पण भावना'' शब्दों को स्पष्ट कीजिए।)

Ans : "Self-effacing dedication" is a feeling in which a artist pours all his devotion to perform his art.
(''पूर्ण समर्पण भावना'' एक भावना है जिसमें कलाकार अपनी कला के प्रदर्शन में पूर्ण निष्ठावान हो जाता है।)

Q4 : Who was Tansen?
(तानसेन कौन थे?)

Ans : Tansen was a great musician of Akbar's court.
(तानसेन अकबर के दरबार के एक महान संगीतकार थे।)

Q5 : What was Akbar fond of ?
(अकबर किसके शौकीन थे?)

Ans : Akbar was fond of Tansen's music.
(अकबर तानसेन के संगीत के शौकीन थे।)

Q6 : What did Akbar ask Tansen one day?
(एक दिन अकबर ने तानसेन से क्या पूछा?)

Ans : One day Akbar asked Tansen, "What is the secret of this sweet concord of notes?"
(एक दिन अकबर ने तानसेन से पूछा, ''इस मधुर संगीत स्वर का क्या रहस्य है?'')

[D] The great bard replied, "..... gross blunder?"

Vocabulary :

humble	-	तुच्छ	fraction	-	छोटा-सा भाग, अंश
grace	-	सौंदर्य	beside	-	पास में, निकट
rhythmic	-	लयपूर्ण	expert	-	विशेषज्ञ
pigmy	-	बौना	intrigued	-	जिज्ञासा उत्पन्न कर दी
dwelt	-	रहता था	deliberately	-	जानबूझकर
aesthetic	-	सौंदर्यानुभूतिपूर्ण	rude	-	असभ्य, गँवार
shock	-	सदमा	rebuked	-	बुरा-भला कहा
commit	-	करना	gross blunder	-	बड़ी त्रुटि

हिंदी अनुवाद– महान संगीतज्ञ ने उत्तर दिया, ''महाराज, मैं तो अपने गुरु स्वामी हरिदास का तुच्छ शिष्य हूँ; मैं तो अभी अपने गुरु की शैली, सौंदर्य और जादू का एक अंश-मात्र भी नहीं सीख पाया हूँ। मैं भला उनके समक्ष क्या हूँ जिनके संगीत में दैवीय सुर, सौंदर्य तथा स्वर के आकर्षण का एक लयबद्ध प्रवाह है?''

''क्या कहा?'' सम्राट चिल्ला पड़े, ''क्या कोई ऐसा भी व्यक्ति है जो तुमसे अच्छा गा सकता है? क्या तुम्हारे गुरु इतने महान गायक हैं?''

''मैं तो अपने गुरु की तुलना में केवल एक बौने के समान हूँ।'' तानसेन ने कहा।

अकबर के मन में बड़ी जिज्ञासा पैदा हो गई, वे हरिदास का संगीत सुनना चाहते थे परंतु सम्राट होने के बावजूद वे हरिदास को अपने दरबार में नहीं बुला सकते थे। अत: वे तथा तानसेन हिमालय (पर्वत) पर गए जहाँ स्वामी जी अपने आश्रम में रहते थे। तानसेन ने अकबर को पहले से ही सचेत कर दिया था कि स्वामी जी केवल तभी गाएँगे जब उनकी इच्छा होगी। वे दोनों कई दिनों तक आश्रम में ठहरे रहे परंतु स्वामी जी ने नहीं गाया। फिर एक दिन तानसेन ने एक गीत गाया, जो उन्होंने स्वामी जी से सीखा था और जानबूझकर गलत स्वर का प्रयोग किया । इसका उस संत पर झंकृत कर देने वाला प्रभाव पड़ा; उनके सौंदर्यानुभूति करने वाले स्वभाव को एक गहरा आघात लगा। वे तानसेन की और मुड़े तथा उन्हें फटकारा और कहा, ''तुम्हें क्या हो गया है, तानसेन, कि मेरे शिष्य होकर तुम इतनी बड़ी गलती कर रहे हो?''

Q1 : Who was the great bard, Akbar was talking to?
(महान दरबारी कौन था जिससे अकबर बात कर रहे थे?)

Ans : The great bard was Tansen, Akbar was talking to.
(वह महान दरबारी तानसेन थे जिनसे अकबर बात कर रहे थे।)

Q2 : Who was the Guru of Tansen?
(तानसेन के गुरु कौन थे?)

Ans : Swami Hari Das was the Guru of Tansen.
(तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास थे।)

Q3 : What did Akbar ask Tansen and what did Tansen reply?
(अकबर ने तानसेन से क्या पूछा और तानसेन ने क्या उत्तर दिया?)

Ans : Akbar asked, "Is there one who can sing better than you ? Is your master such a great expert?" Tansen replied, "I am but a pigmy by my master's side."
(अकबर ने पूछा, ''क्या कोई ऐसा भी व्यक्ति है जो तुमसे अच्छा गा सकता है? क्या तुम्हारे गुरु इतने महान गायक हैं?'' तानसेन ने उत्तर दिया, ''मैं तो अपने गुरु की तुलना में एक बौने के समान हूँ।'')

Q4 : What did Tansen tell Akbar about his master?
(तानसेन ने अकबर को अपने गुरु के बारे में क्या बताया?)

Ans : Tansen told Akbar about his master that his music is a rhythmic flow of Divine harmony, beauty and charm.
(तानसेन ने अकबर को अपने गुरु के बारे में बताया कि उनका संगीत ईश्वरीय मधुरता, सौंदर्य और जादू का एक लयबद्ध प्रवाह है।)

Q5 : Why did Akbar and Tansen go to Himalayas?
(अकबर और तानसेन हिमालय क्यों गए?)

Ans : Akbar wished to hear music of Hari Das. He along with Tansen went to ashram in the Himalayas to fulfil his wish.
(अकबर हरिदास का संगीत सुनना चाहते थे। अपनी इच्छा को पूर्ण करने के लिए वे तानसेन के साथ हिमालय में स्थित हरिदास के आश्रम में गए।)

Q6 : What warning did Tansen give to Akbar?
(तानसेन ने अकबर को क्या चेतावनी दी?)

Ans : Tansen warned Akbar that Swamiji would sing only if he wanted to.
(तानसेन ने अकबर को चेतावनी दी कि स्वामी जी केवल तभी गाएँगे जब उनकी इच्छा होगी।)

Q7 : Why did Tansen deliberately sing a false note?
(तानसेन ने जानबूझकर गलत स्वर में क्यों गाया?)

Ans : Tansen deliberately sang a false note to make his Guru sing.
(तानसेन ने अपने गुरु को गाने के लिए विवश करने के लिए जानबूझकर गलत स्वर में गाना गाया।)

Q8 : What did Swamiji say while rebuking Tansen?
(स्वामी जी ने तानसेन को क्या कहा जब वे उसे फटकार रहे थे?)

Ans : Swamiji said while rebuking Tansen that he did not expect his pupil to sing a song wrongly.
(स्वामी जी ने तानसेन को फटकारते हुए कहा कि उन्हें अपने शिष्य से गलत ढंग से गीत गाने की आशा नहीं थी।)

[E] He then started..... all the difference."

Vocabulary :

enveloped	-	छा गया	sheer	-	पूर्ण
melody	-	लय-माधुर्य	unique	-	अनुपम
chaff	-	भूसा, बेकार	soul-stirring	-	आत्मा को झकझोरने वाला
bidding	-	आदेश	prompting	-	अंत:प्रेरणा
innermost	-	हृदय की असीम गहराई			

हिंदी अनुवाद– फिर उन्होंने उसी गीत के अंश को सही ढंग से गाना प्रारम्भ कर दिया; गायन की मन: स्थिति ने उन्हें आ घेरा और उस संगीत ने उन्हें ऐसा लपेटा कि वह संगीत में स्वयं को भूल गए। उनका संगीत पृथ्वी और आकाश में फैल गया। अकबर और तानसेन भी संगीत की सहज मधुरता और जादू में स्वयं को भूल गए।

यह एक अद्वितीय अनुभव था। जब संगीत रुका, अकबर तानसेन की ओर घूमे और कहा, ''तुम कहते हो तुमने इस संत से संगीत सीखा और फिर भी ऐसा प्रतीत होता है कि तुम संगीत के जीवंत जादू का स्पर्श नहीं कर पाए। तुम्हारा गायन तो इस आत्मा को आंदोलित कर देने वाले (झकझोर देने वाले) संगीत की तुलना में भूसी मात्र (बेकार वस्तु) है।''

''यह सत्य है, महाराज'' तानसेन ने कहा, ''यह सत्य है कि मेरा संगीत गुरु जी के जीवंत व मधुर संगीत की अपेक्षा काष्ठवत् व निर्जीव है। परंतु यहाँ एक अंतर है– मैं सम्राट की आज्ञा से गाता हूँ, लेकिन मेरे गुरु जी किसी मनुष्य के आदेश से नहीं गाते, वे केवल तभी गाते हैं, जब उनके अंतर्मन से उन्हें प्रेरणा मिलती है। इस अंतर का मुख्य कारण यही है।

Q1 : What made Swamiji sing?
(स्वामी जी को किसने गाने के लिए विवश कर दिया?)

Ans : Tansen's false note made Swamiji sing.
(तानसेन के गलत स्वर ने स्वामी जी को गाने के लिए विवश कर दिया।)

Q2 : What was the effect of Swami's music on Akbar and Tansen?
(अकबर और तानसेन पर स्वामी जी के संगीत का क्या प्रभाव पड़ा?)

Ans : The effect of music was that Akbar and Tansen forgot themselves in the sheer melody and charm of the music.
(संगीत का यह प्रभाव पड़ा कि अकबर व तानसेन संगीत में डूब गए तथा स्वयं को भी भूल गए।)

Q3 : Which was the unique experience and for whom?
(अद्‌भुत अनुभव कौन-सा था और किसको यह अनुभव हुआ?)

Ans : Listeningto the charming music presented by Guru Hari Das was the unique experience for Akbar.
(गुरु हरिदास द्वारा प्रस्तुत मनमोहक संगीत को सुनना अकबर के लिए अद्‌भुत अनुभव था।)

Q4 : What did Akbar say to Tansen after hearing Swami Hari Das?
(अकबर ने स्वामी हरिदास का संगीत सुनने के बाद तानसेन से क्या कहा?)

Ans : After hearing Swami Hari Das Akbar said to Tansen that his music was like chaff beside the charming music of his master.
(स्वामी हरिदास का संगीत सुनने के बाद अकबर ने तानसेन से कहा कि उसका संगीत उसके गुरु के आकर्षक संगीत की तुलना में भूसी के समान था।)

Q5 : How did Tansen explain the difference between Swami's and his own music?
(तानसेन ने स्वामी तथा अपने संगीत के अंतर को कैसे स्पष्ट किया?)

Ans : Tansen explained that the difference between Swami's and his own music was due to the fact that he (Tansen) sang to the emperor's bidding but his master sang when the prompting came from his innermost.
(तानसेन ने स्पष्ट किया कि स्वामी जी तथा उसके संगीत का कारण है कि वे (तानसेन) बादशाह के आदेश पर गाते हैं जबकि उनके गुरु अपनी अंतरात्मा से प्रेरणा प्राप्त होने पर गाते हैं।)

LONG ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : What did Brahma create in the universe?
(ब्रह्मा ने ब्रह्मांड में क्या रचना की?)

Ans : The creator Brahma, made his universe. He created a variety of wonderfully beautiful and delightful things. He created the majestic mountain ranges, the thundering water-falls and the giant forest trees, as also the nimble deer, the colourful peacock and of great excellence flowers. He filled his creation with beauty, charm and splendour.
(रचनाकार ब्रह्मा ने इस ब्रह्मांड को बनाया। उन्होंने अनेक प्रकार की अद्‌भुत रूप से सुंदर तथा मंत्रमुग्ध कर देने वाली वस्तुएँ बनाईं। उन्होंने बड़े आकार की पर्वत श्रृंखलाएँ, शोर करते हुए झरने और दैत्याकार जंगली वृक्ष बनाए और फुर्तीले हिरन, रंगबिरंगे मोर और सुंदर फूल भी बनाए। उन्होंने सृष्टि को सुंदरता, आकर्षण तथा वैभव से भर दिया।)

Q2 : Why did Brahma feel that all his creations were purposeless?
(ब्रह्मा ने क्यों महसूस किया कि उनकी सृष्टि उद्देश्यहीन थी?)

Ans : Brahma created this universe. He created a lot of beautiful and enchanting things. He created majestic mountains, thundering waterfalls, large forests and beautiful birds, animals and flowers. Thus he filled his creation with beauty and splendour. But his children, the human beings were not sensitive to the beauty around them. So he was sad. He felt that his creation was purposeless.
(ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की। उन्होंने बहुत-सी सुंदर तथा आकर्षक चीजों की रचना की। उन्होंने विशाल पर्वत, शोर करते झरने, बड़े-बड़े वन और सुंदर पशु तथा पुष्प बनाए। इस प्रकार उन्होंने अपनी सृष्टि को सौंदर्य तथा वैभव से भर दिया। परंतु उनके बच्चे, मानव जाति, के चारों ओर जो सौंदर्य फैला हुआ था, वे (मनुष्य) संवेदनशील नहीं थे। अत: वे (ब्रह्मा) उदास थे। उन्होंने महसूस किया कि उनकी सृष्टि उद्देश्यहीन है।)

Q3 : Who solved Brahma's problem and how?
(ब्रह्मा की समस्या का समाधान किसने किया और कैसे?)

Ans : After creating the universe, Brahma felt that his creation was purposeless because human souls did not seem to be sensitive to the beauty of his creation. So he was sad.
His wife Saraswati understood his feelings. She conceived an idea to remove his sadness. She created music and fine arts. She created the power to respond to this beauty through music. She filled man with this power. Thus the human beings began to take interest in the creation of Brahma. Then Brahma became happy.
(सृष्टि की रचना करने के बाद ब्रह्मा ने अनुभव किया कि सृष्टि की रचना निरर्थक रही, क्योंकि मनुष्य ने इस सुंदर रचना के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाई। इसलिए वे दु:खी थे।
उनकी पत्नी सरस्वती उनकी भावनाओं को समझ गईं। उन्होंने उनके दु:ख को दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने संगीत तथा ललित कलाओं की रचना की। उन्होंने संगीत के द्वारा इस सुंदरता का प्रत्युत्तर देने की शक्ति की रचना की। उन्होंने मनुष्य को इस शक्ति से भर दिया। इस प्रकार मानव जाति ने ब्रह्मा की सृष्टि में रुचि लेनी आरंभ कर दी। तब ब्रह्मा प्रसन्न हो गए।)

Q4 : Why does a work of art thrill us?
(कलाकृतियाँ हमें रोमांचित क्यों कर देती हैं?)

Ans : When we see a great work of art, a majestic temple, tower or an ancient sculpture, we are thrilled and left spell bound because of the great spiritual urge behind it. An exquisite work of art is produced by devotion of the artist. Indian art is an act of self-effacing dedication. The Indian artist pours their devotion in their art.
(जब हम कला का कोई विशिष्ट कार्य, एक भव्य मंदिर, मीनार या प्राचीन शिल्पकला देखते हैं, तो हम रोमांचित हो जाते हैं और वह हमें मंत्र-मुग्ध कर देता है, क्योंकि उसके पीछे विशिष्ट मानसिक प्रेरणा होती है। कला का बहुत ही सुंदर कार्य कलाकार के समर्पण द्वारा उत्पन्न होता है। भारतीय कला मौन-समर्पण का प्रतीक है। भारतीय कलाकार अपने समर्पण को अपनी कला में उड़ेल देता है।)

Q5 : Who was Swami Hari Das? Why was Akbar eager to hear him?
(स्वामी हरिदास कौन थे? अकबर उनका संगीत सुनने के लिए क्यों उत्सुक थे?)

Ans : Swami Hari Das was the Guru of great musician Tansen. He lived in an ashram in Himalaya.
One day Tansen gave a very good performance in the court of emperor Akbar. Akbar went into ecstasy. He asked Tansen, "What is the secret of his sweet concord of notes which takes me out of this world and transports me to Divine regions? I have not heard anyone else who can thus cast a spell of magic and make a slave of our hearts. You are really wonderful, Tansen."
Tansen said that he was only a humble pupil of his master, Swami Hari Das. He had not mastered even a fraction of his master's technique, grace and charm.

Akbar was surprised to know that there was one who could sing better than Tansen. This made Akbar eager to hear Swami Hari Das.

(स्वामी हरिदास महान संगीतज्ञ तानसेन के गुरु थे। वे हिमालय में एक आश्रम में रहते थे।

एक दिन तानसेन ने अकबर के दरबार में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन दिखाया। अकबर परम आनंद में लीन हो गया। उसने तानसेन से पूछा, ''इस स्वर-माधुर्य का क्या रहस्य है, जो मुझे इस संसार से बाहर निकाल ले गया और मुझे ईश्वरीय क्षेत्र में छोड़ दिया। मैंने कभी किसी अन्य व्यक्ति का ऐसा संगीत नहीं सुना, जो इस प्रकार का जादू कर देता है और हृदय को गुलाम बना देता है। तानसेन, तुम वास्तव में आश्चर्यजनक हो।''

तानसेन ने कहा कि वह अपने स्वामी हरिदास का तुच्छ शिष्य मात्र है। उसने अपने गुरु की तकनीक, सौन्दर्य तथा आकर्षण का थोड़ा-सा हिस्सा भी प्राप्त नहीं किया है।

अकबर आश्चर्यचकित हुआ कि क्या कोई तानसेन से बेहतर गा सकता है। इससे अकबर स्वामी हरिदास का संगीत सुनने के लिए उत्सुक हो गए।)

Q6 : How was Akbar's wish fulfilled?
(अकबर की इच्छा कैसे पूर्ण हुई?)

Ans : Akbar wished to hear music of Swami Hari Das. Tansen told Akbar that he was nothing before his Guru. At this Akbar became anxious to hear his Guru. But he could not fulfill his wish because Swami Hari Das would not come to his court.

So Akbar and Tansen went to Swamiji's ashram in the Himalayas to hear his song. They stayed at ashram several days but he did not sing. So Tansen played a trick to make his Guru sing. He sang a false note knowingly. His Guru could not bear it. He rebuked Tansen that his pupil could commit such vulgarity and began to sing himself. Thus Akbar's wish was fulfilled.

(अकबर की इच्छा स्वामी हरिदास का संगीत सुनने की थी। तानसेन ने अकबर को बताया था कि वह अपने गुरु के सामने कुछ भी नहीं है। इस पर अकबर उनके गुरु को सुनने के लिए उत्सुक हुए। लेकिन वे अपनी इच्छा पूरी नहीं कर सकते थे क्योंकि स्वामी हरिदास उनके दरबार में नहीं आ सकते थे।

अकबर और तानसेन हिमालय में स्वामी जी के आश्रम उनका गाना सुनने के लिए गए। वे वहाँ कई दिनों तक ठहरे लेकिन उन्होंने नहीं गाया। इसलिए तानसेन ने अपने गुरु को गाने के लिए प्रेरित करने के लिए एक चाल चली। उन्होंने जानबूझकर गलत स्वर गाया। उनके गुरु यह सहन न कर सके। उन्होंने तानसेन को फटकारा कि उनका शिष्य भी ऐसा बेहूदापन कर सकता है और स्वयं गाने लगे। इस प्रकार अकबर की इच्छा पूरी हो गई।)

Q7 : What was the difference in the singing of Hari Das and Tansen?
(हरिदास और तानसेन के गाने में क्या अंतर था?)

Ans : **Music of Tansen:** Tansen was the great musician in Akbar's court. Akbar was very fond of his music. One day when Tansen gave a very good performance, Akbar went into ecstasy. He felt that Tansen's music took him out of this world and transported him to divine regions.

Music of Hari Das: When Akbar heard the music of Swami Hari Das, he forgot himself in the sheer melody and charm of the music. Akbar said that Tansen's music seemed to be only chaff beside Swami's soul-stirring music.

Difference in the singing of Hari Das and Tansen: Tansen said that he sang to the emperor's bidding but he sang only when prompting came from his innermost self. That made all the difference.

(**तानसेन का संगीत–** तानसेन अकबर के दरबार के महान संगीतज्ञ थे। अकबर उनके संगीत के बहुत शौकीन थे। एक दिन जब तानसेन ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन दिखाया, अकबर परम आनंद में लीन हो गए। उन्हें अनुभव हुआ कि तानसेन का संगीत उनको इस संसार से बाहर निकालकर ईश्वरीय क्षेत्र में ले गया।

हरिदास का संगीत– जब अकबर ने स्वामी हरिदास का संगीत सुना, तो वे संगीत से ओत-प्रोत लय-माधुर्य तथा जादू में स्वयं को भूल गए। अकबर ने कहा कि तानसेन का संगीत स्वामी जी के हृदय को झकझोरने वाले संगीत के सामने केवल भूसा लगता है।

हरिदास और तानसेन के गाने में अंतर– तानसेन ने कहा कि वे सम्राट के आदेश पर गाते थे, परंतु उनके गुरु तभी गाते हैं जब उनके हृदय की असीम गहराई में अंत:प्रेरणा उत्पन्न होती है। यहीं अंतर का कारण था।)

SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Q1 : Who are Brahma and Saraswati?
(ब्रह्मा और सरस्वती कौन हैं?)

Ans : Brahma is the creator of this universe. Saraswati is the creator of music and fine arts. She created among men the power to appreciate beauty. They are husband and wife.

(ब्रह्मा सृष्टि के रचयिता हैं। सरस्वती ललित कलाओं तथा संगीत की रचयिता हैं। उन्होंने मनुष्य में सुंदरता को सराहने की क्षमता प्रदान की। दोनों आपस में पति-पत्नी हैं।)

Q2 : Who has created this universe?
(ब्रह्मांड की रचना किसने की?)

Ans : Brahma has created this universe.
(ब्रह्मांड की रचना ब्रह्मा ने की।)

Q3 : What has Brahma created in this universe?
(ब्रह्मा ने इस ब्रह्मांड में क्या रचना की?)

Ans : Brahma has created in this universe the mountains, waterfalls, trees, flowers and animals like deer, peacocks, etc.
(ब्रह्मा ने इस ब्रह्मांड में पर्वतों, झरनों, वृक्षों, फूलों तथा जानवरों जैसे हिरणों, मोरों आदि की रचना की।)

Q4: Why did Brahma become sad?
(ब्रह्मा दु:खी क्यों हो गए?)

Ans : Brahma became sad because his children, human souls did not take any interest in his beautiful creation.
(ब्रह्मा दु:खी हो गए क्योंकि उनके बच्चे, मानव जाति उनकी सुंदर सृष्टि के प्रति संवेदनशील नहीं थे।)

Q5 : What is the importance of music and fine arts in this universe?
(इस ब्रह्मांड में ललित कलाओं तथा संगीत का क्या महत्व है?)

Ans : The music and fine arts are very important in this universe. Music and fine arts creat in the human being the power to respond to the beauty of the universe.
(ललित कला तथा संगीत इस ब्रह्मांड में बहुत महत्वपूर्ण हैं। ललित कला तथा संगीत मनुष्य में ब्रह्मांड की सुंदरता का प्रत्युत्तर देने की शक्ति उत्पन्न करते हैं।)

Q6 : Why does a work of art thrill and awe us?
(एक कलाकृति हमें क्यों रोमांचित करती है और विस्मय में क्यों डालती है?)

Ans : A work of art thrills and awes us because there is a great spiritual urge of the artist behind it. The artist pours all his devotion to perform his art.
(एक कलाकृति हमें इस कारण रोमांचित करती है और विस्मय में डालती है क्योंकि इसके पीछे कलाकार की गहरी आध्यात्मिक प्रेरणा होती है। कलाकार अपनी कला के प्रदर्शन में पूर्ण निष्ठावान हो जाता है।)

Q7 : On which basic truth, all Indian art is developed?
(किस मौलिक सत्य पर संपूर्ण भारतीय कला विकसित हुई है?)

Ans : One of the basic truths on which all Indian art is developed is that true art is never made to order but it comes as an irresistible inner urge.
(संपूर्ण भारतीय कला एक मौलिक सत्य पर विकसित हुई है कि यह आदेश देने पर नहीं आती बल्कि यह तो एक अबाध आंतरिक प्रेरणा से आती है।)

Q8 : Who was Swami Hari Das?
(स्वामी हरिदास कौन थे?)

Ans : Swami Hari Das was Tansen's master. He lived an ashram in Himalayas.
(स्वामी हरिदास तानसेन के गुरु थे। वे हिमालय में एक आश्रम में रहते थे।)

Q9 : What did Tansen tell Akbar about Swami Hari Das?
(तानसेन ने अकबर को स्वामी हरिदास के बारे में क्या बताया?)

Ans : Tansen told Akbar that Swami Hari Das's music is a rhythmic flow of Divine harmony, beauty and charm in sound.
(तानसेन ने अकबर को बताया कि स्वामी हरिदास का संगीत ईश्वरीय मधुरता, सौंदर्य और जादू का एक लयबद्ध प्रवाह है।)

Q10 : Why was Akbar eager to meet Hari Das?
(अकबर हरिदास से मिलने के लिए क्यों उत्सुक थे?)

Ans : Tansen told Akbar that he was nothing before his Guru. At this Akbar became eager to meet Hari Das.
(तानसेन ने अकबर को बताया कि वे अपने गुरु के समक्ष कुछ भी नहीं हैं। इस पर अकबर हरिदास से मिलने के लिए उत्सुक हो गए थे)

Q11 : Why did Akbar and Tansen go to the Himalayas?
(अकबर और तानसेन हिमालय की ओर क्यों गए?)

Ans : Akbar wanted to hear music of Swami Hari Das but he could not get him to his court. So he and Tansen went to Himalayas where Swamiji lived in his ashram.
(अकबर स्वामी हरिदास का गायन सुनना चाहते थे, परंतु वे उन्हें अपने दरबार में नहीं बुला सकते थे। अत: अकबर और तानसेन स्वामी जी के आश्रम में हिमालय की ओर गए।)

Q12 : What warning was given to Akbar by Tansen?
(तानसेन ने अकबर को क्या चेतावनी दी थी?)

Ans : Tansen warned Akbar that Swamiji would sing only if he wanted to.
(तानसेन ने अकबर को चेतावनी दी थी कि स्वामी जी केवल तभी गाएँगे जब वे चाहेंगे।)

Q13 : How was Akbar's wish fulfilled?
(अकबर की इच्छा कैसे पूर्ण हुई?)

Ans : Akbar wished to hear music of Hari Das. He fulfilled his wish by going to the ashram of Swamiji himself with Tansen.
(अकबर की इच्छा हरिदास का संगीत सुनने की थी। उन्होंने तानसेन के साथ स्वयं स्वामी जी के आश्रम में जाकर अपनी इच्छा पूरी की।)

Q14 : What was the impact of Swamiji's singing on Kabar?
(स्वामी जी के गायन का अकबर पर क्या प्रभाव पड़ा?)

Ans : The impact of swamiji's singing on Akbar was that he forgot himself in the sheer melody and charm of the music.
(स्वामी जी के गायन का अकबर पर यह प्रभाव पड़ा कि वे संगीत से ओत-प्रोत लय-माधुर्य तथा जादू में स्वयं को भूल गए।

Q15 : Why was Swamiji's music soul-stirring?
(स्वामी जी का संगीत आत्मा को झकझोरने वाला क्यों था?)

Ans : Swamiji's music was soul-stirring because he sang due to his inner urge.
(स्वामी जी का संगीत आत्मा को झकझोरने वाला था इसलिए क्योंकि वे अपनी आंतरिक प्रेरणा के कारण गाते थे।)

VOCABULARY

[A] Match the words of column I and II according to the similarity in their meanings :

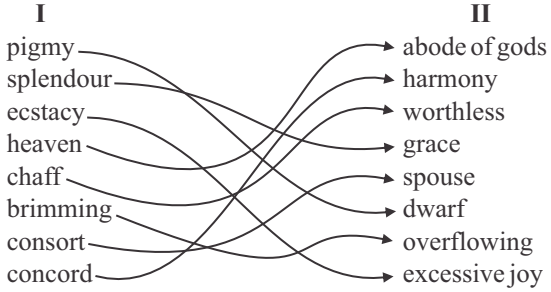

[B] Use the following words / group of words in your own sentences :
essence, majestic, deliberately, exquisite, turn to, by the side of, cast a spell of
essence : The greatest of Indian music lies in its **essence**.
majestic : There is **majestic** touch in my mother's cooking.
deliberately : You have **deliberately** made your uniform dirty.
exquisite : Radhika gave **exquisite** performance in annual function of the school.
turn to : Turn to left for school and right for playground.
by the side of : Suhani gave a beautiful gift to Lakshay **by the side of** her parents.
cast a spell of : Tansen's music **cast a spell of** magic and made a slave to the listener's hearts.

[C] Give antonyms of :
created, innermost, sad, false, living, forget.

created	-	destroyed
innermost	-	outermost
sad	-	happy
false	-	true
living	-	dead
forget	-	remember

POETRY

1. The Fountain

Summary of the Poem

(In English)

The poet is thrilled by the sight of the fountain when it looks beautiful during night and day. The fountain leaps up high and looks bright in both the sunshine and the moonlight. It always looks happy rushing in spray.

The fountain always tries to reach as high as possible into the air. It is full of energy. It is always in motion. It is fresh, active, changeful and constant. It looks glad in every weather.

The poet wishes to be like the fountain. He desires to be fresh, changing and yet steady. He desires to aspire for higher things.

(In Hindi)

कवि फव्वारे के दृश्य से रोमांचित हो उठता है जब यह दिन और रात के समय सुंदर दिखता है। फव्वारा ऊँचा उछलता है और धूप और चंद्रमा के प्रकाश दोनों में चमकदार दिखता है। यह तेजी से चलता हुआ सदैव खुश रहता है।

फव्वारा सदैव हवा में इतना ऊँचा उठने की कोशिश करता है जितना उठ सकता है। यह ऊर्जा से भरपूर रहता है। यह सदैव गतिशील बना रहता है। यह ताजा, सक्रिय, परिवर्तनशील और स्थिर रहता है। यह प्रत्येक मौसम में प्रसन्न दिखाई पड़ता है।

कवि की इच्छा फव्वारे जैसा बनने की है। वह फव्वारे की तरह ताजा, परिवर्तनशील और स्थिर भी रहने की इच्छा प्रकट करता है। वह उच्चतर चीजों को प्राप्त करने की आकांक्षा रखने की इच्छा प्रकट करता है।

Central Idea of the Poem

In this poem the poet describes the activities of a fountain. The motion of a fountain influences the poet very much. It looks charming during day and night. It looks glad in every weather. Its movements are natural and it cannot be trained. It is untiring, ever-happy, ceaselessly aspiring, ever fresh and glorious. The poet also wishes to remain fresh, constant and upward like the fountain.

(इस कविता में कवि फव्वारे की गतिविधियों का वर्णन करता है। फव्वारे की गति कवि को बहुत अधिक प्रभावित करती है। यह दिन और रात में सुंदर दिखाई देता है। यह प्रत्येक मौसम में प्रसन्न दिखाई पड़ता है। इसकी गतियाँ स्वाभाविक हैं और इसे प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता। यह थकता नहीं है, सदा प्रसन्न रहता है, अनवरत ऊँचा उठने की महत्वाकांक्षा रखता है, सदैव ताजा और यशस्वी रहता है। कवि भी फव्वारे के समान तरोताजा, दृढ़ और प्रगतिशील बनना चाहता है।)

Exercise

COMPREHENSION

Read the following stanzas and answer the questions that follow :

[A] Into the sunshine,..... the winds blow!

Vocabulary :

sunshine	-	सूर्य की रोशनी	leaping	-	उछलते हुए
flashing	-	चमकते हुए	from morn till night	-	सुबह से रात तक
moonlight	-	चाँदनी	whiter	-	अधिक सफेद
winds blow	-	हवाएँ चलती हैं			

हिंदी अनुवाद– कवि फव्वारे को देखकर कहता है कि फव्वारा सूर्य के प्रकाश में बड़े जोर के साथ उछलते हुए तथा चमकते हुए सुबह से रात तक अपना कार्य करता रहता है।

कवि चंद्रमा के प्रकाश में फव्वारे का वर्णन करते हुए कहता है कि चाँदनी रात में फव्वारा हिम से भी अधिक सफेद दिखाई पड़ता है और जब हवाएँ चलती हैं, तब यह फूलों की तरह हिलता हुआ दिखाई पड़ता है।

Q1 : How does the fountain appear in sunshine?
(धूप में फव्वारा कैसा होता है?)

Ans : The fountain looks full of the light in the sunshine.
(फव्वारा धूप में प्रकाश से भरा हुआ प्रतीत होता है।)

Q2 : Who is leaping and flashing?
(कौन उछल तथा चमक रहा है?)

Ans : The fountain is leaping and flashing.
(फव्वारा उछल तथा चमक रहा है।)

Q3 : How does the fountain appear in moonlight?
(चाँदनी में फव्वारा कैसा होता है?)

Ans : In the moonlight the fountain looks whiter than snow.
(चाँदनी में फव्वारा हिम से अधिक सफेद प्रतीत होता है।)

Q4 : What is the colour of fountain in moonlight?
(चाँदनी में फव्वारे का रंग कैसा दिखता है?)

Ans : The colour of fountain is white in moonlight.
(चाँदनी में फव्वारे का रंग सफेद दिखता है।)

Q5 : How is fountain's movement different in moonlight and sunshine?
(सूर्य की रोशनी और चंद्रमा की चाँदनी में फव्वारे की गतिविधि भिन्न कैसे है?)

Ans : In the sunshine the fountain is leaping and flashing. It is full of energy while in the moonlight it looks whiter than snow. It is constant at night.
(सूर्य की रोशनी में फव्वारा उछलता तथा चमकता है। यह ऊर्जा से भरपूर रहता है जबकि चंद्रमा की चाँदनी में यह हिम से भी अधिक सफेद दिखता है। यह रात को स्थिर रहता है।)

Q6 : What happens to the fountain when the winds blow?
(जब हवाएँ चलती हैं तो फव्वारे को क्या होता है?)

Ans : When the winds blow, the fountain waves like a flower.
(जब हवाएँ चलती हैं तब फव्वारा फूल के समान लहराता है।)

[B] Into the starlight..... Never a weary.

Vocabulary :

starlight	-	तारों की रोशनी	rushing	-	तेजी से चलते हुए
spray	-	फुहारें	midnight	-	आधी रात
in motion	-	गतिमान	heavenward	-	आकाश की ओर
a weary	-	थका हुआ			

हिंदी अनुवाद– कवि कहता है कि फव्वारा तारों की रोशनी में तेजी से चलता हुआ फुहारें फेंक रहा है। वह आधी रात के समय भी प्रसन्न दिखाई देता है और दिन के समय भी प्रसन्न है। कवि कहता है कि फव्वारा सदैव गतिशील और प्रसन्न रहता है। वह सदैव ऊपर की ओर चलता है अपने कार्य से कभी नहीं थकता है। (अर्थात् सदैव अपना कार्य करते रहता है।)

Q1 : How can you say that the fountain is always happy?
(आप कैसे कह सकते हैं कि फव्वारा सदैव प्रसन्न रहता है?)

Ans : The fountain is joyfully busy in moving up all the whole day and night. It indicates that it is always happy.
(फव्वारा दिन-रात खुशी-खुशी ऊपर उठने में व्यस्त रहता है। अत: कहा जा सकता है कि वह सदैव प्रसन्न रहता है।)

Q2 : How can you say that the fountain is never tired?
(आप कैसे कह सकते हैं कि फव्वारा कभी नहीं थकता है?)

Ans : The fountain is joyfully moving up all the whole day and night. It indicates that it is never tired.
(फव्वारा खुशी-खुशी दिन-रात ऊपर की ओर उठता है। अत: कहा जा सकता है वह कभी नहीं थकता है।)

Q3 : In which direction is the fountain moving?
(फव्वारा किस दिशा की ओर चलता है?)

Ans : The fountain is moving in upward direction.
(फव्वारा ऊपर की दिशा में चलता है।)

Q4 : Which qualities of the fountain are discussed here?
(यहाँ फव्वारे के किन गुणों का वर्णन किया गया है?)

Ans : The qualities of the fountain discussed here are:
(i) always active, (ii) happy and cheerful,

(iii) going upward (iv) never tired

(यहाँ फव्वारे के जिन गुणों का वर्णन किया गया है वे हैं–

(i) सदैव गतिमान, (ii) खुश और हँसमुख

(iii) ऊपर की ओर जाने वाला, (iv) कभी न थकने वाला।)

Q5 : What is meant by "still climbing heavenward"?

("still climbing heavenward" से क्या तात्पर्य है?)

Ans : "still climbing heavenward" is meant that the fountain always climbs in the upward direction.

("still climbing heavenward" से तात्पर्य है कि फव्वारा सदैव ऊपर की दिशा में चलता है।)

Q6 : Explain the movement of the fountain in starlight.

(तारों के प्रकाश में फव्वारे की गतिविधि का वर्णन कीजिए।)

Ans : In starlight the fountain is happy rushing in spray.

(तारों के प्रकाश में फव्वारा तेजी के साथ फुहारें फेंकता हुआ प्रसन्न है।)

[C] Glad of all..... Ever the same.

Vocabulary :

glad	-	प्रसन्न	weathers	-	मौसम
seeming	-	दिखाई पड़ता हुआ	upward	-	ऊपर की ओर
downward	-	नीचे की ओर	motion	-	गति
thy	-	तेरा अर्थात् फव्वारे का	rest	-	आराम
nature	-	प्रकृति	tame	-	पालतू बनाना
changed	-	बदला हुआ	moment	-	समय

हिंदी अनुवाद– कवि कहता है कि फव्वारा हर मौसम में हमेशा प्रसन्न दिखाई पड़ता है। कभी ऊपर की ओर जाता है और कभी नीचे की ओर आता है। लगातार चलता ही रहता है; उसकी गति ही उसका आराम है।

कवि कहता है कि फव्वारे की प्रकृति हमेशा चलते रहने की है। कोई भी वस्तु इसे पालतू नहीं बना सकती अर्थात् कार्य करते रहने से नहीं रोक सकती। यद्यपि यह प्रत्येक क्षण बदलता है, फिर भी सदैव वैसा ही रहता है।

Q1 : How does the fountain remain in motion?

(फव्वारा चलते समय कैसा रहता है?)

Ans : The fountain remains blithesome and cheery in motion.

(फव्वारा जब चलता है, प्रसन्न और प्रफुल्लित रहता है।)

Q2 : In which direction does the fountain move?

(फव्वारा किस दिशा में चलता है?)

Ans : The fountain moves upward and downward.

(फव्वारा ऊपर की ओर तथा नीचे की ओर चलता है।)

Q3 : How can you say that the fountain remains glad in all weathers?

(आप कैसे कह सकते हैं कि फव्वारा प्रत्येक मौसम में प्रसन्न रहता है?)

Ans : The fountain is always busy in moving up and in moving down. It always appears to be at rest so we can say that the fountain remains glad in all weathers.

(फव्वारा सदैव ऊपर की ओर जाने तथा नीचे की ओर आने में व्यस्त है। वह सदैव ऐसा दिखाई देता है मानों आराम में हो इसलिए हम कह सकते हैं कि फव्वारा प्रत्येक मौसम में प्रसन्न रहता है।)

Q4 : What does the poet mean by saying, "Motion thy rest"?

("Motion thy rest" कहने से कवि का क्या तात्पर्य है?)

Ans : The fountain never takes rest. It always moves upward and downward. It always remains is motion. Motion is its rest.

(फव्वारा कभी विश्राम नहीं करता है। यह हमेशा कभी ऊपर तो कभी नीचे बहता रहता है। यह हमेशा गतिमान रहता है। गति ही इसका विश्राम है।)

Q5 : "Changed every moment, ever the same." Explain it.

("Changed every moment, ever the same." इस पंक्ति को स्पष्ट कीजिए।)

Ans : "Changed every moment, ever the same" is meant that although fountain keeps on changing every moment but it looks ever the same. It is constant in every situation.

("Changed every moment, ever the same" से तात्पर्य है कि यद्यपि फव्वारा परिवर्तनशील है फिर भी सदैव एक समान ही प्रतीत होता है। यह प्रत्येक परिस्थिति में दृढ़ रहता है।)

Q6 : What is meant by "nothing can tame"?
("nothing can tame" से क्या ताप्यर्य है?)

Ans : "nothing can tame" is meant that the fountain is full of great energy and nothing can control it.
("nothing can tame" से तात्पर्य है कि फव्वारा अधिक ऊर्जा से भरा हुआ है और इसे कोई भी चीज नियंत्रित नहीं कर सकती।)

Q7 : How is the fountain "ever the same"?
(फव्वारा ''सदैव एकसमान'' कैसे रहता है?)

Ans : The fountain remains "ever the same" because water goes up and down with a measured quantity.
(फव्वारा ''सदैव एकसमान'' रहता है क्योंकि जल एक निश्चित मात्रा में ऊपर चढ़ता और नीचे गिरता है।)

[D] Ceaseless aspiring,..... Upward lie thee!

Vocabulary :

ceaseless	-	लगातार	aspiring	-	ऊपर ही उठते जाना
content	-	संतुष्ट	glorious	-	शानदार
changeful	-	परिवर्तनशील	constant	-	दृढ़
like thee	-	तेरी (फव्वारे की)तरह			

हिंदी अनुवाद– कवि कहता है कि फव्वारा सदैव ऊपर की ओर ही चलता है किंतु यह अपनी प्रगति से संतुष्ट है। चाहे दिन हो या रात, उसका स्वभाव ज्यों का त्यों ही रहता है अर्थात् इसके कार्य करने के ढंग में परिवर्तन नहीं होता है।

फव्वारे को संबोधित करते हुए कवि कहता है कि शानदार फव्वारे! मेरी इच्छा है कि मेरा हृदय भी तुम्हारी तरह ताजा, परिवर्तनशील, दृढ़ और श्रेष्ठतर चीजों को प्राप्त करने वाला हो।

Q1 : Which qualities of the fountain are discussed here?
(यहाँ फव्वारे के किन गुणों को बताया गया है?)

Ans : The qualities of the fountain that discussed here are its brightness, freshness, unceasing movement and natural energy.
(फव्वारा के जिन गुणों का यहाँ वर्णन किया गया है वे हैं इसकी चमक, ताजगी, सतत गतिशीलता और प्राकृतिक शक्ति।)

Q2 : What are the elements of the fountain?
(फव्वारा के तत्व क्या हैं?)

Ans : Ceaseless aspiring, ceaseless content, darkness and sunshine are the elements of the fountain.
(लगातार ऊपर की ओर चलते रहना, लगातार अपनी प्रगति से संतुष्ट रहना, अंधकार और प्रकाश में कार्य करते रहना फव्वारे के तत्व हैं।)

Q3 : What qualities of the fountain does the poet wish to adopt?
(कवि फव्वारे के किन गुणों को ग्रहण करना चाहता है?)

Ans : The poet wishes to adopt the qualities of freshness, changefulness and constancy.
(कवि ताजगी, परिवर्तनशीलता और निरंतरता जैसे गुणों को ग्रहण करना चाहता है।)

Q4 : What does the poet advise us?
(कवि हमें क्या सलाह देता है?)

Ans : The poet advises us that we should keep ourselves always fresh and changing but steady. We should always look towards higher things. We should work hard from morning till night and should never feel tired.
(कवि हमें सलाह देता है कि हम स्वयं को सदा तरोताजा और परिवर्तनशील रखें, किंतु दृढ़ रहें। हम सदैव उच्च बातों की ओर देखें। हमें प्रात:काल से रात तक परिश्रम करना चाहिए और थका हुआ अनुभव नहीं करना चाहिए।)

Q5 : What does the poet mean by using two contradictory words 'changeful' and 'constant' for the fountain?
(कवि ने फव्वारे के लिए 'परिवर्तनशील' और 'स्थिर' दो विरोधी शब्दों का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?)

Ans : Like the changeful fountain, we have ups and downs in our life, but we should move forward with firmness like the constant fountain.

(हमारे जीवन में 'परिवर्तनशील' फव्वारे की तरह उतार-चढ़ाव आते हैं परंतु हमें 'स्थिर' फव्वारे की तरह सदैव अडिग भाव से आगे बढ़ते रहना चाहिए।)

ANSWER THESE QUESTIONS

Q1 : Explain the charming beauty of the fountain as discussed in the poem "The Fountain".
("The Fountain" कविता में वर्णित फव्वारे की आकर्षक सुंदरता को स्पष्ट कीजिए।)

Ans : The charming beauty of the fountain as discussed in the poem is:
(i) It looks full of light in the sunshine.
(ii) It looks whiter than snow in the moonlight.
(iii) When the winds blow, it waves like a flower.
(iv) The fountain looks very beautiful when it goes up so the poet addresses it as glorious.
(कविता में वर्णित फव्वारे की आकर्षक सुंदरता है—
(i) यह धूप में प्रकाश से भरा हुआ दिखाई पड़ता है।
(ii) यह चंद्रमा की चाँदनी में हिम से अधिक सफेद दिखता है।
(iii) जब हवा चलती है, तो यह फूल की तरह हिलता है।
(iv) जब फव्वारा ऊपर जाता है तो यह बहुत सुंदर लगता है, इसलिए कवि इसे शानदार कहकर पुकारता है।)

Q2 : What qualities of the fountain make it glorious?
(फव्वारे के कौन से गुण उसे शानदार बनाते हैं?)

Ans : The qualities of the fountain that make it glorious are brightness, freshness, unceasing movements and natural energy.
(फव्वारे के जो गुण उसे शानदार बनाते हैं, वे है— इसकी चमक, ताजगी, सतत गतिशीलता और प्राकृतिक शक्ति।)

Q3 : Discuss the qualities of the fountain which impressed the poet.
(फव्वारे के उन गुणों को बताइए जिन्होंने कवि को प्रभावित किया।)

Ans : The qualities of the fountain which impressed the poet are freshness, changefulness and constancy. It does its own work and does not feel tired. It is always in motion. It is full of energy. It looks glad in every weather. It is always trying to reach as high as possible into the air. It always appears to be at rest.
(फव्वारे के गुण जिन्होंने कवि को प्रभावित किया वे हैं— ताजगी, परिवर्तनशीलता और स्थिरता। यह अपना कार्य करता रहता है और कभी थकान महसूस नहीं करता। यह सदैव गतिशील बना रहता है। यह ऊर्जा से भरपूर रहता है। यह प्रत्येक मौसम में प्रसन्न रहता है। यह सदैव हवा में ऊँचा उठने की कोशिश करता रहता है जितना उठ सकता है। यह सदैव ऐसा दिखाई देता है मानों आराम में हो।)

Q4 : What is the central idea of the poem 'The Fountain'?
('The Fountain' कविता का मुख्य भाव क्या है?)

Ans : See central idea of the poem on the page no. 74
(कविता का मुख्य भाव पृष्ठ संख्या 74पर देखिए।)

2. The Psalm of Life

Summary of the Poem

(In English)

'The Psalm of Life' is one of Longfellow's most popular poems. It places a noble ideal before the youth of the nation. The poet tells us that life is not unreal. He does not agree with those who hold that life is an empty dream. Life is real and serious. It has a definite aim. It does not mean mere enjoyment or sorrow. It is full of struggles and difficulties. We should face them with courage and zeal. We should work hard to achieve our aim. The youngmen should be patient and hard working. They should not care for any remuneration.

(In Hindi)

'The Psalm of Life' लांगफैलो की सबसे अधिक प्रसिद्ध कविताओं में से एक है। यह देश के नवयुवकों के सामने जीवन का एक अन्य आदर्श रखती है। कवि हमें बताता है कि जीवन अवास्तविक नहीं है। वह उनसे सहमत नहीं है जो मानते है कि जीवन मात्र स्वप्न है। जीवन वास्तविक तथा गंभीर है। इसका निश्चित उद्देश्य है। इसका अर्थ मात्र आनंद और दु:ख नहीं है। यह कठिनाइयों और

संघर्षों से भरा है। हमें उनका साहस तथा उत्साह के साथ सामना करना चाहिए। हमें अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए। नवयुवकों को धैर्यवान तथा परिश्रमी होना चाहिए। उन्हें किसी पारिश्रमिक (प्रतिफल) की चिंता नहीं करनी चाहिए।

Central Idea of the Poem

The poet says that life is real. It is not an empty dream. It does not mean mere enjoyment or sorrow. It is full of struggles and difficulties. The poet advises the youngmen to meet life and its difficulties with courage and enthusiasm. They should be patient and hard-working. They should not care for any remuneration. They have to achieve a noble ideal of life.

(कवि कहता है कि जीवन वास्तविक है। यह थोथा स्वप्न ही नहीं है। इसका उद्देश्य केवल आनंद और दु:ख ही नहीं हैं। यह संघर्ष और कठिनाइयों से भरा हुआ है। कवि नवयुवकों को जीवन और उसकी कठिनाइयों का सामना साहस और उत्साह से करने का परामर्श देता है। उनको धैर्यवान तथा परिश्रमी होना चाहिए। उनको किसी पारिश्रमिक की चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्हें जीवन का एक उच्च आदर्श प्राप्त करना है।)

Exercise

COMPREHENSION

Read the following stanzas and answer the questions that follow :

[A] Tell me not..... spoken of the soul.

Vocabulary :

mournful	-	दु:ख भरे	numbers	-	कविताएँ
but	-	केवल	slumbers	-	आराम से सोता है
seem	-	दिखाई पड़ती है	real	-	वास्तविक, यथार्थ
earnest	-	गंभीर, सच्ची	dust	-	धूल
thou art	-	तुम हो	to dust returnest	-	मरकर मिट्टी में मिलना
soul	-	आत्मा			

हिंदी अनुवाद– मुझे दु:खभरी कविताओं में यह न कहो कि जीवन केवल एक थोथा स्वप्न है क्योंकि आराम से सोने वाली आत्मा मृत होने के समान है अन्य चीजें वैसी नहीं हैं जैसी कि वे दिखती हैं।

जीवन वास्तविक है। जीवन गंभीर है, अर्थात् जीवन का उद्देश्य जीवन के आनंदों का उपभोग करना और मृत्यु को प्राप्त होना ही नहीं है। तुम्हारा शरीर मिट्टी का बना हुआ है और मिट्टी में ही मिल जाएगा, किंतु यह बात आत्मा के लिए नहीं कही गई है, अर्थात् आत्मा अमर है।

Q1 : What does the poet not want to be told?
(कवि क्या नहीं चाहता है कि उससे कहा जाए?)

Ans : The poet does not want to be told that life is only an empty dream.
(कवि यह नहीं चाहता है कि उससे कहा जाए कि जीवन केवल एक थोथा स्वप्न है।)

Q2 : Who is dead according to the poet?
(कवि के अनुसार कौन मर गया है?)

Ans : According to the poet the slumber soul is dead.
(कवि के अनुसार सोती हुई आत्मा मर गई है।)

Q3 : 'And things are not what they seem' Explain.
(''और चीजें वे नहीं हैं, जो वे दिखाई देती हैं'', को स्पष्ट कीजिए।)

Ans : 'And things are not what they seem' In this line poet wants to say that we should get rid of the wrong idea. We should be optimistic.
(''और चीजें वे नहीं हैं, जो वे दिखाई देती हैं'', इस पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि हमें गलत विचार से छुटकारा पाना चाहिए। हमें आशावादी बनना चाहिए।)

Q4 : What is life according to the poet?
(कवि के अनुसार जीवन क्या है?)

Ans : According to the poet life is not simply birth and death. Life is a reality and we should be taken it very seriously.
(कवि के अनुसार जीवन मात्र जन्म-मृत्यु नहीं है। जीवन एक वास्तविकता है और हमें इसे गंभीरता से लेने चाहिए।)

Q5 : What cannot be the ultimate goal of life?
(जीवन का परम लक्ष्य क्या नहीं हो सकता?)

Ans : Death cannot be the ultimate goal of life.
(मृत्यु जीवन का परम लक्ष्य नहीं हो सकता)

Q6 : What do you mean by "Dust thou art, to dust returnest"?
("तुम मिट्टी हो और तुम्हें मिट्टी में ही मिल जाना है।" का क्या अर्थ है?)

Ans : "Dust thou art, to dust returnest" is meant that our body is made of dust and after death mixes in the dust.
("तुम मिट्टी हो और तुम्हें मिट्टी में ही मिल जाना है।" का अर्थ है कि हमारा शरीर मिट्टी का बना है और मृत्यु के बाद मिट्टी में ही मिल जाता है।)

Q7 : What is not applicable to the soul?
(आत्मा के लिए क्या उपयुक्त नहीं है?)

Ans : "Dust thou art, to dust returtnest" is not applicable to the soul. Soul is immortal. It neither originates from dust (body) nor it returns (dies) to dust like our body.
("तुम मिट्टी हो और तुम्हें मिट्टी में ही मिल जाना है।" यह कथन आत्मा के लिए उपयुक्त नहीं है। आत्मा अमर है। यह हमारे शरीर की भाँति न तो मिट्टी से उत्पन्न होती है और न ही मिट्टी में मिलती है।)

[B] Not enjoyment..... to the grave.

Vocabulary :

enjoyment	-	आनंद	sorrow	-	दु:ख
destined end or way	-	जीवन का उद्देश्य	to act	-	कठोर परिश्रम करना
art is long	-	ज्ञान विस्तृत है	fleeting	-	बहुत तेजी से बीतते हुए
stout	-	मजबूत व टिकाऊ	muffled	-	ढोल की आवाज कम करने के लिए उस पर ढका कपड़ा
funeral marches	-	मृत्यु की तरफ कदमताल			

हिंदी अनुवाद– जीवन का यह पूर्व निर्धारित लक्ष्य या उद्देश्य नहीं है कि हम आनंद उठाएँ और कष्ट सहन करें तथा मर जाए। जीवन का उद्देश्य सतत् परिश्रम करते रहना है। हमें सतत् प्रगति करते रहना चाहिए।

ज्ञान का क्षेत्र अनंत है, लेकिन समय तेजी से व्यतीत होता जा रहा है। हम मजबूत और टिकाऊ व्यक्तित्व के धनी मानव हैं। इसके बावजूद हम उस ढोल की धीमी आवाज के समान, जिसको कपड़े में लपेटा गया है, कदमताल करते हुए मृत्यु का वरन् करने के लिए धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं।

Q1 : Explain "Not enjoyment and not sorrow, Is our destined end or way."
(''न ही आनंद और न ही दु:ख, हमारा नियत लक्ष्य या उद्देश्य है'' स्पष्ट कीजिए।)

Ans : "Not enjoyment and not sorrow, Is our distined end or way," in these lines the poet wants to say that the purpose of our life is not only to enjoy or to be sad.
(''न ही आनंद और न ही दु:ख, हमारा नियत लक्ष्य या उद्देश्य है'' इन पंक्तियों में कवि कहना चाहता है कि हमारे जीवन का उद्देश्य केवल आनंद मनाना या दु:खी होना नहीं है।)

Q2 : What should not be our way of living?
(हमारे जीवन जीने का तरीका क्या नहीं होना चाहिए?)

Ans : Our way of living should not be to enjoy the pleasures of life and neither to suffer its sorrow.
(हमारे जीवन जीने का तरीका जीवन के आमोद-प्रमोद का आनंद लेना तथा उसके कष्ट सहना नहीं होना चाहिए।)

Q3 : How should we act everyday?
(हमें प्रतिदिन कैसे कार्य करने चाहिए?)

Ans : We should go ahead with our progress everyday.
(हमें प्रतिदिन प्रगति करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।)

Q4 : How can our lives become better everyday?
(हमारा जीवन प्रतिदिन बेहतर कैसे हो सकता है?)

Ans : If we make continuous progress, our lives can become better everday.
(यदि हम सतत् प्रगतिशील बनें, हमारा जीवन प्रतिदिन बेहतर हो सकता है।)

Q5 : Explain "Art is long, and time is fleeting".
(''ज्ञान विस्तृत है और समय बीतता जा रहा है'' को स्पष्ट कीजिए।)

Ans : "Art is long, and time is fleeting" means that the field of knowledge is very wide while life is very short.
(''ज्ञान विस्तृत है और समय बीतता जा रहा है'' का अर्थ है कि ज्ञान का क्षेत्र बहुत विस्तृत है जबकि जीवन बहुत छोटा है।)

Q6 : When does our heart beat like muffled drums?
(हमारा हृदय ढके हुए ढोल के समान कब बजता है?)

Ans : Our heart beats like muffled drums when we marches forward to death.
(हमारा हृदय ढके हुए ढोल के समान बजता है, जब हम मृत्यु की ओर कदमताल करते हुए आगे बढ़ते हैं।)

[C] In the world's..... God o'er head!

Vocabulary :

broad	-	विशाल	field of battle	-	युद्ध स्थल
bivouac	-	अस्थायी पड़ाव	dumb	-	गूँगा
strife	-	संघर्ष, कठिनाई	trust	-	विश्वास करना
dead past	-	व्यर्थ गँवाया हुआ समय	living present	-	मौजूदा समय
o'er head	-	सिर के ऊपर			

हिंदी अनुवाद– जीवन अस्थायी तथा क्षणिक है। जीवन संघर्षों तथा कठिनाइयों से भरा पड़ा है। अत: हमें इससे पीछे नहीं हटना चाहिए, परंतु जीवनरूपी युद्ध में अपने कर्तव्य का निर्वाह करना चाहिए। मनुष्य को संसार में गूँगे तथा हाँके जाने वाले पशुओं की भाँति नहीं रहना चाहिए और उसे अपनी परिस्थितियों से विचलित नहीं होना चाहिए। जीवन और उसकी कठिनाइयों का सामना साहस तथा उत्साह से करना चाहिए।

भविष्य कितना ही सुनहरा क्यों न हो उस पर विश्वास मत करो तथा बीते हुए समय को दफन हो जाने दो। उसकी स्मृतियाँ शेष मत रखो। कर्म करो–वर्तमान में कर्म करो। अपने मन के अंदर विश्वास रखो तथा ऊपर शून्य में ईश्वर पर यकीन करो।

Q1 : Why is the world called broad field of battle?
(संसार को विशाल युद्ध स्थल क्यों कहा गया है?)

Ans : The world is called broad field of battle because life is full of struggles and difficulties.
(संसार को विशाल युद्ध स्थल कहा गया है क्योंकि जीवन संघर्षों तथा कठिनाइयों से भरा हुआ है।)

Q2 : What is meant by "bivouac of life"?
(''जीवन के अस्थायी पड़ाव'' से क्या तात्पर्य है?)

Ans : "Bivouac of life" is meant that the life is temporary and short.
(''जीवन के अस्थायी पड़ाव'' से तात्पर्य है कि जीवन अस्थायी तथा लघु है।)

Q3 : Why should we not live like 'dumb driven cattle'?
(हमें गूँगे हाँके जाने वाले पशुओं के समान क्यों नहीं जीना चाहिए?)

Ans : We should not live like 'dumb driven cattles' because they cannot face struggles and difficulties. They depend on their master. They have no certain aim in their life.
(हमें गूँगे हाँके जाने वाले पशुओं के समान नहीं जीना चाहिए क्योंकि वे संघर्षों तथा कठिनाइयों का सामना करने में असमर्थ हैं। वे अपने मालिक पर निर्भर रहते हैं। उनके जीवन का कोई निश्चित उद्देश्य नहीं होता।)

Q4 : How are we advised to face difficulties of life?
(हमें जीवन की कठिनाइयों का सामना किस प्रकार करने की सलाह दी गई है?)

Ans : We are advised to face difficulties with courage and enthusiasm.
(हमें जीवन की कठिनाइयों का सामना साहस तथा उत्साह से करने की सलाह दी गई है।)

Q5 : Why should we not trust the future?
(हमें भविष्य पर विश्वास क्यों नहीं करना चाहिए?)

Ans : The future is unknown to us so we should not trust it.
(भविष्य हमारे लिए अज्ञात है इसलिए हमें उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए।)

Q6 : Explain "Let the dead past bury its dead"!
(''बीते हुए कल को दफन कर दो'' को स्पष्ट कीजिए।)

Ans : "Let the dead past bury its dead" means do not remember lifeless time that has gone by.
(''बीते हुए कल को दफन कर दो'' का अर्थ है– व्यर्थ गए हुए समय को याद मत करो जो कि गया है।)

Q7 : How are we told to act?
(हमें कैसे कार्य करने के लिए कहा गया है?)

Ans : We are told to act in existing time.
(हमें मौजूद समय में कार्य करने के लिए कहा गया है।)

Q8 : Explain "Heart within, and God o'ver head"!
("अंदर हृदय पर तथा ऊपर ईश्वर पर" की व्याख्या कीजिए।)

Ans : "Heart within, and God o'er head' means that we should trust in our heart and God.
("अंदर हृदय पर तथा ऊपर ईश्वर पर" से तात्पर्य है कि हमें अपने मन पर तथा ईश्वर पर विश्वास करना चाहिए।)

[D] Lives of great..... and to wait.

Vocabulary :

sublime	-	उत्तम, महान	departing	-	मृत्यु के पश्चात्
sailing	-	समुद्र में यात्रा करना, खेना	solemn	-	गंभीर और प्रवाहपूर्ण
main	-	गहरा समुद्र	life's solemn main	-	जीवनरूपी समुद्र
forlorn	-	निराश, लाचार			
shipwrecked	-	टूटे हुए जलयान के समान छिन्न छिन्न जीवन-नैया			
take heart	-	उत्साह बटोरना			
be up and doing	-	लंगर बाँधकर लड़ने के लिए तैयार हो जाना			
with a heart	-	दृढ़तापूर्वक			
still achieving still pursuing	-	जीवन का लक्ष्य अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कठोर परिश्रम करना है			
learn to labour and to wait	-	नवयुवकों को धैर्यवान तथा घोर परिश्रमी होना चाहिए। उन्हें तात्कालिक पारिश्रमिक की चिंता नहीं करनी चाहिए।			
footprints on the sands of time	-	अच्छे कार्यों का लेखा-जोखा			

हिंदी अनुवाद– महापुरुषों का जीवन हमें उत्साहित करता है कि हम भी उनका अनुसरण करते हुए स्वयं को दिव्य पथ का अनुगामी बनाएँ। ऐसा करके हम मृत्यु के पश्चात् लोगों के लिए प्रेरणा बन जाएँगे और युगों-युगों तक याद किए जाएँगे।
हमारे पद-चिकृत संभवत: हमारे पश्चात् जीवन नैया को खेते-खेते निराश हो चुके हमारे किसी भाई को भविष्य में आप्लावित करने तथा उत्साह से भर देने में सार्थक भूमिका निभाएँगे।
आओ हम लंगर बाँधकर हर परिस्थिति का दृढ़तापूर्वक सामना करने के लिए खड़े हो जाएँ। जीवन का लक्ष्य कठोर परिश्रम तथा लक्ष्य की प्राप्ति करना है। नवयुवकों को धैर्यवान् तथा घोर परिश्रमी होना चाहिए। उन्हें तात्कालिक पारिश्रमिक की चिंता नहीं करनी चाहिए।

Q1 : What do lives of great men remind us?
(महापुरुषों का जीवन हमें क्या ध्यान दिलाता है?)

Ans : The lives of great men remind us that we can make our lives sublime.
(महापुरुषों का जीवन हमें ध्यान दिलाता है कि हम अपने जीवन को उत्तम अर्थात् महान बना सकते हैं।)

Q2 : What can we leave behind after death?
(मृत्यु के बाद हम अपने पीछे क्या छोड़ सकते हैं?)

Ans : After death we can leave behind us our footprints.
(मृत्यु के बाद हम अपने पीछे अपने पद चिह्न छोड़ सकते हैं।)

Q3 : How can we make our lives great?
(हम अपने जीवन को महान कैसे बना सकते हैं?)

Ans : By following great men we can make our lives great.
(महापुरुषों का अनुसरण करके हम अपने जीवन को महान बना सकते हैं।)

Q4 : How can we help the people who are ruined and unhappy?
(हम निराश तथा दु:खी लोगों की सहायता कैसे कर सकते हैं?)

Ans : Our footprints can fill the heart of ruined and unhappy people with enthusiasm.
(हमारे पद चिह्न निराश तथा दु:खी लोगों के हृदय को उत्साह से भर सकते हैं।)

Q5 : How can we set example before others?
(हम दूसरों के सामने उदाहरण कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं?)

Ans : Our records of noble, deeds can set example before others.
(हमारे अच्छे कार्यों का लेखा-जोखा दूसरों के सामने उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है।)

Q6 : What does the poet advise us in the last four lines?
(कवि अंतिम चार पंक्तियों में हमें क्या सलाह देता है?)

Ans : The poet advises us that we should continue working with courage without thinking about its result.
(कवि हमें सलाह देता है कि हमें परिणाम के विषय में सोचे बिना साहस के साथ काम करते रहना चाहिए।)

Q7: What are the two things we ought to learn?
(वे क्या दो चीजें हैं जिन्हें हमको सीखना चाहिए?)

Ans : We ought to learn that we should be patient and hard-working.
(हमें धैर्यवान तथा कठिन परिश्रमी होना सीखना चाहिए।)

ANSWER THESE QUESTIONS

Q1 : Give the central idea of the poem.
(कविता का मुख्य भाव दीजिए।)

Ans : See central idea of the poem on page no 79.
(कविता का मुख्य भाव पृष्ठ संख्या 79 पर देखिए।)

Q2 : What should be our aim in life?
(हमारे जीवन का क्या उद्देश्य होना चाहिए?)

Ans : The aim of our life should be to reach our definite destination for which we have to work hard. We should make continuous progress in our life.
(हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए कि हम अपने निश्चित एवं निर्धारित गन्तव्य तक पहुँच जाएँ, जिसके लिए हमें कठोर परिश्रम करना चाहिए। हमें जीवन में सतत् प्रगति करते रहना चाहिए।)

Q3 : What is life according to the poet?
(कवि के अनुसार जीवन क्या है?)

Ans : According to the poet, life is like battle-field because it is full of struggles and difficulties.
(कवि के अनुसार जीवन युद्ध स्थल के समान है क्योंकि यह संघर्षों और कठिनाइयों से भरा हुआ है।)

Q4 : What is not the aim of life according to the poet?
(कवि के अनुसार जीवन का लक्ष्य क्या नहीं है?)

Ans : According to the poet only death is not the aim in life.
(कवि के अनुसार मात्र मृत्यु ही जीवन का लक्ष्य नहीं है।)

Q5 : How can we make our lives an example for others?
(हम अपने जीवन को दूसरों के लिए एक उदाहरण कैसे बना सकते हैं?)

Ans : By following noble men we can make our life an example for others.
(महान लोगों का अनुसरण करके हम अपने जीवन को दूसरों के लिए एक उदाहरण बना सकते हैं।)

Q6 : What is advised to us through the poem?
(कविता के द्वारा हमें क्या सलाह दी गई है?)

Ans : Through the poem we are advised that life a reality and we should be taken it quite seriously. Life is full of struggle and difficulties and is like a battlefield. We should face it bravely. To achieve our goals in life we should be patient and hard working.
(कविता के माध्यम से हमें सलाह दी गई है कि जीवन एक वास्तविकता है और इसे हमें गंभीरता से लेना चाहिए। जीवन संघर्षों और कठिनाइयों से भरा हुआ है और एक युद्ध क्षेत्र के समान है। हमें इसका मुकाबला वीरता से करना चाहिए। अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें धैर्यशाली और परिश्रमी होना चाहिए।)

3. The Perfect Life

Summary of the Poem

(In English)

In the poem 'The Perfect Life', the poet Ben Johnson tells us what perfect life is! A man does not become a better person by growing in bulky size or by living a long life. Life, which is short but filled with beauty, is far better the one which is long but uneventful.

The poet gives a very fine comparison between an oak tree and a lily flowers. An oak tree stands for three hundred years. A lily flower blooms for a day. The life of an oak is long but uneventful. A lily's life is short but filled with beauty. In this way the life which is short but full of beauty is far better than the life which is long but uneventful.

(In Hindi)

'The Perfect Life' कविता में कवि बेन जोन्सन हमें बताते हैं कि पूर्ण जीवन क्या होता है। एक व्यक्ति (बैल की तरह) आकार में बढ़कर या लंबा जीवन व्यतीत करके अच्छा व्यक्ति नहीं बनता। जो जीवन छोटा लेकिन सुंदरता से भरा हुआ है वह लंबे लेकिन अप्रभावशाली जीवन से कहीं अधिक अच्छा है।

कवि शाहबलूत के वृक्ष तथा लिली के फूल की बहुत अच्छी तुलना प्रस्तुत करता है। एक शाहबलूत का वृक्ष तीन सौ वर्ष तक खड़ा रहता है। लिली का फूल एक दिन के लिए ही खिलता है। शाहबलूत का जीवन लंबा किंतु अप्रभावशाली होता है। लिली का जीवन छोटा किंतु सौंदर्यपूर्ण होता है। इस प्रकार जो जीवन छोटा किंतु सुंदरता से भरा है वह लंबे लेकिन अप्रभावशाली जीवन से कहीं अधिक अच्छा है।

Central Idea of the Poem

The poet says that a short life of usefulness is far better and more useful than a long but worthless life. Greatness can be achieved in a short life that of lily flower. On the other hand, an oak lives for three hundred years but in the end it falls down bold and sere. Although lily flower's life is short but it leaves a permanent effect on everybody.

(कवि कहता है कि लाभदायक छोटा जीवन एक लंबे परंतु व्यर्थ जीवन से कहीं ज्यादा अधिक उपयोगी है। लिली के फूल के छोटे से जीवन से महानता प्राप्त की जा सकती है। इसके विपरित, शाहबलूत का पेड़ तीन सौ वर्ष तक जीवित रह सकता है लेकिन अंत में मुरझाकर और पत्तियों से विहिन होकर गिर जाता है। यद्यपि लिली के फूल का जीवन छोटा होता है लेकिन यह प्रत्येक व्यक्ति पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ता है।)

Exercise

COMPREHENSION

Read the following stanzas and answer the questions that follow :

[A] It is not growing..... bald and serve.

Vocabulary :

growing	-	बढ़ना	bulk	-	विशाल आकार
oak	-	शाहबलूत(एक प्रकार का वृक्ष)	log	-	लकड़ी का लट्ठा
bald	-	बिना पत्तियों का	sere	-	मुरझाया हुआ

हिंदी अनुवाद– एक वृक्ष की तरह आकार में बढ़ जाने से कोई व्यक्ति श्रेष्ठ नहीं बनता और न ही शाहबलूत के वृक्ष की तरह, जो तीन सौ वर्षों तक जीवित रहता है, लंबा जीवन प्राप्त करने पर किसी मनुष्य को श्रेष्ठता प्राप्त होती है। तीन सौ वर्षों के बाद भी शाहबलूत का वृक्ष अंत में लकड़ी के सूखे, मुरझाए हुए और बिना पत्तों वाले लकड़ी के लट्ठे के रूप में गिर जाता है। इस प्रकार बिना श्रेष्ठ कार्यों के लंबा जीवन भी व्यर्थ है।

Q1 : What doesn't make man better?
(मनुष्य को क्या श्रेष्ठ नहीं बनाता?)

Ans : Growing like a tree in bulk doesn't make man better.
(एक वृक्ष के समान आकार में बड़ा होना मनुष्य को श्रेष्ठ नहीं बनाता।)

Q2 : For how long does an oak tree live?
(शाहबलूत का वृक्ष कितने वर्षों तक जीवित रहता है?)

Ans : An oak tree lives for three hundred years.
(शाहबलूत का वृक्ष तीन सौ वर्षों तक जीवित रहता है।)

Q3 : What happens to the oak tree at last?
(अंत में शाहबलूत के वृक्ष के साथ क्या घटित होता है?)

Ans : At last, the oak tree becomes dry and bald and it falls down like a log.
(अंत में, शाहबलूत वृक्ष सूख जाता है, पत्ते रहित हो जाता है तथा एक लकड़ी के लट्ठे के रूप में गिर जाता है।)

Q4 : Why is man compared with tree?
(मनुष्य की तुलना वृक्ष से क्यों की गई है?)

Ans : Man is compared with tree because both are born, grow and in the end die.
(मनुष्य की तुलना वृक्ष से इसलिए की गई है क्योंकि दोनों जन्म लेते हैं, बढ़ते हैं और अंत में मर जाते हैं।)

Q5 : Why is oak tree called dry, bald and sere?
(शाहबलूत के वृक्ष को सूखा, मुरझाया हुआ और पत्ते रहित क्यों कहा गया है?)

Ans : The oak tree is called dry, bald and sere because in the end of its life it becomes dry, bald and sere.

(शाहबलूत के वृक्ष को सूखा, मुरझाया हुआ तथा पत्ते रहित इसलिए कहा गया है क्योंकि अपने जीवन के अंत में यह सूखा, मुरझाया हुआ तथा पत्ते रहित हो जाता है।)

Q6 : Why does the poet not like the life of an oak tree?
(कवि शाहबलूत वृक्ष के जीवन को क्यों पसंद नहीं करता है?)

Ans : The poet does not like the life of an oak tree because it has no charm or beauty. It stands for three hundred years. Yet it gives neither shadow, nor fruits and flowers. When it dies, we get only a dry log of wood without leaves.
(कवि शाहबलूत वृक्ष के जीवन को पसंद नहीं करता है क्योंकि इसमें कोई आकर्षण या सुंदरता नहीं होती। यह तीन सौ वर्षों तक खड़ा रहता है फिर भी यह न तो छाया देता है और न ही फल या फूल। जब यह मरता है तो हमें केवल सूखा हुआ बिना पत्तियों वाला लट्ठा मिलता है।)

[B] A lily of a day..... may perfect be.

Vocabulary :

fall	-	मुरझाकर गिर जाना	proportion	-	आकार, मात्रा
just	-	पूर्ण	short measures	-	छोटी अवधि
perfect	-	अपने में पूर्ण			

हिंदी अनुवाद– एक लिली का फूल जो केवल सुबह के समय एक दिन के लिए खिलता है, मई के महीने के वसंत काल में विशाल शाहबलूत के वृक्ष की अपेक्षा अधिक सुंदर दिखाई पड़ता है। यद्यपि लिली उसी रात मुरझाकर गिर जाती है और समाप्त हो जाती है, फिर भी उसका पौधा व फूल दीप्त किरणों का पुंज कहलाते हैं।

हम संसार में छोटी-छोटी वस्तुओं में सुंदरता को देखते हैं। इस लघुता में भी सुंदरता आभामय हो सकती है तथा जीवन के छोटे से समय में भी एक पूर्ण जीवन प्राप्त किया जा सकता है।

Q1 : For how long does a lily live?
(एक लिली कितने समय तक जीवित रहती है?)

Ans : A lily lives only for a day.
(एक लिली एक दिन तक ही जीवित रहती है।)

Q2 : How is a lily better than an oak tree?
(लिली शाहबलूत के वृक्ष से अच्छी क्यों है?)

Ans : A lily is symbol of beauty and perfection. It gives joy to everyone who comes close to it. But an oak tree has no use or charm. It is not liked by anybody. So a lily is better than an oak tree.
(एक लिली सुंदरता और पूर्णता की प्रतीक है। यह उस प्रत्येक व्यक्ति को आनंद देती है, जो इसके निकट आता है। किंतु एक शाहबलूत के वृक्ष का कोई लाभ और सुंदरता नहीं है। इसे कोई भी पंसद नहीं करता है इसलिए लिली शाहबलूत के वृक्ष से अच्छी है।)

Q3 : What characteristics of lily are described here?
(यहाँ लिली की किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है?)

Ans : The characteristics of lily are given below:
(i) Lily flower has a short life.
(ii) It lives only for a day.
(iii) It is very beautiful in the month of May.
(iv) It gives its beholder joy and delight.
(लिली की विशेषताएँ नीचे दी गई हैं–
(i) लिली के फूल का जीवन छोटा होता है।
(ii) यह केवल एक ही दिन जीवित रहता है।
(iii) यह मई के महीने में बहुत सुंदर लगता है।
(iv) यह अपने देखने वालों को प्रसन्नता और आनंद प्रदान करता है।)

Q4 : What happens to lily at last?
(अंत में लिली का क्या होता है?)

Ans : At last lily falls and die.
(अंत में लिली गिर जाती है और मर जाती है।)

Q5 : In what ways does the poet find lily's life better than oak's life?
(कवि किस प्रकार लिली के जीवन को शाहबलूत के जीवन से अच्छा पाता है?)

Ans : Lily has short life but it has beauty and attracts everybody. While an oak tree has a long life, yet it does not do any good to anybody. So the poet finds lily's life better than oak's life.
(लिली का जीवन छोटा होता है किंतु इसमें सुंदरता होती है और यह प्रत्येक व्यक्ति को आकर्षित करती है। जबकि एक शाहबलूत के वृक्ष का जीवन लंबा होता है फिर भी यह किसी का भला नहीं करता। इसलिए कवि लिली के जीवन को शाहबलूत के जीवन से अच्छा पाता है।)

Q6 : What message does the poet give us in the last two lines?
(अंतिम दो पंक्तियों में कवि हमें क्या संदेश देता है?)

Ans : In the last two lines the poet gives message us that the life which is short but full of beauty is far better than that life which is long but uneventful.
(अंतिम दो पंक्तियों में कवि हमें संदेश देता है कि जो जीवन छोटा है किंतु सुंदरता से भरा हुआ होता है, वह लंबे लेकिन अप्रभावशाली जीवन से कहीं अधिक अच्छा होता है।)

ANSWER THESE QUESTIONS

Q1 : What are the views of the poet having a long life?
(कवि के लंबे जीवन के बारे में क्या विचार हैं?)

Ans : The views of the poet are that a long life without virtues or beauty is useless. No man respects a person simply because of long life.
(कवि के विचार हैं कि बिना सद्‌गुणों या बिना सुंदरता का लंबा जीवन व्यर्थ है। सामान्यत: कोई भी व्यक्ति किसी व्यक्ति का सम्मान केवल लंबे जीवन के कारण नहीं करता।)

Q2 : Why does the poet find the life of an oak tree imperfect?
(कवि शाहबलूत के वृक्ष के जीवन को अपूर्ण क्यों मानता है?)

Ans : The oak tree has a long life, but it does not do any good to anybody so his life is imperfect.
(शाहबलूत के वृक्ष का जीवन लंबा होता है लेकिन यह किसी का भला नहीं करता इसलिए इसका जीवन अपूर्ण है।)

Q3 : Where does the poet find real beauty?
(कवि वास्तविक सुंदरता कहाँ प्राप्त करता है?)

Ans : The poet finds real beauty in small objects of nature, as lily.
(कवि वास्तविक सुंदरता प्रकृति के छोटे पदार्थों जैसे– लिली में खोजता है।)

Q4 : Why does the poet consider lily's life as perfect?
(कवि लिली के जीवन को पूर्ण कैसे समझता है?)

Ans : The life of lily is short but its beauty lives in our mind for long so the poet considers lily's life as perfect.
(लिली का जीवन छोटा होता है लेकिन इसकी सुंदरता हमारे मन-मस्तिष्क को दीर्घकाल तक आप्लावित करती है इसलिए कवि लिली के जीवन को पूर्ण समझता है।)

Q5 : How does the poet compare oak and lily?
(कवि शाहबलूत और लिली की तुलना कैसे करता है?)

Ans : The poet says that an oak tree has a very long life. But it has no use or charm. But a lily has a life of only one day, yet everybody is attracted towards it.
(कवि कहता है कि एक शाहबलूत के वृक्ष का जीवन बहुत लंबा होता है, किंतु इसका न तो कोई लाभ है और न ही इसमें कोई आकर्षण। किंतु लिली के फूल का जीवन मात्र एक दिन का होता है फिर भी प्रत्येक व्यक्ति इसकी ओर आकर्षित होता है।)

Q6 : What, according to the poet, is perfect life?
(कवि के अनुसार पूर्ण जीवन क्या है?)

Ans : According to the poet, a life with beauty and charm is a perfect life. Beauty means virtues and noble qualities which everybody admires.
(कवि के अनुसार सुंदरता और आकर्षण से भरपूर जीवन पूर्ण जीवन है। सुंदरता का अर्थ सद्‌गुणों तथा श्रेष्ठ आचरण से है जिनकी प्रत्येक व्यक्ति प्रशंसा करता है।)

Q7 : What is the central idea of the poem 'The Perfect Life'?
('The Perfect Life' कविता का मुख्य भाव लिखिए।)

Ans : See central idea of the poem on the page no 84.
(कविता का मुख्य भाव पृष्ठ संख्या 84 पर देखिए।)

4. The Nation Builders

Summary of the Poem

(In English)

This present poem is very instructive and inspiring. Here the poet tells us that gold or material wealth cannot make a nation great and strong. But the spiritual power of the countrymen makes a nation strong. To be great, a nation needs people who are brave, hardworking and courageous.

(In Hindi)

प्रस्तुत कविता बहुत शिक्षाप्रद और प्रेरणा देने वाली है। यहाँ कवि हमें बताता है कि स्वर्ण या खनिज संपदा से राष्ट्र महान और मजबूत नहीं बन सकता है। लेकिन देशवासियों की आध्यात्मिक शक्ति एक महान राष्ट्र का निर्माण करती है। महान् बनने के लिए राष्ट्र को ऐसे लोग चाहिए जो बहादुर, कठिन परिश्रमी और साहसी हों।

Central Idea of the Poem

Gold and material wealth cannot make a nation great. Real strength of a nation lies in its people. It is the people, who stand firmly and suffer heroically, that make a nation great and powerful. By hard working people can carry the nation to the height of progress and glory.

(स्वर्ण और भौतिक संपदा राष्ट्र को महान् नहीं बना सकते। किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके लोगों में निहित होती है। उस राष्ट्र के नागरिक जो राष्ट्र के लिए दृढ़ता से खड़े हो सकते हैं तथा बहादुरी से देश के लिए कष्ट सहन कर सकते हैं उसको महान् और शक्तिशाली बना सकते हैं। कठिन परिश्रम के द्वारा लोग राष्ट्र को उन्नति और यश के शिखर तक ले जा सकते हैं।)

Exercise

COMPREHENSION

Read the following stanzas and answer the questions that follow :

[A] Not gold, but..... suffer long.

Vocabulary :

gold	-	स्वर्ण	a people	-	एक राष्ट्र
strong	-	शक्तिशाली	honour	-	सम्मान
sake	-	लिए	stand fast	-	दृढ़ रहते हैं
suffer	-	कष्ट सहना			

हिंदी अनुवाद– एक राष्ट्र स्वर्ण या भौतिक संपदा से महान् नहीं बन सकता। उसके नागरिक ही उसे महान् और शक्तिशाली बना सकते हैं। वे ऐसे नागरिक हों जो सत्य और राष्ट्र के सम्मान के लिए दृढ़ता से खड़े हो सकते हों तथा उसके लिए वीरतापूर्वक कष्ट झेल सकते हों।

Q1 : What cannot make a nation great and strong?
(एक राष्ट्र को क्या महान और शक्तिशाली नहीं बना सकता?)

Ans : Gold or material wealth cannot make a nation great and strong.
(स्वर्ण या खनिज संपदा एक राष्ट्र को महान् और शक्तिशाली नहीं बना सकते।)

Q2 : What type of people can make a nation great?
(किस प्रकार के लोग एक राष्ट्र को महान् बना सकते हैं?)

Ans : The people, who can stand to fight and suffer for a long time for the sake of truth and honour can make a nation great.
(ऐसे लोग जो सत्य और सम्मान की रक्षा के लिए लंबी लडाई लड़ सकें और कष्ट सहन कर सकें किसी राष्ट्र को महान् बना सकते हैं।)

Q3 : What does 'A people' in second line mean?
(दूसरी पंक्ति में 'A people' का क्या अर्थ है?)

Ans : 'A people' means in second line is 'a nation'.
(दूसरी पंक्ति में 'A people' का अर्थ है-एक राष्ट्र।)

Q4 : What does 'gold' mean in the poem?
(कविता में 'gold' का क्या अर्थ है?)

Ans : In the poem 'gold' means– material wealth or money.
(कविता में 'gold' का अर्थ है– भौतिक संपदा या धन।)

[B] Brave men who..... to the sky.

Vocabulary :

dare	-	साहस दिखाते हैं	fly	-	भाग जाते हैं
pillars	-	नींव	lift	-	उठाना
to the sky	-	बुलंदी पर ऊँचाई तक			

हिंदी अनुवाद– किसी राष्ट्र को ऐसे व्यक्ति शक्तिशाली बनाते हैं जो उस समय भी कठिन परिश्रम करते हैं जब सब सो जाते हैं और उस समय भी कठिनाइयों का सामना करते हैं जब सब व्यक्ति कठिनाइयों से दूर भाग जाते हैं। ऐसे व्यक्ति ही एक राष्ट्र की नींव को गहरा बनाते हैं और उसे उन्नति के शिखर तक पहुँचाते हैं।

Q1 : What type of people strengthen the foundation of a nation?
(किस प्रकार के लोग राष्ट्र की नींव को दृढ़ बनाते हैं?)

Ans : The people who are hard working and courageous, strengthen the foundation of a nation.
(वे व्यक्ति जो साहसी तथा कठिन परिश्रमी होते हैं, राष्ट्र की नींव को दृढ़ बनाते हैं।)

Q2 : What do brave men do while others lay asleep?
(जब अन्य व्यक्ति सो जाते हैं, तब बहादुर व्यक्ति क्या करते हैं?)

Ans : Brave men work hard while others lay asleep.
(जब अन्य व्यक्ति सो जाते हैं, तब बहादुर व्यक्ति कठिन परिश्रम करते हैं।)

Q3 : What do the brave men dare to do?
(वीर व्यक्ति क्या करने का साहस करते हैं?)

Ans : The brave men dare to build a strong foundation of a nation.
(वीर व्यक्ति राष्ट्र की नींव दृढ़ बनाने का साहस करते हैं।)

Q4 : Who build a nation's pillars deep?
(राष्ट्र की नींव को गहरा कौन बनाता है?)

Ans : The brave men who are courageous and hard working build a nation's pillars deep.
(वे वीर व्यक्ति जो साहसी और कठिन परिश्रमी होते हैं, राष्ट्र की नींव को गहरा बनाते हैं।)

ANSWER THESE QUESTIONS

Q1 : Who can make a nation great and strong?
(एक राष्ट्र को महान तथा शक्तिशाली कौन बना सकता है?)

Ans : To make a nation great and strong we need men who can stand to fight and suffer for a long time for the sake truth and honour.
(राष्ट्र को महान और शक्तिशाली बनाने के लिए हमें ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है, जो सत्य और सम्मान की रक्षा के लिए लड़ सकें और कष्ट भी सहन कर सकें।)

Q2 : What type of people are needed to strengthen a nation's foundation?
(एक राष्ट्र की नींव को दृढ़ करने के लिए किस प्रकार के लोगों की आवश्यकता होती है?)

Ans : Courageous and hard working men are needed to strengthen a nation's foundation.
(एक राष्ट्र की नींव को दृढ़ करने के लिए साहसी और परिश्रमी लोगों की आवश्यकता होती है।)

Q3 : What is the central idea of the poem 'The Nation Builders'?
('The Nation Builders' कविता का मुख्य भाव क्या है?)

Ans : See central idea of the poem on the page no 87.
(कविता का मुख्य भाव पृष्ठ संख्या 87 पर देखिए।)

Q4 : What does the poet advise us through the poem 'The Nation Builders'?
('The Nation Builders' कविता में कवि हमें क्या सलाह देता है?)

Ans : The poet advises us to work for the nation sincerely and laboriously. We should face all the challenges bravely for making our nation great. We should sacrify all our pleasures for the sake of our country.
(कवि हमें सलाह देता है कि हम देश के लिए ईमानदारी और मेहनत से कार्य करें। हम अपने देश को महान् बनाने के लिए सभी चुनौतियों का मुकाबला बहादुरी से करें। हमें अपने देश के लिए अपने सभी सुखों का बलिदान कर देना चाहिए।)

SUPPLEMENTARY READER

1. The Inventor Who Kept His Promise : Thomas Alva Edison

Summary in English

This is the story of Thomas Alva Edison. In his childhood, he did many experiments. He was fond of asking questions and he was never satisfied till he got the right answers. One day in the classroom, he asked his teacher "Madam, why can't man fly like a bird?" His teacher replied, "Because man has no wings." But Edison did not satisfy. He said to the teacher. "But kites have no wings and still we can fly them in the sky." All the others boys laughed at him and the teacher, being angry at him, turned him out the school.

Edison's mother proved a best teacher for him. With her guidance and suggestions Edison made some good progress. Some of his experiments were silly but he learnt a lot from them.

One day the bird and the worms scene gave Edison a new idea. He caught hold of a few worms, beat them into a pulp and mixed it in water. Then he asked a servant girl to drink it with the result that the poor girl fell ill.

In a poultry form Edison watched a hen, sitting on its eggs. The next morning he got a dozen eggs and sat on them. He got nothing but he had only smashed the eggs and spoilt his shorts. So, he got a good beating from his mother that day.

Edison was very fond of books and read quite a lot of them. His father gave him twenty-five cents for every book he read. Soon, he bought more books and set up a small laboratory.

After some time, when Edison needed more money to carry on his experiments, he decided to take up a job in the railway. Later on, he decided to produce his own newspaper. He bought an old printing press and set it up in a railway wagon. He edited and printed his paper, sold a number of copies and made more money. With the money he got, he set up a small laboratory in his railway wagon. One day in the wagon, there was a sudden jolt and a bit of phosphorus fell on the floor of his carriage and it caught fire. So he was dismissed at the next station.

One day in a factory, the important machine stopped suddenly, Edison repaired it within a short time, and thus, he was given a good job in the factory.

In 1878, Edison made a machine that could reproduce the human voice. It was the Gramophone. In the same year, he began to work on an electric lamp. He promised the Americans to give them electric light in two years. When he said this, all the scientists laughed at him. On 4th September, 1882, for the first time, New York shone in the brightness of electric lights.

Edison made forty war-time inventions and was awarded a madel for his service. He died on 18th October, 1931. Thus ended the great and eventful life of a man who enriched human life and its happiness.

Summary in Hindi

यह थॉमस एल्वा एडिसन की कहानी है। अपने बचपन में भी वह अनेक प्रयोग करता था। वह प्रश्न पूछने का शौकीन था और वह कभी भी संतुष्ट नहीं होता था जब तक उसे सही उत्तर नहीं मिल जाते थे। एक दिन कक्षा में उसने अपनी अध्यापिका से कहा, ''मैडम, मनुष्य पक्षी की तरह क्यों नहीं उड़ सकता?'' उसकी अध्यापिका ने उत्तर दिया, '' क्योंकि मनुष्य के पास पंख नहीं होते।'' परंतु एडिसन संतुष्ट नहीं हुआ। उसने अध्यापिका से कहा, ''किंतु पतंगों के पंख नहीं होते हैं फिर भी हम उन्हें आकाश में उड़ा सकते हैं।'' सभी लड़के उस पर हँसे और अध्यापिका ने उस पर नाराज होकर उसे स्कूल से निकाल दिया।

एडिसन के लिए उसकी माँ सबसे अच्छी अध्यापक सिद्ध हुई। उनके मार्गदर्शन और सुझावों से एडिसन ने काफी उन्नति की। उसके कुछ प्रयोग मूर्खतापूर्वक थे किंतु उसने उनसे बहुत कुछ सीखा।

एक दिन चिड़िया और कीड़ों को देखकर एडिसन के दिमाग में एक नया विचार आया। उसने कुछ कीड़ों को पकड़ा, उन्हें एक प्याली में पीसा और पानी में मिलाया। तब उसने अपनी नौकरानी, एक लड़की से उसे पीने को कहा। परिणामस्वरूप बेचारी लड़की बीमार पड़ गई।

एक मुर्गी फार्म में उसने मुर्गी को अपने अंडों पर बैठे देखा। अगली सुबह वह एक दर्जन अंडे लाया और उन पर बैठ गया। उसे कुछ नहीं मिला बस उसने अंडों को तोड़ दिया और अपना निकर खराब कर लिया। उस दिन उसकी माँ ने उसकी बहुत पिटाई की।

एडिसन किताबों का बहुत शौकीन था और उन्हें काफी संख्या में पढ़ता था। उसके पिता उसको प्रत्येक किताब के लिए जिन्हें वह पढ़ता था पच्चीस सैंटस देते थे। जल्दी ही उसने कुछ और किताबे खरीदीं और एक प्रयोगशाला स्थापित कर ली।

कुछ समय के बाद एडिसन को अपने प्रयोगों को जारी रखने के लिए कुछ धन की आवश्यकता हुई। उसने रेलवे में नौकरी करने का निश्चय किया। बाद में उसने अपना ही अखबार निकालने का निश्चय किया। उसने एक पुरानी छपाई मशीन खरीदी और इसको अपने रेलगाड़ी के डिब्बे में लगा लिया। उसने स्वयं ही अखबार को संपादित किया, छापा और उसको काफी संख्या में बेचा और बहुत

धन कमाया। जो धन उसे प्राप्त हुआ उससे उसने रेलगाड़ी के डिब्बे में एक प्रयोगशाला लगा ली। एक दिन डिब्बे में अचानक एक झटका लगा और थोड़ा सा फास्फोरस डिब्बे के फर्श पर गिर गया और उसमें आग लग गई। इसलिए उसे अगले स्टेशन पर नौकरी से निकाल दिया गया।

एक दिन कारखाने में एक महत्वपूर्ण मशीन अचानक खराब हो गई। एडिसन ने उसकी थोड़े समय में ही मरम्मत कर दी और इस प्रकार उसे कारखाने में एक अच्छी नौकरी मिल गई। 1878 में एडिसन ने एक ऐसी मशीन बनाई जो मनुष्य की आवाज को पुन: उत्पन्न कर सकती थी। यह ग्रामोफोन था। उसी वर्ष उसने बिजली के बल्ब पर काम करना शुरू कर दिया। उसने अमेरिकावासियों से दो वर्ष में बिजली का प्रकाश देने का वायदा किया, सभी वैज्ञानिक उस पर हँसे। 4 सितंबर,1882 को पहली बार न्यूयार्क बिजली के प्रकाश की चमक में जगमगा उठा।

एडिसन ने युद्ध के समय चालीस आविष्कार किए और उसे उसकी सेवा के लिए पुरस्कृत किया गया। 18 अक्टूबर,1931 को उसकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार एक ऐसे व्यक्ति का महान् और उपलब्धियों से भरा जीवन समाप्त हो गया जिसने मानवीय जीवन और उसकी खुशियों को धनी बनाया।

WORD-MEANING

1. When you want ..... a lot from them.

invented	-	आविष्कार किया	childhood	-	बचपन
experiments	-	प्रयोग	satisfied	-	संतुष्ट होना
patience	-	धैर्य	stupid	-	मूर्ख
guidance	-	पथ–प्रर्दशन	progress	-	उन्नति
closely	-	निकट से	silly	-	मूर्खतापूर्ण

2. One morning ..... in his experiments.

watching	-	ध्यानपूर्वक देखना	a few worms	-	कुछ कीड़े–मकोड़े
beak	-	चोंच	able	-	समर्थ, सक्षम
eats	-	खाती हैं	himself	-	स्वयं
wanted	-	चाहता था	caught hold	-	पकड़े
beat	-	पीसा	pulp	-	लुगदी
mixed	-	मिला दिया	wonderful	-	आश्चर्यजनक
believed	-	विश्वास किया	fell ill	-	बीमार पड़ गई
warned	-	सावधान किया	silly	-	मूर्खतापूर्ण
poultry farm	-	मुर्गीपालन फार्म	chickens	-	चूजे
hatch eggs	-	अंडे सेना	smashed	-	तोड़ डाले, चकनाचूर कर दिया
spoilt	-	खराब कर ली	shorts	-	निकर
good beating	-	बहुत पिटाई हुई	funny boy	-	विचित्र बालक
fond of	-	शौकीन था	widely	-	व्यापक रूप से
pocket, money	-	जेब खर्च	laboratory	-	प्रयोगशाला
encouraged	-	प्रोत्साहित करना			

3. After some time ..... improved laboratory.

needed	-	आवश्यकता है	to carry on	-	जारी रखना
knowledge	-	ज्ञान	decided	-	निश्चय किया
agreed	-	सहमत हो गए	travelled	-	यात्रा की
earned	-	कमाए	supper	-	रात्रि भोज
dollor	-	अमेरिका का सिक्का	printing press	-	छपाई मशीन
wagon	-	डिब्बा	edited	-	संपादन किया
affected	-	प्रभावित किया	turned	-	मुड़ी
round a corner	-	घुमकर कोने पर	sudden	-	अचानक
jolt	-	झटका	a bit	-	थोड़ी सी मात्रा में
phosphorus	-	फॉस्फोरस	carriage	-	गाड़ी
caught fire	-	आग पकड़ ली	spread	-	फैल गई
shouted	-	चिल्लाया	put out	-	बुझाना

dismissed	-	निकाल दिया	different	-	अलग-अलग
libraries	-	पुस्तकालय	experts	-	विशेषज्ञ
factories	-	कारखाने	important	-	महत्वपूर्ण
repaired	-	मरम्मत की	paid off	-	चुका दिए
debts	-	कर्ज	improve	-	सुधारना,बढ़ाना

4. The next six years ..... electric lights.

series	-	श्रृंखला	inventions	-	आविष्कारों
quickly	-	जल्दी	fame	-	प्रसिद्धि
reproduce	-	दुहराना, उत्पन्न करना			
racing against time	-	समय के विपरीत दौड़ना			
actually	-	वास्तव में	invited	-	बुलाया गया
electric lamp	-	बिजली का बल्ब	scientists	-	वैज्ञानिक
laughed	-	हँसे	performed	-	किए
impossible	-	असंभव	shone	-	चमका
brightness	-	रोशनी			

5. Edison served his ..... great example.

served	-	सेवा की	World War	-	विश्व युद्ध
awarded	-	पुरस्कृत किया गया	celebrated	-	मनाई गई
received	-	स्वागत किया	honoured	-	सम्मानित किया
function	-	उत्सव	illness	-	बीमारी
worse	-	और भी बुरी	eventful	-	विख्यात
enriched	-	भर दिया	darkness	-	अंधकारपूर्ण
follow	-	अनुसरण करना	great example	-	महान उदाहरण

Exercise

SUBJECTIVE

[A] Short answer type questions on the text

Q1 : What did Edison love to do during his childhood?
(एडिसन को अपने बचपन में क्या करना प्रिय था?)

Ans : Edison loved to do experiments during his childhood.
(एडिसन को अपने बचपन में प्रयोग करना प्रिय था।)

Q2 : Why was Edison taken out of the school?
(एडिसन को स्कूल से क्यों निकाल दिया गया?)

Ans : Edison was taken out of the school because his teacher thought him naughty and stupid.
(एडिसन को स्कूल से इसीलिए निकाल दिया गया क्योंकि उसकी अध्यापिका उसे नटखट तथा मूर्ख समझती थी।)

Q3 : How did Edison's mother become his best teacher?
(एडिसन की माँ उसकी सबसे अच्छी अध्यापक कैसे बन गई?)

Ans : Edison's mother became his best teacher because she always tried to give a satisfactory answer to his questions and was never tired of his questions.
(एडिसन की माँ उसकी सबसे अच्छी अध्यापक बन गई क्योंकि वह सदैव उसके प्रश्नों का उत्तर संतोषजनक रूप से देती थी और उसके प्रश्नों से कभी नहीं थकती थी।)

Q4 : What did Edison think when he saw birds flying?
(जब एडिसन ने उड़ते हुए पक्षियों को देखा, उसने क्या सोचा?)

Ans : When Edison saw birds flying, he thought, "Man can also fly if he eats worms."
(जब एडिसन ने पक्षियों को उड़ते हुए देखा, उसने सोचा, ''मनुष्य भी उड़ सकता है यदि वह कीड़े खाए।'')

Q5 : What did Edison give the servant girl to drink? Why?
(एडिसन ने नौकरानी को क्या पीने के लिए दिया? क्यों?)

Ans : Edison gave the servant girl a mixture of worms to drink for his experiment.
(एडिसन ने अपना प्रयोग करने के लिए नौकरानी को कीड़ों का मिश्रण पीने के लिए दिया।)

Q6 : What happened to the girl?
(लड़की को क्या हुआ?)

Ans : After drinking the mixture the girl didn't fly but she fell ill.
(मिश्रण पीने के बाद लड़की हवा में नहीं उड़ी बल्कि वह बीमार पड़ गई।)

Q7 : What did Edison see at the poultry farm?
(मुर्गीपालन फार्म पर एडिसन ने क्या देखा?)

Ans : At the poultry farm Edison saw a hen, sitting on its eggs.
(मुर्गीपालन फार्म पर एडिसन ने अपने अंडों पर बैठी एक मुर्गी को देखा।)

Q8 : Why did Edison take up the job of railway?
(एडिसन ने रेलवे की नौकरी प्रारंभ क्यों की?)

Ans : Edison took up the job of railway because he needed some money to meet the expenses on his experiments.
(एडिसन ने रेलवे की नौकरी प्रारंभ की क्योंकि उसे अपने परीक्षणों पर होने वाले खर्च के लिए धन की आवश्यकता थी।)

Q9 : Why was Edison dismissed from the job of railway?
(एडिसन को नौकरी से क्यों निकाल दिया गया?)

Ans : During an experiment, a bit of phosphorus fell on the floor of the wagon and it caught fire so on account of his careless Edison was dismissed from the job.
(एक प्रयोग के दौरान डिब्बे के फर्श पर थोड़ा सा फॉस्फोरस गिर गया, जिससे डिब्बे ने आग पकड़ ली। अत: एडिसन की लापरवाही के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया।)

Q10 : How did Edison become famous in America?
(एडिसन अमरीका में प्रसिद्ध कैसे हुआ?)

Ans : Edison became famous in America by inventing the gramophone and electric light.
ग्रामोफोन और विद्युत-प्रकाश के आविष्कार से एडिसन अमरीका में प्रसिद्ध हो गया।)

Q11 : What did Edison promise to the people of America?
(एडिसन ने अमेरिका के लोगों से क्या वायदा किया?)

Ans : Edison promised to the people of America that he would give them electric light in two years.
(एडिसन ने अमेरिका के लोगों से वायदा किया कि वह दो वर्ष में उन्हें विद्युत प्रकाश देगा।)

Q12: How did Edison serve his country during First World War?
(प्रथम विश्व युद्ध के समय एडिसन ने अपने देश की किस प्रकार सेवा की?)

Ans : Edison served his country during the first World War by making forty war-time inventions.
(एडिसन ने चालीस युद्धकालीन आविष्कार करके प्रथम विश्व युद्ध के समय अपने देश की सेवा की।)

[B] Short answer type questions on your understanding

Q1 : Give any two examples to show that Edison was a naughty child.
(किन्हीं दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए कि एडिसन एक शरारती लड़का था।)

Ans : First example: One day Edison saw a bird picking up a few worms in its beak and then flew away. He thought that when the bird was able to fly because it ate warms, man could also fly if he ate warms. So this experiment should be applied. Thus he made a mixture of a few worms and applied it upon the servant girl but after drinking it she fell ill.
Second example: Edison saw a hen hatching eggs. After seeing a hen he thought why he could not hatch eggs. He applied it but he had only smashed the eggs and spoilt his shorts.
Conclusion: These examples shows that Edison was a naughty boy.
(**प्रथम उदाहरण–** एक दिन एडिसन ने एक चिडिया को अपनी चोंच में कुछ कीड़े उठाते हुए और उड़ते हुए देखा। उसने सोचा कि जब चिड़िया कीड़ों को खाकर उड़ने के योग्य हो गई तो आदमी भी कीड़ों को खाकर उड़ सकता है। अत: यह प्रयोग करना चाहिए। इस प्रकार उसने कुछ कीड़ों का मिश्रण बनाया और नौकरानी लड़की को दिया, लेकिन उसे पीने के बाद वह बीमार हो गई।

दूसरा उदाहरण– एडिसन ने मुर्गी को अंडे सेते हुए देखा। मुर्गी को देखने के बाद उसने सोचा कि वह क्यों नहीं अंडे से सकता। उसने यह किया लेकिन उसने केवल अंडों को कुचल दिया और अपना निकर खराब कर लिया।

निष्कर्ष– ये उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि एडिसन एक शरारती लड़का था।)

Q2 : How do you know that Edison loved to do experimens?
(आप कैसे जानते हैं कि एडिसन को प्रयोग करना अच्छा लगता था?)

Ans : Edison loved to do experiments. His father gave him twenty-five cents for every book he read. With this money he set up a small laboratory.
He decided to do job in railway because he needed money to meet the expenses on his experiments. He set a laboratory in railway wagon.
He did not waste his money in any other article. He spended all his money only for his experiments. This shows that he loved to do experiments.
(एडिसन को प्रयोग करना अच्छा लगता था। उसके पिता उसे प्रत्येक पुस्तक को पढ़ने पर पच्चीस सेंट्स देते थे। इस पैसे से उसने एक छोटी प्रयोगशाला स्थापित की।
उसने रेलवे में नौकरी करने का निश्चय किया क्योंकि उसे अपने प्रयोगों पर होने वाले खर्च के लिए धन की आवश्यकता थी। उसने रेल के डिब्बे में एक प्रयोगशाला स्थापित की। वह अपने धन को किसी अन्य वस्तु पर खर्च नहीं करता था। वह अपना सारा धन अपने प्रयोगों पर ही खर्च करता था। यह स्पष्ट करता है कि उसे प्रयोग करना अच्छा लगता था।)

Q3 : Why did Edison find his mother as his best teacher?
(एडिसन ने अपनी माँ को एक अच्छी अध्यापिका के रूप में कैसे पाया?)

Ans : Edison found his mother the best teacher for him because she always tried to give a satisfactory answer to his questions and was never tired of his questions. Edison found that his mother had patience enough to answer all his questions. With her help and guidance he made good progress.
Really, Edison was fond of asking questions and he was never satisfied till he got right answers. In his childhood he was taken out from the school only due to asking questions. His teacher thought the boy was stupid and naughty because she had not enough patience to give him satisfactory answers.
So we can say that Edison's mother was the best teacher for him.
(एडिसन ने अपनी माँ को अपने लिए सबसे अच्छी अध्यापिका पाया क्योंकि वह सदैव उसके प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर देने की कोशिश करती थी और उसके प्रश्नों से कभी नहीं थकती थी। एडिसन ने पाया कि उसके सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए उसकी माता पर्याप्त धैर्य रखती है। उसकी सहायता तथा मार्गदर्शन से एडिसन ने अच्छी उन्नति की।
वास्तव में एडिसन प्रश्न पूछने का शौकीन था और वह तब तक संतुष्ट नहीं होता था जब तक वह सही उत्तर नहीं पाता था। प्रश्न पूछने के कारण बचपन में वह स्कूल से निकाल दिया गया था। उसकी अध्यापिका उसे मूर्ख और शरारती समझती थी क्योंकि वह उसे संतोषजनक उत्तर देने के लिए पर्याप्त धैर्य नहीं रखती थी।
इसलिए हम कह सकते हैं कि एडिसन की माँ उसके लिए सबसे अच्छी अध्यापिका थी।)

Q4 : What did Edison need more money?
(एडिसन को और धन की आवश्यकता क्यों थी?)

Ans : Edison was fond of experiments and reading books from his childhood. He set a small laboratory by the money which his father gave him for reading books. He had read all the books he had. He needed more money because he wanted to buy more book to gain his knowledge. He also wanted to see new places and to meet new people. For all these purposes Edison needed more money.
(एडिसन प्रयोग करने तथा किताबे पढ़ने का शौकीन बचपन से ही था। उसने उस धन से एक छोटी-सी प्रयोगशाला स्थापित कर ली थी जो उसके पिता उसे पुस्तकों को पढ़ने के लिए देते थे। वह उन सभी पुस्तकों को पढ़ चुका था जो उसके पास थीं। उसे और धन की आवश्यकता हुई क्योंकि अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए वह और पुस्तकें खरीदना चाहता था। वह नए स्थानों को देखना और नए लोगों से मिलना चाहता था। इन सभी उद्देश्यों के लिए एडिसन को और धन की आवश्यकता थी।)

Q5 : What did Edison earn on the first day?
(एडिसन ने प्रथम दिन क्या कमाया?)

Ans : Edison earned two dollors on the first day.
(एडिसन ने प्रथम दिन दो डॉलर कमाए।)

Q6 : What promise did Edison make to his mother?
(एडिसन ने अपनी माँ से क्या वायदा किया?)

Ans : Edison promised his mother that he would give her a dollor every night from what he earned.
(एडिसन ने अपनी माँ से वायदा किया कि हर रात को वह जो कुछ भी कमाएगा उसमें से एक डॉलर उसे देगा।)

Q7 : How do you know that Edison admired his mother a lot?
(आप कैसे जानते हैं कि एडिसन अपनी माँ की बहुत प्रशंसा करता था?)

Ans : Edison found his mother the best teacher. When he was taken out of the school, she supported him because she knew that he was not stupid. She encouraged him at that time when he needed her support most. She always answered all his questions in satisfactory manner. Edison found his mother had patience enough to answer all his questions. With her help and guidance he made good progress. There were the reasons that Edison admired his mother a lot.

(एडिसन ने अपनी माँ को सबसे अच्छी अध्यापिका के रूप में पाया। जब उसे स्कूल से निकाला गया, उसकी माँ ने उसे सहारा दिया क्योंकि वह जानती थी वह मूर्ख नहीं है। उसने उसे ऐसे समय पर प्रोत्साहन दिया जब उसे सहारे की अधिक आवश्यकता थी। वह हमेशा उसके प्रश्नों का संतोषजनक रूप से उत्तर देती थी। एडिसन ने पाया कि उसके प्रश्नों का उत्तर देने के लिए उसकी माता पर्याप्त धैर्य रखती है। उसकी सहायता और मार्ग-दर्शन से एडिसन ने अच्छी उन्नति की। यही कारण है कि एडिसन अपनी माँ की बहुत प्रशंसा करता था।)

Q8 : How do you know that Edison was a patriot?
(आप कैसे जानते हैं कि एडिसन देशभक्त था?)

Ans : Edison was a patriot. He served his country during the first World War, by making forty war-time inventions. But, they were all for defence. Besides these he also invented gromophone and electric bulb.
(एडिसन एक देशभक्त था। चालीस युद्धकालीन आविष्कार करके एडिसन ने प्रथम विश्व युद्ध के समय अपने देश की सेवा की। पंरतु वे सब रक्षा के लिए थे। इनके अतिरिक्त उसने ग्रामोफोन और इलेक्ट्रिक बल्ब का भी आविष्कार किया।)

Q9 : Give a brief character sketch of Edison's mother.
(एडिसन की माँ का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans : Introduction: Edison's mother played an important role in the life of Edison. She encouraged Edison at every step of life.
As a best teacher: Edison found his mother the best teacher for him because she always tried to give a satisfactory answer to his questions and was never tired of his questions.
Her patience, help and guidance for Edison: Edison found that his mother had patience enough to answer all his questions and with her help and guidance he made good progress.
Conclusion: It is said that there is a woman behind a successful man. Edison's mother was behind his success and progress.
(**प्रस्तावना–** एडिसन की माँ ने उसके जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसने जीवन के प्रत्येक कदम पर एडिसन को प्रोत्साहित किया।
एक अच्छी अध्यापिका के रूप में– एडिसन ने अपनी माता को अपने लिए सबसे अच्छी अध्यापिका पाया क्योंकि वह सदैव उसके प्रश्नों का संतुष्ट उत्तर देने की कोशिश करती थी और उसके प्रश्नों से कभी नहीं थकती थी।
उनका एडिसन के लिए धैर्य, सहायता तथा पद-प्रदर्शन– एडिसन ने पाया कि उसकी माता पर्याप्त धैर्य रखती हैं। उनके प्रश्नों के उत्तर देने से और उनकी सहायता तथा मार्गदर्शन से एडिसन ने अच्छी उन्नति की।
निष्कर्ष– यह कहा जाता है कि प्रत्येक सफल व्यक्ति के पीछे एक औरत होती है। एडिसन की सफलता तथा उन्नति के पीछे उसकी माँ थी।)

Q10 : Compare the qualities of Edison as a boy with other normal child.
(एडिसन के बालक के रूप में गुणों की अन्य साधारण बच्चों से तुलना कीजिए।)

Ans : Edison was different to all the children of his age. We can compare his qualities as a boy with other normal child in the following manner :

Qualities of Edison	Qualities of other normal child
1. Edison was fond of asking questions and he was never satisfied till he got the right answer.	Usually a normal child can't observe the article so deeply as Edison did. So he can't ask many questions.
2. Edison was fond of reading books.	A normal child runs away from book.
3. He spended all his money in buying more books and for his experiments.	A normal child spends his money in toys, chocolates and on other playing items.
4. Some of his experiments were silly but he learnt a lot from them.	A normal child does not take interest in any experiment.
5. At the age of twelve he decided to join railway because he didn't want to trouble his parents for money. This was his self-respecting attitude.	A normal child does not hasitate in asking money from his parents.

In this way we can say that Edison was extra-ordinary child and was very different with other normal child.

(एडिसन अपनी उम्र के सभी बच्चों से अलग था। हम उसके बालक के रूप में गुणों के अन्य साधारण बालक से निम्न प्रकार तुलना कर सकते हैं–

एडिसन के गुण	अन्य साधारण बालक के गुण
1. एडिसन प्रश्न पूछने का शौकीन था और वह तब तक संतुष्ट नहीं होता था जब तक सही उत्तर नहीं पाता था।	प्राय: एक साधारण बालक वस्तुओं को इतनी गहराई से नहीं देख सकता जितना कि एडिसन। इसलिए वह इतने अधिक प्रश्न नहीं कर सकता।
2. एडिसन पुस्तकों को पढ़ने का शौकीन था।	साधारण बालक पुस्तकों से दूर भागता है।
3. वह अपने सारे धन को और अधिक पुस्तकें खरीदने तथा अपने प्रयोगों पर खर्च करता था।	साधारण बालक अपने धन को खिलौनों, चाकलेट और अन्य खेलने के सामान पर खर्च करता है।
4. उसके कुछ प्रयोग मूर्खतापूर्ण थे परंतु उसने उनसे बहुत कुछ सीखा।	साधारण बालक किसी प्रकार के प्रयोग में रुचि नहीं लेता ।
5. बारह वर्ष की आयु में उसने रेलवे में नौकरी करने का निश्चय किया क्योंकि वह अपने माता–पिता को धन के लिए परेशान नहीं करना चाहता था। यह उसके आत्म सम्मान की भावना थी।	साधारण बालक अपने माता–पिता से धन माँगने में नहीं हिचकिचाता।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि एडिसन एक प्रतिभाशाली बालक तथा अन्य साधारण बालक से अलग था।

OBJECTIVE

[A] Fill in the blanks with suitable words :

Ans:
1. Thomas Alva Edison was an **American**.
2. Edison was fond of doing **experiments**.
3. Edison invented gramophone in the year **1878**.
4. On **4th September, 1882** for the first time, electric lights were lit in New Your.
5. Edison served his country during **World War**.
6. Edison died on **18 October, 1931**.

[B] Write 'T' for true and 'F' for false for the following statements :

Ans:
1. Edison bought toys and sweets with his pocket money. F
2. Edison was a stupid child. F
3. Edison was fond of writing novels. F
4. Edison's parents encouraged him in his experiments. T
5. Edison was never satisfied till he got the right answer. T
6. Edison made the world happier and brighter. T

[C] Multiple Choice Questions :

Tick (3) the correct option :

Ans: See in the book on page number A-62-63.

LANGUAGE

[A] Complete these spelling :

1. s**m**a**sh**ed	2. ex**peri**ment	3. l**abo**ra**tor**y
4. i**nventi**ons	5. **scientis**ts	6. i**nven**tor

[B] Give opposites of :

1. silly	**sensible**	2. encourage	**discourage**
3. earn	**spend**	4. award	**punishment**
5. receive	**send, give**	6. brightness	**darkness**

[C] Make meaningful sentences using the given word / group of words :

1. **fond of :** My brother is **fond of** watching T.V.
2. **flew down :** After drinking water the parrot **flew down** in the sky.

3. **caught hold of :** Edison **caught hold of** a few worms for his experiment.
4. **out of job :** Anubhav is **out of a job** in those days.
5. **carry on :** Annanya **carried on** her practise till she got first position in Badminton.
6. **up and down :** There were many **up and down** in the life of Edison.

2. The Judgement-Seat of Vikramaditya

Summary in English

Vikramaditya was a great king of ancient India. He was famous for his justice and wisdom. "The Vikram Samvat" owed its origin to him. It is said that he was the greatest judge in history. The guilty trembled when they came before him for they knew that his eyes would look straight into their guilty.

After his death, his palace and his fortress were ruined. They had been covered with grass, dust and trees. The village-people used to send their cows out to these pastures to graze.

One day the boys saw a green mound. It looked very much like a judge's seat. One of the boys sat on it. He asked the boys to bring their cases and he would decide them. The boy had become grave and serious. The spirit of knowledge and justice would come to him and he would show them the truth.

The king of Ujjain heard this story. He got that place dug out. He found there the judgment-seat of Vikramaditya. He brought it to his hall of justice. He wanted to sit upon it. But the angles supporting it warned him that he was not worthy to sit on it. But the angles had flown away after giving him warning. The last angles also warned him that he was not worthy. With these words the angle flew up into the sky bearing the slab upon his head.

This was how the judgement-seat of Vikramaditya disappeared from the earth forever.

Summary in Hindi

विक्रमादित्य प्राचीन भारत के महान राजा थे। वे अपने न्याय और बुद्धि के लिए प्रसिद्ध थे। विक्रम संवत् की उत्पत्ति इन्हीं से हुई। कहा जाता है कि वे इतिहास के सबसे महान न्यायधीश थे। जब अपराधियों को उनके सामने लाया जाता था तो अपराधी काँपने लगते थे। वे जानते थे कि उनकी आँखें सीधे उनके अपराध को देख लेंगी।

उनकी मृत्यु के बाद उनका महल और किला नष्ट हो गया। वे घास, धूल और वृक्षों के नीचे ढक गए। ग्रामीण लोग अपनी गायों को चराने के लिए इस चरागाह पर लाते थे।

एक दिन लड़कों ने एक हरा टीला देखा। यह एक न्यायधीश के सिंहासन के समान लगता था। उन लड़कों में से एक उस पर बैठ गया। उसने लड़कों से उनके मुकदमे अपने पास लाने को कहा और कहा कि वह उनका फैसला करेगा। लड़का शांत और गंभीर हो गया। ज्ञान और न्याय की आत्मा उसके अंदर आती थी और उन्हें सच्चाई दिखाया करती थी।

उज्जैन के राजा ने यह कहानी सुनी। उसने वह स्थान खुदवाया। वह सिंहासन को अपने न्याय महल में ले गया। वह इसके ऊपर बैठना चाहता था। लेकिन देवदूतों ने जो उसे सँभाले हुए थे, उसे चेतावनी दी कि वह उस पर बैठने के योग्य नहीं है। देवदूत उसे चेतावनी देकर उड़ गए। अंतिम देवदूत ने भी उसे चेतावनी दी कि वह उस पर बैठने के योग्य नहीं है। इन शब्दों के साथ वह देवदूत सिंहासन को अपने सिर पर रखकर उड़ गया।

इस प्रकार विक्रमादित्य का न्याय-सिंहासन पृथ्वी से सदा के लिए ओझल हो गया।

WORD-MEANING

1. **We are all familiar ..... turn homewards.**

familiar	-	परिचित	reign	-	शासन करना
landmark	-	महत्वपूर्ण उपलब्धि	strange	-	विचित्र, आश्चर्य की बात
definite	-	स्पष्ट रूप से	gathered	-	एकत्रित करना
learned	-	विद्वान	history	-	इतिहास
deceived	-	धोखा खाया	guilty	-	अपराधी
trembled	-	काँपते थे	satisfied	-	संतुष्ट किया
solved	-	हल करना, समाधान करना	pronounced	-	दिया, सुनाया
skill	-	चातुर्य, कौशल	seat	-	सिंहासन
perhaps	-	शायद	exist	-	विद्यमान नहीं है
disappeared	-	गायब हो गया	forgot	-	भूल गए
palace	-	महल	fortress	-	छोटा किला
ruined	-	नष्ट हो गया	ruins	-	खंडहर

covered	-	ढक गए	pasture-land	-	चरागाह
to graze	-	चराना	shepherd-boy	-	चरवाहा बालक
homewards	-	घरों की ओर			

2. Such was the life ..... other cowherd.

peeped out	-	बाहर झाँकते थे	mound	-	टीला
bring	-	लाना	trials	-	मुकदमें
grave	-	गंभीर	appeared	-	प्रस्तुत हुए
to settle	-	निर्णय करना	dispute	-	झगड़ा
common	-	साधारण	tone and manner	-	व्यवहार
impressive	-	प्रभावशाली	frightened	-	डर गए, भयभीत हो गए
pronouncing sentences	-	निर्णय सुनाना			

3. From the onwards ..... seat of Vikramaditya.

complicated	-	जटिल	countryside	-	पूरे देश में
meadow	-	हरा-भरा चौरस मैदान	wisdom	-	बुद्धिमानी
dig deep	-	गहरी खुदाई	spirit	-	आत्मा
spades and shavels	-	फावड़ों और कुदालों	knoll	-	टीला
sorrowful	-	दु:खी	taken away	-	छीनी जा रही है
labourers	-	मजदूर	uncovered	-	साफ किया
supported	-	सहारा लिए हुए	angles	-	देवदूत
surely	-	निश्चित रूप से			

4. With great rejoicing ..... and flew away.

rejoicing	-	खुशियाँ	brought	-	लाई गई
observe	-	अनुपालन, मानना	announced	-	घोषणा की
ascend	-	ऊपर चढ़ना	throne	-	सिंहासन
publicly	-	सार्वजनिक रूप से	assembled	-	एकत्रित होना
priests	-	पुजारी	kingdom	-	साम्राज्य
worthy	-	योग्य	unjust	-	न्यायपूर्ण न होना
purify	-	शुद्धिकरण	spread	-	फैलाना

5. The king prepared ..... earth forever.

desired	-	इच्छा की	riches	-	धन संपत्ति
admitted	-	स्वीकार किया	occupy	-	अधिकार करना
withdraw	-	पीछे हटना	confidence	-	आत्मविश्वास
allowed	-	आज्ञा देना	bearing	-	लेकर, उठाकर
forever	-	सदा के लिए			

Exercise

SUBJECTIVE

[A] Short answer type questions on the text

Q1 : Who was Vikramaditya? Why was he famous for?
(विक्रमादित्य कौन थे? वे किसके लिए प्रसिद्ध थे?)

Ans : Vikramaditya was the king of Ujjain. He was famous for his justice and wisdom.
(विक्रमादित्य उज्जैन के राजा थे। वे अपने न्याय और बुद्धिमानी के लिए प्रसिद्ध थे।)

Q2 : What do we definitely know about Vikramaditya?
(हम विक्रमादित्य के बारे में निश्चित रूप से क्या जानते हैं?)

Ans : The only one thing that we definitely know about Vikramaditya is that he was a lover of justice and learning.
(केवल एक बात जो हम विक्रमादित्य के बारे में निश्चित रूप से जानते हैं, यह है कि वह न्याय और ज्ञान के प्रेमी थे।)

Q3 : Why did the guilty tremble before Vikramaditya?
(अपराधी विक्रमादित्य के सामने क्यों काँपते थे?)

Ans : The guilty trembled before Vikramaditya because they knew that his eyes would look straight into their guilt and punish them.
(अपराधी राजा विक्रमादित्य के सामने इसलिए काँपते थे, क्योंकि वे जानते थे कि राजा की आँखें उनके अपराध को पहचान लेंगी और उनको दंड मिलेगा।)

Q4 : What happened to the palace and fort of Vikramaditya after his death?
(विक्रमादित्य के महल तथा किले का उनकी मृत्यु के बाद क्या हुआ?)

Ans : After the death of Vikramaditya his palace and fort were ruined with passage of time. The ruins were covered with grass and dust.
(विक्रमादित्य की मृत्यु के बाद उनका महल तथा किला समय के साथ नष्ट हो गए और खंडहर घास और मिट्टी में दब गए।)

Q5 : What did the village boys find in pasture-land one day?
(एक दिन गाँव के लड़कों ने चरागाह में क्या पाया?)

Ans : The village-boys used to go to a nearly pasture with their cattles. One day village-boys found a green mound in the pasture just like a judgement seat.
(गाँव के लड़के पास के एक चरागाह में अपने पशुओं के साथ जाया करते थे। एक दिन गाँव के लड़कों को चरागाह में एक हरा टीला मिला जो न्यायधीश के सिंहासन जैसा प्रतीत होता था।)

Q6 : What did the boys do with the green mound?
(लड़कों ने हरे टीले के साथ क्या किया?)

Ans : One of the boys sat on the green mound and said to his friends, " I will be the judge. You can bring all your cases before me and I will have trials." His friends soon brought cases before him for decision.
(लड़कों में से एक हरे टीले पर बैठ गया और उसने अपने मित्रों से कहा, ''मैं न्यायधीश हूँ। तुम अपने मुकदमें मेरे पास लाओ और मैं न्याय करूँगा।'' उसके मित्र शीघ्र ही निर्णय के लिए उसके सामने अपने मुकदमें लाए।)

Q7 : What changes were noticed in the boy who sat on the green mound?
(उस लड़के में क्या परिवर्तन देखे गए जो हरे टीले पर बैठा?)

Ans : The changes were noticed that the boy who sat on the mound had become serious and grave. His tone and manner were impressive.
(जो लड़का टीले पर बैठता था, उसमें परिवर्तन देखे गए कि वह एकदम शांत व गंभीर हो गया था। उसका स्वर और बातचीत करने का ढंग प्रभावशाली था।)

Q8 : Why did the villagers put their disputes before the cowherd boy?
(ग्रामीण अपने झगड़ों को चरवाहे लड़के के सामने क्यों रखते थे?)

Ans : The villagers put their disputes before the cowherd boy for justice. He settled them wisely and satisfied them.
(ग्रामीण अपने झगड़ों को चरवाहे लड़के के सामने न्याय के लिए रखते थे। वह उन्हें बुद्धिमानीपूर्वक निपटाता था और उन्हें संतुष्ट कर देता था।)

Q9 : What did the King of Ujjain guess about the boy?
(उज्जैन के राजा ने लड़के के विषय में क्या अनुमान लगाया?)

Ans : The King of Ujjain guessed about the boy that he must have sat on the judgement-seat of Vikramaditya because he was doing perfect judgement.
(उज्जैन के राजा ने यह अनुमान लगाया कि वह लड़का विक्रमादित्य के न्याय सिंहासन पर बैठता होगा क्योंकि वह एकदम सही निर्णय दे रहा था।)

Q10 : What did the King decide to do and why?
(राजा ने क्या करने का निश्चय किया और क्यों?)

Ans : The king decided to dig out the judgement-seat and bring it to Ujjain. Then he would sit on it and deliver judgements.
(राजा ने निश्चय किया कि वह खुदाई कराकर न्याय-सिंहासन को प्राप्त करेगा और उसे उज्जैन लाएगा। फिर उस पर बैठेगा और न्याय करेगा।)

Q11 : Why could the King not sit on the judgement-seat of Vikramaditya?
(विक्रमादित्य के न्याय सिंहासन पर राजा क्यों नहीं बैठ पाया?)

Ans : The king could not sit on the judgement-seat of Vikramaditya because he was not perfectly pure in heart as such not worthy of it.
(राजा, विक्रमादित्य के न्याय सिंहासन पर नहीं बैठ पाया, क्योंकि उसका हृदय शुद्ध नहीं था और इस तरह वह इसके योग्य नहीं था।)

Q12 : What qualities of the king were asked of by the last angel?
(अंतिम देवदूत द्वारा राजा के किन गुणों को पूछा गया?)

Ans : The last angel asked the king if he have pure heart like that cowherd child in order to be worthy of sitting on the throne.
(अंतिम देवदूत ने राजा से पूछा कि क्या सिंहासन पर बैठने के योग्य बनने के लिए उसका हृदय उस चरवाहे बालक के समान शुद्ध है।)

Q13 : What happened to the seat at last?
(अंत में सिंहासन का क्या हुआ?)

Ans : At last the last angel flew up into the sky bearing the throne upon his head. In this way the judgement-seat of Vikramaditya disappeared from the earth.
(अंत में अंतिम देवदूत सिंहासन को अपने सिर पर रखकर आसमान में उड़ गया। इस प्रकार विक्रमादित्य का सिंहासन इस पृथ्वी से सदा के लिए लुप्त हो गया।)

[B] Short answer type questions on your understanding

Q1 : Why is Vikramaditya called "the greatest judge in history"?
(विक्रमादित्य को ''इतिहास का सबसे अच्छा न्यायधीश'' क्यों कहा जाता है?)

Ans : Vikramaditya was the king of Ujjain. He is called "the greatest judge in history" because he always gave perfect justice to his people. Guilty persons trembled to come to him.
(विक्रमादित्य उज्जैन के राजा थे। उनको ''इतिहास का सबसे अच्छा न्यायधीश'' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने सदैव अपनी प्रजा को पूरा न्याय प्रदान किया। अपराधी लोग उनके सामने आने पर काँपते थे।)

Q2 : What made Vikramaditya so famous?
(विक्रमादित्य इतने प्रसिद्ध क्यों हो गए?)

Ans : Vikramaditya's justice made him so famous. He gave perfect justice to his people.
(विक्रमादित्य अपने न्याय से इतने प्रसिद्ध हो गए। उन्होंने अपनी प्रजा को पूर्ण न्याय दिया।)

Q3 : Why could the cowherd- boy sit on the seat whereas the King of Ujjain could not?
(चरवाहा लड़का सिंहासन पर क्यों बैठ सका जबकि उज्जैन का राजा नहीं?)

Ans : The heart of cowherd boy was pure so he could sit on seat whereas the heart of the King of Ujjain was not pure like cowherd boy. So he could not sit on the seat.
(चरवाहे-लड़के का हृदय शुद्ध था इसलिए वह सिंहासन पर बैठ सका जबकि उज्जैन के राजा का हृदय चरवाहे बालक के समान शद्ध नहीं था। इसलिए वह सिंहासन पर नहीं बैठ सका।)

Q4 : Give a brief character sketch of King Vikramaditya.
(विक्रमादित्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans : Introduction: Vikramaditya was the King of Ujjain. He was famous for his justice and wisdom. His people loved and honoured him very much.
His justice: He is called the best justice of history. The guilty people trembled before him. They thought that his eyes would go down deep in their hearts and he would know their guilt at once. He was never deceived. Nor did he ever punish innocent person.
His other qualities: He never desired anybody's land and wealth. So he loved by all. The person who came to him with difficult problems, were always satisfied by his decision.
Conclusion: Whenever any judge pronounced his judgement with great skill it was said that he must have sat on the judgement seat of Vikramaditya.
(**प्रस्तावना–** विक्रमादित्य उज्जैन के राजा थे। वे अपने न्याय और बुद्धिमानी के लिए प्रसिद्ध थे। उनकी जनता उनसे बहुत अधिक प्रेम और सम्मान करती थी।
उनका न्याय– उन्हें इतिहास का सबसे अच्छा न्यायधीश कहा जाता है। अपराधी लोग उनके सामने काँपते थे। वे सोचते कि उनकी आँखें उनके हृदय में चली जाएगी और वे तुरंत उनके अपराध पहचान लेंगे। उन्होंने कभी धोखा नहीं खाया । न ही उन्होंने कभी किसी निर्दोष व्यक्ति को दंड दिया।
उनके अन्य गुण– उन्होंने कभी किसी की भूमि और धन की इच्छा नहीं की। इसलिए सब उन्हें प्रेम करते थे। जो व्यक्ति कठिन समस्या लेकर उनके पास आते थे सदैव उनके निर्णय से संतुष्ट होकर जाते थे।
निष्कर्ष– यह कहा जाता है कि जब भी किसी न्यायधीश ने महान कौशल से अपना निर्णय सुनाया तो कहा गया कि वह अवश्य ही विक्रमादित्य के न्याय-सिंहासन पर बैठा होगा।)

Q5 : Give a brief character sketch of the cowherd boy.
(चरवाहे लड़के का चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans : **Introduction:** After the death of Vikramaditya, his palace and fortress were ruined. The cowherd boys used to take their cattle in the pasture land. They had plenty of time for fun. They used to play there. One day a boy found a mound, which seemed to be a judgement -seat. He sat on it. **The justice of cowherd boy:** After sitting the mound, the boy said to his friends, "Bring your cases to be decided. I am a judge." His judgements were so fine that people were surprised. The people came from far and wide. The cowherd boy became famous for his justice.
His changed behaviour: The village boys noticed that after sitting on the mound the cowherd boy, had become very grave like a judge. His tone and manner were improved.
Conclusion: The heart of the cowherd boy was very pure. That's why he could sit on the judgement seat. When mound was dig deep, he was very sorrowful. He felt that something very dear to him was being taken away.
(**प्रस्तावना–** विक्रमादित्य की मृत्यु के बाद उनका महल और किले खंडहर हो गए। चरवाहे लड़के अपने पशु चरागाह में ले जाया करते थे। उनके पास मनोरंजन के लिए काफी समय था। वे वहाँ खेला करते थे। एक दिन एक लड़के ने एक टीला पाया जो न्यायधीश के बैठने के स्थान जैसा लगता था। वह टीले पर बैठ गया।
चरवाहे लड़के का न्याय– टीले पर बैठने के बाद लड़के ने अपने मित्रों से कहा, ''अपने मुकदमे निर्णय के लिए मेरे सामने लाओ। मैं न्यायधीश हूँ।'' उसके निर्णय इतने अच्छे होते थे कि लोग आश्चर्यचकित थे। लोग दूर-दूर से आते थे। चरवाहा लड़का अपने न्याय के लिए प्रसिद्ध हो गया।
उसका परिवर्तित व्यवहार– गाँव के लड़कों ने देखा कि टीले पर बैठने के बाद चरवाहा लड़का न्यायधीश की तरह गंभीर हो जाता था। उसका स्वर तथा बातचीत करने का ढंग प्रभावशाली था।
निष्कर्ष– चरवाहे लड़के का हृदय बहुत शुद्ध था। इसी कारण वह न्याय-सिंहासन पर बैठ सका। जब टीले की खुदाई हुई, वह बहुत दु:खी था। उसे लगा कि उसकी बहुत प्रिय वस्तु उससे छीनी जा रही है।)

Q6 : Give a brief character sketch of the King of Ujjain who dug the seat out.
(उज्जैन के राजा का चरित्र चित्रण कीजिए जिसने सिंहासन को खुदवाकर बाहर निकलवाया।)

Ans : **Introduction:** One day the King of Ujjain heard about the boy who sat on the mound and acted like a judge. His judgements were fine. So the king came there and inspected the place.
His guess: He guessed that it must be the judgement seat of Vikramaditya. He ordered to dig the place and found the judgement seat of Vikramaditya. His guess was right.
The unworthiness of king: When the king tried to sit on the throne, first angel asked him question if he never desired to rule over kingdoms of others. He replied that he was not worthy. Everytime he found himself unworthy for the throne.
Conclusion: The last angel wanted the king to have pure heart like a child in order to be worthy of sitting on the throne which the king did not have. Then the last engel flew up into the sky bearing the throne upon his head.
(**प्रस्तावना–** एक दिन उज्जैन के राजा ने उस लड़के के बारे में सुना, जो एक टीले पर बैठता था और न्यायधीश के समान व्यवहार करता था। उसके निर्णय सही होते थे। इसलिए राजा वहाँ आया और उस स्थान का निरीक्षण किया।
उसका अनुमान– उसने अनुमान लगाया कि यह विक्रमादित्य का न्याय-सिंहासन ही होगा। उसने उस स्थान को खुदवाने का आदेश दिया और विक्रमादित्य का न्याय-सिंहासन पा लिया। उसका अनुमान सही था।
राजा की अयोग्यता– जब राजा ने सिंहासन पर बैठने की कोशिश की तो पहले देवदूत ने उससे प्रश्न पूछा कि क्या उसने दूसरों के राज्यों पर शासन करने की इच्छा कभी नहीं की। राजा ने उत्तर दिया कि वह योग्य नहीं था। प्रत्येक बार उसने अपने आप को सिंहासन के लिए अयोग्य पाया।
निष्कर्ष– अंतिम देवदूत उस सिंहासन पर बैठने के योग्य बनने के लिए राजा में बच्चे के समान पवित्र हृदय चाहता था। ऐसा हृदय राजा के पास नहीं था। तब अंतिम देवदूत सिंहासन को अपने सिर पर रखकर आसमान में उड़ गया।)

Q7 : Why did the last angel fly away with the seat?
(अंतिम देवदूत सिंहासन के साथ क्यों उड़ गया?)

Ans : The last angel asked the king if he had pure heart like a child in order to be worthy of sitting on the throne. The king replied that he didn't have. Then the last angel flew away with the seat.
(अंतिम देवदूत ने राजा से पूछा कि क्या उस सिंहासन पर बैठने के योग्य बनने के लिए राजा में बच्चे के समान पवित्र हृदय था। राजा ने उत्तर दिया कि उसके पास ऐसा हृदय नहीं है। तब अंतिम देवदूत सिंहासन के साथ उड़ गया।)

Q8 : What changes were noticed in the cowherd boy on ascending the mound? Why was it so?
(टीले पर बैठने के बाद चरवाहे लड़के में क्या परिवर्तन देखे गए? ऐसा क्यों हुआ था?)

Ans : The village boys noticed that the boy who sat on the mound, had become very grave and serious. After setting on the mound he said, "I am judge. Bring your cases to be decided." When his friends brought their cases, he took decisions. His judgements were fine. The people came from far and wide for judgement. He became very famous for his judgement. He sat on the mound and acted like a judge. His tone and manner were impressive.

It was so because the spirit of knowledge and justice would come to him and he would show them the truth.

(गाँव के लड़कों ने देखा कि टीले पर बैठने वाला लड़का न्यायधीश की तरह गंभीर और शांत हो जाता था। टीले पर बैठने के बाद उसने कहा, ''मैं न्यायधीश हूँ। अपने मुकदमे निर्णय के लिए मेरे पास लाओ।'' जब उसके मित्र उसके पास मुकदमे लाए तो उसने निर्णय किए। उसके निर्णय बहुत अच्छे थे। लोग न्याय के लिए दूर-दूर से आने लगे। वह न्याय के कारण बहुत प्रसिद्ध हो गया। वह टीले पर बैठता था और न्यायधीश की तरह व्यवहार करता था। उसका ढंग प्रभावशाली था।

ऐसा इसलिए था क्योंकि ज्ञान और न्याय की आत्मा उसमें आ जाती थी और वह लोगों को सत्य के दर्शन कराता था।)

OBJECTIVE

[A] Write 'T' for true and 'F' for false for the following statements :

Ans:
1. Vikramaditya always punished the guilty. [T]
2. Vikramaditya was a partial King. [F]
3. The judgement seat of Vikramaditya was lying buried in the pasture. [T]
4. The cowherd boy was worthy to sit on the throne of Vikramaditya. [T]
5. No one knows the name of Vikramaditya in India. [F]
6. The cowherd boy got the spirit of knowledge and justice on ascending the mound. [T]
7. The King of Ujjain finally succeeded in sitting on the judgement seat. [F]
8. The angels took the judgement seat to the sky. [T]

[B] Fill in the blanks with suitable words :

Ans:
1. Vikram Samvat owes its origin to **Vikramaditya**.
2. Vikramaditya was famous for his **judgement and wisdom**.
3. The judgement seat of Vikramaditya was supported by twenty-five **angles**.
4. The judgement seat of Vikramaditya was made of **black marble**.
5. King Vikramaditya is said to be the greatest **judge** in history.
6. The guilty **trembled** before Vikramaditya.

[C] Multiple Choice Questions :
Tick (3) the correct option :

Ans: See in the book on page number A-68.

LANGUAGE

[A] Complete these spelling:

1. l**and**mar**k**	2. m**oun**d	3. m**id**d**le**
4. as**ce**nd	5. **reverence**	6. **gr**av**it**y

[B] Give opposites of :

1. justice	**injustice**	2. punished	**awarded**
3. guilty	**judge**	4. plenty	**sufficient, enough**
5. perfect	**Imperfect**	6. truth	**lie, fiction falsehood**

[C] Make meaningful sentences using the given word / group of words :

1. **pasture :** There is a **pasture** near my house.
2. **satisfied :** The teacher was **satisfied** with my answer.
3. **put before :** My friend **put before** me his problem and I solved his problem.
4. **announced :** The doctor **announced** the patient to be death.
5. **assembled :** People **assembled** to listen to the sweet music.
6. **perfect :** We should be **perfect** in taking right decision.

[D] Supply two more adjectives to these words other than those underlined below :

1.	greatest judge	**purest judge**	**perfect judge**
2.	green mound	**old mound**	**high mound**
3.	stone angels	**beautiful angles**	**holy angles**
4.	complicated disputes	**simple disputes**	**fresh disputes**
5.	marble slab	**black slab**	**stone slab**
6.	pure heart	**impure heart**	**sacred heart**

3. My Greatest Olympic Prize

Summary in English

The Olympic Games were held in Berlin. It was the summer of 1936. Adolf Hitler was the dictator of Germany then. He considered Germans to be born to rule.

Jesse Owens, an American Negro long jumper had trained, sweated and disciplined himself for six years for the games. He had set the world record of 26 feet 8.5 inches. When he saw Luz Long, a German sportsman, he was surprised.

Jesse Owens was angry at Hitler's Master Race theory. He failed to qualify the trial jumps. Luz Long helped him. They grew friendship. He found Lug Long that he didn't believe in Hitler's supremacy theory.

Next day, Luz Long broke his own past record. When Jesse Owens set the Olympic record of 26 feet 5.3 inches, Luz congratulated him. Jesse felt his friendship with Luz 24 carat friendship.

He realized that Luz was a fine example of what Pierre de Coubertin, founder of the Modern Olympic Games had said, "The important thing in the Olympic Games is not winning but taking part. The essential thing in life is not conquering but fighting well."

Summary in Hindi

ओलंपिक खेल बर्लिन में आयोजित हुए थे। ये 1936 की गर्मियों के दिन थे। एडोल्फ हिटलर जर्मनी का तानाशाह था। उसका विचार था कि जर्मन शासन करने के लिए जन्म लेते हैं।

जेसी ओवेंस, एक अमरिकन नीग्रो, तथा लंबी कूद का खिलाड़ी अपने आप को शिक्षित कर चुका था, परिश्रम कर चुका था और छ: वर्षों तक अपने आप को खेलों के लिए अनुशासित कर चुका था। उसने 26 फीट 8.5 इंच का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। उसने एक लंबे खिलाड़ी लुज लौंग को देखा तो वह आश्चर्यचकित हुआ।

जेसी ओवेंस हिटलर के सर्वश्रेष्ठ जाति सिद्धांत से नाराज था। वह कूदने के पहले प्रयास में असफल रहा। लुज लौंग ने उसकी सहायता की। उनमें मित्रता हो गई। उसने पाया कि लुज लौंग हिटलर के सर्वश्रेष्ठ जाति सिद्धांत पर विश्वास नहीं रखता था।

अगले दिन लुज लौंग ने अपना पिछला रिकार्ड तोड़ दिया। जब जेसी ओवेंस ने ओलंपिक कीर्तिमान को 26 फीट 5.3 इंच पहुँचा दिया, तो लुज ने उसे बधाई दी। जेसी ने अनुभव किया कि उसकी लुज के साथ मित्रता 24 कैरेट की हो गई है।

उसने महसूस किया कि लुज आधुनिक ओलंपिक खेलों के संस्थापक पियरे डी कुबर्टिन के कथन का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है, जिसने कहा था कि, ''ओलंपिक खेलों में महत्वपूर्ण चीज भाग लेना है। जीवन में मुख्य बात जीतना नहीं है, अपितु उसके लिए अच्छी तरह संघर्ष करना है।''

WORD-MEANING

1. It was the summer ..... who wasn't.

being held	-	आयोजित किए जा रहे थे	childishly	-	बचकानापन
insisted	-	जोर दिया	performers	-	खिलाड़ी
master race	-	सर्वश्रेष्ठ प्रजाति	nationalistic	-	संकीर्ण राष्ट्रीय
worried	-	चिंतित	trained	-	प्रशिक्षित
sweated	-	पसीना बहाया	disciplined	-	अनुशासित किया
medals	-	पदक	especially	-	विशेष रूप से
set	-	स्थिर बनाया	expected	-	आशा करता था
easily	-	आसानी से	surprise	-	आश्चर्यचकित
trials	-	पूर्वाभ्यास	startled	-	आश्चर्य

leaps	-	कूदें	hidden away	-	छिपाया हुआ था
evidently	-	स्पष्ट रूप से	add	-	वृद्धि करना
superiority theory	-	श्रेष्ठता का सिद्धांत	angry	-	क्रोधित
determined	-	निश्चय किया	Der fuehrer	-	नेता, हिटलर का खिताब

2. An angry athlete ..... take-off board.

athlete	-	धावक, खिलाड़ी	mistakes	-	गलतियाँ
coach	-	प्रशिक्षक	exception	-	अपवाद
qualifying jumps	-	योग्यता सिद्ध करने वाली कूद	take-off board	-	वह स्थान जहाँ से कूदना है
bitterly	-	गंभीरता से, कटुतापूर्ण	pit	-	खेल का मैदान
kicked	-	ठोकर मारी	disgustedly	-	निराशा से
shoulders	-	कंधा	attempt	-	कोशिश
firm handshake	-	कसकर हाथ मिलाना	well	-	अच्छी
twist	-	लहजा, बोलने का ढंग	glad	-	खुश होना
hide	-	छिपाना	nervousness	-	घबराहट
troubling	-	परेशान करना	eyes shut	-	बंद आँखों से
believe	-	विश्वास	seemed to	-	प्रतीत होता था
reassure	-	पुन: आश्वासन दिया	supermacy	-	सर्वश्रेष्ठता
physically	-	शारीरिक रूप से	lean muscular	-	पतला गठीला
strikingly handsome	-	आकर्षक	calmed down	-	क्रोध शांत हो गया

3. "Look," he said, ... but fighting well.

draw	-	खींचना	to foul	-	गलती करना
counts	-	महत्वपूर्ण है	tension	-	तनाव
confidently	-	विश्वास के साथ	to spare	-	अतिरिक्त
probably	-	कदाचित	situation	-	स्थिति
had been formed	-	बन गई है	meant	-	अर्थ हुआ
broke	-	तोड़ दिया	past record	-	पहले का रिकार्ड
pushed on	-	साहस बढ़ाया	peak	-	शिखर पर, सबसे अच्छा
instant	-	क्षण	congratulating	-	बधाई देते हुए
despite	-	के बावजूद	glared	-	घूर रहा था
yard	-	गज(दूरी)	grip	-	पकड़
24 carat	-	एकदम विशुद्ध	realized	-	अनुभव किया
founder	-	संस्थापक	essential	-	आवश्यक
conquering	-	जीतना			

Exercise

SUBJECTIVE

[A] Short answer type questions on the text

Q1 : Who was Adolf Hitler?
(एडोल्फ हिटलर कौन था?)

Ans : Adolf Hitler was the dictator of Germany from 1933 to 1945.
(एडोल्फ हिटलर 1933 से 1945 तक जर्मनी का तानाशाह रहा।)

Q2 : What was Hitler's Master Race Theory?
(हिटलर का सर्वश्रेष्ठ प्रजाति का सिद्धांत क्या था?)

Ans : Hitler's Master Race Theory was that Germans were superior to other races of the world and they were members of master race-the Aryans.
(हिटलर का सर्वश्रेष्ठ प्रजाति का सिद्धांत यह था कि जर्मन प्रजाति संसार की अन्य प्रजातियों से श्रेष्ठ है। वे आर्यन प्रजाति से हैं जोकि स्वामित्व का स्थान रखती हैं।)

Q3 : Who was Jesse Owens? Why did he visit Berlin in 1936?
(जेसी ओवेंस कौन था? वह 1936 में बर्लिन क्यों गया?)

Ans : Jesse Owens was an American Negro. He visited Berlin in 1936 to take part in the Olympic Games.
जेसी ओवेंस अमेरीका का एक नीग्रो था। वह 1936 में ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए बर्लिन गया था।)

Q4 : What was expected of Jesse Owens and why?
(जेसी ओवेंस से क्या आशाएँ थीं और क्यों?)

Ans : It was expected of Jesse Owens to win a gold medal in long jump because he had already established a new world record in only a year before.
(जेसी ओवेंस से लंबी कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त करने की आशा थी, क्योंकि पहले से ही वह इसमें नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर चुका था।)

Q5 : Who was Luz Long?
(लुज लौंग कौन था?)

Ans : Luz Long was a German sportsman.
(लुज लौंग एक जर्मन खिलाड़ी था।)

Q6 : What did Jesse think might happen if Luz won?
(जेसी ओवेंस के विचार में लुज लौंग के विजयी होने पर क्या हो जाता?)

Ans : Jesse Owens thought that if Loz Long won it would encourage the Master Race Theory of Hitler and it will be against spirit of Olympic Games.
(जेसी ओवेंस के विचार से लुज लौंग के विजयी होने पर हिटलर के सर्वश्रेष्ठ प्रजाति सिद्धांत को प्रोत्साहन मिल जाता और यह ओलंपिक खेलों की भावना के विरूद्ध होता।)

Q7 : What made Jesse angry and nervous?
(जेसी क्रोधित तथा परेशान क्यों हो गया था?)

Ans : Jesse did not like Hitler's Master Race Theory that the German race was superior to all others, this made Jesse angry and nervous.
(जेसी हिटलर के सर्वश्रेष्ठ प्रजाति के सिद्धांत को पसंद नहीं करता था कि जर्मन लोग शेष सभी लोगों से श्रेष्ठ हैं, इससे जेसी क्रोधित तथा परेशान हो गया था।)

Q8 : What might have happened if Jesse had failed to get rid of his anger?
(यदि जेसी ओवेंस अपने क्रोध पर नियंत्रण न कर पाता तो क्या होता?)

Ans : If Jesse Owens had failed to control his anger, he would not have succeeded to qualify for the finals and won the Gold Medal.
(यदि जेसी ओवेंस अपने क्रोध पर नियंत्रण न कर पाता तो निर्णायक कूद तक पहुँच पाने में सफल न हो पाता तथा स्वर्ण-पदक भी न जीत पाता।)

Q9 : How was Luz different from other members of his race?
(लुज अपनी प्रजाति के अन्य लोगों से किस प्रकार भिन्न था?)

Ans : Luz was different from other members of his race as he didn't believe in the superiority of races. He believed in equality of men.
(लुज अपनी प्रजाति के अन्य लोगों से इस प्रकार भिन्न था क्योंकि वह प्रजाति की सर्वश्रेष्ठता में विश्वास नहीं करता था। वह मनुष्यों की समानता में विश्वास रखता था।)

Q10 : How did Luz Long help Jesse in qualifying for final jumps.
(लुज लौंग ने जेसी ओवेंस को निर्णायक कूद के लिए योग्य घोषित कराने में किस प्रकार सहायता की?)

Ans : Luz Long helped Jesse Owens by encouraging and giving him useful directions. Luz advised him to mark a line a few inches behind the board and aim at making his take off from there.
(लुज लौंग ने प्रोत्साहित करके और उपयोगी निर्देश देकर जेसी ओवेंस की सहायता की। उसने उसे प्रारंभ से कुछ इंच पहले लाइन खींचने और उसे लक्ष्य बनाकर वहाँ से कूदने की सलाह दी।)

Q11 : What did Luz Long do on Jesse's success?
(जेसी ओवेंस की सफलता पर लुज लौंग ने क्या किया?)

Ans : Luz Long gave heartly congratulations to Jesse Owens on his success. He shook Owen's hand hard with a true smile.

(जेसी ओवेंस के सफल होने पर लुज ने उसे हार्दिक बधाई दी। उसने ओवेंस से मुस्कराहट के साथ हाथ मिलाया।)

Q12 : Who was Pierre de Coubertin? What was his ideal?
(पियरे डि कुबर्तिन कौन था? उसका आदर्श क्या था?)

Ans : Pierre de Coubertin was the founder of modern Olympic Games. His ideal was that he believed not in winning but in fighting well.
(पियरे डि कुबर्तिन आधुनिक ओलंपिक खेलों का संस्थापक था। उसका आदर्श था कि वह जीतने में विश्वास नहीं करता था बल्कि वह अच्छी प्रकार खेलने में विश्वास करता था।)

Q13 : Explain the true sportsmanship shown by Luz.
(स्पष्ट कीजिए कि लुज ने सच्ची खेल भावना दिखाई।)

Ans : Though Jesse Owens was rival of Lug Long, yet Luz shook hand of friendship with him. He also advised him that he could qualify the trials. In this way the true sportsmanship shown by Luz.
(यद्यपि जेसी ओवेंस लुज लौंग का प्रतिद्वंद्वी था, फिर भी लुज ने उससे मित्रवत् हाथ मिलाया। उसने उसे यह भी सलाह दी कि वह पूर्वाभ्यास की कूदों में कैसे सफल हो सकता था। इस प्रकार लुज ने सच्ची खेल भावना दिखाई।)

[B] Short answer type questions on your understanding

Q1 : What kind of friendship did Jesse feel for Luz?
(जेसी ने लुज के प्रति किस प्रकार की मित्रता का अनुभव किया?)

Ans : Jesse Owens felt that Luz Long's friendship was the friendship of 24 carat gold. In his opinion Luz Long was a real friend.
(जेसी ओवेंस ने अनुभव किया कि लुज लौंग की मित्रता 24 कैरेट की थी। उसकी राय में लुज एक सच्चा मित्र था।)

Q2 : Why has Luz been called a fine example of Coubertin's ideal?
(लुज को कुबर्तिन के आदर्श का श्रेष्ठ उदाहरण क्यों कहा गया ?)

Ans : Luz Long has been called a fine example of Coubertin's ideal because he believed not in winning but in fighting well.
(लुज लौंग को कुबर्तिन के आदर्श का श्रेष्ठ उदाहरण इसलिए कहा गया है क्योंकि वह खेल को जीतने में विश्वास नहीं करता था बल्कि उसे भली प्रकार खेलने में विश्वास करता था।)

Q3 : How did Jesse and Luz's friendship justify the ideal of Pierre de Coubertin?
(लुज और जेसी की मित्रता पियरे डि कुबर्तिन के आदर्श को कैसे औचित्य प्रदान करती है?)

Ans : Though Luz Long and Jesse Owens were rivals yet a friendship was formed between them. They do not jealous with each others. They performed their best without caring the result. When Jesse qualified, Luz congratulated him heartly. In this way their friendship justify the ideal of Perre do Coubertin that, "The important thing in Olympic Games is not winning but fighting well."
(यद्यपि लुज लौंग और जेसी ओवेंस प्रतिद्वंद्वी थे फिर भी उनके बीच मित्रता स्थापित हो गई। वे एक दूसरे से जलते नहीं थे। उन्होंने परिणाम की चिंता किए बिना बेहतरीन प्रदर्शन किया। जब जेसी योग्य घोषित हो गया तो लुज ने उसे हृदय से बधाई दी। इस प्रकार उनकी मित्रता पियरे डि कुबर्तिन के आदर्श को औचित्य प्रदान करती है कि ''ओलम्पिक खेलों में जीतना महत्वपूर्ण नहीं है किंतु अच्छा प्रदर्शन करना अधिक महत्वपूर्ण है।'')

Q4 : What was Jesse's greatest Olympic prize?
(जेसी का सबसे बड़ा पुरस्कार क्या था?)

Ans : Jesse's greatest Olympic Prize was his true friendship with Luz Long. He had formed a real friendship with Luz Long who was a nice man like him. He could achieve it with the real spirit of sportsman like Luz Long.
(जेसी को लुज लौंग से उसकी सच्ची मित्रता के रूप में सबसे बड़ा ओलंपिक पुरस्कार मिला। उसने लुज लौंग के साथ एक सच्ची दोस्ती बनाई थी जो उसकी तरह एक अच्छा व्यक्ति था। उसने इसे लुज लौंग की तरह एक खिलाड़ी के सच्चे उत्साह के साथ प्राप्त किया।)

Q5 : Give a brief character sketch of Luz Long.
(लुज लौंग का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।)

Ans : Introduction: Luz Long, was a handsome, tall German sportspman. He was a great German athlete. He believed in the equality of men.

His appearance: He had clear blue eyes. He was an inch taller than Jesse Owens. He had a clean mascular frame and fair hair.

A good long jumper: Luz Long had a very good practice in long jumps.
His friendly emotions: Though Jesse Owens was rival of Luz Long, yet he shook hands of friendship with him. He also advised him that he could qualify the trials.
Conclusion: Luz Long is a fine example of Coubertin's ideal.
(**प्रस्तावना–** लुज लौंग एक सुंदर लंबा जर्मन खिलाड़ी था। वह एक महान जर्मन खिलाड़ी था। वह मनुष्यों की समानता में विश्वास रखता था।

उसकी दिखावट– उसकी आँखें साफ और नीली थीं। वह जेसी ओवेंस से एक इंच लंबा था। वह हष्ट-पुष्ट शरीर तथा आकर्षक बालों वाला व्यक्ति था।

एक अच्छी लंबी कूद वाला व्यक्ति– लुज लौंग ने लंबी कूद में अच्छा अभ्यास किया था।

उसकी मित्रता की भावना– यद्यपि जेसी ओवेंस लुज लौंग का प्रतिद्वंद्वी था फिर भी उसने उससे मित्रवत् हाथ मिलाया। उसने उसे यह भी सलाह दी कि वह पूर्वाभ्यास की कूदों में कैसे सफल होता।

निष्कर्ष– लुज लौंग कुबर्तिन के आदर्श का एक अच्छा उदाहरण है।)

OBJECTIVE

[A] Fill in the blanks with suitable words :

Ans:
1. Olympic games were held in Berlin in **1936**.
2. **Hitler** was the dictator of Germany in 1936.
3. Adolf Hitler believed in **Master Race** theory.
4. **Pierre de Coubertin** was the founder of Modern Olympic Games.
5. Luz Long was a **German** sportsman.
6. Jesse Owens was an **American** Negro.
7. An **angry** athelete is an athelete who will make mistakes.

[B] Write 'T' for true and 'F' for false for the following statements :

Ans:
1. Winning is most important thing in games and sports. F
2. Luz Long was an admirer of Hitler. F
3. Jesse Owens was jealous of Luz Long. F
4. Jesse Owens found a good friend in Luz Long. T
5. Luz Long was proud of his race. F
6. Participating in Olympics is most important. T
7. The greatest Olympic Prize for Jesse Owens was his friendship with Luz Long. T

[C] Multiple Choice Questions :
Tick (3) the correct option :

Ans: See in the book on page number A-72.

LANGUAGE

[A] Complete the spelling:

1. s**uperiorit**y
2. d**isci**pli**ne**d
3. e**vi**d**en**tlyity
4. q**ualifie**d
5. con**quer**ing
6. m**oder**n

[B] Give opposites of :

1. worried	**carefree**	2. superiority	**inferior**
3. confident	**unconfident**	4. easily	**hardly**
5. support	**oppose**	6. angry	**pleased**

[C] Make meaningful sentences using the given words / group of words :

1. **troubling :** The doctor asked the patient, "what was **troubling** him?"
2. **have in mind :** We should **have in mind** sympathy for poors.
3. **take off :** The aeroplane **take off** thirty minutes late due to fog.
4. **got up :** I was so excited that I couldn't sleep, so I **got up** and dressed.
5. **glared at :** The teacher **glared at** me, when I gave a wrong answer.
6. **felt for :** Every mother **felt** love **for** her child.

SECTION - B

UNIT-I : GRAMMAR

1. The Sentence : Types

EXERCISE **(Page B-3)**

Tell the kind of the following sentences :

1. She is a golfer. **Affirmative**
2. There are engineers in the factory. **Affirmative**
3. Hurrah! India has won the match. **Exclamatory**
4. Where have you been today? **Interrogative**
5. Please give me your pen. **Imperative**
6. May God help you! **Optative**
7. We are not going to hospital today. **Negative**
8. Did you go to see the patient? **Interrogative**
9. Ah! He has suffered pain in the leg. **Exclamatory**
10. He has never tasted milk. **Negative**
11. Surdas was blind. **Affirmative**
12. The earth is round. **Affirmative**
13. Truth is always beautiful. **Affirmative**
14. God loves all his children. **Affirmative**
15. Time is wealth. **Affirmative**
16. Do not waste your time. **Imperative**
17. Be good to others. **Imperative**
18. Please wait here. **Imperative**
19. Where does he live? **Interrogative**
20. Are you ill? **Interrogative**
21. What an idea! **Exclamatory**
22. How nicely he played! **Exclamatory**

2. Parts of a Sentence

EXERCISE-1 **(Page B-6)**

Arrange the words given in the brackets in proper order to provide subject to these sentences :

1. **Those new dolls** talk. (dolls/new/those)
2. **That tall woman** is a good musician. (that/ woman/tall)
3. **He as well as you** is tired of all his work. (as well/he/as/you)
4. **Either he or his friend** must have opened the door. (friend/his either/he/or)
5. **The big red apples** are very delicious. (big/the/apples/red)
6. **All my friends** have arrived. (my/friends/ all)
7. **That little naughty boy** has broken the window pane. (that/ naughty/ little/ boy)
8. **All of you** are good. (you/of/all)
9. **One of his children** is very intelligent. (his/one/ children/of)
10. **Neither he nor his brother** could pass the examination. (he/brother/his/neither/nor)
11. **The flowers in my garden** are pretty. (flower/in/the/garden/my)
12. **Brave people** fight for their country. (people/ brave)

EXERCISE-2 **(Page- B-9)**

Separate the predicate parts in the following sentences :

1. My uncle presented me a scooter on my birthday.
   presented me a scooter on my birthday
2. Good boys must respect their elders.
   must respect their elders

3. The teacher was angry with me.
   was angry with me
4. The doctor advised him to take medicine regularly.
   advised him to take medicine regularly
5. My elder sister tells me an interesting story every night.
   tells me an interesting story every night
6. His work satisfied his master.
   satisfied his master
7. The elephants use their trunks to drink water.
   use their trunks to drink water
8. My friend wrote me a letter.
   wrote me a letter
9. It is our duty to help the weak people.
   is our duty to help the weak people
10. The storm made swimming very difficult.
    made swimming very difficult

EXERCISE-3 (Page B-9)

Arrange the words given in brackets in proper order to provide predicates to the given sentences :

1. There **were a few girls in my class.** (a/were/in/few/girls/my class)
2. The hunter **killed a tiger in the forest.** (a/the /forest/killed/tiger/in)
3. My father **teaches us English daily.** (daily/teaches/English/us)
4. My poor boy **has no shoes to wear.** (shoes/ has/to/no/wear)
5. Mahesh **has sold his old house.** (sold/his/old/has/house)
6. The Taj **looked very beautiful.** (beautiful/ looked/very)
7. I **bought an expensive saree for my sister.** (sister/bought/an expensive/my/saree/for)
8. They **were too late to catch the train.** (the train/to catch/late/too/were)
9. The boy **prefers to play**. (to/play/perfers)
10. His brother **gave him a present.** (a/present/gave/him)
11. My younger brother **lives in Agra.** (Agra/lives/in)
12. Mother **heard someone knocking at the door.** (knocking /door/the/someone/at/heard)

EXERCISE-4 (Page B-10)

Choose a suitable Object or Complement from the list given below and complete each of the sentences :

books, heroes, food, ready, duty, soldier, dark, shelter, camera, train

1. John became a **soldier**.
2. Every boy and girl was **ready.**
3. We took **shelter** under a tree.
4. Each day and each hour brings its **duty.**
5. Bread and milk is his only **food.**
6. Rustam and Sohrab were Persian **heroes.**
7. The Sky grew **dark.**
8. I shall bring my **camera** with me.
9. Put away your **books** now.
10. The driver stopped the **train.**

EXERCISE-5 (Page B-10)

Complete the following sentences by filling in the blanks with the Subject/Predicate parts given in brackets. Put the parts in the correct order :

1. He **killed a tiger with an axe.** (a tiger/killed/an axe/with)
2. The boys **in the class are very hard-working.** (hard-working/very/are/in the class)
3. **Neither he nor his brother** could pass the examination. (he/brother/his/neither/nor)
4. **There lived a rich man** in my village. (a/man/lived/rich/there)
5. **There was a big black snake** in the bush. (a/big/snake/there/was/black)

6. **We hear her singing** every morning. (hear/we/singing/her)
7. **No one** saw her in the hospital anymore. (one/no)
8. **So after an hour he** decided to give it up. (so/an/hour/or/after/he)
9. The robbers **looted each and every person.** (each/and/person/looted/every)
10. The goods **were lying at the platform.** (at/platform/lying/were/the)

3. The Verb

EXERCISE-1 **(Page B-13)**

Pick out the *Subjects*, *Verbs* and *Objects* in the following sentences :

	Subject	Verb	Object
1.	The peon	rang	the bell.
2.	He	went	into his study room.
3.	The little girl	wept	bitterly.
4.	The mother	called	her son.
5.	The sun	sets	in the west.
6.	She	laughed	loudly.
7.	The leaves	fell	from the tree.
8.	Ritu	gave	me a book.
9.	My uncle	sent	me gifts.
10.	The child	awoke	at 6 a.m.

EXERCISE-2 **(Page B-13)**

Pick out the *Transitive* and *Intransitive Verbs* in the following sentences. Also write the *Object* of each *Transitive Verb* against each :

	Subject	Transitive Verb	Intransitive Verb	Object
1.	He	writes		a letter.
2.	I	am reading		a book.
3.	He	has done		his work.
4.	I	shall write		a letter.
5.	He	will help		you.
6.	Some boys	are playing		in the field.
7.	Some boys	are playing		cricket.
8.	The washerman	has gone		out.
9.	The birds		are flying.	
10.	Mohan	is flying		his kite.

EXERCISE-3 **(Page B-13)**

Pick out the *Complements in the following sentences* :

	Subject	Verb	Complement
1.	I	am	an old teacher.
2.	You	are	a young student.
3.	The earth	is	not flat.
4.	Rama	was	a famous king.
5.	Rana Pratap	was	very courageous.
6.	Rustam	was	very strong.
7.	The gentleman	was	kind.
8.	Your friend	is	very lazy.
9.	He	appeared	pleased.
10.	The boys	made	him captain.

EXERCISE-4 **(Page B-13)**

Fill in the blanks with suitable Linking Verb :

1. Ram **is** a teacher.
2. They **are** dejected.
3. The book **is** on the table.
4. He **was** sad.
5. You **are** a doctor.
6. She **was** punished.
7. The news **was** false.
8. It **is** dark.
9. She **was** pale.
10. The condition **is** better.

4. Primary Auxiliaries

EXERCISE-1 **(Page B-15)**

Fill in the blanks with suitable *Primary Auxiliary Verbs* given in brackets :

1. The wind **is** blowing hard. (has, have, is)
2. She **is** not attending the computer class. (does, is, did)
3. We **do** not go to school on Sunday. (are, have, do)
4. I **did** not show that letter to anyone. (have, am, did)
5. I **am** working hard these days. (is, am, are)
6. A man **was** selling beautiful balloons. (was, were, has)
7. The birds **were** sitting on the tree. (have, was, were)
8. Suresh **has** paid his loan. (do, is, has)
9. They **have** gone to market. (has, is, have)
10. **Does** he know your address? (is, do, does)

EXERCISE-2 **(Page B-15)**

Fill in the blanks with suitable *Auxiliary Verbs* :

1. Mohan **was** sleeping in his room. (has, was, does)
2. He **does** not tell a lie. (has, is, does)
3. He **has** been a good player of hockey. (has, have, do)
4. A dog **does** not eat grass. (has, was, does)
5. They **have** lived in my house for five years. (are, have, did)
6. You **do** not look well. (does, are, do)

EXERCISE-3 **(Page B-15)**

Fill in the blanks with suitable *Primary Auxiliary Verbs* given in brackets :

1. He **is** not writing a letter. (is, does, has)
2. He **does** not go for shopping daily. (is, does, has)
3. The labourers **were** returning home. (were, did, had)
4. Books **are** sold here. (do, does, are)
5. He **is** helped by Aman. (is, does, has)
6. My father **is** not cooking food. (is, does, has)
7. **Do** they play hockey daily? (are, do, have)
8. Physics **is** taught in my school. (is, are, do)
9. Where **did** Anil stay last night? (do, does, did)
10. He **does** not agree with you. (is, does, has)

5. Modal Auxiliaries

EXERCISE-1 **(Page B-19)**

Fill in the blanks with *can/could/may/might* whichever is correct :

1. It **may** rain heavily in the evening.
2. **May** he recover soon!
3. You **might** not take tea now.
4. He **can** not come now.
5. **Can** you run a 100 meter race?
6. Anybody **can** make mistake.
7. You **can** sleep now.
8. He **could** sing well when he was a child.

EXERCISE-2 **(Page B-20)**

Fill in the blanks with *must/ought to/need not/dare not* :

1. We **ought** to obey our parents.
2. You **must** complete your work before 5 p.m.
3. He **must** consult the doctor to avoid more complications.
4. We **ought to** help the poor and helpless.
5. He **need not** do it at any cost.
6. He **need not** use spectacles now?
7. Every student **ought** to pay his fee in time.
8. We **ought to** obey the laws of the country.

EXERCISE-3 **(Page B-20)**

Fill in the blanks with Modal Auxiliaries *will/shall* in the following sentences :

1. Mr John is very kind. He **will** help you.
2. I have to write some important letters. I **will** write them today.
3. You have a bad cold. You **shall** not go for the picnic.
4. My friend **will** arrive at 9 o'clock by the Bombay Mail.
5. His parents are going to Shimla. He **will** go with them.
6. You **will** get a good present on your next birthday.
7. We **shall** work hard and finish the work in time.
8. He **will** not leave the office before typing all the letters.

EXERCISE-4 **(Page B-20)**

Fill in the blanks with suitable *Modal verbs* given in brackets :

1. They **must** not leave the office without permission. *(could, may, ought, must)*
2. We **ought** to do our duty honestly. *(could, may, ought, must)*
3. **Could** I see you in the evening? *(could, may, ought, must)*
4. It **may** rain today. (could, may, ought, must)
5. You **ought** not to deceive anybody. *(must, ought, should, may)*
6. We **must** do our duty. *(must, ought, should, may)*
7. Dr Sharma is praised by everyone. He **must** be a good doctor. *(must, ought, should, may)*
8. "**May** I come in?" said he. *(could, may, might)*
9. Ram promised that he **would** come. *(would, could, might)*
10. You **ought** to study seriously. *(could, must, ought)*

6. Negative and Interrogative Sentences

EXERCISE-1 **(Page B-26)**

Change the following sentences as directed :

1. Everyone liked his music. (Negative)
   No one liked his music.

2. Our class won the match. (Yes/No– Type Interrogative)
Did our class win the match?
3. Everybody enjoyed his song. (Negative)
Nobody enjoyed his song.
4. Our class won the trophy. (Yes/No– Type Interrogative)
Did our class win the trophy?
5. She has paid the bill. (Yes/No– Type Interrogative)
Has she paid the bill?
6. Turn the tap on. (Negative)
Don't turn the tap on.
7. They liked a lot of noise. (Yes/No– Type Interrogative)
Did they like a lot of noise?
8. Leave the room. (Negative)
Don't leave the room?
9. Waste your time. (Negative)
Don't waste your time?
10. He was moving here and there. (Wh– Type Question)
Where was he moving?

EXERCISE-2 (Page B-26)

Change each of the following sentences into *Yes/No Type Interrogative sentences* :

1. Delhi is the capital of India.
Is Delhi the capital of India?
2. He gets his salary regularly.
Does he get his salary regularly?
3. I have seen the Taj.
Have I seen the Taj?
4. I can see without glasses.
Can I see without glasses?
5. I cannot afford a car.
Can I not afford a car?
6. He has been working hard for two hours.
Has he been working hard for two hours?
7. The teachers are pleased with him.
Are the teachers pleased with him?
8. Ravi went to a shop.
Did Ravi go to a shop?
9. He came late yesterday.
Did he come late yesterday?
10. He bought this book last year.
Did he buy this book last year?

EXERCISE-3 (Page B-27)

Change each of the following sentences into Wh-Type Questions :

1. I explained everything to him.
What did I explain to him?
2. Deepak came to me.
Who came to me?
3. They flew to Bombay last week.
When did they fly to Bombay?
4. Our team won the final match at Sharjah.
Where did our team win the final match?
5. India defeated Sri Lanka there.
Whom did India defeat there?

6. Panna laid her child in Udai Singh's bed.
   Where did Panna lay her child?
7. Raju felt sorry for his mistake.
   Why did Raju feel sorry?
8. The old man was catching fish.
   What was the old man catching?
9. You may go there?
   Who may go there?
10. We can swim in this river?
    Where can we swim?

EXERCISE-4 (Page B-27)

Change the following sentences into Negative sentences :

1. He is a shopkeeper.
   He is not a shopkeeper.
2. Mohan and Sohan are sad.
   Mohan and Sohan are not sad.
3. Some of these apples are sour.
   Some of these apples are not sour.
4. Hamid is poor.
   Hamid is not poor.
5. He was sick.
   He was not sick.
6. She was disappointed.
   She was not disappointed.
7. They were rich.
   They were not rich.
8. The villagers were satisfied.
   The villagers were not satisfied.
9. Hafiz goes to his village.
   Hafiz does not go to his village.
10. Rashid learns his lesson.
    Rashid does not learn his lesson.

EXERCISE-5 (Page B-27)

Change the following sentences into Affirmative sentences :

1. The wood cutter was not cutting the tree.
   The wood cutter was cutting the tree.
2. They were not sad.
   They were sad.
3. Meenu does not knit a sweater.
   Meenu knits a sweater.
4. Please don't wait for me.
   Please wait for me.
5. You cannot solve this problem.
   You can solve this problem.
6. The doctor has not examined the patient.
   The doctor has examined the patient.
7. Sushama has not been rewarded.
   Sushama has been rewarded.
8. He did not return my money.
   He returned my money.
9. Do not come in the house.
   Come in the house.
10. I will not buy toys for my child.
    I will buy toys for my child.

8. Uses of Tenses (In Active Voice)

EXERCISE-1 (Page B-38)

Fill in the blanks in the following sentences with the correct form of the Verbs given below :

spend, sleep, go, play, measure, work, know, help, twinkle, shine

1. My mother always **goes** to Haridwar in summer.
2. A good student always **works** hard.
3. My uncle **knows** Urdu, Hindi and English.
4. We always **help** the poor.
5. The moon **shines** in the night.
6. You **play** tennis every evening.
7. The stars **twinkle** in the night.
8. A thermometer **measures** temperature.
9. I rarely **sleep** in the afternoon.
10. We **spend** most of our evenings in reading books.

EXERCISE-2 (Page B-38)

Fill in the blanks with the correct forms of the Verbs given in brackets :

1. Ravi usually **gets** up at 5 o'clock in the morning. (get)
2. Does your father **shave** before breakfast? (shave)
3. They don't **play** cricket in summer. (play)
4. Prashant always **reads** the newspaper in the morning. (read)
5. Do they often not **go** to cinema on Sunday? (go)
6. The sun **rises** in the east. (rise)
7. Does he usually not **go** to his village on foot? (go)
8. Sarla **spends** most of her evenings in reading novels. (spend)

EXERCISE-3 (Page B-38)

Fill in the blanks in the following sentences with the Past Continuous form of the Verbs given in brackets :

1. Some students **were going** on bicycles. (go)
2. Mr. Arora **was teaching** grammar to class IX. (teach)
3. They **were not playing** any game. (play in Negative)
4. **Was** she **cooking** food yesterday? (cook)
5. The farmers **were working** hard in the field. (work)
6. My uncle **was leaving** for Kolkata on Monday. (leave)
7. The monkeys **were not eating** bananas. (eat in Negative)
8. The sun **was rising** in the east. (rise)

EXERCISE-4 (Page B-39)

Read the following sentences carefully and fill in the blanks with *Present Perfect Continuous* or *Simple Past Form of the Verb* given in bracket against each sentence :

1. They **have been reading** in this college for four years. (read)
2. I **have been playing** cricket since my childhood. (play)
3. We **parted** from one another in 1995. (part)
4. I **have been coaching** him for six months. (coach)
5. They **have been serving** in this office since 1990. (serve)
6. He **took part** in a cricket match last year. (take part)
7. We **have been waiting** for you for two hours. (wait)

EXERCISE-5 (Page B-39)

Name the Tenses used in the following sentences :

1. Rahim goes to school daily. ***Present Indefinite Tense***
2. Classes begin at 10 o'clock. ***Present Indefinite Tense***

3. The sun rises in the east. ***Present Indefinite Tense***
4. The old beggar died yesterday. ***Past Indefinite Tense***
5. I shall write a letter tomorrow. ***Future Indefinite Tense***
6. All trains stop here. ***Present Indefinite Tense***
7. It is raining now. ***Present Continuous Tense***
8. It has been raining all night. ***Present Perfect Continuous Tense***
9. Mukesh has been living here since 1990. ***Present Perfect continuous Tense***
10. I have done my work. ***Present Perfect Tense***

EXERCISE-6 (Page B-39)

Underline the correct form of the *Verb* given in the brackets in the following sentences :

1. He (has, is having) a house in Mumbai.
2. The earth (moves, moved) round the sun.
3. We (saw, have seen) the Prime Minister yesterday.
4. It started raining while we (played, were playing) football.
5. I am sure I (met, had met) him at the station yesterday.
6. We (have been working, are working) in this factory for five years.
7. If you (start, started) at once, you will reach there by this evening.
8. He thanked me for what I (have done, had done) for him.
9. He (is living, has been living) in this house for ten years.
10. He (went, had gone) out five minutes ago.

EXERCISE-7 (Page B-40)

Change the following sentences as directed :

1. Mother cooks food for us. (*Past Indefinite*)
   Mother cooked food for us.
2. She told me a story. (*Simple Future*)
   She will tell me a story.
3. The wind is blowing hard. (*Simple Present*)
   The wind blows hard.
4. He lived in this city for three years. (*Present Perfect*)
   He has lived in this city for three years.
5. Mahesh lived in Delhi for five years. (*Present Perfect*)
   Mahesh has lived in Delhi for five years.
6. Mukesh has worked hard for the test. (*Present Continuous*)
   Mukesh is working hard for the test.
7. He is sleeping in the garden. (*Future Continuous*)
   He will be sleeping in the garden.
8. He went to the station to see his sister. (*Past Continuous*)
   He was going to the station to see his sister.
9. She went to the station to see her brother. *(Present Continuous)*
   She is going to the station to see her brother.
10. She went to Agra to see the Taj. (*Future Continuous*)
    She will be going to Agra to see the Taj.

EXERCISE-8 (Page B-40)

Fill in the blanks with the *Simple Present* or *Present Continuous form of the Verbs* given in brackets :

1. The coffee we **are drinking** at present is very bitter. (*drink*)
2. Today my father **is wearing** a woollen coat. (*wear*)
3. Mohan **plays** table tennis with his friends. (*play*)
4. The farmers always **work** in their fields. (*work*)
5. Our examinations **are starting** at 10 o'clock tomorrow. (*start*)
6. My father seldom **wears** a coat. (*wear*)
7. Our car **is giving** a lot of trouble these days. (*give*)

8. My mother **is preparing** the dinner. (*prepare*)
9. The population of India **is growing** very rapidly. *(grow)*
10. Computers **are becoming** more and more popular. (*become*)

EXERCISE-9 **(Page B-40)**

Change the following sentences as directed within the brackets :

1. He taught in this college for five years. (*Present Perfect Continuous*)
   He has been teaching in this college for five years.
2. He was not sleeping in this room. (*Future Indefinite*)
   He will not sleep in this room.
3. You have done much good. (*Past Continuous*)
   You were doing much good.
4. He will catch the ball. (*Present Indefinite*)
   He catches the ball.
5. I did not see him yesterday. (*Future Indefinite*)
   I shall not see him tomorrow.
6. She stood before me. (*Present Perfect*)
   She has stood before me.
7. Shyam bathed in the Ganga yesterday. (*Future Continuous*)
   Shyam will be bathing in the Ganga tomorrow.
8. I have been writing a letter for a long time. *(Past Perfect Continuous)*
   I had been writing a letter for a long time.
9. Kamala promised me to give her pen. (*Present Perfect*)
   Kamala has promised me to give her pen.
10. He will never help your brother. (*Past Indefinite*)
    He never helped your brother.

9. Uses of Tenses (In Passive Voice)

EXERCISE-1 **(Page B-44)**

Change the following sentences into *Passive Voice* :

1. I buy books from the market.
   Books are bought by me from the market.
2. She washes her dirty clothes.
   Her dirty clothes are washed by her.
3. I do not hate my neighbour.
   My neighbour is not hated by me.
4. Do you not love her?
   Is she not loved by you?
5. She does not like me.
   I am not liked by her.
6. Mohan reads a letter.
   A letter is read by Mohan.
7. Sohan does not abuse his servants.
   His servants are not abused by Sohan.
8. Does Meera not sing songs now?
   Are songs not sung by Meera now?
9. Which fruit do you not like to eat?
   Which fruit is not liked to eat by you?
10. Who teaches you History these days?
    By whom are you taught History these days?

EXERCISE-2 (Page B-45)

Turn the following sentences into *Passive Form* :

1. Call the servant.
   Let the servant be called by you.
2. Open the window.
   Let the window be opened by you.
3. Don't make a noise.
   Let a noise not be made by you.
4. Do not hate your poor relatives.
   Let your poor relatives not be hated by you.
5. Please ask him to go.
   You are requested to ask him to go.
6. Please don't allow him to go.
   You are requested not to allow him to go.
7. Tell him to work hard.
   Let him be told to work hard by you.
8. Never tell a lie.
   You are advised never to tell a lie.
9. Don't disturb me now.
   You are requested not to disturb me now.
10. Please walk to the left.
    You are requested to walk to the left.

EXERCISE-3 (Page B-45)

Transform the following *Active Voice* sentences into *Passive Voice* :

1. He reads novels.
   Novels are read by him.
2. You created a painting.
   A painting was created by you.
3. The fire will destroy the forest.
   The forest will be destroyed by the fire.
4. The neighbour borrows the money.
   The money is borrowed by the neighbour.
5. The police did not catch the thieves.
   The thieves were not caught by the police.
6. We do not buy the chocolates.
   The chocolates are not bought by us.
7. He will not feed the cub.
   The cub will not be fed by him.
8. My sister cooked the food.
   The food was cooked by my sister.
9. Brother reads the paper in his office.
   The paper is read by brother in his office.
10. The farmer did not take his food in the morning.
    His food was not taken by the farmer in the evening.

EXERCISE-4 (Page B-46)

Change the following sentences into *Active Voice* :

1. Many fish have been caught by the fisherman.
   The fisherman has cought many fish.
2. The shoes have been polished by me.
   I have polished the shoes.

3. The tickets were not shown by these passengers.
   These passengers did not show the tickets.
4. The votes have been counted by the clerks.
   The clerks have counted the votes.
5. The electricity bill has been paid by us.
   We have paid the electricity bill.
6. The film was made by Raj Kumar.
   Raj Kumar made a film.
7. The luggage was carried by the coolie.
   The coolie carried the luggage.
8. The guns are not being fired by the soldiers.
   The soldiers are not firing the guns.
9. The beggar was not slapped by the landlord.
   The landlord did not slap the beggar.
10. He was not given a rupee by me.
    I did not give him a rupee.

EXERCISE-5 (Page B-48)

Change the following sentences as directed :

1. Will a present be given to your sister by you? (Active)
   Will you give a present to your sister?
2. When do you take your breakfast? (Passive)
   When is your breakfast taken by you?
3. Who elected him chairman? (Passive)
   By whom was he elected chairman?
4. How did you solve the paper? (Passive)
   How was the paper solved by you?
5. Has this law been passed by the Parliament? (Active)
   Has the Parliament passed this law?
6. Where have you put your money? (Passive)
   Where has your money been put by you?
7. When will he call you? (Passive)
   When will you bee called by him?
8. How was your book searched by you? (Active)
   How did you search your book?
9. Will they have drunk the milk? (Passive)
   Will the milk have been drunk by them?
10. What language is spoken by these people? (Active)
    What language do these people speak?

EXERCISE-6 (Page B-48)

Change the following sentences into *Passive Voice* :

1. My brother can win the prize.
   The prize can be won by my brother.

2. You may take my pen to write with.
   My pen may be taken to write with by you.
3. You must not abuse my friend.
   My friend must not be abused by you.
4. He must see the doctor immediately.
   The doctor must be seen by him immediately.
5. Raju could speak English.
   English could be spoken by Raju.
6. You ought to obey your teacher.
   Your teacher ought to be obeyed by you.
7. I cannot help you.
   You cannot be helped by me.
8. She should obey her teacher.
   Her teacher should be obeyed by her.
9. I could not receive him at the station.
   He could not be received by me at the station.
10. He may take these books.
    These books may be taken by him.

10. The Parts of Speech

EXERCISE-1

(Page B-50)

Name the *part of speech* of each of the bold words in the following sentences :

1. Geeta **learns** her lesson **daily**. — verb, adverb
2. Sanjay **is** a **good student**. — verb, adjective, noun
3. Some **birds** are chirping **on the** trees. — noun, preposition, article
4. Gold **and** silver are used in making **ornaments**. — conjunction, a noun
5. Jesus Christ **is the** Father **of** Christians. — verb, article, preposition
6. **All have** to die one day. — adjective, verb
7. Ashoka **was a great** king. — verb, article, adjective
8. Sudha **and** Sarla **are fast** friends. — conjunction, verb, adjective

EXERCISE-2

(Page B-52)

Point out the *Nouns* in the following sentences and also indicate their kinds :

1. Hari lives in Delhi. — Proper Noun
2. Madan came here. — Proper Noun
3. Always speak the truth. — Abstract Noun
4. Maya gave Sohan a pen. — Proper Noun
5. Boys, sit down. — Common Noun
6. There are eleven players in the ground. — Countable Noun
7. The ship is made of iron. — Material Noun
8. Indira Gandhi, the daughter of Pandit Nehru, was very courageous. — Proper, Abstract Noun

EXERCISE-3

(Page B-52)

Pick out *Countable* and *Uncountable Nouns* in the following sentences :

1. I have a bag. — Countable Noun
2. You bought sugar yesterday. — Uncountable Noun
3. Your ink is green. — Uncountable Noun
4. My inkpot is broken. — Countable Noun
5. Mohan did not drink milk yesterday. — Uncountable Noun
6. Sohan likes tea but his sister likes coffee. — Uncountable Noun
7. The chair is made of wood. — Countable Noun
8. Cement is used in building houses. — Uncountable Noun

EXERCISE-4 (Page B-52)

Point out the *Nouns* in the following sentences and say whether they are *Proper*, *Common*, *Collective*, *Material* or *Abstract Nouns* :

1.	Never tell a lie.	Abstract Noun
2.	Health is wealth.	Abstract Noun
3.	Gold is yellow.	Material Noun
4.	Honesty is the best policy.	Abstract Noun
5.	Indira Gandhi was a great leader.	Proper Noun
6.	The earth moves round the sun.	Proper Noun
7.	Meerut is a big city.	Proper Noun
8.	Meena is my younger sister.	Proper Noun
9.	Speech is silver but silence is gold.	Abstract Noun
10.	Taj Mahal is a beautiful building.	Proper Noun

EXERCISE-5 (Page B-55)

(A) Give the *Plurals* of the following :

desk	**desks**	class	**classes**
match	**matches**	tax	**taxes**
box	**boxes**	hero	**heroes**
piano	**pianos**	baby	**babies**
lady	**ladies**	city	**cities**
army	**armies**	story	**stories**
day	**days**	monkey	**monkeys**
thief	**thieves**	wife	**wives**
wolf	**wolves**	life	**lives**

(B) Change the following into *Singulars* :

men	**man**	trees	**tree**
cows	**cow**	watches	**watch**
branches	**branch**	buffaloes	**buffalo**
heroes	**hero**	bamboos	**bamboo**
cities	**city**	ponies	**pony**
toys	**toy**	knives	**knife**
lives	**life**	gulfs	**gulf**
proofs	**proof**	geese	**goose**
mice	**mouse**	oxen	**ox**

EXERCISE-6 (Page B-57)

(A) Give the *Feminine Genders* of the following Nouns :

boy	**girl**	bachelor	**spinster**
brother	**sister**	ox	**cow**
bullock	**cow**	dog	**bitch**
father	**mother**	grandfather	**grandmother**
gentleman	**lady**	horse	**mare**
husband	**wife**	king	**queen**
man	**woman**	nephew	**niece**
sir	**madam**	stag	**hind**
uncle	**aunt**	author	**authoress**

(B) Give the *Masculine Genders* of the following Nouns :

peahen	**peacock**	fisherwoman	**fisherman**
granddaughter	**grandson**	actress	**actor**
mistress	**master**	tigress	**tiger**
princess	**prince**	empress	**emperor**
huntress	**hunter**	heroine	**hero**
cow	**bull**	poetess	**poet**

shepherdess	**shepherd**	authoress	**author**
aunt	**uncle**	madam	**sir**
niece	**nephew**	mare	**horse**

EXERCISE-7

(Page B-59)

Pick out the Direct and Indirect Objects in the sentences given below :

Subject	Predicate		
	Verb	**Indirect Obj.**	**Direct Obj.**
1. Sohan	gave	me	a book.
2. I	lent	him	my bicycle.
3. Mr. Sharma	teaches	me	English.
4. The teacher	gave	me	a good advice.
5. I	gave	him	my address.
6. He	offered	me	a seat.
7. They	showed	us	no sympathy.
8. The principal	granted	me	a scholarship.

EXERCISE-8

(Page B-59)

Pick out the Nouns in the following sentences and point out their functions (cases) :

1. Mohan - Nominative case
2. The boys - Nominative case work Obj. case
3. Hari's - Possessive case, (use of apostrophe)
4. Maya - Nominative case, Seema, pen Obj. case
5. Father - Nominative case, Binni, grammar Obj. case
6. Anshu - Nominative case, Book, Hemant Obj. case
7. Boys - Nominative case, mangoes Obj. case
8. Boys - Nominative of address

EXERCISE-9

(Page B-62)

Fill in the blanks with appropriate forms of *Pronouns* as directed :

1. **I** have completed my home work. (Personal)
2. She is knitting a sweater. I like **its** design. (Personal)
3. Ramesh has gone on a tour with **his** friends. (Personal)
4. I like the book **which** is interesting. (Relative)
5. The boy **who** plucked flower is my friend. (Relative)
6. Take the pen **which** you like. (Relative)
7. **Which** is the book of your liking? (Interrogative)
8. **Whom** do you teach in the evening? (Interrogative)
9. **Who** goes with you on morning walk? *(Interrogative)*
10. I have done my homework **myself**. (Reflexive/Emphatic)
11. He covered **himself** with a blanket. (Reflexive/Emphatic)
12. If you do this, you will hurt **yourself**. (Reflexive/Emphatic)
13. **One** can make mistake. (Indefinite)
14. **Some** are born great. (Indefinite)
15. **This** is the room which Sarla has been allotted. (Demonstrative)

EXERCISE-10

(Page B-67)

Point out the *Adjectives* and name the *Degree of Comparison* in the following sentences:

1. Prem Chand was the greatest story-writer of his age. **Superlative Degree**
2. Rama was more powerful than Ravana. **Comparative Degree**
3. Rohtak is farther from Delhi than Gurgaon. **Comparative Degree**
4. The Poor man had seen better days. **Comparative Degree**

5. The exterior wall of this house is made of stone. **Positive Degree**
6. Honour is dearer to him than his life. **Comparative Degree**
7. He is junior to all his colleagues. **Positive Degree**
8. A little knowledge is a dangerous thing. **Positive Degree**

EXERCISE-11 (Page B-67)

Supply *any/some/many/much* to fill the blank spaces in the following sentences :

1. He made **many** mistakes in his essay.
2. Is there **much** salt in the soup?
3. **Some** people escaped unhurt in the accident.
4. **Many** soldiers were killed in the war.
5. Don't make **any** noise here.
6. Is there **any** boy in the class now?
7. My father bought me **some** good books.
8. We don't get **any** time to play games.

EXERCISE-12 (Page B-67)

Fill in the blanks with correct *degree of the adjectives* given in brackets :

1. Your pen is **cheaper** than my pen. (cheap)
2. A lion is the **strongest** of all animals. (strong)
3. He is a very **clever** boy. (clever)
4. I don't like **costly** clothes. (costly)
5. This is the **most** interesting of all books. (much)
6. He is **worse** than others. (bad)
7. Which of the three brothers is the **youngest** ? (young)
8. He is the **richest** person in the village. (rich)

EXERCISE-13 (Page B-71)

Underline the *Adverbs* in the following sentences and write their kinds. Also pick out the *words they modify* :

	Kind of Adverb	Word they modify
1. He sings very sweetly.	**adverb of manner**	**sings**
2. She went there slowly.	**adverb of manner**	**went**
3. Anita laughed heartily.	**adverb of manner**	**laughed**
4. I can hardly do it.	**adverb of affirmation / negations**	**do**
5. I do my work regularly.	**adverb of manner**	**do**
6. This book is very interesting.	**adverb of degree / quantity**	**interesting**
7. He beat his servant severely.	**adverb of manner**	**beat**
8. I have never seen him here.	**adverb of number / frequency**	**seen**
9. She cannot run fast.	**adverb of manner**	**run**
10. He did well in the examination.	**adverb of manner**	**did**

EXERCISE-14 (Page B-71)

Fill in the blanks in the following sentences with the Adverbs : *'much'* or *'very'* :

1. The girls worked **much** harder than the boys.
2. We rose **very** early to finish the work.
3. The sea is **very** stormy today.
4. I hate him as he boasts too **much**.
5. She sings **very** loudly.
6. Is the message **very** urgent?
7. Your friend is **very** late.
8. We cannot wait for him **much** longer.
9. I can speak English **much** better than he.
10. The patient is **much** better today.

EXERCISE-15 (Page B-77)

Fill in the blanks with suitable *Prepositions* :

1. Lata has no doubt **about** her success.
2. We got no information **about** these daughter.
3. I have no need **of** these books.
4. He is responsible **for** this work.
5. My house is far **from** here.
6. She is proud **of** her beauty.
7. I am faithful **to** my master.
8. Savita is angry **with** me.

EXERCISE-16 (Page B-77)

Fill in the blanks with appropriate *Prepositions* from those given in the brackets :

1. The frog jumped **into** the well. (in/into)
2. There is no boy **in** the class. (in/into)
3. He lives **at** Khurja **in** Bulandshahar District. (in/at)
4. Please close the office **at** 6.30 p.m. (at/in)
5. The letter was carelessly typed **by** my secretary. (with/by)
6. The pit was dug **with** spades **by** two labourers. (with/by)

EXERCISE-17 (Page B-77)

Choose a suitable *Preposition* from those given in brackets and fill in the blanks in the sentences :

1. The thief jumped **off** the roof. (at, on, off)
2. I bought this pen **for** five rupees. (in, for, from)
3. Please look **at** the black-board. (at, on, in)
4. When we were tired, we rested **under** the shade of a tree. (under, in, below)
5. Please write your roll number **in** ink. (with, by, in)
6. The building was destroyed **by** fire. (with, by, in)
7. What time is it **by** your watch? (in, by, on)
8. Water boils **at** 100ºC. *(on, at, in)*
9. I am not **in** a hurry. I'll wait till you are ready. (with, in, of)
10. The house is **on** fire. Send for the Fire Brigade! (in, on, to)
11. I differ **with** him on this question. (from, with, in)
12. He is anxious **about** his son's result. (about, to, for)

EXERCISE-18 (Page B-79)

Fill in the blanks with suitable *Conjunctions* in the following sentences :

1. You are poor **but** you are honest.
2. Mohan is very rich **yet** he is not happy.
3. She took medicine **when** she was ill.
4. We will go to school **as** the rain stops.
5. Work hard **unless** you will fail.
6. She came to me **and** started weeping.
7. You can return the pen **or** pay its cost.
8. Ramesh was guilty **so** he was punished.
9. We shall not go **if** they call us.
10. You can take **either** a pen **or** a pencil.

EXERCISE-19 (Page B-80)

Join the following sentences using suitable *Conjunctions* :

1. He sells mangoes. He sells bananas.
   He sells mangoes and bananas.
2. I respect him. He is a learned man.
   I respect him for he is a learned man.

3. He was poor. He was honest.
   He was poor yet he was honest.
4. The boy is here. The girl is there.
   The boy is here but the girl is there.
5. I lost the prize. I tried my best.
   I tried my best but I lost the Prize.
6. I know. He is a wicked man.
   I know that he is a wicked man.
7. He must run fast. He will miss the bus.
   He must run fast otherwise he will miss the bus.
8. Sita dances well. Gita sings well.
   Sita dances well but Gita sings well.
9. The child fell down. It hurt itself.
   The child fell down and it hurt itself.
10. Everybody respects him. He is an honest person.
    Everybody respects him because he is an honest person.

EXERCISE-20 (Page B-81)

Fill in suitable *Interjections* in the following sentences :

1. Hello! What was she doing there?
2. Hurrah! He has survived the storm.
3. Ah! We have lost the match.
4. Hurrah! We have won the game.
5. Oh! Our leader is here.
6. Hello! Don't make a noise.
7. Hush! I can hear someone coming.
8. Bravo! What a six!
9. Oh! What a beautiful scenery it is!
10. Ah! I have hurt myself.

EXERCISE-21 (Page B-81)

Choose the correct *Interjection* from those given in brackets to fill in the blanks in each of the following sentences :

1. Hurrah! Our team has won the match. (Alas/Hurrah)
2. Alas! She has died so young. (Hurrah/Alas)
3. Oh!What a horrible sight. (Ah/Oh)
4. Bravo!A good deed indeed. (Bravo/Fie)
5. Ugh!How hot it is. (Ugh/Bravo)
6. What!Has he taken to begging? (Why/What)
7. Ah!My mother has died. (Ah/Oh)
8. Bravo!I praise your performance. (Well done/Bravo)
9. What!Your brother has failed. *(What/How)*
10. Hello!What are you doing here? (Hello/Look)

EXERCISE-22 (Page B-84)

Fill in the blanks with suitable *article– a*, *an* or *the* :

1. I came without **an** umbrella.
2. **The** dog is **a** faithful animal.
3. My brother is **an** I.A.S. officer.
4. They will reach there in **an** hour.
5. Sanjeev became **an** actor.
6. He is **the** best player in our team.
7. I know **the** man who has stolen my pen.
8. **The** rich should be kind.

9. There is **a** hospital in my village.
10. My son studies in **a** university.
11. Karim is **an** honest boy.
12. I bought **an** umbrella last week.
13. **The** lion is **the** king of beasts.
14. Is there **a** hospital in your village?
15. Everyone respects **an** honest man.

11. Direct and Indirect Speech

EXERCISE-1 **(Page B-86)**

Change the following sentences into *Indirect Speech* :

1. Hari says, "Gopal is very fat."
   Hari says that Gopal is very fat.
2. Mira will say, "Vina will help Hari."
   Mira will say that Vina will help Hari.
3. Rama says, "The sun is rising in the east."
   Rama says that the sun is rising in the east.
4. Govind says to Gopal, "Mohan bathed in the river."
   Govind tells Gopal that Mohan bathed in the river.
5. My father will say to me, "A good boy should speak the truth."
   My father will tell me that a good boy should speak the truth.
6. He says to Abdul, "The tea is very hot."
   He tells Abdul that the tea is very hot.
7. Mira says to Vina, "Kamal sold a horse."
   Mira tells Vina that Kamal sold a horse.
8. My mother will say to him, "The teacher has become old."
   My mother will tell him that the teacher has become old.

EXERCISE-2 **(Page B-91)**

Change the following sentences into *Indirect speech* :

1. He said, "Mohan is ill."
   He said that Mohan was ill.
2. She said, "The teacher is writing a letter."
   She said that the teacher was writing a letter.
3. Rama said to Mohan, "Gita has done the work."
   Rama told Mohan that Gita had done the work.
4. He said to me, "Hari played well."
   He told me that Hari had played well.
5. She said to you, "The teacher was going to Meerut."
   She told you that the teacher had been going to Meerut.
6. Govind said, "Rama will write a letter soon."
   Govind said that Rama would write a letter soon.
7. I said, "The boy must obey the teacher."
   I said that the boy must obey the teacher.
8. Raju said to his brothers, "The servant should go there."
   Raju told his brothers that the servant should go there.
9. The teacher said to the boys, "The earth is round."
   The teacher told the boys that the earth is round.
10. My father said to me, "The sun rises in the east."
    My father told me that the sun rises in the east.

EXERCISE-3 (Page B-91)

Change the following sentences into *Indirect Narration* :

1. Mohan said to the beggar, "How are you?"
   Mohan asked the beggar how he was.
2. Rama said to Vimla, "Which is your cycle?"
   Rama asked Vimla which her Cycle was.
3. The teacher said to the boy, "What do you say now?"
   The teacher asked the boy what he said then.
4. My father said to my sister, "Where do you like to go?"
   My father asked my sister where she liked to go.
5. "What do you want?" he said to her.
   He asked her what she wanted.
6. Rama said to Gopal, "How did you pass last year?"
   Rama asked Gopal how he had passed the previous year.
7. "Where do you live?" asked Hari.
   Hari asked where he lived.
8. "Boy, what are you doing?" said Mr Rastogi.
   Mr. Rastogi asked the boy what he was doing.
9. "Is your father a doctor?" He said to me.
   He asked me if my father was a doctor.
10. "Have they ever gone to watch a movie?" The teacher said to him.
    The teacher asked him if they had ever gone to watch a movie.

EXERCISE-4 (Page B-93)

Change the following sentences into *Indirect speech* :

1. The beggar said to the lady, "Please give me a one rupee coin."
   The beggar requested the lady to give him a one rupee coin.
2. The teacher said, "Boys, stand up on the bench."
   The teacher ordered the boys to stand up on the bench.
3. The nurse said, "Please, speak low."
   The nurse requested to speak low.
4. The gardener said, "Do not pluck flowers."
   The gardener forbade them to pluck flowers.
5. The mother said to her sons, "Do not quarrel with each other."
   The mother advised her sons not to quarrel with each other.
6. I said to her, "Please sing me a song."
   I requested her to sing me a song.
7. My father said, "Please bring me a cup of tea."
   My father requested to bring him a cup of tea.
8. He said, "Go and call the doctor."
   He advised to go and call the doctor.

EXERCISE-5 (Page B-94)

Report the following in *Indirect Speech* :

1. Rama said to me, "Let us go out for a walk."
   Rama suggested me that we / they should go out for a walk.
2. He said, "Let us sleep now."
   He suggested that we / they should sleep then.
3. He shouted, "Let me go."
   He shouted to let him go.
4. He said, "Let us wait for the award."
   He suggested that they should wait for the award.
5. The two cats cried, "Let the case be closed."
   The two cats cried that the case should be closed.

6. The captain said, "Let us enter the field one by one."
   The captain suggested that they should enter the field one by one.
7. He said to me, "Let us learn our lessons."
   He suggested me that we / they should learn their lesson.
8. I said to him, "Let us do the work now."
   I proposed him that we should do the work then.

EXERCISE-6 **(Page B-94)**

Change the following into *Indirect speech* :

1. The judge said, "What a great crime!"
   The judge exclaimed that it was a great crime.
2. The people said, "Alas! you are robbed."
   The People exclaimed with sorrow that he was robbed.
3. The teacher said, "Hurrah! you have topped the merit list."
   The teacher exclaimed with joy that he had topped the merit list.
4. My son said, "Father, good morning."
   My son wished father good morning.
5. The father said to his son, "May you prosper."
   The father wished his son that he might prosper.
6. The captain said, "Bravo! well done."
   The captain praised that he had done well.
7. The people said, "Ah! you have won the lottery."
   The people praised that he had won the lottery.
8. She said, "How nice the coffee is!"
   She exclaimed that the coffee was very nice.

EXERCISE-7 **(Page B-95)**

Change the following sentences into *Indirect speech* :

1. Reena said to me, "May you live long!"
   Reena prayed that I might live long.
2. He said to me, "Would that you have been to me!"
   He wished that I had been to him.
3. She said to the teacher, "Good morning, sir!"
   She respectfully bade the teacher good morning.
4. He said to Sarita, "May you pass your examination!"
   He wished Sarita that she might pass her examination.
5. The speaker said, "Good morning, friends!"
   The speaker bade his friend good morning.
6. The girl said, "Good night, Mummy!"
   The girl bade her mother good night.
7. Raju shouted, "Go to hell!"
   Raju cursed (him) to go to hell.
8. The poor man said, "Would that I were rich!"
   The poor man wished that he had been rich.

12. Word-Formation

EXERCISE-1 **(Page B-106)**

Make *Nouns* from the words given below :

1. sell, clothe, speak, grieve, choose, advise
   sale, cloth, speech, grief, choice, advice
2. inimical, airy, nervous, childish, secret, proud
   inimicalness, airiness, nervousness, childishness, secrecy, pride

3. rob, live, give, revise, repeat, believe
   robbery, liveliness, giver, revision, repetition, belief.
4. refuse, agree, hard, confuse, fulfil, depend
   refusal, agreement, hardness, confusion, fulfilment, dependence
5. appear, decide, preside, succeed, sell, establish
   appearance, decision, president, success, sale, establishment
6. beg, bury, enter, equal, mix, develop
   beggar, burial, entrance, equality, mixture, development

EXERCISE-2 **(Page B-106)**

Make *Adjectives* from the words given below :

1. ease, value, purity, origin, person, worth
   easy, valuable, pure, original, personal , worthy
2. nation, hunger, storm, memory, air
   national, hungry, stormy, memorable, airy
3. adventure, poverty, innocence, centre, terror
   adventurous, poor, innocent, central, terrified
4. pain, gold, noise, beauty, fool, wealth
   painful, golden, noisy, beautiful, foolish, wealthy

EXERCISE-3 **(Page B-106)**

Make *Verbs* from the words given below :

1. able, clear, dark, false, just, large, popular
   enable, clarify, darken, falsen, justify, enlarge, popularise
2. advice, bath, belief, pure, safe, strong, wide
   advise , bathe, believe, purify, safeguard, strengthen, widen
3. breath, cloth, courage, glory, light, sure
   breathe, clothe, encourage, glorify, lighten, ensure
4. glad, height, practice, sale, service, sympathy, system
   gladden ,heighten, practise, sell, serve, sympathize, systematize

13. Punctuation and Spellings

EXERCISE-1 **(Page B-110)**

Use Capital letters where necessary and punctuate the following :

1. sit down boys said the teacher.
   "Sit down boys", said the teacher.
2. i said to raju i will go to Lucknow tomorrow.
   I said to Raju, "I will go to Lucknow tomorrow."
3. during our journey to delhi we slept read and played card.
   During our journey to Delhi, we slept, read and played card.
4. come along my friends the leader said to join the procession.
   "Come along my friends", the leader said to join the procession.
5. urmila said aunty may i take your saree i have to show it to my friend.
   Urmila said," Aunty, may I take your saree, I have to show it to my friend."
6. work hard the teacher said if you wish to pass the examination
   "Work hard, "if you wish to pass the examination the teacher said. "
7. ahmad said to the teacher may i come in sir.
   Ahmad said to the teacher, "May I come in sir?"
8. his uncle said to me may i know your name.
   His uncle said to me, "May I know your name?"
9. all people rich and poor high and low young and old celebrate diwali.
   All people rich and poor, high and low, young and old celebrate Diwali.

10. what is your name asked my senior i replied my name is amit.
    "What is your name?" asked my senior. I replied, "My name is Amit."
11. is this your final decision asked ramesh.
    "Is this your final decision?" asked Ramesh.
12. I am afraid i cannot change my decision said alok.
    "I am afraid, I cannot change my decision." said Alok.
13. anu said uncle may we come in i have a friend with me.
    Anu said, "Uncle, may we come in? I have a friend with me."
14. is this your final decision asked harish yes i cannot change my decision said girish.
    "Is this your final decision?"asked Harish. "Yes I cannot change my decision, " said Girish.
15. archana said to her father, will you buy me a new dress, her father replied no you will get a new dress on your next birthday
    Archana said to her father, "Will you buy me a new dress?" Her father replied, "No, you will get a new dress on your next birthday."
16. anu said uncle may we come in no i am very busy reading the ramayana at present replied the uncle
    Anu said, "Uncle, may we come in?" "No, I am very busy reading the Ramayana at present", replied the uncle.
17. he said dont worry i will help you tomorrow.
    He said, "Don't worry, I will help you tomorrow."
18. urmila said may i come in i have a couple of friends with me.
    Urmila said, "May I come in? I have a couple of friends with me."
19. the principal said to mukesh congratulations you have stood first in the class.
    The principal said to Mukesh, "Congratulations! You have stood first in the class."
20. is this your final decision asked ranjit i cannot change my decision said ankit.
    "Is this your final decision?"asked Ranjit. "I cannot change my decision," said Ankit.
21. anu said may i come in i have an urgent piece of work with you.
    Anu said, "May I come in? I have an urgent piece of work with you."
22. is this your ultimate decision asked my father yes i cannot make any alteration said i.
    "Is this your ultimate decision?" asked my father. "Yes, I cannot make any alteration, "said I.
23. he said to me please give me five rupees i am very hungry
    He said to me, "Please , give me five rupees, I am very hungry."
24. jawaharlal Nehru the first prime minister of free india was loved admired and honoured by everybody.
    Jawaharlal Nehru, the first Prime Minister of free India was loved, admired and honoured by everyone.
25. chandragupta was assisted by an old wise brahmin named kautilya.
    Chandragupta was assisted by an old wise Brahmin named Kautilya.
26. akbar was born at amarkot when he became king he made bairam khan his guardian he defeated hemu the famous general of adil shah.
    Akbar was born at Amarkot. When he became king, he made Bairam Khan his guardian. He defeated Hemu, the famous general of Adil Shah.
27. what a piece of work is man how noble in reason how infinite in faculties and action how nice like an angel.
    What a piece of work is man! How noble in reason! How infinite in faculties and action! How nice! like an angel.
28. as caesar loved me i wept for him but as he was ambitious i slew him.
    As Caesar loved me, I wept for him but as he was ambitious, I slew him.
29. you can not sit here alone said mother to her daughter come out or i shall beat you baby.
    "You cannot sit here alone", said mother to her daughter, "Come out or I shall beat you, baby."
30. he is in fact a very obedient hard working and intelligent boy.
    He is, in fact, a very obedient, hard-working and intelligent boy.

EXERCISE-2 **(Page B-113)**

1. **Add -ing to the following words :**

ask, do, sing, earn, bind, find, act, help, give, take, arise, bite, hide, bathe, become, come, rise, write, run, bid, beg, sit, win, begin, dig, get, swim, put, open, know, blow, throw, answer, gather, water, enter, suffer, pay, say, prey, obey, employ, buy, see.

asking	**doing**	**singing**	**earning**	**binding**
finding	**acting**	**helping**	**giving**	**taking**
arising	**biting**	**hiding**	**bathing**	**becoming**
coming	**rising**	**writing**	**running**	**bidding**
begging	**sitting**	**winning**	**beginning**	**digging**
getting	**swimming**	**putting**	**opening**	**knowing**
blowing	**throwing**	**answering**	**gathering**	**watering**
entering	**suffering**	**paying**	**saying**	**preying**
obeying	**employing**	**buying**	**seeing**	

2. **Write down the Past Tense of the following words :**

arise, bathe, shine, begin, earn, blow, prevent, sit, ask, speak, show, gather, enter, hate, bear, help, break, jump, buy, read, cut, set, kneel, write, run, learn, see, compare, send, praise, sing, punish, sleep, spend, advise, steal, prove, stop, cry, seem.

arose	**bathed**	**shone**	**began**	**earned**
blew	**prevented**	**sat**	**asked**	**spoke**
showed	**gathered**	**entered**	**hated**	**bore-helped**
broke	**jumped**	**bought**	**read**	**cut**
set	**knelt**	**wrote**	**ran**	**learned**
saw	**compared**	**sent**	**praised**	**sang**
punished	**slept**	**spent**	**advised**	**stole**
proved	**stopped**	**cried**	**seemed**	

3. **Rewrite each of the following words by adding the Suffix -ing or -ed :**

give, tie, stop, swim, rise, make, lie, shed, run, admit, begin, agree, fight, praise, permit, beg, travel, occur, carry, hurry, pity.

giving	**tied**	**stopped**	**swimming**	**rising**
making	**lying**	**shedding**	**running**	**admitting**
beginning	**agreed**	**fighting**	**praised**	**permitted**
begged	**travelled**	**occurred**	**carried**	**hurried**
pitied				

4. **Fill the suitable letters to complete the following :**

v**a**lu**a**ble	rec**ie**ve	fi**e**ld
fun**ct**ion	r**ea**son	mosq**ui**to
qu**ar**rel	prin**cess**	ign**o**r**a**nce
a**l**mi**r**ah	att**e**nt**i**on	h**o**rr**i**ble
neces**sa**ry	m**i**nist**e**r	medi**ci**ne
d**i**v**i**sion	dec**ei**ve	sh**e**ph**e**rd
dict**i**on**a**ry	spar**ro**w	misch**ie**f

5. **Complete the following words with-ance or-ence :**

assist**ance**	confid**ence**	sil**ence**
exp**ence**	susp**ence**	refer**ence**
guid**ance**	attend**ance**	def**ence**
ignor**ance**	lic**ence**	differ**ence**
dist**ance**	**tense**	entr**ance**
audi**ence**	sci**ence**	adv**ance**

6. Fill in the blanks in each of the following words with-ie or ei :

bel**ie**f	ach**ie**ve	c**ei**ling
f**ie**ld	r**ei**gn	n**ei**ghbour
th**ie**f	rec**ei**ve	y**ie**ld
fr**ie**nd	sover**ei**gn	anc**ie**nt
rec**ei**pt	for**ei**gn	gr**ie**f

7. Write the correct spelling of the following pair of words :

Beginning	Almighty	farewell
always	useful	joyous
putting	grievous	illwill
glorious	vicious	winning
illness	welfare	well being
goodwill		

8. Add '*ment*' at the end of the following words :

accomplish, achieve, amuse, judge, acknowledge, confine, punish, arrange, advertise, argue, better, agree, attach, conceal, manage, move, nourish, excite, banish.

accomplishment	**achievement**	**amusement**
judgement	**acknowledgment**	**confinement**
punishment	**arrangement**	**advertisement**
argument	**betterment**	**agreement**
attachment	**concealment**	**management**
movement	**nourishment**	**excitement**
banishment		

9. Add 'ness' whenever is suitable at the end of the following words and also make necessary changes :

busy, fresh, dry, forgive, ready, glad, care, harm, law, quick, need, sleep, frank, worth, thought, rough, red, help, cease, great, ugly, weak, sweet, sad, life, mercy, number, lazy, calm, cold, holy, fruit, hope, use.

Business	**freshness**	**dryness**	**forgiveness**
readiness	**gladness**	**care**	**harm**
law	**quickness**	**need**	**sleepiness**
frankness	**worthiness**	**thought**	**roughness**
redness	**help**	**cease**	**greatness**
ugliness	**weakness**	**sweetness**	**sadness**
life	**mercy**	**number**	**laziness**
calmness	**coldness**	**holiness**	**fruitiness**
hope	**use**		

EXERCISE-3

(Page B-114)

1. Add-tion or-sion, whichever is correct, to the following :

ac**tion**	add**ition**	admis**sion**
affec**tion**	associa**tion**	atten**tion**
colli**sion**	compul**sion**	concess**ion**
dimen**sion**	direc**tion**	inten**tion**
occa**sion**	possess**ion**	profess**ion**

2. Add -able to the following words :

favour	: **favourable**	deplore	: **deplorable**	profit	: **profitable**
know	: **knowable**	stop	: **stoppable**	move	: **movable**

3. Add a suitable Prefix to the following from de, dis, be, im, un :

able	: **disable**	appear	: **disappear**	come	: **become**
favourable	: **unfavourable**	fool	: **befool**	part	: **impart**
polite	: **impolite**	prison	: **imprison**		

UNIT-II : TRANSLATION

1. Use of Is, Am, Are, Was, Were, Will, Shall

EXERCISE-1 **(Page B-115)**

Translate the following sentences into English :

1. मैं सुखी हूँ। 2. वह अच्छा नहीं है। 3. नेहा के पिताजी बीमार हैं। 4. अमित गूँगा नहीं है। 5. आम खट्टे हैं। 6. आप भारतीय नहीं हैं। 7. क्या बीना की बहन झगड़ालू नहीं है? 8. क्या ऐश्वर्य और पूनम बीमार हैं? 9. क्या भिखारी भूखा है? 10. डॉक्टर इतना खुश क्यों हैं?

1. I am happy.
2. He is not good.
3. Neha's father is ill.
4. Amit is not dumb.
5. The mangoes are sour.
6. You are not Indian.
7. Is Bina's sister not quarrelsome ?
8. Are Aishwarya and Poonam ill?
9. Is the beggar hungry?
10. Why is the doctor so happy?

EXERCISE-2 **(Page B-116)**

Translate the following sentences into English :

1. तुम दुकानदार नहीं थे। 2. गौरव और करन वहाँ पर थे। 3. यह एक अफवाह नहीं थी। 4. माताजी घर पर थीं। 5. वह सख्त-दिल राजा नहीं था। 6. क्लर्क आलसी नहीं था। 7. मगरमच्छ नदी में था। 8. क्या गीता का भाई अनपढ़ था? 9. क्या वह प्रसिद्ध कवि था? 10. क्या उसके दाँत साफ थे?

1. You were not shopkeeper.
2. Gaurav and Karan were there.
3. It was not a rumour.
4. Mother was at home.
5. He was not a hard-hearted king.
6. The clerk was not lazy.
7. The crocodile was in the river.
8. Was Geeta's brother illiterate?
9. Was he a famous poet?
10. Were his teeth clean?

EXERCISE-3 **(Page B-116)**

Translate the following sentences into English :

1. मैं अपने मित्रों के साथ कॉलिज की सभा में हूँगा। 2. पिताजी देर तक अपने कार्यालय में होंगे। 3. तुम कल मेरे साथ कानपुर में होंगे। 4. सभा शाम तक समाप्त होगी। 5. एक दिन तुम्हारा सबसे छोटा पुत्र मुकेश इंजीनियर अवश्य होगा। 6. तुम्हारा पुत्र इस समय अपने ऑफिस में नहीं होगा। 7. महेन्द्र इस समय दुकान पर नहीं होगा। 8. चपरासी अब कहाँ होगा? 9. क्या उसका पुत्र इंजीनियर होगा? 10. वे कब नाराज नहीं होंगे?

1. I shall be in the college assembly with my friends.
2. Father will be in his office for long.
3. Tomorrow you will be with me in Kanpur.
4. The meeting will end by evening.
5. One day your youngest son Mukesh will definitely be an engineer.
6. Your son will not be in his office at this time.
7. Mahendra will not be at the shop at this time.
8. Where will the peon be now?
9. Will his son be an engineer?
10. When will they not be angry?

2. Imperative Sentences

EXERCISE **(Page B-117)**

Translate the following sentences into English :

1. खिड़कियाँ खोलिए। 2. कृपया आराम से बैठिए। 3. कृपया मेरी सहायता कीजिए। 4. अब मुझे परेशान मत कीजिए। 5. बुजुर्गों का

तिरस्कार मत कीजिए। 6. बाईं ओर चलिए। 7. सड़क के बीच में खड़े मत होइए। 8. सड़क पर दाहिनी ओर मत चलो। 9. शांत रहिए। 10. गरीबों की सहायता कीजिए।

1. Open the window.
2. Please sit comfortably.
3. Please help me.
4. Don't disturb me now.
5. Don't insult the elders.
6. Walk to the left.
7. Don't stand in the middle of the road.
8. Don't walk to the right side of the road.
9. Keep quite.
10. Help the poor.

3. Use of Has, Have and Had

EXERCISE-1 **(Page B-119)**

Translate the following sentences into English :

1. मेरे पास एक स्कूटर है। 2. शीला के पास एक रेडियो है। 3. मीरा के पास कोई पुस्तक नहीं है। 4. रमेश के पास एक वाशिंग मशीन थी। 5. विजय के पास कूलर नहीं था। 6. कल मेरे पास पचास रुपए थे। 7. हिमानी के पास परसों अलार्म घड़ी नहीं थी। 8. क्या तुम्हारे पास कार नहीं है? 9. क्या जेम्स के पास बाइबिल नहीं थी? 10. क्या तुम्हारे पास कोई बंदूक नहीं होगी? 11. कल इस लड़के के पास कापी क्यों नहीं होंगी? 12. इस सुनार के पास हथौड़ा कब था?

1. I have a scooter.
2. Sheela has a radio.
3. Mira doesn't have any book.
4. Ramesh had a washing machine.
5. Vijya did not have a cooler.
6. I had fifty rupees yesterday.
7. Himani didn't have alarm clock the day before yesterday.
8. Don't you have a car?
9. Did James not have Bible?
10. Will you not have any gun?
11. Why will this boy not have exercise books tomorrow?
12. When did this goldsmith have a hammer?

EXERCISE-2 **(Page B-120)**

Translate the following sentences into English :

1. यह जनवरी का महीना है। 2. लगता है आज आकाश साफ रहेगा। 3. आज रात अँधेरी थी। 4. उस समय बारह बजे थे। 5. अब गाड़ी पकड़ना कठिन है। 6. संगीत सीखना सरल नहीं है। 7. आज हवा नहीं चल रही है। 8. क्या आज ठंड है? 9. क्या कल वर्षा नहीं हुई? 10. क्या आज मंगलवार है?

1. It is the month of January.
2. It seems the sky will be clear today.
3. It was dark to night.
4. It was 12 O' clock at that time.
5. It is difficult to catch the train now.
6. It is not easy to learn the music.
7. The wind is not blowing today.
8. Is it cold today?
9. Did it not rain yesterday?
10. Is it Tuesday today?

4. Use of Articles

EXERCISE **(Page B-122)**

Translate the following sentences into English :

1. गुलाब सबसे सुंदर फूल है। 2. मोर एक पक्षी होता है। 3. कुत्ता एक वफादार जानवर होता है। 4. मेरे पिताजी आज सिनेमा जाएँगे। 5. बाइबिल ईसाइयों की धार्मिक पुस्तक है। 6. मैं आपकी एक घंटे से प्रतीक्षा कर रहा हूँ। 7. एक नवयुवक सड़क पर दौड़ रहा था। 8. उसके पास एक कार है। 9. मि० शर्मा इंजीनियर हैं। 10. मैंने आज एक फ्रिज खरीदा।

1. The rose is the most beautiful flower.
2. The peacock is a bird.
3. The dog is a faithful animal.
4. My father will go to the cinema today.
5. The Bible is a holy book of the Christians.
6. I have been waiting for you for an hour.
7. A young man was running on the road.
8. He has a car.
9. Mr. Sharma is an engineer.
10. I bought a refrigerator today.

5. Habitual Actions

EXERCISE **(Page B-123)**

Translate the following sentences into English :

1. तोते आकाश में उड़ा करते हैं। 2. बैल घास खाया करते हैं। 3. मनुष्य दिन में काम किया करते हैं। 4. मुसलमान रमजान में रोजा रखा करते हैं। 5. हिन्दू मंदिर में पूजा किया करते हैं। 6. ईसाई रविवार को चर्च जाया करते हैं। 7. कुत्ते अपरिचित व्यक्तियों को देखकर भौंका करते हैं। 8. पिछले वर्ष मैं प्रतिदिन शतरंज खेला करता था। 9. पिताजी कुछ वर्ष पहले हमें अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाया करते थे। 10. हमारे बड़े भाई साहब दिन में नहीं सोया करते थे।

1. Parrots fly in the sky.
2. Oxen eat grass.
3. Men do work in the day.
4. Muslims keep fast in Ramjan.
5. Hindus worship in the temple.
6. Christians go to church on Sunday.
7. Dogs bark at strangers.
8. Last year I used to play chess everyday.
9. Father used to teach us English before some years.
10. Our elder brother did not use to sleep in the day.

6. Use of There

EXERCISE **(Page B-124)**

Translate the following sentences into English :

1. हमारे परिवार में छः सदस्य हैं। 2. इस महल में एक सुंदर राजकुमारी थी। 3. क्या बस में चालीस यात्री थे? 4. क्या उसके घर में दो बिल्लियाँ हैं? 5. मेरे बाग में फल के पेड़ नहीं हैं। 6. उसकी जेब में बहुत से नोट थे। 7. भीड़ में कोई महिला नहीं थी। 8. बैंक में कोई चपरासी क्यों नहीं था? 9. टोकरी में कितने सेब हैं? 10. इस गिलास में थोड़ा दूध है।

1. There are six members in my family.
2. There was a beautiful princess in this palace.
3. Were there forty travellers in the bus?
4. Are there two cats in his house?
5. There are no fruit-trees in my orchard.
6. There were many notes in his pocket.
7. There was no woman in the crowd.
8. Why was there no peon in the bank?
9. How many apples are there in the basket?
10. There is a little milk in this glass.

7. Exclamations and Wishes

EXERCISE **(Page B-127)**

Translate the following sentences into English :

1. दिन कितना सुहावना है! 2. मौसम कितना ठंडा है! 3. उसने कितना बुरा व्यवहार किया है! 4. आह! उसका सर्वनाश हो गया है! 5. ईश्वर हमारे प्रधानमंत्री की रक्षा करें! 6. ईश्वर करे आप जीवन में सफल हों! 7. मेरी इच्छा है कि मैं इस समय दिल्ली में होता! 8. आह! हमारे शत्रु बहुत अधिक शक्तिशाली हैं। 9. मेरी इच्छा है कि मैं नेता होता! 10. क्या ही अच्छा होता कि मैंने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दिया होता!

1. How pleasant the day is!
2. How cold the weather is!
3. How badly he has behaved!
4. Alas! He has been ruined.
5. God save our Prime Minister!
6. God make you successful in life.
   or May God wish you success in life.
7. I wish I were in Delhi at this time!
8. Alas! Our enemies are very strong!
9. I wish I were a leader!
10. Would that I focused on children's education.

8. Indefinite Tense

EXERCISE-1 **(Page B-127)**

Translate the following sentences into English :

1. वे प्रतिदिन विद्यालय जाते हैं। 2. श्री नितिन जैन हमें गणित पढ़ाते हैं। 3. कुत्ते रात को भौंकते हैं। 4. सूर्य पूरब में निकलता है। 5. तुम उसको भली प्रकार जानते हो। 6. दो और तीन पाँच होते हैं। 7. रमेश कभी झूठ नहीं बोलता है। 8. अच्छे लड़के कक्षा में शोर

नहीं मचाते हैं। 9. तुम्हारी घड़ी ठीक समय नहीं देती है। 10. वह रात को खाना नहीं खाता है।

1. They go to school daily.
2. Mr. Nitin Jain teaches us Maths.
3. Dogs bark at night.
4. The sun rises in the east.
5. You know him very well.
6. Two and three make five.
7. Ramesh never tells a lie.
8. Good boys do not make a noise in the class.
9. Your watch doesn't tell accurate time.
10. He doesn't eat food at night.

EXERCISE-2 (Page B-127)

Translate the following sentences into English :

1. क्या तुम अपने नौकर को प्रतिदिन पीटते हो? 2. क्या ये लड़के अपना कार्य ठीक प्रकार से करते हैं? 3. क्या यह सुनार अच्छी अंगूठियाँ बनाता है? 4. क्या तुम अपनी छोटी बहन को अंग्रेजी पढ़ाते हो? 5. ऐसा कौन कहता है? 6. तुम किससे बात करना चाहते हो? 7. तुम किसकी पुस्तकें प्रतिदिन लाते हो? 8. तुम किसके साथ पढ़ना चाहते हो? 9. क्या तुम मुझे अंग्रेजी नहीं पढ़ाते? 10. वह आजकल कहाँ सोती है?

1. Do you beat your servant daily?
2. Do these boys do their work properly?
3. Does this goldsmith make good rings?
4. Do you teach English to your younger sister?
5. Who says this?
6. Whom do you want to talk to?
7. Whose books do you bring everyday?
8. With whom do you want to study?
9. Do you not teach me English?
10. Where does she sleeps now a days?

EXERCISE-3 (Page B-128)

Translate the following sentences into English :

1. वह कल मेरे पास आया था। 2. बच्चे ने शीशा तोड़ दिया। 3. मैंने उससे ₹100 उधार लिए। 4. हम इस मैदान में हॉकी खेला करते थे। 5. माताजी ने कल मेहमानों के लिए खाना नहीं बनाया। 6. पिताजी ने कल मुझे ₹5 नहीं दिए। 7. किसान ने आज बारिश के कारण अपना खेत नहीं जोता। 8. शिकारी ने हिरन का पीछा नहीं किया। 9. क्या कल रात मोहन यहाँ सोया था? 10. क्या इन लड़कियों ने सुबह के समय गंगाजी में स्नान नहीं किया था? 11. क्या तुम कल क्रिकेट खेलना चाहते थे? 12. क्या शिकारी ने पाँच खरगोश नहीं पकड़े थे? 13. तुम्हें संस्कृत किसने पढ़ाई थी? 14. तुम बाजार कब गए थे?

1. He came to me yesterday.
2. The child broke the mirror.
3. I borrowed one hundred rupees from him.
4. We used to play hockey in this field.
5. Mother did not cook food for the guests yesterday.
6. Father did not give me five rupees yesterday.
7. The farmer did not plough his field on account of raining.
8. The hunter did not follow the deer.
9. Did Mohan sleep here last night?
10. Did these girls not take a bath in the Ganga in the morning?
11. Did you want to play cricket yesterday?
12. Did the hunter not catch five rabbits?
13. Who taught you Sanskrit?
14. When did you go to market?

EXERCISE-4 (Page B-129)

Translate the following into English :

1. कल वह मंदिर जाएगी। 2. नौकर कपड़े धोएगा। 3. वे बाजार जाएँगे। 4. कविता अपनी पुस्तक पढ़ेगी। 5. माली पौधों को पानी नहीं देगा। 6. कल वर्षा नहीं होगी। 7. वह मकान खाली नहीं करेगा। 8. वकील साहब आज अदालत में नहीं जाएँगे। 9. क्या बच्चा दूध नहीं पिएगा? 10. क्या राकेश अपने भाई को पढ़ाएगा?

1. She will go to the temple tomorrow.
2. The servant will wash clothes.
3. They will go to market.
4. Kavita will read her book.
5. The gardener will not water the plants.
6. It will not rain tomorrow.

7. He will not vacate the house.
8. The advocate will not go to the court today.
9. Will the child not drink the milk?
10. Will Rakesh teach his brother?

9. Continuous Tense

EXERCISE-1 **(Page B-130)**

Translate the following into English :

1. शीला अपनी पुस्तक पढ़ रही है। 2. तुम अपना पाठ याद कर रहे हो। 3. वायुयान आकाश में उड़ रहा है। 4. सूर्य पूरब में निकल रहा है। 5. चाँद पश्चिम में छिप रहा है। 6. तुम्हारे भाई स्नान नहीं कर रहे हैं? 7. माताजी इस समय खाना नहीं बना रही हैं। 8. मैं अब समाचार-पत्र नहीं पढ़ रहा हूँ। 9. अब बारिश नहीं हो रही है। 10. अब तेज हवा नहीं चल रही है। 11. क्या तुम आज बाजार जा रहे हो? 12. वे अब स्टेशन क्यों नहीं जा रहे हैं? 13. क्या माताजी तुम्हें अंग्रेजी पढ़ा रही हैं? 14. तुम्हारे बड़े भाई नुमाइश देखने कहाँ जा रहे हैं? 15. तुम इस बच्चे को क्यों पीट रहे हो?

1. Sheela is reading her book.
2. You are learning your lesson.
3. The aeroplane is flying in the sky.
4. The sun is rising in the east.
5. The moon is setting in the west.
6. Your brothers are not bathing.
7. Mother is not cooking food at this time.
8. I am not reading the newspaper now.
9. It is not raining now.
10. The wind is not blowing now.
11. Are you going to market today?
12. Why are they not going to the station now?
13. Is mother teaching you English?
14. Where are your elder brother going to see the exhibition?
15. Why are you beating this child?

EXERCISE-2 **(Page B-132)**

Translate the following into English :

1. विद्यार्थी कक्षा में पढ़ रहे थे। 2. वह गाँव को पैदल जा रहा था। 3. मेरा भाई समाचार-पत्र पढ़ रहा था। 4. तुम्हारी बहन खाना बना रही थी। 5. मैं अपना काम नहीं कर रहा था। 6. बच्चे नहीं खेल रहे थे। 7. वे अपने कपड़े नहीं धो रहे थे। 8. दर्जी हमारे कपड़े नहीं सी रहा था। 9. वह गंगा में कब नहा रहा था? 10. सड़क पर कौन दौड़ रहा था? 11. क्या सूर्य पूरब में निकल रहा था? 12. क्या तुम कल धूम्रपान कर रहे थे?

1. The students were studying in the class.
2. He was going to village on foot.
3. My brother was reading the newspaper.
4. Your sister was cooking the food.
5. I was not doing my work.
6. The children were not playing.
7. They were not washing their clothes.
8. The tailor was not sewing our clothes.
9. When was he bathing in the Ganga?
10. Who was running on the road?
11. Was the sun rising in the east?
12. Were you smoking yesterday?

EXERCISE-3 **(Page B-133)**

Translate the following into English :

1. हम कल इस समय फुटबाल खेल रहे होंगे। 2. मैं कल दोपहर से पहले गंगाजी में स्नान करता रहूँगा। 3. वे कल शाम आगरा से मथुरा जा रहे होंगे। 4. हम अगले वर्ष अपने नए मकान में रह रहे होंगे। 5. रशीद कल मंगल बाजार में फर्नीचर की मरम्मत नहीं कर रहा होगा। 6. सूर्य कल इस समय नहीं चमक रहा होगा। 7. चाँद आज रात को नहीं निकल रहा होगा। 8. कुछ लड़के पार्क में मटरगश्ती नहीं कर रहे होंगे। 9. राम का भाई इस साल परीक्षा में नहीं बैठ रहा होगा। 10. खिलाड़ी इस समय हॉकी क्यों खेल रहे होंगे? 11. वे उसके साथ पढ़ रहे होंगे। 12. गुलाब को कौन सूँघ रहा होगा? 13. वे लड़के कहाँ खेल रहे होंगे?

1. We shall be playing football at this time tomorrow.
2. I shall be bathing in Gangaji before afternoon.
3. They will be going from Agra to Mathura tomorrow evening.
4. We shall be living in our new house next year.
5. Rasheed will not be repairing furniture in Mangal Market tomorrow.
6. The sun will not be shining at this time tomorrow.

7. The moon will not be rising tonight.
8. Some boys will not be wandering in the park.
9. Ram's brother will not be appearing at the examination this year.
10. Why will the players be playing hockey at this time.
11. They will be studying with him.
12. Who will be smelling the rose?
13. Where will those boys be playing?

10. Perfect Tense

EXERCISE-1 **(Page B-135)**

Translate the following into English :

1. उसने अपना मकान बेच दिया है। 2. रवि ने एक गाय खरीद ली है। 3. शिवानी परीक्षा में पास हो गई है। 4. उसने नदी पार कर ली है। 5. अध्यापक ने लड़के को नहीं पीटा है। 6. मालिक ने मुझे वेतन नहीं दिया है। 7. बढ़ई ने अपना काम पूरा नहीं किया है। 8. मैंने अभी तक अपना पाठ याद नहीं किया है। 9. क्या तुम्हारे पिताजी इलाहाबाद गए हैं? 10. क्या उसने तुम्हें धोखा दिया है? 11. क्या सुधीर ने सदैव तुम्हारी सहायता की है? 12. क्या सुधा पत्र लिख चुकी है? 13. वह परीक्षा में फेल क्यों हो गया है?

1. He has sold his house.
2. Ravi has bought a cow.
3. Shivani has passed the examination.
4. He has crossed the river.
5. The teacher has not beaten the boy.
6. The master has not paid me my salary.
7. The carpenter has not finished his work.
8. I have not learned my lesson till now.
9. Has your father gone to Allahabad?
10. Has he deceived you?
11. Has Sudhir always helped you?
12. Has Sudha written the letter?
13. Why has he failed in the examination?

EXERCISE-2 **(Page B-136)**

Translate the following sentences into English :

1. मेरे घर पहुँचने से पहले पिताजी स्नान कर चुके थे। 2. पिताजी के स्नान करने से पहले माताजी रामायण पढ़ चुकी थीं। 3. माताजी के रामायण पढ़ने से पहले नौकर कमरा साफ कर चुके थे। 4. नौकर के कमरा साफ करने से पहले भाई साहब नाश्ता कर चुके थे। 5. पत्र लिखने से पहले श्याम समाचार-पत्र पढ़ चुका था। 6. घंटी बजने से पहले श्याम समाचार-पत्र पढ़ चुका था। 7. नाश्ता करने से पहले मेहमान नहीं गए थे। 8. नाश्ता तैयार हो जाने के बाद भी मेहमान घर नहीं रुके थे। 9. राम ने कहा कि सतीश पास नहीं हुआ था। 10. सतीश ने कहा कि अभय फेल नहीं हुआ था। 11. क्या वर्षा आरम्भ होने से पहले लड़के स्कूल नहीं पहुँचे थे? 12. क्या तुमने आगरा पहले कभी नहीं देखा था? 13. क्या सूर्य निकलने से पहले पक्षी नहीं उड़े थे? 14. अध्यापक के आने से पहले लड़के कहाँ चले गए थे?

1. Father had bathed before I reached home.
2. Mother had read the Ramayana before father bathed.
3. The servant had cleaned the room before mother read the Ramayana.
4. Brother had taken breakfast before the servant cleaned the room.
5. Shyam had read the newspaper before he wrote a letter.
6. Shyam had read the newspaper before the bell rang.
7. The guests had not gone before they took breakfast.
8. The guests did not stay after the breakfast was prepared.
9. Ram said that Satish had not passed.
10. Satish said that Abhay had not failed.
11. Had the boys not reached school before it rained?
12. Had you never seen Agra before?
13. Had the birds not flown before the sun rose?
14. Where had the boys gone before the teacher came?

EXERCISE-3 (Page B-137)

Translate the following into English :

1. मैं इस समय तक अपना कार्य पूरा कर चुकूँगा। 2. तुम दस बजे से पूर्व अपना पाठ याद कर चुकोगे। 3. किसान अपने खेतों को जोत चुकेंगे। 4. शिकारी हिरन को पकड़ चुकेगा। 5. पुलिस को देखकर चोर भाग चुकेगा। 6. मेरे भाई स्टेशन पर आम खरीद चुकेंगे। 7. तुम्हारे निबन्ध लिखने से पूर्व घंटी बज चुकेगी। 8. समय समाप्त होने से पहले मैं सब प्रश्नों को हल कर लूँगा। 9. तुम्हारे मित्र शनिवार तक कार्य समाप्त कर चुकेंगे। 10. बारिश के आरम्भ होने से पहले हम अपने घर पहुँच चुकेंगे। 11. माली दोपहर तक बाग में फूल तोड़ चुकेगा। 12. पिताजी के सोने से पहले माताजी कॉफी बना चुकेंगी।

1. I shall have done my work till this time.
2. You will have learned your lesson before 10 O'clock.
3. The farmers will have ploughed their fields.
4. The hunter will have caught the deer.
5. The thief will have run away seeing the police.
6. My brother will have bought mangoes on the station.
7. The bell will have rung before you write an essay.
8. I shall have solved all the questions before the time ends.
9. Your friends will have finished the work till Saturday.
10. We shall have reached our home before the rain starts.
11. The gardener will have plucked the flowers till noon.
12. Mother will have made coffee before the father sleeps.

EXERCISE-4 (Page B-138)

Translate the following sentences into English :

1. दो बजे से पहले वह नहीं आ चुका होगा। 2. मैं सूर्य छिपने से पहले घर नहीं पहुँच चुकूँगा। 3. चाँद निकलने से पहले वह खाना नहीं खा चुकेगी। 4. दीवाली से पहले हम घर को नहीं सजा चुकेंगे। 5. शादी से पहले वह जूते नहीं ला चुकेगा। 6. मेहमानों के आने से पहले नौकर ने कमरा साफ नहीं किया होगा। 7. पिताजी के आने से पहले मैं कपड़े नहीं बदल चुकूँगा। 8. समय समाप्त होने से पहले मैं प्रश्न पत्र हल नहीं कर चुकूँगा। 9. मेहमानों के जाने से पहले हम खाना नहीं खा चुकेंगे। 10. तुम दो बजे तक इस काम को पूरा नहीं कर चुकोगे।

1. He will not have come before 2 O'clock.
2. I shall not have reached home before the sun set.
3. She will not have eaten the food before the moon rises.
4. We shall not have decorated the house before Diwali.
5. He will not have brought shoes before marriage.
6. The servant will not have cleaned the room before the guests come.
7. I shall not have changed the clothes before father comes.
8. I shall not have solved the question paper before the time is over.
9. We shall not have taken our meal before the guests depart.
10. You will not have completed this work till 2 O'clock.

EXERCISE-5 (Page B-138)

Translate the following sentences into English :

1. क्या तुम खाना खाने से पहले आम खा चुकोगे? 2. क्या गाड़ी के छूटने से पहले तुम स्टेशन पहुँच चुकोगे? 3. क्या शाम से पहले चिड़ीमार चिड़ियों को पकड़ चुकेगा? 4. क्या 15 अगस्त से पूर्व सभी कैदियों को छोड़ा जा चुकेगा? 5. क्या घंटी बजने से पूर्व गुरु जी कक्षा से जा चुके होंगे? 6. कुत्तों के भौंकने से पहले तुम क्या जाग गए होंगे? 7. क्या अँधेरा होने से पहले बच्चे घर पहुँच चुकेंगे? 8. आठ बजे तक माताजी ने खाना क्यों बना लिया होगा? 9. तुम्हारे पहुँचने से पहले वह कब नाच चुकेगी? 10. मेरे घर पहुँचने से पहले क्या वह कॉफी पी चुकी होगी?

1. Will you have eaten mangoes before you take your meal?
2. Will you have reached the station before the train leaves?

3. Will the fowler have caught the birds before evening?
4. Will all the prisoners have been made free before 15th August?
5. Will the teacher have gone from the class before the bell rings?
6. Will you have awoken before the dogs bark?
7. Will the children have reached home before it darkens?
8. Why will the mother have cocked food by 8 O'clock?
9. When will she have danced before you reach?
10. Will she have drunk coffee before I reach home?

11. Perfect Continuous Tense

EXERCISE-1 **(Page B-140)**

Translate the following sentences into English :

1. बच्चे सुबह से खेल रहे हैं। 2. हम एक सप्ताह से क्रिकेट खेल रहे हैं। 3. तुम तीन दिन से स्कूल जा रहे हो। 4. उसकी छोटी बहन एक घंटे से शोर मचा रही है। 5. कुसुम आधे घंटे से पत्र लिख रही है। 6. उषा छः बजे से खाना बना रही है। 7. महिमा दो घंटे से पढ़ रही है। 8. अध्यापक शाम से अंग्रेजी पढ़ा रहे हैं। 9. सुधीर प्रातः आठ बजे से कार्य कर रहा है। 10. धोबी सुबह से कपड़े धो रहा है। 11. सन्ध्या एक घंटे से गाना नहीं गा रही है। 12. मैं दो घंटे से नहीं खेल रहा हूँ। 13. रेखा रात से नहीं सो रही है।

1. The children have been playing since morning.
2. We have been playing cricket for a week.
3. You have been going to school for three days.
4. His younger sister has been making a noise for an hour.
5. Kusum has been writing a letter for half an hour.
6. Usha has been cooking food since 6 O'clock.
7. Mahima has been studying for two hours.
8. The teacher has been teaching English since evening.
9. Sudhir has been working since 8 a.m.
10. The washerman has been washing clothes since morning.
11. Sandhya has not been singing song for an hour.
12. I have not been playing for two hours.
13. Rekha has not been sleeping since night.

EXERCISE-2 **(Page B-140)**

Translate the following sentences into English :

1. क्या मोहन दो वर्ष से तुम्हारी सहायता कर रहा है? 2. क्या राम का भाई दो दिन से स्कूल नहीं आ रहा है? 3. क्या यह नौकर एक वर्ष से अच्छा कार्य कर रहा है? 4. क्या माताजी सुबह से आराम कर रही हैं? 5. क्या आज दोपहर से वर्षा हो रही है? 6. क्या तुम तीन वर्ष से परीक्षा नहीं देते रहे हो? 7. तुम एक सप्ताह से क्या करते रहे हो? 8. तुम्हारा कुत्ता आज आधी रात से क्यों भौंकता रहा है?

1. Has Mohan been helping you for two years?
2. Has Ram's brother not been coming to school for two days?
3. Has this servant been doing good work for one year?
4. Has mother been resting since morning?
5. Has it been raining since noon today?
6. Have you not been appearing at the examination for three years?
7. What have you been doing for a week?
8. Why has your dog been barking today since midnight?

EXERCISE-3 **(Page B-141)**

Translate the following sentences into English :

1. तुम सुबह से आराम कर रहे थे। 2. रोगी कल से दवा खा रहा था। 3. अध्यापक दो महीने से अंग्रेजी पढ़ा रहे थे। 4. धोबी कई घंटों से कपड़े धो रहा था। 5. कपिल देव एक घंटे से गेंदबाजी नहीं कर रहा था। 6. वह छः महीने से काम नहीं कर रहा था। 7. रोगी दस

दिन से इलाज नहीं करा रहा था। 8. माताजी एक घंटे से खाना नहीं पका रही थीं। 9. सोहन दो घंटे से कहाँ खेल रहा था? 10. क्या डॉक्टर साहब सुबह से रोगियों को दवाई नहीं दे रहे थे? 11. वह दो दिन से स्कूल क्यों नहीं जा रहा था? 12. वह एक सप्ताह से कहाँ रह रहा था?

1. You had been resting since morning.
2. The patient had been taking medicine since yesterday.
3. The teacher had been teaching English for two months.
4. The washerman had been washing clothes for many hours.
5. Kapil Dev had not been bowling for an hour.
6. He had not been working for six months.
7. The patient had not been getting treatment for ten days.
8. Mother had not been cooking food for an hour.
9. Where had Sohan been playing for two hours?
10. Had the doctor not been giving medicines to patients since morning?
11. Why had he not been going to school for two days?
12. Where had he been living for a week?

EXERCISE-4 **(Page B-142)**

Translate the following sentences into English :

1. दोपहर के समय यह किसान 5 घंटे तक अपने खेत को जोतता रहेगा। 2. तुम कल इस समय दो घंटे तक मैच देखते रहोगे। 3. कल शीला चार घंटे तक इतिहास पढ़ती रहेगी। 4. माताजी कल लगनपूर्वक आधे घंटे तक रामायण पढ़ती रहेंगी। 5. पिताजी कुछ समय तक अपने मित्रों से वार्तालाप करते रहेंगे। 6. शर्मा जी कल बहुत समय तक तुम्हारे कार्य की प्रशंसा करते रहेंगे। 7. क्या यह बढ़ई कल सुबह से शाम तक लगातार कार्य करता रहेगा? 8. क्या तुम्हारे भाई तुम्हें दिनभर डाँटते नहीं रहेंगे? 9. ये गवैये पाँच घंटे तक लगातार किस प्रकार गाते रहेंगे? 10. ऐसी सर्दी में यह छोटा लड़का दो घंटे तक बर्तन क्यों साफ करता रहेगा?

1. This farmer will have been ploughing his field in the noon for five hours.
2. You will have been watching the match at this time tomorrow for two hours.
3. Sheela will have been studying history tomorrow for four hours.
4. Mother will have been reading the Ramayana devotedly tomorrow for two hours.
5. Father will have been talking to his friends for some time.
6. Sharmaji will have been praising your work tomorrow for a long time.
7. Will this carpenter have been working continuously since tomorrow morning to evening?
8. Will your brother not have been scolding you for the whole day?
9. How will these musicians have been singing continuously for five hours?
10. Why will this little boy have been cleaning utensils in such as winter for two hours?

12. Conditional Sentences

EXERCISE **(Page B-143)**

Translate the following sentences into English :

1. यदि मेरे पिताजी के पास पैसा हो तो इस मकान को खरीद लें। 2. यदि वह मुझे मिल जाता तो मैं उसकी सहायता कर देता। 3. मेरी इच्छा है कि मैं इंजीनियर बनूँ। 4. यदि तुम अपने बड़ों की आज्ञा का पालन करोगे तो वे तुम्हें प्यार करेंगे। 5. यदि मैं शक्तिशाली होऊँ तो उसको मार दूँ। 6. यदि वर्षा होगी तो हम दिल्ली नहीं जाएँगे। 7. यदि वह मुझे पैसे दे देता तो मैं उसे दूध देता। 8. यदि तुम पास हो गए तो मैं तुम्हें मिठाई खिलाऊँगा।

1. If my father has money, he will buy this house.
2. Had he met me, I would have helped him.
3. I wish, I could become an engineer.
4. If you obey your elders, they will love you.
5. If I were powerful, I would kill him.
6. If it rains, we shall not go to Delhi.
7. If he had given me money, I would have given him milk.
8. If you pass, I shall feed you sweets.

13. Degrees of Comparison

EXERCISE **(Page B-145)**

Translate the following sentences into English :

1. मेरी घड़ी बहुत महँगी है। 2. यह घड़ी इस दुकान की सभी घड़ियों में सबसे महँगी है। 3. भैंस गाय से अधिक मात्रा में दूध देती है। 4. क्या आपका भाई सबसे तेज धावक है? 5. मनु मेरा सबसे छोटा भाई है। 6. दिल्ली का लालकिला बहुत पुराना है। 7. लता मंगेशकर सबसे अच्छी गायिका है। 8. मुम्बई की जलवायु दिल्ली से अधिक अच्छी है। 9. मेरे भाई का स्वास्थ्य मुझसे अधिक अच्छा है। 10. जून तथा जुलाई वर्ष के सबसे गर्म महीने हैं।

1. My watch is very costly
2. This watch is the most expensive among all watches in this shop.
3. Buffalo gives milk in more quantity than cow.
4. Is your brother the fastest racer?
5. Manu is my youngest brother.
6. The Red fort of Delhi is very old.
7. Lata Mangeshker is the best singer.
8. The climate of Mumbai is better than the climate of Delhi.
9. The health of my brother is better than me.
10. June and July are the hottest months of the year.

14. Use of Apostrophe and Noun in Apposition

EXERCISE **(Page B-147)**

Translate the following sentences into English :

1. यह मेरे भाई विवेक का पैन है। 2. अंजू लड़कियों के हॉस्टल में रहती है। 3. शीला के भाई का स्कूटर चोरी हो गया है। 4. मि० प्रवीण लड़कों के स्कूल के उप-प्रधानाचार्य हैं। 5. प्रिया और रचना लड़कों के स्कूल में पढ़ती हैं। 6. राजू का भाई कल यहाँ आया था। 7. यह पूनम की किताब है। 8. राजीव की बहन नैनीताल नहीं गई। 9. वह राजेश का भाई है। 10. सुकरात का शिष्य प्लेटो एक महान दार्शनिक था।

1. This is my brother Vivek's pen.
2. Anju lives in girls' hostel.
3. The scooter of Sheela's brother has been stolen.
4. Mr. Praveen is the vice-principal of boys' school.
5. Priya and Rachna study in boys' school.
6. Raju's brother came here yesterday.
7. This is Poonam's book.
8. Rajeev's sister did not go to Nanital.
9. He is Rajesh's brother.
10. Socrates's pupil Pluto was a great philosopher.

15. Non-Finites

EXERCISE-1 **(Page B-150)**

Translate the following sentences into English :

1. पुलिस को देखकर सभी व्यक्ति भाग गए। 2. मैच देखकर हमने रात्रि-भोज किया। 3. सभी ने जीतने वाले खिलाड़ियों की प्रशंसा की। 4. सड़े हुए फलों को मत खाओ। 5. प्रात:काल की चाय पीकर मैं घूमने गया। 6. भीड़ से भरे हुए डिब्बे में मैं चढ़ गया। 7. मालिक ने खुश होकर उसे इनाम दिया। 8. चलती हुई बस से मत कूदो।

1. Seeing the police, all the people ran away.
2. Seeing the match, we took dinner.
3. All praised the winning players.
4. Don't eat rotten fruits.
5. Having morning tea, I went for a walk.
6. I boarded in a crowded compartment.
7. Being happy, the master rewarded him.
8. Don't jump off a moving bus.

EXERCISE-2 **(Page B-150)**

Translate the following sentences into English :

1. रमेश टेनिस खेलने का शौकीन है। 2. लिखना बंद करो। 3. दिन में सोना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। 4. चोरी करना पाप है।

5. देखना ही विश्वास करना है। 6. उसकी आदत दूसरों की मदद करना है। 7. उसे जुआ खेलने से नफरत है। 8. सच बोलने के कारण उसे इनाम दिया गया।

1. Ramesh is fond of playing tennis.
2. Stop writing.
3. Sleeping in the day is injurious to health.
4. Stealing is a sin.
5. Seeing is believing.
6. It is his habit to help others.
7. He hates gambling.
8. He was rewarded for speaking the truth.

EXERCISE-3 **(Page B-150)**

Translate the following sentences into English :

1. तैरना अच्छा व्यायाम है। 2. झूठ बोलना पाप है। 3. वह सोने वाला है। 4. आगे बढ़ना खतरनाक है। 5. पीछे लौटना कठिन है। 6. सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। 7. खुली हवा में टहलना लाभदायक है। 8. ईश्वर ने हमें देखने के लिए आँखें दी हैं।

1. Swimming is a good exercise.
2. To lie is a sin.
3. He is about to sleep.
4. Proceeding is dangerous. **or** It is dangerous to proceed.
5. It is difficult to turn back. **or** Turning back is difficult.
6. Smoking cigarette is injurious to health.
7. Walking in open air is useful. **or** It is useful to walk in the open air.
8. God has given us eyes to see.

EXERCISE-4 **(Page B-150)**

Translate the following sentences into English :

1. पाठ याद करके वह सो गया। 2. हमने उसे गाना गाते हुए सुना। 3. मित्रों से धोखा खाकर वह निराश हो गया। 4. पुलिस को देखकर चोर भाग गए। 5. उसकी मेहनत से खुश होकर मालिक ने उसे इनाम दिया। 6. खाना खाकर वह टहलने चला गया। 7. हमें फलों की टोकरी ले जाते हुए एक लड़का मिला। 8. यह मेरी घूमने वाली छड़ी है।

1. Remembering the lesson, he slept.
2. We heared him singing.
3. Being deceived by friends, he became hopeless.
4. Seeing the police, the thieves ran away.
5. Being happy with his hard work, the master rewarded him.
6. Having his meal, he went for a walk.
7. While carrying a fruit-basket we met a boy. **or** we met a boy carring a fruit-basket.
8. This is my walking stick.

16. Compound Sentences

EXERCISE-1 **(Page B-151)**

Translate the following sentences into English :

1. मुख्य अतिथि मंच पर आए और एक संक्षिप्त भाषण दिया। 2. वह एक अध्यापक ही नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यकर्त्ता भी है। 3. मैं बाजार गया, किंतु मैंने कुछ नहीं खरीदा। 4. उसका रेडियो भी और फ्रिज भी बहुत पुराने हैं। 5. जल्दी करो अन्यथा तुम्हें देर हो जाएगी। 6. वह बहुत गरीब है, किंतु संतुष्ट है। 7. चाय भी और कॉफी भी हानिकारक है। 8. यह पुस्तक महँगी भी है और कठिन भी। 9. मैंने तुम्हें फोन किया, किंतु तुमने उठाया नहीं। 10. उसने न तो मेरी बात मानी और न क्षमा माँगी।

1. The Chief Guest came on the dais and delivered a short speech.
2. He is not only a teacher but also a social worker.
3. I went to the market but I did not buy anything.
4. His radio as well as refrigerator is very old.
5. Make haste otherwise you will be late.
6. He is very poor but he is satisfied.
7. Tea as well as coffee is harmful.

8. This book is costly as well as difficult.
9. I rang you but you did not attend.
10. He neither obeyed me nor bagged pardon.

EXERCISE-2 (Page B-152)

Translate the following sentences into English :

1. मुझे नहीं मालूम कि तुम बीमार हो। 2. क्या तुम्हें पता है कि मेरे पिताजी कहाँ काम करते हैं? 3. क्या तुम जानते हो कि पृथ्वी गोल है? 4. क्या तुम्हें पता है कि मेरा भाई कहाँ चला गया है? 5. यह सत्य है कि हम बड़ों का आदर करते हैं। 6. यह सच है कि तुम्हारा भाई कमजोर है। 7. मुझे नहीं मालूम कि संजय अब कहाँ रहता है। 8. क्या तुम बता सकते हो कि मेरी बहन इस वर्ष पास होगी या नहीं? 9. जो कुछ मास्टर जी कहते हैं, उसे ध्यानपूर्वक सुनो। 10. मैं तुम्हें नहीं बता सकता कि मैं यहाँ कब आऊँगा।

1. I don't know that you are ill.
2. Do you know where my father works?
3. Do you know that the earth is round?
4. Do you know where my brother has gone?
5. This is true that we respect elders.
6. It's true that your brother is weak.
7. I don't know where Sanjay lives now.
8. Can you tell whether my sister will pass this year or not?
9. Listen to what the teacher says.
10. I can't tell you when I shall come here.

EXERCISE-3 (Page B-153)

Translate the following sentences into English :

1. जिस लड़के से तुम स्कूल में मिले थे, वह हमारा मॉनीटर है। 2. वह टीम मैच हार गई, जो दिल्ली से आई थी। 3. यह वही स्थान है, जहाँ बस दुर्घटना हुई थी। 4. यह वही पुस्तक है, जो उसने खो दी थी। 5. वह घटना, जो आपने मुझे सुनाई थी, बहुत रोचक थी। 6. ईश्वर उनकी सहायता करते हैं, जो अपनी सहायता स्वयं करते हैं। 7. ऐसे लड़कों से बचने की कोशिश करो, जो दूसरों को गालियाँ देते हैं। 8. यह वही रूमाल है जिसे मैंने कल बाजार से खरीदा था। 9. ऐसे व्यक्तियों से बचो, जो झूठ बोलते हैं। 10. वे विद्यार्थी जो कठिन परिश्रम करते हैं परीक्षा में सदैव पास होते हैं।

1. The boy whom you met in the school yesterday, is our monitor.
2. The team, which came from Delhi, has lost the match.
3. This is the place, where the bus met with an accident.
4. This is the book, which he lost.
5. The incident that you told me, was very interesting.
6. God helps them, who help themselves.
7. Try to avoid the boys who abuse others.
8. This is the handkerchief, which I bought from the market yesterday.
9. Avoid such people, who tell a lie.
10. The students who work hard, always pass the examination.

EXERCISE-4 (Page B-154)

Translate the following sentences into English :

1. उसे स्कूल में आज सजा मिली, क्योंकि उसने कार्य नहीं किया था। 2. यदि वह चाहे तो आ जाए। 3. तुम विजय से अधिक लंबे हो। 4. यद्यपि वह धनी है फिर भी कंजूस है। 5. ज्योंही हम घर पहुँचे त्योंही वर्षा होने लगी। 6. यदि तुम कोई वादा करो तो उसे निभाओ। 7. जब वह स्कूल पहुँचा तब परीक्षा शुरू हो गई थी। 8. वह अब तुम्हारी अपेक्षा धनी है। 9. यदि तुम कठिन परिश्रम करोगे तो अवश्य चुन लिए जाओगे। 10. सँभलकर चलो, ऐसा न हो कि गिर जाओ।

1. He was punished in the school because he had not done his work.
2. If he wants, he can come.
3. You are taller than Vijay.
4. Although he is rich yet he is miser.
5. As soon as we reached home, the rain started.
6. If you make a promise, fulfil it.
7. When he reached school, the examination had began.
8. He is now richer than you.
9. If you work hard, you will surely be selected.
10. Walk carefully lest you should fall.

17. Some Important Structures

EXERCISE-1 **(Page B-155)**

Translate the following sentences into English :

1. मैच समाप्त होने वाला था। 2. शिकारी आने वाला है। 3. अध्यापक जाने वाले होंगे। 4. कुछ बच्चे पार्क के बजाय सड़क पर खेलते हैं। 5. मैंने मिठाई के बजाय आइसक्रीम खाई। 6. मरीज ने सेब के बजाय पपीता खाया। 7. पुस्तक समाप्त होने वाली है। 8. पशु मारे जाने वाले थे। 9. मैं पार्क के बजाय बाग में घूमता हूँ। 10. कपड़े सूखने वाले हैं।

1. The match was about to end.
2. The hunter is about to come.
3. The teacher is about to go.
4. Some children play on the road instead of a park.
5. I ate ice-cream instead of sweets.
6. The patient ate papaya instead of an apple.
7. The book is about to be completed.
8. The animals were about to be killed.
9. I walk in the orchard instead of a park.
10. The clothes are about to dry.

EXERCISE-2 **(Page B-157)**

Translate the following sentences into English :

1. चाय के स्थान पर दूध पिओ। 2. मैं इस समय बैठने के बजाय खड़ा रहना पसंद करूँगा। 3. बस चलने ही वाली है। 4. शाम को मुझे बाजार जाना पड़ता है। 5. उसे रोजी कमाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। 6. अध्यापक को प्रधानाचार्य की आज्ञा माननी पड़ी। 7. उसे अपना गृह-कार्य करना ही पड़ेगा। 8. मोहन ने आम के बजाय सेब खरीदे। 9. मेरी बहन मेरी मदद किया करती थी। 10. युवावस्था में मैं तेज दौड़ा करता था। 11. पुलिस को देखकर लोग भागने लगे। 12. शेर दहाड़ने लगा। 13. तुम्हें परिश्रम करना पड़ेगा। 14. उसे दवा खानी पड़ेगी। 15. अध्यापकों को आठ बजे पहुँचना पड़ा।

1. Drink milk instead of tea.
2. I would rather stand than sit at this time.
3. The bus is about to start.
4. I have to go to market in the evening.
5. He has to work hard to earn his livelihood.
6. The teacher had to obey the principal.
7. He will have to complete his homework.
8. Mohan bought apples instead of mangoes.
9. My sister used to help me.
10. I used to run fast in my young age.
11. Seeing the police, people began to run.
12. The lion began to roar.
13. You will have to work hard.
14. He will have to take medicine.
15. The teachers had to reach at 8 O'clock.

18. Use of Prepositions

EXERCISE-1 **(Page B-159)**

Translate the following sentences into English :

1. कल रमेश ने शाम तक कार्य किया था। 2. अकबर अमरकोट में पैदा हुआ था। 3. बाबर ने राणा सांगा को खानवा में हराया था। 4. सुरेश दो घंटे से क्रिकेट खेल रहा है। 5. वह इस कार्य को दो दिन में ही कर लेगा। 6. सीता अपनी माता के पास बैठी हुई है। 7. यह फूल बाग से माली द्वारा लाया गया है। 8. क्या तुमने अपनी उंगली चाकू से काट ली है? 9. भोजन जीवन के लिए आवश्यक है। 10. पंडित नेहरू का जन्म इलाहाबाद में हुआ था।

1. Ramesh did his work till evening yesterday.
2. Akbar was born at Amarkot.
3. Babar defeated Rana Sanga at Khanwa.
4. Suresh has been playing cricket for two hours.
5. He will complete this work within two days.
6. Sita is sitting beside her mother.
7. This flower has been brought from garden by the gardener.
8. Have you cut your finger with a knife?
9. Food is necessary for life.
10. Pandit Nehru was born in Allahabad.

19. Verbs Not Used in Continuous Tense

EXERCISE-1 (Page B-160)

Translate the following sentences into English :

1. मुझे कुछ जलने की गंध आ रही है। 2. क्या तुम्हें दीवार के पीछे कोई दिखाई दे रहा है? 3. ये संतरे मीठे नहीं लग रहे हैं। 4. मुझे किसी के आने की आवाज सुनाई दे रही है। 5. यह कपड़ा खुरदरा लग रहा है। 6. तुम मुझे बीमार लग रहे हो? 7. इस फूल की सुगन्ध अच्छी लग रही है। 8. कागज पतला लग रहा है। 9. मुझे बाग में साँप दिखाई दे रहा है। 10. क्या तुम चिड़िया को गाते हुए सुन रही हो?

1. I smell something burning.
2. Do you see someone behind the wall?
3. These oranges do not taste sweet.
4. I hear some one coming.
5. This cloth feels rough.
6. You look me to be ill.
7. This flower smells good.
8. Paper looks thin.
9. I see a snake in the orchard.
10. Do you listen to the bird singing?

EXERCISE-2 (Page B-160)

Translate the following sentences into English :

1. यह पुस्तक पुरानी दिखाई पड़ रही है। 2. मीना चतुर लड़की प्रतीत नहीं होती है। 3. यह छात्र गणित में बहुत कमजोर प्रतीत हो रहा है। 4. रामू बुद्धिमान विद्यार्थी प्रतीत होता है। 5. ये सब्जियाँ ताजी प्रतीत हो रही हैं। 6. अध्यापक महोदय आज नाराज प्रतीत होते हैं। 7. तुम नटखट लड़की लगती हो। 8. वह उदास क्यों दिखाई दे रहा है? 9. क्या मैं बीमार लग रहा हूँ? 10. क्या घोड़े भूखे लग रहे हैं?

1. This book appears to be old.
2. Meena does not seem to be a clever girl.
3. This student seems to be very poor in Mathematics.
4. Ramu seems to be an intelligent student.
5. These vegetables seem to be fresh.
6. The teacher seems to be angry today.
7. You appear to be a naughty girl.
8. Why does he appear to be sad?
9. Do I appear to be ill?
10. Do the horses appear to be hungry?

EXERCISE-3 (Page B-162)

Translate the following sentences into English :

1. वह यहाँ नहीं रह सकता। 2. वह नाटक देख सकता है। 3. हम इस प्रश्न को हल कर सकते हैं। 4. वह अंग्रेजी बोल सकती है। 5. यह समाचार सही नहीं हो सकता। 6. क्या मैं आपका कलम ले सकता हूँ? 7. यह बच्चा दौड़ सकता है। 8. हमारी टीम मैच में अच्छी तरह नहीं खेल सकी। 9. क्या मैं शाम को मिल सकता हूँ? 10. आप दीर्घायु हों।

1. He cannot live here.
2. He can see the play.
3. We can solve this questions.
4. She can speak English.
5. This news may not be correct.
6. May I take your pen?
7. This child can run.
8. Our team could not play the match well.
9. May I see you in the evening?
10. May you live long!

EXERCISE-4 (Page B-163)

Translate the following sentences into English :

1. हमें अपना काम समय पर करना चाहिए। 2. उसे अवश्य ही घर चले जाना चाहिए। 3. हमें कानूनों का पालन करना चाहिए। 4. प्रबंधक महोदय को दफ्तर में ही होना चाहिए। 5. हमें महान पुरुषों का सम्मान करना चाहिए। 6. हमें शराब नहीं पीनी चाहिए। 7. हमें अपने से छोटों को प्यार करना चाहिए। 8. आपका भाई अवश्य ही नेता है। 9. हमें परीक्षा में सफल होना चाहिए। 10. उसे मेरी दावत में आना चाहिए।

1. We should do our work in time.
2. He must go home.
3. We ought to follow the laws.
4. The manager must be in the office.
5. We ought to respect great people.
6. We should not drink wine.
7. We should love our youngers.
8. Your brother must be a leader.
9. We should succeed in the examinations.
10. He should come to my party.

20. The Sequence of Tenses

EXERCISE **(Page B-165)**

Translate the following sentences into English :

1. राम कहता है कि मोहन मोटा है। 2. पिताजी कहेंगे कि आज वर्षा होगी। 3. मैं जानता हूँ कि रमेश नहीं आएगा। 4. हम कह सकते हैं कि पृथ्वी गोल है। 5. अध्यापक ने कहा कि सूर्य बहुत गर्म है। 6. पिताजी ने कहा कि ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है। 7. वह पढ़ाई करेगा ताकि धन कमा सके। 8. हम भोजन करते हैं ताकि हम जीवित रह सकें। 9. क्या तुम्हें पता है कि मुकेश ने पत्र नहीं लिखा था। 10. उसे पता था कि मुदिता ने अपना कार्य कर लिया है।

1. Ram says that Mohan is fat.
2. Father will say that It would rain today.
3. I know that Ramesh will not come.
4. We can say that the earth is round.
5. The teacher said that the sun is very hot.
6. Father said that honesty is the best policy.
7. He will study so that he might earn money.
8. We eat that we may live.
9. Do you know that Mukesh did not write a letter?
10. He knew that Mudita has done her work.

21. Direct and Indirect Speech

EXERCISE **(Page B-167)**

Translate the following sentences into English :

1. उसने मुझसे पूछा कि क्या मोहन अध्यापक है। 2. पांडेय जी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं लखनऊ गया था। 3. अध्यापक ने छात्र से पूछा कि वह देर से क्यों आया। 4. मैंने उससे पूछा कि क्या तुमने काम खत्म कर लिया है। 5. मैंने सुधा से पूछा कि क्या तुम मुझे अपनी कलम दे सकती हो। 6. ग्राहक ने दुकानदार से पूछा कि इस किताब का मूल्य क्या है। 7. मेरे चाचा जी ने रमेश से पूछा कि क्या उसने अजायबघर देखा है। 8. उसने मुझसे पूछा कि तुम यहाँ क्यों आए हो। 9. पिता ने पुत्र से पूछा कि तुम्हारी किताबें कहाँ खो गई हैं। 10. मैंने उसके भाई से पूछा कि तुम कहाँ जा रहे हो।

1. He asked me if Mohan was a teacher.
2. Panday ji asked me if I had gone to Lucknow.
3. The teacher asked the student why he came late.
4. I asked him if he had finished his work.
5. I asked Sudha if she could give me her pen.
6. The customer asked the shopkeeper what the price of that book was.
7. My uncle asked Ramesh if he has seen the museum .
8. He asked me why I had gone there.
9. The father asked the son where his books were lost.
10. I asked his brother where he was going.

22. Passive Voice

EXERCISE-1 **(Page B-172)**

Translate the following sentences into English :

1. क्या तुम्हें सामाजिक विज्ञान प्रतिदिन पढ़ाया जाता है? 2. अगले माह से सभी को योग भी सिखाया जाएगा। 3. बच्चे के द्वारा दूध नहीं पिया गया। 4. सभी पत्र आज की डाक से भेजे जाएँगे। 5. माताजी के द्वारा कल खाना नहीं बनाया गया। 6. अब खेत ट्रैक्टर से जोते जाते हैं। 7. हमें सामान खरीदने मॉल भेजा गया। 8. दीवाली के अवसर पर सभी दुकानों को सजाया जाता है।

1. Is social science taught to you everyday?
2. Yoga will also be taught to all from next month.
3. Milk was not drunk by the child.
4. All the letters will be sent by today's mail.
5. The food was not cooked by mother yesterday.
6. Now fields are ploughed by tractors.
7. We were sent to the mall to purchase goods.
8. All the shops are decorated on the occasion of Diwali.

EXERCISE-2 (Page B-172)

Translate the following sentences into English :

1. कमरा साफ किया जा रहा है। 2. धोबी के द्वारा कपड़े धोए जा रहे हैं। 3. मेरे द्वारा पाठ याद नहीं किया जा रहा है। 4. क्या फूल तोड़े जा रहे हैं? 5. मरीज को दवा कब दी जा रही है? 6. उसे कहाँ भेजा जा रहा है? 7. यह काम कैसे किया जा रहा है? 8. क्या पशुओं को मारा जा रहा है?

1. The room is being cleaned.
2. The clothes are being washed by the washerman.
3. The lesson is not being learned by me.
4. Are the flowers being plucked?
5. When is medicine being given to the patient?
6. Where is he being sent?
7. How is this work being done?
8. Are the animals being killed?

EXERCISE-3 (Page B-172)

Translate the following sentences into English :

1. बच्चों को कहानी सुनाई जा रही थी। 2. क्या तुम्हारे द्वारा सामान खरीदा जा रहा था? 3. गीत कहाँ गाया जा रहा था? 4. मेहमानों का स्वागत किया जा रहा था। 5. आपको कल क्यों डाँटा जा रहा था? 6. डॉक्टर को नहीं बुलाया जा रहा था। 7. उसे दफ्तर भेजा जा रहा था। 8. भाषण कब दिया जा रहा था?

1. The children were being told the story.
2. Were the goods being bought by you?
3. Where was the song being sung?
4. The guests were being welcomed.
5. Why were you being scolded yesterday?
6. The doctor was not being called.
7. He was being sent to office.
8. When was the speech being delivered?

EXERCISE-4 (Page B-172)

Translate the following sentences into English :

1. पत्र भेजे जा चुके हैं। 2. ये पाठ नहीं पढ़ाए गए हैं। 3. क्या आम खा लिया गया है? 4. पौधों को पानी कब दिया गया है? 5. इन पक्षियों को नहीं मारा गया है। 6. दरवाजा बंद क्यों नहीं किया गया है? 7. फीस कब जमा की गई है? 8. लड़कों को प्रधानाचार्य के द्वारा इनाम बाँटे गए हैं।

1. The letters have been sent.
2. These lessons have not been taught.
3. Has the mango been eaten?
4. When have the plants been watered?
5. These birds have not been killed.
6. Why has the door not been closed?
7. When has the fees been deposited?
8. The prizes have been distributed among the boys by the principal .

EXERCISE-5 (Page B-173)

Translate the following sentences into English :

1. सभी विद्यार्थियों के द्वारा प्रश्न पत्र हल कर लिया गया था। 2. शाम तक कमरा साफ क्यों नहीं किया गया था? 3. विद्यार्थियों को फीस लौटा दी गई थी। 4. पौधों को पानी नहीं दिया गया था। 5. क्या उसके द्वारा खाना खा लिया गया था? 6. सभी बत्तियाँ क्यों बुझा दी गई थीं? 7. क्या तुम्हें मेरा संदेश भेज दिया गया था? 8. लड़कों को इनाम नहीं बाँटे जा चुके थे।

1. The question paper had been solved by all the students.
2. Why had the room not been cleaned till evening?
3. The fees had been returned to students.
4. The plants had not been watered.
5. Had the food been eaten by him?
6. Why had all the lights been switched off ?
7. Had my message been sent to you?
8. The prizes had not been distributed among the boys.

EXERCISE-6 **(Page B-173)**

Translate the following sentences into English :

1. यह कार्य सीता के द्वारा किया जा चुकेगा। 2. मीरा के द्वारा यह गाना नहीं गाया जा चुकेगा। 3. क्या तुम्हें गुरुजी के द्वारा पीटा जा चुकेगा? 4. उनके द्वारा यह कार्य कब पूरा किया जा चुकेगा? 5. तुम्हारे द्वारा उसकी सहायता की जा चुकेगी। 6. पक्षियों को नहीं मारा जा चुका होगा। 7. क्या उसे यहाँ बुलाया जा चुकेगा? 8. माताजी के द्वारा स्वेटर कब बुना जा चुकेगा?

1. This work will have been done by Sita.
2. This song will not have been sung by Meera.
3. Will you have been beaten by the teacher?
4. When will this work have been completed by him?
5. He will have been helped by you.
6. The birds will not have been killed.
7. Will he have been called here?
8. When will the sweater have been knitted by mother?

23. Translation Passages for Practice

EXERCISE-1 **(Page B-174)**

Translate the following passages into English :

अच्छे बच्चे अपने बड़ों का कहना मानते हैं। वे सदा सच बोलते हैं। वे प्रात:काल जल्दी उठते हैं। वे ठीक समय पर स्कूल पहुँचते हैं। वे प्रतिदिन स्कूल का काम करते हैं। वे शाम को खेलते भी हैं। वे अपने छोटे भाई-बहनों को प्यार करते हैं। वे बड़ों का आदर करते हैं। ऐसे बच्चे एक दिन बड़े आदमी बनेंगे।

Good children obey their elders. They always speak the truth. They get up early in the morning. They reach the school at time. They do their school work everyday. They also play in the evening. They love their younger brothers and sisters. They respect elders . Such children will become great persons one day.

EXERCISE-2 **(Page B-174)**

एक गाँव में एक अंधा रहता था। उस गाँव में आग लग गई। सब लोग गाँव छोड़कर भाग गए। उसी गाँव में एक लंगड़ा भी रहता था। अंधे ने लंगड़े से कहा, ''तुम्हारे आँखें हैं पर तुम चल नहीं सकते। मेरे पैर हैं पर मैं देख नहीं सकता, आओ, मेरे कंधे पर बैठ जाओ। तुम रास्ता बताओगे और मैं चलूँगा।'' दोनों ने ऐसा ही किया और कुशलतापूर्वक गाँव से बाहर चले गए।

A blind man lived in a village. That village caught fire. All the people ran away leaving the village. A lame man also lived in that village. The blind man said to the lame man, " You have eyes but you can't walk. I have feet but I can't see. Come, sit on my shoulders. You will show me the way and I shall walk." Both of them did so and went out of the village safely.

EXERCISE-3 **(Page B-174)**

सुकरात अपने समय का महान दार्शनिक था। उसका जीवन बहुत सादा था। वह बड़े प्रेम से लोगों को शिक्षा दिया करता था। इससे वह धीरे-धीरे अत्यंत लोकप्रिय होने लगा। देश के शासकों को यह सहन न हुआ। उन्होंने उसे मृत्यु की सजा दे दी।

Socrates was a great philosopher of his time. His life was very simple. He taught people in a lovely manner. This gradually made him very popular. The rulers of the country did not bear it. They gave him death sentence.

EXERCISE-4 **(Page B-174)**

आगरा यमुना नदी के तट पर स्थित है। यह बहुत पुराना नगर है। यह मुगल बादशाहों की राजधानी भी थी। उन्होंने यहाँ कई सुंदर इमारतें भी बनवाई। आगरा किला, सिकन्दरा तथा ताजमहल आगरा की प्रसिद्ध इमारते हैं। ताज की सुंदरता को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। आजकल यह जूतों के उद्योग का बड़ा केंद्र है।

Agra stands on the bank of the Yamuna. It is a very old city. It was also the capital of Mughal emperors. They also built many beautiful buildings here. Agra fort, Sikandra and Taj Mahal are the famous buildings of Agra. People from far and wide come to see the beauty of Taj. Nowadays it's a great center of shoe industry.

EXERCISE-5 (Page B-175)

भारत के उत्तर में सुंदर हिमालय पर्वत है। यह कश्मीर से असम तक दो हजार मील तक फैला हुआ है। संसार की अधिकतर ऊँची चोटियाँ हिमालय में ही हैं। माउंट एवरेस्ट सबसे ऊँची चोटी है। पहाड़ों की चोटियाँ सालभर बर्फ से ढकी रहती हैं। इसलिए हम इसे हिमालय कहते हैं। हिमालय में बहुत से सुंदर जंगल और झील हैं।

The beautiful Himalaya is in the north of India. It is stretched over two thousand miles from Kashmir to Assam. Most of the world's highest peaks are in the Himalaya. Mount Everest is the highest peak. Mountain peaks are covered with snow throughout the year. So we call it Himalaya. There are many beautiful forests and lakes in the Himalaya.

EXERCISE-6 (Page B-175)

कुछ दिनों के पश्चात् विक्रमादित्य उज्जैन के राजा हो गए। वह अपने राजसी कपड़ों में सूर्य की तरह चमका करते थे। उनकी प्रजा उनसे प्रेम करती थी। एक दिन वह अपने दरबार में बैठे हुए थे। दो स्त्रियाँ उनके पास रोती हुई आईं। वे आपस में लड़ रही थी। राजा ने उन्हें चुप होने की आज्ञा दी।

After a few days Vikramaditya became the king of Ujjain. He shone like a sun in his royal robes. His people loved him . One day he was sitting in his court. Two women came to him crying. They were fighting with each other. The king ordered them to be quiet.

EXERCISE-7 (Page B-175)

पंडित जवाहरलाल नेहरू हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। वे अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। उच्च शिक्षा के लिए उनके पिता ने उन्हें इंग्लैंड भेजा। शिक्षा समाप्त करने के बाद वह भारत लौटे। कुछ समय के बाद उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष आरंभ कर दिया।

Pandit Jawahar Lal Nehru was the first Prime Minister of our country. He was the only son of his parents. His father sent him to England for higher education. He returned to India after completing studies. After some time he started struggle for the freedom of the country.

EXERCISE-8 (Page B-175)

अशोक एक प्रसिद्ध राजा था। उसकी राजधानी पटना थी। वह अपनी प्रजा को बहुत प्यार करता था। उसने अपनी प्रजा की भलाई के लिए बहुत से कार्य किए। कलिंग की विजय के पश्चात् वह युद्ध से घृणा करने लगा। वह जीवनभर सबकी भलाई के लिए कार्य करता रहा। उसके शत्रु भी उसकी प्रशंसा करते थे।

Ashoka was a famous king. His capital was Patna. He loved his people very much. He did many works for the welfare of his people. After the conquest of Kalinga he began to hate war. He worked for the good of all throughout his life. Even his enemies praised him.

EXERCISE-9 (Page B-175)

डाकिया समाज का एक उपयोगी सेवक है। वह एक मेहनती कर्मचारी है। उसके थैले में सुख-दु:ख के अनेकों संदेश रहते हैं। वह किसी को पत्र द्वारा रुलाता है तो किसी को हँसाता भी है। कभी-कभी वह हमारी आशा और उत्सुकता का केंद्र-बिंदु बन जाता है। वह सबका प्रिय है। सभी अपने द्वार पर उसका स्वागत करते हैं। अत: डाकिया हमारा प्रिय सहयोगी है।

Postman is a useful servant of society. He is a laborious worker. There are many messages of happiness and sorrows in his beg. He makes somebody weep and somebody laugh through the letters. Sometimes he becomes the center of our hope and anxiety. He is dear to all. All welcome him to their doors. Therefore, postman is our favorite helper.

EXERCISE-10 (Page B-176)

लाल बहादुर शास्त्री एक निर्धन परिवार में पैदा हुए थे। उनके पिता साधारण अध्यापक थे। वे सादा जीवन और उच्च विचार में विश्वास करते थे। वे भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री थे। वे गाँधीजी के सच्चे शिष्य थे। उनका देहान्त 11 जनवरी, 1966 को हुआ था।

Lal Bahadur Shastri was born in a poor family. His father was an ordinary teacher. He believed in

simple living and high thinking. He was the second Prime Minister of India. He was the true disciple of Gandhiji. He died on January 11, 1966.

EXERCISE-11 (Page B-176)

राधा रमण एक सीधा और ईमानदार किसान है। वह बहुत परिश्रमी है। वह अपना समय कभी बर्बाद नहीं करता है। वह दिनभर खेतों में काम करता है और शाम को अपने बच्चों को कहानियाँ सुनाता है। वह एक अच्छा कहानी कहने वाला है। रोज शाम को बच्चे उसे घेर लेते हैं। वे उससे कहानी सुनना बहुत पसंद करते हैं। वह भी बच्चों को बहुत प्यार करता है।

Radha Raman is a simple and honest farmer. He is very hard working. He never wastes his time. He works in the fields throughout the day and tells stories to his children in the evening. He is a good story teller. The children surround him every evening. They like to listen story from him. He also loves children very much.

EXERCISE-12 (Page B-176)

अगर तुम कठिन परिश्रम करो तो तुम कक्षा में प्रथम आ सकते हो। तुम्हारा भाई मेरे कमरे में रह सकता है। उसने मेरी पुस्तक नहीं चुराई है। राम सोमवार से कक्षा से अनुपस्थित है। मेरी कक्षा में चालीस विद्यार्थी हैं। अच्छी आदतों से अच्छा चरित्र बनता है।

If you work hard, you can stand first in the class. Your brother can live in my room. He did not steal my book. Ram is absent from the class since Monday. There are forty students in my class. A good character is formed by good habits.

EXERCISE-13 (Page B-176)

एक दिन एक कौआ एक पेड़ पर बैठा था। उसकी चोंच में रोटी का एक टुकड़ा था। एक चालाक लोमड़ी ने उसे देखा। उसके मुँह में पानी आ गया। उसने कौए के गाने की प्रशंसा की और उससे गाने का आग्रह किया। जैसे ही कौए ने गाने के लिए अपनी चोंच खोली, रोटी का टुकड़ा जमीन पर गिर पड़ा। लोमड़ी रोटी का टुकड़ा उठाकर भागी और कौआ पछताता रह गया।

One day a crow was sitting on a tree. had a piece of bread in its beak. A clever fox saw it. Her mouth began to water. She praised the singing of the crow and requested it to sing. As the crow opened its beak to sing, piece of bread fell down on the ground. The fox ran away taking the piece of bread and the crow remained repenting.

EXERCISE-14 (Page B-176)

जब मैं स्टेशन पहुँचा तो रेलगाड़ी छूटने ही वाली थी। मैंने जल्दी-जल्दी में टिकट खरीदा। टिकट की कीमत केवल बारह रुपए थी। मैंने रेल बाबू को दस-दस के दो नोट दिए। जल्दबाजी में उससे आठ रुपए वापस लेना ही भूल गया। मैं दौड़कर प्लेटफार्म पर गया। वहाँ पहुँचा ही था कि गाड़ी चल दी। गाड़ी ने शीघ्र ही गति पकड़ ली। मैं एक मूर्ख की तरह उसे प्लेटफार्म से बाहर जाते हुए वहाँ खड़ा हुआ देख रहा था।

When I reached the station, the train was about to leave. I purchased the ticket in haste. The cost of the ticket was only twelve rupees. I gave the clerk two ten rupee notes. I forgot to take back eight rupees in hurry. I went to the platform by running. Just as I reached there, the train started. Soon the train got speed. I stood there like a fool watching it go out of the platform.

EXERCISE-15 (Page B-177)

पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं। अच्छे समय में वे हमारी प्रसन्नता में वृद्धि करती हैं। दु:ख के समय में वे हमें सांत्वना तथा राहत देती हैं। उनको पढ़ते समय हम अपनी चिन्ताएँ, दु:ख और अकेलापन भूल जाते हैं। पढ़ते समय हम पुस्तकों की सुहावनी दुनिया में खो जाते हैं। पुस्तकों से हमें अच्छी-अच्छी शिक्षाएँ मिलती हैं। वे हमारे ज्ञान में वृद्धि करती हैं। वे हमारे विचारों एवं सपनों को जीवित रखती हैं।

Books are our best friends. They increase our happiness in good times. They give us consolation and relief in times of sorrows. While reading them, we forget our worries, sorrows and loneliness. We are lost in the pleasant world of books while reading. We get good lesson from books. They increase our knowledge. They keep our thoughts and dreams alive.

EXERCISE-16 (Page B-177)

एक दिन एक नवयुवक एक पादरी के पास गया। उसने पादरी से पूछा, ''क्या आपको ईश्वर में विश्वास है?'' पादरी को बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने कहा, ''उसे सर्वशक्तिमान ईश्वर पर पूरा विश्वास है।'' नवयुवक ने गर्व से कहा कि उसे उन चीजों पर विश्वास नहीं होता जिनको वह देख नहीं सकता। पादरी ने उससे पूछा, ''क्या तुमने अपना मस्तिष्क देखा है? नवयुवक ने कहा, ''नहीं।'' पादरी ने पूछा, ''तुम्हारे पास मस्तिष्क है भी या नहीं?''

One day a youngman went to a bishop. He asked the bishop, " Do you believe in God?" The bishop was greately amazed. He said , " He has full faith in Almighty God." The youngman said with pride that he can't believe those things , which he cannot see. The bishop asked him, "Have you seen your brain?" The youngman replied, "No." The bishop asked, "Do you really have a brain or not?"

EXERCISE-17 (Page B-177)

समुद्री का जीवन भी बड़ा दिलचस्प है। कहते हैं कि समुद्र में सारे विश्व से भी अधिक जीवित प्राणी विद्यमान हैं। समुद्री जल में असंख्य जीव-जन्तु पाए जाते हैं। समुद्र का विशालतम जीव ह्वेल 90 फीट तक लंबी हो सकती है। इसका भार 70 टन तक हो सकता है। ह्वेल की कई प्रजातियाँ होती हैं।

The life of sea is very interesting. It is said that more than all living beings of the whole world exist in the sea. Innumerable living organisms are found in sea water. The largest creature of sea, whale may be up to ninety feet long. It's weight may be up to seventy tons. There are many species of wholes.

EXERCISE-18 (Page B-177)

बाहर अँधेरा था। बहुत ठंड भी पड़ रही थी। रात के करीब ग्यारह बजे थे। मैंने दरवाजे पर किसी के खटखटाने की आवाज सुनी। मैं चुपके से उठा और खिड़की के बाहर झाँककर देखा। वहाँ कोई नहीं था। कुछ दूरी पर मुझे एक छाया जाती हुई दिखाई दी। रहस्यमय आगंतुक जा चुका था।

It was dark outside. It was also very cold. It was about eleven O'clock at night. I heard someone knocking on the door. I stood up silently and peeped out through the window. Nobody was there. I saw a shadow going at a distance. The mysterious visitor had gone.

EXERCISE-19 (Page B-177)

एक राजकुमार था। वह तीर और तलवार चलाने में बहुत कुशल था। एक दिन वह अपने घोड़े पर सवार होकर जंगल में शिकार खेलने गया। जब वह जंगल में पहुँचा तो धूप बहुत तेज थी। उसका घोड़ा थककर हाँफने लगा। राजकुमार ने घोड़े को घने पेड़ की छाया में बाँध दिया। इसके बाद राजकुमार भी गहरी नींद में सो गया।

There was a prince. He was expert in fencing sword and arrows. One day he went for hunting to the forest riding on his horse. When he reached the forest, the sun was shining brightly. Being tired his horse began to pant. The Prince tied the horse under the shade of a dense tree. After this, the prince also slept in sound sleep.

EXERCISE-20 (Page B-178)

मैं जैसे ही रेलवे प्लेटफार्म पर पहुँचा, ट्रेन चल दी। मैंने देखा कि एक आदमी ट्रेन की ओर दौड़ रहा है। मैं समझ गया कि वह चलती ट्रेन पर चढ़ना चाहता है। मैंने उसे ऐसा करने से रोका किंतु उसने मेरी बात नहीं सुनी। उसने ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश की और वह ट्रेन के नीचे गिर गया। ड्राईवर ने ट्रेन रोकी किंतु वह अभागा व्यक्ति ट्रेन के नीचे कुचल चुका था। हमें चलती ट्रेन पर चढ़ने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

As soon as I reached the railway platform, the train left. I saw that a man was running towards the train. I understood that he wanted to climb on the moving train. I prevented him from doing so but he

didn't listen to me. He tried to get on the train and he fell under the train. The driver stopped the train but the unfortunate man was run over by the train. We should not try to get on a moving train.

EXERCISE-21 (Page B-178)

अकबर बहुत ईमानदार और शान्तिप्रिय बादशाह था। वह सचमुच महान था। यद्यपि वह पढ़ा लिखा नहीं था फिर भी वह कला का बड़ा प्रेमी था। वह विद्वानों का बहुत आदर करता था। न वह मोटा था और न दुबला-पतला। उसकी आँखें छोटी थी किंतु तीखी और चमकदार थी। वह स्वभाव से दयालु था परन्तु क्रोध में भयंकर हो जाता था।

Akbar was an honest and peace-loving king. He was really great. Although he was not educated yet he was a lover of art. He respected the scholars. Neither he was fat nor lean and thin. His eyes were small but sharp and bright. He was kind by nature but he became furious in anger.

EXERCISE-22 (Page B-178)

एक राजा था। एक बार उसके राज्य में सूखा पड़ा। पानी की कमी के कारण हाथियों का एक झुण्ड परेशान था। उनके छोटे बच्चे प्यास से मर रहे थे। पानी की खोज में वे अपने मुखिया हाथी के पीछे दक्षिण दिशा की ओर चल पड़े। भाग्यवश उन्हें एक बड़ी झील मिल गई। सभी ने खूब नहाया और पानी पिया। परंतु झील के किनारे रहने वाले खरगोशों को हुई कठिनाइयों के कारण उन्हें वहाँ से अन्यत्र जाना पड़ा।

There was a king. Once there was a drought in his state. A flock of elephant was disturbed due to the shortage of water. Their younger calves were dying of thirst. In search of water, they went to the south behind their chief elephant. Fortunately they found a big lake. All bathed a lot and drank water. But they had to move to other places due to the difficulties caused to the rabbits living near the bank of the lake.

EXERCISE-23 (Page B-178)

आज 15 अगस्त है। भारत को स्वतंत्र हुए पैंसठ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। सभी भारतवासी आज स्वतंत्रता की 65वीं जयंती मना रहे हैं। पूरे देश में सभी सरकारी इमारतों पर हमारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया है। हमारे स्कूल में भी तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। हमारे प्रधानाचार्य झंडा फहराएँगे और सलामी देंगे। उसके बाद सभी छात्र एक स्वर में राष्ट्रगान गाएँगे। लगता है हमें मिठाइयाँ भी बाँटी जाएँगी।

It is 15 August today. India had completed sixty five years of independence. All the Indians are celebrating sixty fifth anniversary of independence today. Our national flag has been hoisted on all government buildings across the country. The tricolor will also be hoisted in our school. Our principal will unfurl the flag and salute it . After that all the students will recite the National Anthem. It seems that sweets will also be distributed among us.